सूर्योदय : 5:28
सूर्यास्त : 6:38
अधिकतम तापमान : 34.0
न्यूनतम : 28.0

RNI NO : UPHIN/2010/31173

डाक पंजीकरण संख्या: SSP/LW/NP-422/2014-2016

वर्ष-18 अंक-332 पेज-16

मूल्य : 3 रुपया

लखनऊ, मंगलवार, 27 मई 2025

28 जिकाद 1446 हिजरी

हिन्दी दैनिक

अवधनामा

www.avadhnama.com

प्रधानमंत्री ने दाहोद में 24,000 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का किया शिलान्यास

आपरेशन सिंदूर आतंकवाद को खत्म करने का मिशन

- आतंकवाद के खिलाफ हमारी नीति जीरो टॉलरेंस की है
- देश ने दशकों पुरानी बेड़ियों को तोड़ा है : प्रधानमंत्री

दाहोद। प्रधानमंत्री मोदी ने दाहोद में करीब 24,000 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने वेरावल और अहमदाबाद के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस और वलसाड और दाहोद स्टेशनों के बीच एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान उन्होंने विशाल जनसभा को संबोधित भी किया।

पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ हमारी नीति जीरो टॉलरेंस की है। ऑपरेशन सिंदूर ने हमारी नीति को बिल्कुल स्पष्ट कर दिया। जो भी हमें खून बहाएगा, उसे इसी तरह का जवाब मिलेगा। किसी भी कीमत पर उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर मानवता को बचाने और आतंकवाद को खत्म करने का मिशन है। उन्होंने कहा कि हमने 15 दिन तक इंतजार किया कि पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ कोई कदम उठाएगा या नहीं, लेकिन शायद आतंकवाद ही उनकी रोजी-रोटी है। जब उन्होंने कुछ नहीं किया, तो मैंने अपने सशस्त्र बलों को खुली छूट दे दी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अपना तिरंगा झुकना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि ये क्षेत्र मां भारती की, मानवता की रक्षा के लिए हमारे तप और त्याग को दर्शाता है। सोचिए, जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने जो कुछ किया, क्या भारत चुप बैठ सकता है? क्या मोदी चुप बैठ सकता है? अगर कोई हमारी बहनों के सिंदूर को मिटाएगा, तो उसका भी मिटना तय हो जाता है। इसलिए ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं है। ये हम भारतीयों के संस्कारों और हमारी भावनाओं की अभिव्यक्ति है। आतंकवादियों ने 140 करोड़ भारतीयों को चुनौती दी थी।

पीएम मोदी ने भुज को दी 53 हजार करोड़ की सौगात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भुज में आयोजित विभिन्न विकास परियोजनाओं के शिलान्यास और लोकार्पण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान पीएम मोदी ने 53,400 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। बिजली क्षेत्र की परियोजनाओं में खावड़ा अक्षय ऊर्जा पार्क में उत्पादित अक्षय ऊर्जा की निकासी के लिए ट्रांसमिशन परियोजनाएं, ट्रांसमिशन नेटवर्क विस्तार और तापी में एक अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट इकाई शामिल हैं। इनमें कांडला बंदरगाह और गुजरात सरकार की कई सड़क, जल और सौर परियोजनाएं भी शामिल हैं।

मोदी के स्वागत में पहुंचा कर्नल सोफिया कुरैशी का परिवार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑपरेशन सिंदूर के बाद गुजरात पहुंचने पर भव्य स्वागत हुआ। वडोदरा में भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी के परिवार ने भी शिरकत की। पीएम मोदी ने परिवार का अभिवादन स्वीकार किया। पूर्व विधायक सीमा मोहिले के साथ परिवार ने पीएम मोदी पर फूल बरसाए। पीएम मोदी के वडोदरा में स्वागत के लिए कर्नल सोफिया कुरैशी की माता-पिता के साथ उनके भाई और बहन पहुंचे। सात मई को ऑपरेशन सिंदूर के बाद कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह इसकी आवाज बनी थीं।

देश में कोरोना के 1010 एक्टिव केस

नौ की मौत, चार नए वैरिएंट की पुष्टि

नई दिल्ली। देश में एक बार फिर कोरोना संक्रमण के मामलों में इजाफा देखने को मिल रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, फिलहाल देशभर में 1010 एक्टिव केस हैं। इनमें से सबसे अधिक 430 मामले केरल में दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा महाराष्ट्र में 209, दिल्ली में 104, गुजरात में 83, कर्नाटक में 47 और उत्तर प्रदेश में 15 मरीज सामने आए हैं। अब तक कोरोना के कारण देश में 9 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें राजस्थान के जयपुर में सोमवार को दो, महाराष्ट्र में चार, कर्नाटक में एक और केरल में दो मरीजों की मौत शामिल है। मरने वालों में कई लोग पहले से गंभीर बीमारियों से पीड़ित थे।

चुनाव की वजह से किया जा रहा ड्रामा

तेज प्रताप की पत्नी ने लालू परिवार पर लगाए गंभीर आरोप

पटना। तेज प्रताप यादव की सोशल मीडिया पोस्ट के बाद उठा सियासी तूफान थमने का नाम नहीं ले रहा है। लालू परिवार एक बार फिर से मुश्किलों में फंसता नजर आ रहा है। तेज प्रताप की पत्नी ऐश्वर्या ने लालू परिवार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि ये सब चुनाव को लेकर ड्रामा किया जा रहा है। लालू परिवार पर गंभीर आरोप लगाते हुए तेज प्रताप यादव की पत्नी ऐश्वर्या राय ने कहा कि मेरी जिंदगी क्यों बर्बाद की गई? मुझे क्यों पीटा गया? अब अचानक उनमें सामाजिक जागृति आ गई है। वे सब एक हैं। वे अलग नहीं हुए हैं... चुनाव नजदीक हैं, इसलिए उन्होंने ऐसा कदम उठाया और यह ड्रामा किया जा रहा है। ऐश्वर्या राय ने कहा कि सबको पता है कि क्या हुआ। अगर उन्हें (लालू प्रसाद यादव के परिवार को) सब पता था तो उन्होंने मुझसे उसकी शादी क्यों करवाई? मेरी जिंदगी क्यों बर्बाद की गई? मुझे अपने तलाक की जानकारी मीडिया से मिली। मुझे जो भी जानकारी मिली, वह सब मीडिया के जरिए मिली... मुझे नहीं पता था कि क्या हो रहा है... उनसे पूछिए, मेरी जिंदगी बर्बाद करने की क्या जरूरत थी? जब मुझे पीटा गया, तब उनका सामाजिक न्याय कहां था? ऐश्वर्या ने कहा कि वे हर चीज का दोष मुझ पर मढ़ते हैं। अब जब यह बात सामने आ गई है, तो उसका 12 साल से अफेयर चल रहा है और महिला को दोषी ठहराना सबसे आसान है। मुझे कब न्याय मिलेगा? मैं अपनी लड़ाई जारी रखूंगी। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने रविवार को अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी से 6 वर्षों के लिए निष्कासित करने की घोषणा की थी। तेज प्रताप की अनुष्का यादव के साथ एक निजी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यह सख्त कदम उठाया था। लालू यादव ने इस फैसले की पुष्टि करते हुए कहा, निजी जीवन में नैतिक मूल्यों की अवहेलना हमारे सामाजिक न्याय के लिए सामूहिक संघर्ष को कमजोर करती है।

ज्योति मल्होत्रा को 14 दिन के लिए भेजा जेल

हिसार। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार ज्योति को हिसार पुलिस पेशी के लिए हिसार कोर्ट लेकर पहुंची थी। ज्योति मल्होत्रा को सिविल जज सुनील कुमार की अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। जानकारी के मुताबिक ज्योति को हिसार की सेंट्रल जेल नंबर 2 में रखा जाएगा। यह महिलाओं की जेल है। पेशी के दौरान कोर्ट के अंदर के गेट बंद कर दिए गए थे और भारी पुलिसबल को मौके पर तैनात किया गया था। ज्योति को इससे पहले पांच दिन और दूसरी बार चार दिन के रिमांड पर लिया गया था। रविवार शाम को चार दिन का रिमांड खत्म होने के बाद ज्योति को कोर्ट में पेश किया गया। ज्योति को सुबह ही कोर्ट में पेश किए जाने के कयास लगाए जा रहे थे लेकिन पुलिस ज्योति को करीब साढ़े तीन बजे कोर्ट में लेकर पहुंची। आज यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि हिसार एसपी शशांक कुमार ज्योति की कोर्ट में पेशी के बाद प्रेसवार्ता भी कर सकते हैं।

पाक में आतंकवाद खुला व्यापार : जयशंकर

- भारत-पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध की आशंका पर जयशंकर की अहम टिप्पणी

परमाणु युद्ध की आशंका को किया खारिज

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पाकिस्तान पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा है कि वहां आतंकवाद एक खुला व्यापार बन चुका है, जिसे वहां की सरकार और सेना का समर्थन मिलता है। उन्होंने ये बातें जर्मनी के एक अखबार को दिए एक इंटरव्यू में कही है। जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान के शहरों और कस्बों में आतंकवादी संगठन खुलेआम काम कर रहे हैं और यह बात किसी से छिपी नहीं है।

उन्होंने कहा, संयुक्त राष्ट्र की आतंकी सूची में दर्जनों पाकिस्तानी नाम और स्थान हैं, और इन्हीं जगहों को भारत ने अपने जवाबी हमलों में निशाना बनाया। इस दौरान जब जयशंकर से पूछा गया कि भारत-पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव के दौरान दुनिया एक परमाणु युद्ध से कितनी दूर थी, तो उन्होंने हैरानी जताते हुए कहा, बहुत, बहुत दूर। मुझे तो आपके इस सवाल पर ही हैरानी है। उन्होंने कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच कोई भी हालिया झड़प कभी भी परमाणु स्तर तक नहीं पहुंची। उन्होंने कहा, हमारे क्षेत्र में जो भी होता है, उसे तुरंत परमाणु खतरे से जोड़ना एक गलत सोच है। इससे आतंकवाद जैसी गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया और 7 मई को पाकिस्तान में मौजूद नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए। इसके बाद 8, 9 और 10 मई को पाकिस्तान ने भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की, लेकिन भारत ने सख्त जवाब दिया। इसे लेकर जयशंकर ने कहा, हमने आतंकवादियों को साफ संदेश दिया कि ऐसे हमलों की कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने यह भी बताया कि पाकिस्तान की ओर से फायरिंग शुरू हुई थी, जिसके जवाब में भारत ने आत्मरक्षा में कार्रवाई की। इसके बाद जब पाकिस्तान को लगा कि उनका नुकसान हो रहा है, तो फायरिंग रुक गई। जयशंकर ने दावा किया कि भारत ने पाकिस्तान के प्रमुख एयरबेस और एयर डिफेंस सिस्टम को निशाना बनाकर उन्हें अपंग कर दिया। इसके बाद पाकिस्तान को ही युद्धविराम के लिए पहल करनी पड़ी। उन्होंने कहा, इस संघर्ष को रोकने के लिए मैं भारतीय सेना का धन्यवाद करता हूं, क्योंकि उनकी कार्रवाई के बाद ही पाकिस्तान पीछे हटा।

मुंबई में बारिश ने तोड़ा सदी का रिकॉर्ड

आफत की बारिश : मेट्रो स्टेशन पानी से लबालब, 250 से ज्यादा उड़ानें प्रभावित

पानी-पानी हुई मुंबई मेट्रो

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में मानसून समय से 16 दिन पहले पहुंचने के साथ मई में सर्वाधिक बारिश का 107 वर्ष का रिकॉर्ड टूट गया। भारी बारिश से मध्य रेलवे की हार्बर लाइन पर लोकल ट्रेन सेवाएं बाधित रहीं और कई इलाकों में सड़कों पर पानी भरने से हजारों लोग जहां-तहां फंसे रहे।

वर्ली में नवनिर्मित भूमिगत मेट्रो स्टेशन पर पानी भर जाने से एक्वा लाइन पर सेवाएं बंद करनी पड़ीं। 250 से ज्यादा उड़ानें प्रभावित होने की भी सूचना है। मुंबई के अलावा ठाणे, पालघर, रायगढ़ और रत्नागिरी जिलों में भी बारिश ने खासी तबाही मचाई। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एमएमआरसी) को भूमिगत आचार्य अत्रे चौक स्टेशन पर पानी भरने की सूचना मिलने के बाद परिचालन स्थगित करना पड़ा। मेट्रो स्टेशन के अंदर जलभराव से 33 किलोमीटर लंबे कोलाबा-बीकेसी-आरे जेवीएलआर भूमिगत मेट्रो कॉरिडोर पर भूमिगत मेट्रो स्टेशन के निर्माण की गुणवत्ता एवं मानसून की तैयारियों को लेकर चिंताएं पैदा हो गई हैं। एमएमआरसी ने एक बयान में कहा, आज अचानक और तीव्र बारिश के कारण, डॉ. एनी बेसेंट रोड पर आचार्य अत्रे चौक स्टेशन के निर्माणाधीन प्रवेश/निकास ढांचे में पानी का रिसाव हुआ। यह घटना तब हुई जब प्रवेश/निकास पर निर्मित आरसीसी जल-अवरोधक दीवार पास से अचानक पानी के प्रवेश के कारण ढह गई। इसने कहा कि एहतियाती उपाय के तौर पर तथा यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वर्ली और आचार्य अत्रे चौक के बीच ट्रेन सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गई हैं। हालांकि, आरे जेवीएलआर से वर्ली तक की सेवाएं प्रभावित नहीं हैं और नियमित रूप से जारी हैं।

एमएमआरसी ने नौ मई को बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स और आचार्य अत्रे चौक स्टेशनों के बीच भूमिगत मेट्रो सेवाओं का विस्तार किया था। व्यापक रूप से प्रसारित वीडियो में स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, टिकट खिड़की और आसपास के क्षेत्रों में जलभराव दिखता है। एक वीडियो में एस्केलेटर पर बारिश का पानी रिसता हुआ नजर आ रहा है, जबकि स्टेशन के अंदर मलबा व कुछ उपकरण बिखरे नजर आए।

मेट्रो लाइन 3 मुंबई की पहली पूरी तरह भूमिगत मेट्रो लाइन है और वर्तमान में चरणबद्ध तरीके से इसका निर्माण कार्य हो रहा है।

अब मृतक शिक्षकों के परिजनों को मिलेगी डेथ ग्रेच्युटी

प्रदेश सरकार का बड़ा फैसला

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने सहायता प्राप्त अशासकीय (एडेड) महाविद्यालयों के मृतक शिक्षकों के परिजनों को बड़ी राहत दी है। सेवाकाल में मृत्यु होने की स्थिति में शिक्षकों के परिजनों को मृत्यु उपादान (डेथ ग्रेच्युटी) का भुगतान शासनादेश के अनुरूप किया जाएगा। कैबिनेट की हरी झंडी के बाद इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग ने शासनादेश जारी कर दिया है। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि एडेड महाविद्यालयों के ऐसे शिक्षक जिन्होंने सेवानिवृत्ति का विकल्प नहीं दिया था और उनकी मृत्यु 58 वर्ष की आयु से पहले हो गई तथा वे शिक्षक जिन्होंने 60 वर्ष पर सेवानिवृत्ति का विकल्प भरा था, किंतु विकल्प परिवर्तन की निर्धारित अवधि से पहले ही उनका निधन हो गया। इन मामलों में उनके परिजनों को डेथ ग्रेच्युटी दिए जाने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि 03 फरवरी 2004 के बाद के उन मामलों में भी डेथ ग्रेच्युटी दी जाएगी जिनमें शिक्षकों ने सेवानिवृत्ति का विकल्प नहीं चुना।

मणिपुर : सुरक्षाबलों की संयुक्त अभियान में 13 उग्रवादी गिरफ्तार

भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल। भारतीय सेना और असम राइफल्स ने पिछले एक सप्ताह में मणिपुर के विभिन्न हिस्सों में संयुक्त अभियान चलाए। ये अभियान मणिपुर पुलिस, बीएसएफ, सीआरपीएफ और आईडीबीपी के समन्वय से चलाए गए। इसमें विभिन्न संगठनों के 13 उग्रवादी गिरफ्तार और भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए।

भारतीय रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने कोहिमा में बताया ये अभियान कांगपोकपी, सेनापति, इंफाल ईस्ट, इंफाल वेस्ट और थौबल जिलों में विशिष्ट जानकारी के आधार पर अभियान चलाए। प्रवक्ता ने बताया कि 19 मई को इंफाल वेस्ट जिले के फायेंग क्षेत्र में किए गए ऑपरेशन में एक 7.62 मिमी सेल्फ लोडिंग राइफल, एक .303 राइफल, तीन 9 मिमी पिस्तौल, गोलाबारूद और युद्ध-सामग्री बरामद की गई। इसी तरह से 20 को मई कांगपोकपी जिले के फोलजंग-टिंगखाई गांव क्षेत्र में हथियार और युद्ध-सामग्री की मौजूदगी की जानकारी मिलने पर, असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में 14 हथियारों की बरामदगी की, जिनमें एक एसएलआर, एक डबल बैरल ब्रिच लोडिंग शॉटगन, दो बोल्ट एक्शन राइफल, पांच इम्प्रोवाइज्ड मोर्टार, चार पुल मैकेनिज्म राइफल, गोलाबारूद औरयुद्ध-सामग्री शामिल हैं। 24 मई को सेनापति जिले के मारेनमाई क्षेत्र में असम राइफल्स द्वारा चलाए गए तलाशी अभियान में तीन बोल्ट एक्शन सिंगल बैरल राइफल और एक इम्प्रोवाइज्ड मोर्टार (पोम्पी) बरामद हुई।

अमेठी से रिश्ता संघर्ष और सम्मान का है : स्मृति ईरानी

- स्मृति के स्वागत में उमड़ा जनसैलाब
- अमेठी आज बदल चुकी है

अमेठी। लोकसभा चुनाव में हार के लगभग एक वर्ष बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी सोमवार को पहली बार अमेठी पहुंचीं। गौरीगंज के रणंजय इंटर कॉलेज मैदान में आयोजित पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी स्मृति गोष्ठी और पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अमेठी से मेरा रिश्ता खून का नहीं, संघर्ष और सम्मान का है। स्मृति ने कहा कि मैं खुद को पूर्व सांसद नहीं मानती। मैं आज भी अमेठी की स्मृति हूं।

उन्होंने अपने कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि अमेठी में एके-203 राइफल फैक्ट्री, कोका-कोला प्लांट, सैनिक स्कूल, मेडिकल कॉलेज और औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना हुई। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने बताया कि सांसद के रूप में मिलने वाली पेंशन उन्होंने राष्ट्रीय रक्षा कोष में समर्पित कर दी है ताकि शहीदों के परिवारों को सहायता मिल सके। अपने कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाते हुए उन्होंने बताया कि अमेठी में एके-203 राइफल फैक्ट्री, कोका-कोला प्लांट, सैनिक स्कूल, मेडिकल कॉलेज और औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना हुई। उन्होंने कहा कि अमेठी आज बदल चुकी है, यह फैक्ट्रियों और संभावनाओं की धरती बनी है। उन्होंने रानी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन से प्रेरणा लेते हुए कहा कि महिलाओं ने गांव-गांव जाकर स्वयं सहायता समूह बनाए हैं। उन्होंने पंचायतों को लोकतंत्र की सबसे मजबूत इकाई बताते हुए कहा कि मोदी सरकार ने पंचायतों का बजट 70 हजार करोड़ से बढ़ाकर ढाई लाख करोड़ कर दिया है। उन्होंने कहा कि अमेठी का कार्यकर्ता संगठन के प्रति समर्पित है और यही संस्कार अमेठी की पहचान है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह अमेठी के विकास और सम्मान के लिए हमेशा तत्पर रहेंगी।

सौगात — बेसिक शिक्षा की नई योजनाओं का शुभारंभ

बेसिक शिक्षा राष्ट्र निर्माण की नींव : योगी

- मुख्यमंत्री ने बेसिक शिक्षा विभाग की 3,300 करोड़ की अभिनव परियोजनाओं का किया लोकार्पण

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेसिक शिक्षा को समाज और राष्ट्र की आधारशिला बताते कहा कि यह बच्चों के भविष्य को संवारने का सबसे मजबूत हथियार है। सोमवार को लोकभवन सभागार में बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित एक भव्य कार्यक्रम उन्होंने 3300 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शुभारंभ किया।

सीएम योगी ने शिक्षा के क्षेत्र में पिछले आठ वर्षों में हुए अभूतपूर्व बदलावों की सराहना की और भविष्य के लिए बेसिक शिक्षा परिषद के कार्यों के एक नए मॉडल की रूपरेखा प्रस्तुत की। सीएम योगी ने कहा कि ऑपरेशन कायाकल्प, मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय और निपुण आकलन जैसे कार्यक्रमों के साथ उत्तर प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में एक नया इतिहास रच रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेसिक शिक्षा परिषद के अंतर्गत प्रदेश के 139 उच्चीकृत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के नवनिर्मित भवनों व अतिरिक्त डॉरमेट्री का लोकार्पण किया। साथ ही सीएम योगी ने 43 मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालयों एवं 66 मुख्यमंत्री अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालयों का शिलान्यास भी किया। इस दौरान उन्होंने ड्रेस, स्वेटर, स्कूल बैग, जूता-मोजा एवं स्टेशनरी क्रय हेतु प्रति छात्र-छात्रा 1,200 की धनराशि उनके अभिभावक के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित किया। उन्होंने बीएड और एमएड के छात्रों को निपुण आकलन कार्यक्रम में शामिल करने का सुझाव दिया, ताकि उन्हें फील्ड अनुभव मिले और वे स्मार्ट क्लास और डिजिटल लाइब्रेरी जैसी आधुनिक सुविधाओं से परिचित हो सकें। सीएम योगी ने कहा कि यह उनके लिए एक नया अनुभव होगा और शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाएगा। सीएम योगी ने समर कैंप को बच्चों के समग्र विकास का माध्यम बताते हुए इसमें खेल, संगीत, नृत्य, नाटक और योग जैसी गतिविधियों को शामिल करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए हर विद्यालय में अभी से प्रशिक्षण शुरू हो।

प्रदेश की हर विधानसभा में बनेंगे कंपोजिट विद्यालय

मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेश के 43 सीएम मॉडल कंपोजिट विद्यालय के शिलान्यास का जिक्र करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश शिक्षा का एक नया मॉडल देने जा रहा है। एक ऐसा कैंपस जहां प्री-प्राइमरी, आंगनबाड़ी भी होगा। यहां प्री प्राइमरी से 12वीं तक की पढ़ाई एक छत के नीचे होगी। 10 से 15 एकड़ में बनने वाले इन विद्यालयों की लागत लगभग 25-30 करोड़ होगी। उन्होंने कहा कि इन स्कूलों को अटल आवासीय विद्यालयों की तर्ज पर एक मॉडल के रूप में चलाया जाएगा। यहां साइंस, मैथ्स, कंप्यूटर लैब, कौशल विकास केंद्र, स्टेडियम और मल्टीपर्पज हॉल भी होगा। अभी हर जिले में दो-दो विद्यालय दिए गए हैं।

कोई बच्चा अब सिर्फ संसाधनों की कमी से शिक्षा से वंचित न रह जाएः नितिन अग्रवाल

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में मुख्यमंत्री द्वारा बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यक्रमों का शुभारम्भ व लोकार्पण समारोह की लाइव स्ट्रीमिंग देखी और सुनी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ जिले के प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने विधायक योगेश वर्मा, विनोद शंकर अवस्थी, डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, सीडीओ अभिषेक कुमार के साथ दीप जलाकर किया प्रभारी मंत्री ने डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल व अन्य जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में पांच शिक्षकों को टैबलेट और 02 निपुण विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कस्तूरबा विद्यालय की छात्राओं को स्टेशनरी किट और दिव्यांग बच्चों को विशेष शैक्षिक किट वितरित कर शिक्षा में समावेशन और तकनीकी सहयोग का सशक्त संदेश दिया। परिषदीय विद्यालय की छात्राओं द्वारा बनाई रंगोली आकर्षण का केंद्र रही। वहीं, एक छात्रा द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने सभी का मन मोह लिया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि बदलते उत्तर प्रदेश की तस्वीर आज हमारे परिषदीय विद्यालयों में साफ नजर आती है। जिन स्कूलों को कभी सुविधाओं की कमी से जोड़ा जाता था, आज वही स्कूल नवाचार, समावेशन और गुणवत्ता के प्रतीक बनते जा रहे हैं। सरकार ने तय किया कि हर बच्चा सम्मान के साथ पढ़े। इसलिए ड्रेस, किताबें, जूते, मोजे और बैग के लिए ?1200 की राशि सीधे अभिभावकों के खातों में भेजी जा रही है। यह केवल एक रकम नहीं, बल्कि विश्वास का प्रतीक है कि कोई बच्चा अब सिर्फ संसाधनों की कमी से शिक्षा से वंचित न रह जाए। आठ साल पहले के हालात और आज के हालात में जमीन-आसमान का फर्क है। अब माता-पिता अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूल से निकालकर सरकारी स्कूल में दाखिला दिला रहे हैं। ऑपरेशन कायाकल्प, मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय और निपुण आकलन जैसे कार्यक्रमों के साथ उत्तर प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में एक नया इतिहास रच रहा है।प्रभारी मंत्री ने डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की अभिनव पहल 'मिशन मैदान' की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा किइस पहल ने सिद्ध कर दिया है कि जब शिक्षा को खेल, स्वास्थ्य और अनुशासन के सूत्र में पिरोया जाए, तो सिर्फ अकादमिक उपलब्धि ही नहीं, बल्कि बच्चों का संपूर्ण विकास सुनिश्चित होता है। 'मिशन मैदान' ने लखीमपुर को निपुणता की दौड़ में आगे पहुंचाया है और अब यह रोल मॉडल हरदोई जैसे जिलों में भी लागू होगा।

चोरों के सामने पस्त होती दिख रही है पुलिस

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। थाना नीमगांव पुलिस चोरों के सामने पस्त होती दिख रही है पुलिस अफसरों की तमाम कोशिशों के बाद भी उसका चोरों पर कोई जोर नहीं चल पा रहा है। पुलिस को खुली चुनौती देते हुए चोरों ने रविवार की रात गांव प्रतापुरवा के पांच घरों को निशाना बनाया।

दो घरों से चोर 30 हजार की नकदी समेत करीब पांच लाख के सोने-चांदी के जेवर व अन्य सामान बटोर ले गए, जबकि तीन घरों में चोरी का असफल प्रयास किया गया रविवार की रात चोरों ने प्रतापपुर गांव में धावा बोल दिया। गांव निवासी रहमान पुत्र हजरत अली के घर से चोर बक्सों में रखी 20 हजार रुपये की नकदी व करीब तीन लाख रुपये के जेवर चोरी कर ले गए। पड़ोस में ही उनके भाई रिजवान पुत्र हसरत के घर को निशाना बनाते हुए 10000 की नगदी व करीब 2 लाख के जेवरों पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ितों ने बताया कि वह रोज की तरह रविवार की रात भी अपने घरों में सो रहे थे। सुबह जब सोकर उठे तो कमरों में बिखरा सामान देख कर उनके पैरों तले की जमीन मानो खिसक गई बक्सों और अलमारियों के ताले टूटे पड़े थे।

चोरों ने गांव के ही एक राम पुत्र रफी के मकान के दक्षिण दिशा में लगे विंडो को तोड़कर घर में घुसकर लाकर वह कमरों के ताले तोड़ने का प्रयास किया गया, लेकिन असफल रहने रहे। चोरों ने बाबूराम पुत्र स्वामी दयाल की छत पर चढ़ने के लिए रखी सीढी को उठाकर पड़ोसी महेश के मकान के पीछे सीढ़ी लगा दी और छत पर चढ़ गए महेश ने बताया कि वह परिवार के लोग छत पर सो रहे थे, जिस कारण चोर घटना को अंजाम देने में असफल रहे।

एक ही रात दो घरों में चोरी और तीन घरों में चोरी के प्रयास की जानकारी होते ही पूरे गांव में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना किया है।

पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी पर भव्य आयोजन

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी अभियान के तहत जिला पंचायत सभागार में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिले के प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने विधायक योगेश वर्मा, जिला प्रभारी वासुदेव मौर्य, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह, डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, सीडीओ अभिषेक कुमार व डीसीबी चेयरमैन विनीत मनार संग दीप प्रज्वलन कर किया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि रानी अहिल्याबाई का जीवन त्याग, शौर्य, सेवा और जनकल्याण की प्रेरणादायी गाथा है। वे न्याय, धर्म और नारी शक्ति की प्रतीक थीं। उनकी न्याय प्रणाली आज भी उदाहरण के रूप में दी जाती है।

उन्होंने महिलाओं को सशक्त बनाने का कार्य किया और समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाने के लिए ठोस प्रयास किए। कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार भी मातृशक्ति को समर्पित भाव से कार्य कर रही है। लोकमाता अहिल्याबाई का जीवन हर भारतीय के लिए अनुकरणीय है–ऐसी वीरांगना का नेतृत्व देश और विश्व के लिए प्रेरणा स्रोत है कार्यक्रम की शुरुआत में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह, जिला प्रभारी वासुदेव मौर्य, भाजपा जिला अध्यक्ष सुनील सिंह सहित जनप्रतिनिधियों ने लोकमाता अहिल्याबाई के जीवन, कृतित्व और सामाजिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष संतोष कुमारी, कार्यक्रम संयोजक बृजेश सिंह, परियोजना निदेशक एसएन चौरसिया, डीडीओ दिनकर विद्यार्थी, डीपीआरओ विशाल सिंह, अपर मुख्य अधिकारी जागन सिंह मौजूद रहे।

अन्तर्राज्जीय वाहन चोर गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार, पांच बाईके बरामद

सहारनपुर। (अवधनामा संवाददाता) थाना चिलकाना पुलिस ने अन्तर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जबकि दो आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में कामयाब रहे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की 05 बाईके बरामद कर उनका चालान काटकर जेल भेज दिया। थाना चिलकाना प्रभारी चन्द्र सैन सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत् 24 मई को वादी इरफान पुत्र गफूर निवासी ग्राम पटना उर्फ नया बांस थाना चिलकाना की तहरीर पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ वादी की बाईक चोरी कर ले जाने के सम्बन्ध में थाना चिलकाना पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था। श्री सैनी ने बताया कि आज उनके व उपनिरीक्षक अंकित कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने चिलकाना गन्देवड़ा रोड पर बन्द पड़े जैन भट्टे के पास कच्चे रास्ते पर चैकिंग के दौरान अन्तर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह के दो आरोपी हुसैन उर्फ बोलर पुत्र कुर्बान निवासी ग्राम पठेड़ थाना चिलकाना व तैय्यब उर्फ सोनी पुत्र अख्तर निवासी संगमौर थाना चिलकाना को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे व निशानदेही पर चोरी की 5 बाईके बरामद की गई। श्री सैनी ने बताया कि चैकिंग के दौरान दो आरोपी अन्धेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार होने में कामयाब रहे। पुलिस ने दबोचे गये आरोपियों का चालान काटकर जेल भेज दिया।

देश के विकास की पहली सीढी शिक्षाः प्रभारी मंत्री

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालय में शिक्षण अधिक सुचारु से कराए जाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम का लोकार्पण एवं उद्घाटन लोक भवन लखनऊ से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया गया। इसके तहत स्कूल चलो अभियान, बेहतर शिक्षा एवं उन्नत भविष्य के दृष्टिगत डीबीटी के माध्यम से अभिभावकों का सम्मान, उत्तर प्रदेश निपुण प्रदेश के संबंध में भी जानकारी दी गयी। मुख्यमंत्री ने कक्षा तीन से 12 के लिए निपुण प्लस का बटन दबाकर उद्घाटन, 139 उच्चीकृत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के भवन का लोकार्पण, 43 मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय तथा 66 अभ्युदय विद्यालयों का उद्घाटन किया। जनमंच सभागार में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के मंत्री तथा प्रभारी मंत्री सुनील कुमार शर्मा की अध्यक्षता में कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया। जिसके अनुक्रम में जनपद में 149310 छात्र-छात्राओं को डीबीटी स्थानांतरण के रूप में अभिभावकों के खातों में 1200 रुपए दो जोड़ी

यूनिफॉर्म, जूता मोजा, स्कूल बैग, स्टेशनरी क्रय करने के लिए अंतरित किए गए। 40 विद्यालयों को स्मार्ट टीवी पैनल वितरण, समर कैंप को प्रभावशाली तरीके से संचालित कर रहे पांच आदर्श शिक्षकों का सम्मान, 454 विद्यालयों को टैबलेट वितरण, जनपद में बेहतर कार्य कर रहे खंड शिक्षा अधिकारी सुरेश त्यागी को सम्मानित किया गया। प्रभारी मंत्री को जिलाधिकारी मनीष बंसल ने काष्ठ की बनी गणेश जी की प्रतिमा भेंट की। जनमंच परिसर में बेसिक शिक्षा विभाग की प्रदर्शनी का अतिथियों द्वारा अवलोकन किया गया। प्रदर्शनी में विभिन्न पटलो से संबंधित सामग्री यथा गणित किट, विज्ञान किट, वंडर बॉक्स, चहक किट, सहायक शिक्षण सामग्री, दिव्यांग बच्चो हेतु विभिन्न शिक्षण सामग्री, कक्षा 1 से 8 तक की समस्त पाठ्य पुस्तक आदि का प्रदर्शन किया गया। साथ ही बच्चो के साथ सेल्फी भी मुख्य अतिथि द्वारा ली गई। प्रभारी मंत्री ने कहा कि किसी भी देश के विकास की पहली सीढी शिक्षा ही होती है। शिक्षक सहित अन्य सभी भर्तियां बिना भेदभाव एवं पारदर्शिता के साथ की जा रही है। राज्यमंत्री लोक निर्माण विभाग कुंवर बृजेश सिंह ने शिक्षक-शिक्षिकाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आप सभी को बेहतर तरीके से बच्चों को शिक्षित करना है तथा उनके सामने शिक्षण में आ रहे चुनौतियों को बेहतर तरीके से समाप्त कर बच्चों के शिक्षण को प्रभावी रूप से संचालित करना है। विधायक नगर राजीव गुम्बर ने कहा कि मुख्यमंत्री के प्रयासों से शिक्षा का स्तर सुधरा है। कायाकल्य योजना के तहत विद्यालयों में आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। विधायक नकुड़ मुकेश चौधरी ने गांव ढकदेवी एवं जुड्डी के शिक्षकों की सराहना कर सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए गये कार्यो के लिए सरकार का धन्यवाद दिया।

शहीद व्यापारी स्व.हरीश चंद्र को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

सहारनपुर। (अवधनामा संवाददाता) अखिल भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की जिला व महानगर इकाई ने आज शहीद व्यापारी स्व.हरीश चंद्र अग्रवाल की पुण्य तिथि पर उनको भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

व्यापार मण्डल के जिला अध्यक्ष अनित गर्ग ने श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए कहा कि व्यापारियों के हितों के लिए चलाये गये आंदोलन के दौरान स्व.हरीश चंद्र की शहादत हुई थी। उसके बाद से ही व्यापारियों का व्यापार करना आसान हो गया था। उन्होंने कहा कि पहले किसी भी विभाग का चपरासी भी आ जाता था, तो व्यापारी को दुकान छोड़कर भागना पड़ता था। आज व्यापारी खुलकर अपने व्यापार को कर पा रहा है, उसके पीछे उनकी शहादत का बहुत बड़ा योगदान है। व्यापारी नेता हर्ष डाबर, केतन विरमानी व गुरमेहर सिंह ने भी स्व.हरीश चंद्र की शहादत को नमन किया और व्यापारियों को उनसे प्रेरणा लेकर अपना व्यापार सुगमता से करने की अपील की। सभा में जिला उपाध्यक्ष शशांक भाटिया, महानगर वरिष्ठ महामंत्री रजत मित्तल, महामंत्री तरनजीत सिंह बग्गा, महानगर कोषाध्यक्ष शांतनु ठकराल, अमित जैन, आशीष वासन, जगत पुरिया, अनुज मलिक, अनिल भारती,आदि उपस्थित रहे।

चौ.जगपाल दास गुर्जर के निधन से शोक की लहर

सहारनपुर। (अवधनामा संवाददाता) समाजवादी पार्टी के संस्थापक, पूर्व कैबिनेट मंत्री स्व.चौधरी रामशरण दास के सुपुत्र और राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय सचिव चौ.जगपाल दास गुर्जर का आकस्मिक निधन होने के कारण पूरे जनपद में शोक की लहर दौड़ गई। राष्ट्रीय लोकदल खेल प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ.नीरपाल सिंह ने जानकारी देते हुए

बताया कि चौ.दास पुराने समाजवादी नेता व विचारक रहे। अभी हाल में उन्होंने राष्ट्रीय लोकदल ज्वाइन की थी और रालोद सुप्रीमो जयंत चौधरी ने उनको पार्टी में राष्ट्रीय सचिव बनाकर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी थी। चौ.जगपाल दास गुर्जर को ब्रेनहेमरेज होने के कारण मेडिग्राम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। जहां पर उन्होंने अंतिम सांस ली। जगपाल दास गुर्जर समाज के भी बड़े नेता रहे। उनके निधन की खबर पूरे जिले में आग की तरह फैल गई। चौ.नीरपाल सिंह ने कहा कि जगपाल दास गुर्जर के निधन से राजनीति के लिए, राष्ट्रीय लोकदल के लिए अपूर्णीय छति है। जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती।

निगम ने की अपनी आय स्त्रोतों में वृद्धिः महापौर

महापौर ने बताया कि सरकार सभी निकायों को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दे रही है। सहारनपुर निगम ने भी अपने आय के स्त्रोतों में वृद्धि के लिए ठोस कदम उठाए है। उन्होंने बताया कि गृहकर-जलकर से वित्तीय वर्ष 2022-23 में हुई 40.36 करोड़ की वसूली में वृद्धि करते हुए वर्ष 2023-24 में 51.34 करोड़ तथा वर्ष 2024-25 में 64.40 करोड़ रुपये की वसूली की गयी है। यानि गत दो वर्ष में 115.74 करोड़ की वसूली की गयी है। वर्ष 2023-24 की तुलना में वर्ष 2024-25 में 12.50 करोड़ की वृद्धि पर नगर निगम सहारनपुर सीएम ग्रिड योजना के अंतर्गत 25 करोड़ ग्रांट प्राप्त करने में सफल रहा है। उन्होंने बताया कि मेला गुघाल एवं मेला महाड़ी से गत दो वर्ष में छह करोड़ 33 लाख रुपये की आय की गयी है। नगर पथ के ठेके से भी गत दो वर्ष में 1.26 लाख रुपये अर्जित किये गए हैं। टैक्स सम्बंधी एक सवाल के जवाब में महापौर ने बताया कि जनता की मांग पर जीआईएस सर्वे बिल वर्ष 2024 से लागू किये जाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि जनसुविधा के लिए करदाताओं को ऑनलाइन कर जमा करने के लिए लेखा विभाग द्वारा डिजिटल प्लेटफॉर्म दिया गया है।

मुनीम से लाखों की लूट करने वाला एक और अन्य बदमाश मुठभेड़ में घायल

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। थाना बडगांव पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान ईंट भट्टे के मुनीम से लाखों की लूट करने वाले एक अन्य बदमाश को भी गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने घायल बदमाश के कब्जे से लूटे गये 16,000 रूपये नगद, अवैध शस्त्र, एक मोबाईल फोन व एक बाईक बरामद की है। जबकि दो बदमाश पूर्व में भी मुठभेड़ के दौरान घायल अवस्था में गिरफ्तार किए गए थे। थाना बड़गांव प्रभारी विनय शर्मा ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि आज उनके व उपनिरीक्षक सुशील कुमार, योगेन्द्र चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सर्विस रोड से बड़ूली जाने वाली नहर पटरी पर संदिग्ध व्यक्ति व वाहनों की चैकिंग अभियान चलाया कि तभी बड़ूली गांव की तरफ से बाईक पर सवार दो संदिग्ध व्यक्ति आते दिखाई दिए। जिनको रोकने का इशारा किया, तो वह पुलिस टीम पर फायर करके भागने लगे। इस पर पुलिस टीम ने बदमाशों का पीछा किया। तभी अचानक बाईक फिसलकर गिर गयी। पुलिस टीम को नजदीक आते देख दोनों बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर जान से मरने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की, तो एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया तथा उसका साथी बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। घायल बदमाश की पहचान आदेश पुत्र ओमपाल निवासी ग्राम इरशादपुर माजरा थाना थानाभवन जिला शामली के रूप में हुई। घायल बदमाश को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने घायल बदमाश के कब्जे से एक तमन्चा 315 बोर 02 जिन्दा कारतूस, 01

खोखा कारतूस, एक मोबाईल तथा एक बाईक समेत 16,000 रूपये की नगदी बरामद की है। श्री शर्मा ने बताया कि पकड़े गए बदमाश ने पूछताछ में बताया कि उसने अपने साथियों गोटू पुत्र पप्पू निवासी ग्राम सम्भलहेड़ी थाना रामपुर मनिहारान, अंशुल पुत्र ऋषिपाल निवासी ग्राम सूभरी थाना नानौता तथा एक अन्य साथी के साथ मिलकर 21 मई को ग्राम भटपुरा के रास्ते पर ओम ईट भट्टे के मुनीम से बन्दूक दिखाकर थैले में रखे ढाई लाख रुपये व दो हिसाब की कॉपी तथा एक कैल्कुलेटर लूटकर भाग गये थे। जिसमें उसे खर्चे के लिये 20-20 हजार रुपये ले लिये थे। बाकी बचे 02 लाख रुपये गोटू व अंशुल ले गये थे।

टैक्स एडवोकेट्स एसोसिएशन का वार्षिक चुनाव संपन्न

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। टैक्स एडवोकेट एसोसिएशन के संपन्न हुए वार्षिक चुनाव में एचके अरोड़ा को अध्यक्ष व प्रियांक भारद्वाज को महासचिव मनोनीत किया गया तथा चुनाव अधिकारी ने सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किए। दिल्ली रोड स्थित जीएसटी भवन में चुनाव अधिकारी चंद्रमोहन शर्मा एडवोकेट व अनिल गुप्ता एडवोकेट की देखरेख में चुनाव शांति पूर्ण ढंग से संपन्न कराया गया। जिसमें एचके अरोड़ा को अध्यक्ष व प्रियांक भारद्वाज को महासचिव, प्रभात राणा व आरएस माथुर को उपाध्यक्ष, संजीव जैन व हरीश भटेजा को सचिव तथा संजय धीमान को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। चुनाव अधिकारी चंद्रमोहन शर्मा एवं अनिल गुप्ता ने बताया कि सभी प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हुए है। सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। निवर्तमान अध्यक्ष राजेश कपूर ने सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को सहयोग का आश्वासन दिया। निवर्तमान महासचिव दीपक जैन ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत करते हुए कहा कि अधिवक्ता हितों को ध्यान में रखते हुए उत्तम कार्य करने चाहिए, जिससे एसोसिएशन उन्नति की नई ऊंचाइयों को छू सकें। इस दौरान संगठन के दो सदस्यों विनय अग्रवाल व संजीव जैन को भारत सरकार द्वारा नोटरी के लिए चयनित होने पर बधाई दी गई। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष अचिंत तायल, रवि प्रकाश शर्मा, अंकित गर्ग, प्रियांक भारद्वाज, विनय अग्रवाल, अंशुल भारद्वाज, मनोज जैन, आयुष, संजय धीमान, जितेंद्र, हर्ष कपूर, रवि प्रकाश शर्मा, अनिल गुप्ता, वैभव, ललित, आकाश, अनिल मिश्रा, भारत खुराना, शशांक, रजत, हरीश, अर्पित, आलोक, अशोक, पवन आदि सदस्य उपस्थित रहे।

धर्म गुरूओं व मदरसा टीचर्स से की टीकाकरण अभियान में सहयोग की अपील

सहारनपुर। (अवधनामा संवाददाता) स्वास्थ्य विभाग व यूनिसेफ के तत्वावधान में आयोजित जिले के धर्म गुरूओं की बैठक में सभी धर्म गुरुओं व मदरसा टीचर्स से नियमित टीकाकरण एवं टीडी टीकाकरण में बढ़-चढ़कर हिस्सेदारी एवं सहयोग करने की अपील की गई।

मदरसा अलमाहादुल इस्लामी मानकमऊ में जिला प्रतिरक्षण अधिकारी मुकेश कुमार की अध्यक्षता में डीएमसी अमित शर्मा, एआरओ हुकम सिंह, सीएसओ गुलफ्सा की उपस्थिति में जिले के धर्मगुरुओं की बैठक आहूत की गई, जिसमें नियमित टीकाकरण एवं टीडी टीकाकरण के संबंध में जानकारी दी गई। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने सभी धर्म गुरुओ एवं मदरसा टीचर्स से नियमित टीकाकरण एवं टीडी टीकाकरण में बढ़-चढ़कर हिस्सेदारी एवं सहयोग करने की अपील की। यूनिसेफ के जिला समन्वयक अमित शर्मा ने बताया कि यदि समय से बच्चे का टीकाकरण कर दिया जाए, तो 12 जानलेवा बीमारियों से बच्चों और गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित किया जा सकता है। डीएमसी अमित शर्मा व सीएसओ ने बैठक में उठाये गये सवालों को सुनकर उनके जवाब दिए। सीएमओ ने बताया कि टीकाकरण बच्चों को जानलेवा बीमारी से बचाव करने का आसान तरीका है।

हम महानगर में रहने वाले दस लाख लोगों के प्रति जवाब देहः महापौर

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। महापौर डॉ. अजय कुमार का कहना है कि हम महानगर में रहने वाले दस लाख लोगों के प्रति जवाबदेह हैं। हमारा प्रयास है कि हम निगम क्षेत्र में रहने वाले सभी लोगों को पेयजल, सड़क, सफाई, पथ प्रकाश आदि मूलभूत सुविधाएं श्रेष्ठता के साथ उपलब्ध कराएं। इसके लिए हम लगातार काम कर रहे हैं। निगम क्षेत्र में शामिल हुए 32 गांवों में ये सुविधाएं पहुंचाने के लिए भी हम संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि अनेक चुनौतियों के बावजूद गत दो वर्षो में नगर निगम ने जनता को सुविधाएं देने के लिए अनेक ठोस कदम उठाएं हैं। महापौर डॉ. अजय कुमार आज यहां अपने कार्यकाल के दो वर्ष पूर्ण होने पर पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने बताया कि गत दो वर्ष में

महानगर में सड़क व नाला निर्माण के 615 कार्य पूर्ण कराये गए हैं और 57 पर कार्य चल रहा है। सड़क पर पैच मरम्मत के लिए एक पोट हॉल मशीन खरीदी गयी है। सीमए ग्रिड के सम्बंध में पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि फेज-1 के अंतर्गत डीएम कार्यालय से हकीकत नगर होते हुए सिविल कोर्ट तक 90.80 करोड की लागत से सड़क निर्माण कार्य कराया जा रहा है। दूसरे फेज में डी एम कार्यालय से जैन डिग्री कॉलेज होते हुए मोहन पाण्डेय अस्पताल दिल्ली रोड तक सड़क का निर्माण कार्य 38.17 करोड़ से कराया जाना प्रस्तावित है। जबकि तीसरे फेज में अम्बाला रोड फायर ब्रिगेड स्टेशन से अम्बेडकर स्टेडियम होते हुए रोडवेज बस स्टैण्ड की सड़क प्रस्तावित है। उन्होंने निगम द्वारा संचालित माँ शाकुंभरी कान्हा उपवन गोशाला के उपलब्धियां गिनाते हुए बताया कि नगर निगम सहारनपुर प्रदेश का प्रथम नगर निगम है जिसकी गोशाला में गोबर निर्मित प्राकृतिक पेंट यूनिट की स्थापना की गई है।

कृष्णनगर नेपाल का ऐतिहासिक बंद आत्मसम्मान अधिकार और न्याय की गूंज

मोहम्मद जमाल

कृष्णनगर, नेपाल। छोटे व्यापारियों, रेहड़ी लगाने वालों और किसानों के उत्पीड़न के खिलाफ सोमवार को कृष्णा नगर की एतिहासिक बंदी को भारी समर्थन हासिल हुआ। यह बंद केवल व्यापारिक गतिविधियों का ठहराव नहीं बल्कि वह ज्वलंत प्रतिरोध है जो बरसों की चुप्पी के बाद चीख में तब्दील हुआ है। उद्योग वाणिज्य संघ कृष्णनगर नेपाल के आह्वान पर हुए बंद को आम नागरिकों किसानों और छोटे व्यापारियों के आत्मसम्मान हक और सुरक्षा की पुनः स्थापना की दृष्टि से देखा जा रहा है।

यह विरोध उस व्यवस्था के खिलाफ है जिसने मेहनतकश को ही अपराधी ठहराना शुरू कर दिया है। किसान जो भारत से चोरी छिपे खाद लाने पर मजबूर हैं, क्योंकि नेपाल में वह उपलब्ध नहीं, हर बार सुरक्षा बलों के हाथों अपमानित होते हैं। छोटा व्यापारी, होटल चलाने वाले, रिक्शा चलाने वाले, और आम मजदूर जो जरूरत का सामान सस्ता होने की वजह से भारत से लाते हैं उन्हें भी तस्करी का आरोप झेलना पड़ता है। यह वही सरहद है जहाँ रोटी बेटी का रिश्ता भी शक की निगाह से देखा जाता है। शादी ब्याह में उपहार स्वरूप लाई गई भारतीय नंबर की मोटरसाइकिल सवारों तक को जलील किया जाता है। ट्रैफिक विभाग और भंसार के कर्मियों का व्यवहार नागरिक की गरिमा को कुचलने जैसा बन गया है। न भारत से आने वाले मेहमान बच पाते हैं न नेपाल से वहाँ जाने वाले जरूरतमंद लोग। माओवादी केंद्र लुंबिनी प्रदेश सदस्य मौलाना मशहूद खां नेपाली ने इस बंद के समर्थन में कहा, जब सरहद पर वर्दी सुरक्षा का पर्याय न होकर भय का प्रतीक बन जाए, जब किसान की खाद और व्यापारी की मेहनत शक की नजर में आ जाए तो बंद करना जरूरी हो जाता है। कृष्णनगर नेपाल का यह बंद चुप रहकर जुल्म सहने की नहीं इज्जत और अधिकार के लिए लड़ी जाने वाली एक शांत मगर शक्तिशाली लड़ाई है। कृष्णनगर नेपाल के बाजारों की खामोशी आज एक ऐतिहासिक दस्तावेज है, अगर हुक्मरानों की आंखें खुली हों।

यह बंद केवल कारोबार का रोका जाना नहीं बल्कि आत्मसम्मान की बहाली, न्याय की मांग और हर मेहनतकश के हक की वापसी के लिए एक संगठित जनजागरण है। जब रक्षक ही बंदूक थामकर दुश्मनों की जगह अपनों पर निगाहें गड़ा लें, जब वो हाथ जो सुरक्षा के लिए उठने थे, आत्मसम्मान को रौंदने लगें तो समझ लीजिए कि सांसें सिर्फ जिंदा रहने का नाम नहीं रह जातीं बल्कि एक पीड़ा एक बोझ एक सवाल बन जाती हैं। आज कृष्णनगर नेपाल की बंद गलियों में सिर्फ दुकानों के शटर नहीं गिरे यह वे फरियादें हैं जो वर्षों से दबाई जा रही थीं। यह वह सब्र है जो अब पीड़ा का रूप ले चुका है और यह वह चीख है जो अब आवाज बनकर उभरी है। बाजार की यह खामोशी दरअसल एक धधकता हुआ विरोध है। किसान जो मिट्टी को सोना बनाता है आज खाद की तलाश में धूल छान रहा है। जिसे राज्य का स्तंभ माना गया था आज वही स्तंभ कमजोर लाचार और अपराधी बना दिया गया है। छोटा व्यापारी जो महंगाई के तूफान में एक तिनके की तरह डगमगा रहा है आज उसके सपनों को ही निशाना बना दिया गया है। और जब वह थका हारा शाम को अपने आंगन लौटता है तो रक्षक कहलाने वाले उसी के घर की दहलीज पर उसकी रोजी उसके सम्मान उसकी मेहनत को पलट पलट कर उसे तस्कर और मुनाफाखोर का तमगा चिपका देते हैं। क्या राज्य इतना संवेदनहीन हो चुका है क्या कानून अब सिर्फ ताकतवरों की दासी बन चुका है क्या किसान और व्यापारी अब सिर्फ आंकड़ों की फाइलों में दफ्न कर दिए गए हैं। होना तो यह चाहिए था कि जो खेत में पसीना बहाए उसे सलाम किया जाए जो मंडी में न्याय की मांग करे उसे सुरक्षा दी जाए जो देश की अर्थव्यवस्था को संभाले उसे नायक बनाया जाए मगर अफसोस यहाँ कुर्बानी देने वाले ही सबसे बड़े अपराधी ठहराए जाते हैं। आज का बंद सिर्फ बंद नहीं है यह खामोश फिजाओं में एक चीख है यह नीली वर्दी की आड़ में छिपे अत्याचार के खिलाफ ललकार है यह एक सवाल है उन नीति निर्माताओं से कि आखिर कब तक जनता को ही कुचला जाएगा कब तक मेहनतकश का पसीना यूं ही बेइज्जत होता रहेगा यह विरोध इज्जत की बहाली के लिए है यह संघर्ष हक की वापसी के लिए है यह आवाज उस सम्मान की है जो हर ईमानदार हाथ का हक है। कृष्णनगर नेपाल के बंद बाजार एक दीवार पर लिखा हुआ पैगाम हैं अगर हुक्मरान आंखें खोलकर पढ़ सकें। मौलाना मशहूद खां नेपाली ने इस संघर्ष को न्याय सम्मान और हक की मांग बताया है। उन्होंने कहा कृष्णनगर नेपाल में यह बंद केवल एक विरोध नहीं बल्कि एक जागृत चेतना है जो वर्षों से दबाई गई पीड़ा का इजहार है। जब तक मेहनतकश जनता की आवाज को सुना नहीं जाएगा उनके अधिकारों का सम्मान नहीं होगा यह आग बुझेगी नहीं। उन्होंने सरकार से अपील की कि वे संवेदनशीलता दिखाते हुए इस समस्या का स्थायी समाधान करें और जनता का विश्वास पुनः स्थापित करें सरकार को यह समझना होगा कि किसान और व्यापारी इस देश की रीढ़ हैं। उनकी रक्षा और सम्मान से ही देश की तरक्की संभव है। बिना उनकी भागीदारी के विकास असंभव है। आज का यह बंद हर नीति निर्माता के लिए एक गंभीर चेतावनी है कि जनता की दबी हुई आवाजों को अब अनसुना नहीं किया जा सकता।

टीबी उन्मूलन में निक्षय मित्रों की भूमिका अहम

गोरखपुर। पिपरौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के चिकित्सकों और स्टॉफ ने पचीस टीबी उपचाराधीन मरीजों को गोद लेकर उनकी देखभाल का संकल्प लिया है। इस सिलसिले में सीएचसी में सोमवार को आयोजित टीबी एडॉप्शन कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ राजेश झा भी पहुंचे। उनकी उपस्थिति में गोद लिये जा रहे टीबी उपचाराधीन मरीजों को पोषण पोटली वितरित की गई। सीएमओ ने खुद कई मरीजों को पोटली दी और सभी उपचाराधीन मरीजों से अपील की कि वह दवा के साथ खानपान का भी विशेष ध्यान रखें। इस अवसर पर डॉ झा ने कहा कि टीबी उन्मूलन में निक्षय मित्रों की अहम भूमिका है, जो टीबी उपचाराधीन मरीजों को गोद लेकर उनकी देखभाल कर रहे हैं। सीएमओ ने कहा कि टीबी उपचाराधीन मरीजों को गोद लेने वाले निक्षय मित्रों को उपचार चलने तक मरीज के सुपोषण और फॉलो अप में मददगार बनना होता है। मरीज की दवा बीच में बंद न हो, उसे सुपोषित खानपान मिल सके और सामाजिक योजनाओं का लाभ मिल सके, यह जिम्मेवारी निक्षय मित्र को निभानी होती है।

अच्छा और काबिल इंसान बनने के लिए शिक्षा हासिल करें : प्रधानाचार्य मुख्तार

अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर। मियां साहब इस्लामिया इंटर कॉलेज बक्शीपुर के प्रधानाचार्य मुख्तार अहमद ने कहा कि विद्यार्थियों का उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करना नहीं होना चाहिए बल्कि व्यक्तित्व के विकास के चलते अच्छा और काबिल इंसान बनने के लिए शिक्षा हासिल करनी चाहिए। विद्यार्थी ज्यादा से ज्यादा शिक्षा हासिल कर जीवन का लक्ष्य हासिल करें, क्योंकि शिक्षा एक ऐसा खजाना है जिसे कोई छीन नहीं सकता। उक्त बातें मुख्तार अहमद ने जामिया अल इस्लाह एकेडमी नौरंगाबाद में समर कैंप के अंतिम दिन बतौर मुख्य अतिथि कही।

विशिष्ट अतिथि प्रयागराज से आए मोटिवेशनल स्पीकर मुहम्मद अरशद अंसारी ने कहा कि जैसे-जैसे आप शिक्षा का उपयोग करते हैं, आपका ज्ञान और समझ बढ़ती जाती है, और आप अधिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रेरित होते हैं। शिक्षा का सही उपयोग तभी होता है जब आप उस पर अमल करते हैं, यानी उसे अपने जीवन में लागू करते हैं। शिक्षा को केवल ज्ञान के रूप में रखने से नहीं, बल्कि उसे व्यवहार में लाने से इसका वास्तविक महत्व प्रकट होता है। शिक्षा समाज को भी लाभान्वित करती है। ज्ञानवान व्यक्ति समाज के विकास में योगदान देते हैं और बेहतर जीवन स्तर सुनिश्चित करने में मदद करते हैं। कैंप में बच्चों ने लघु नाटक पेश किया। सामाजिक कार्यकर्ता प्रसेन व अम्बरीष ने कविता, गीत व कहानी पेश की। कारी मुहम्मद अनस रजवी ने शिक्षा की अहमियत पर बच्चों से सवाल जवाब किया। उत्कृष्ट जवाब देने वाले बच्चों को संत झूलेलाल नगर के पार्षद नूर मुहम्मद ने ईनाम से नवाजा। कुरआन-ए-पाक की तिलावत हाफिज रहमत अली निजामी ने की। नात-ए-पाक भी उन्होंने पेश की। अध्यक्षता कर रहे नायब काजी मुफ्ती मुहम्मद अजहर शम्सी, विद्यालय के संस्थापक अली अहमद व संचालक आसिफ महमूद ने कहा कि इल्म अल्लाह का दिया वह अनमोल खजाना है, जो बांटने से कभी कम नही होता, बल्कि बढ़ता है।

रूप किशोर चतुर्वेदी इंटर कॉलेज सिकंदरपुर खास में समर कैंप का सफल आयोजन

फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। फर्रुखाबाद के विकासखंड कायमगंज क्षेत्र की ग्राम पंचायत सिकंदरपुर खास में स्थित रूप किशोर चतुर्वेदी इंटर कॉलेज में समर कैंप का आयोजन विधिवत शासन के निर्देशों के अनुरूप किया जा रहा है समर कैंप का उद्घाटन ग्राम प्रधानपति सतपाल सिंह राजपूत के द्वारा किया गया था जिसमें छात्र-छात्राएं बढ़ चढ़कर भाग ले रहे हैं और प्रतिदिन योग के नए-नए अभ्यास सीख रहे हैं कैंप का आयोजन प्रधानाचार्य डॉक्टर ओमपाल सिंह रघुवंशी के निर्देशन में हो रहा है जिसमें प्रभारी शिक्षक के रूप में श्री अरविंद कुमार सहायक अध्यापक अपनी प्रतिभा और पूर्ण लगन और निष्ठा के साथ समर कैंप को संचालित कर रहे हैं अरविंद कुमार कला अध्यापक है जिनके विषय का रिजल्ट सदैव 100 प्रतिशत रहता है। कैंप में लगभग 50 बच्चे प्रतिभाग कर रहे हैं उन्हें प्रतिदिन पोषक तत्वों से भरपूर सुबह जलपान कराया जाता हैद्य विद्यालय के प्रबंधक श्री देवेंद्र नाथ चतुर्वेदी एवं प्रबंध समिति के सम्मानित सदस्य गण श्री राजेश कुमार पांडे तथा श्री मोहित कुमार शुक्ला अपना पूरा सहयोग प्रदान कर रहे हैं और आर्थिक सहायता भी उपलब्ध करा रहे हैं द्य विद्यालय के लिपिक श्री पुरुषोत्तम सिंह शाक्य कर्मचारी श्री रत्नाकर श्री उपेंद्र कुमार वह बंटी अपना पूरा सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

प्रभारी मंत्री ने आपदा राहत के तहत तीन परिवारों को प्रदान किए 8 लाख 5 हजार की धनराशि के चेक

अवधनामा संवाददाता

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश सरकार के गन्ना विकास एवं चीनी मिलें और जनपद प्रभारी मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने सोमवार को कल्याण सिंह हैबीटेट सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में जिले में दैवीय आपदा जैसे कि आंधी, तूफान, वर्षा एवं ओलावृष्टि से प्रभावित परिवारों से भेंट कर उन्हें ढांढस बंधाया और आर्थिक सहायता स्वरूप मुआवजा राशि के चेक वितरित किए। मंत्री द्वारा आपदा से प्रभावित दो परिवारों को चार-चार लाख रुपये तथा एक परिवार को पांच हजार रुपये की आर्थिक सहायता के चेक प्रदान किए गए। यह सहायता राज्य सरकार की आपदा राहत नीति के अंतर्गत अनुमन्य धनराशि के अनुसार दी गई है। इस अवसर पर मंत्री चौधरी ने कहा कि प्रदेश सरकार हर संकट की घड़ी में आमजन के साथ खड़ी है। सरकार की मंशा है कि किसी भी आपदा के समय पीड़ितों को तत्काल राहत पहुंचे, जिससे उन्हें अपने जीवन को पुनः व्यवस्थित करने में सहायता मिल सके। उन्होंने एडीए वित्त एवं प्रभारी अधिकारी आपदा प्रमोद कुमार को निर्देशित किया कि शेष प्रभावितों को भी शीघ्र सहायता राशि उपलब्ध कराई जाए और राहत कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए।

वृक्षारोपण एवं पर्यावरण समिति की बैठक संपन्न हुई

फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपण समिति, जिला गंगा समिति एवं जिला पर्यावरण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभगार फतेहगढ़ में आयोजित की गई। बैठक में डी0एफ0ओ0 ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनपद में 370940 पौधे रोपने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है,जिसे जनपद में 27 विभागों द्वारा लगाया जायेगा,वन विभाग 16 लाख पौधे लगायेगा, सभी विभागों की कार्ययोजना प्राप्त हो गई है, जुलाई के प्रथम सप्ताह में बृक्षारोपण किया जाना है। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि सभी विभाग 20 जून तक जगह चिन्हित कर गड्ढों की खुदाई करा लें,भूमि के प्रकार के अनुसार पौधों का चयन कर पौधों की मांग कर ले, सभी विभाग 2024-25 में लगाये गए पौधों को चेक करा लें कि वह सही है या नही खराब हुये पौधों की जगह दूसरे पौधे लगवाये। जिला गंगा समिति की बैठक में जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि गंगा में चलने बाली नाव,नाविक व गोताखोरों का पंजीकरण कराया जाये, डी0पी0आर0ओ0 व ई0ओ0 गंगा में गिर रहे नालो का सर्वे कर ले व गंगा के किनारे बसी ग्रामपंचायतों से ये प्रमाणपत्र प्राप्त करे कि उनके यहाँ कोई भी सीवेज गंगा में नही जा रहा है, खनन अधिकारी को पांचाल घाट की सीढ़ियों पर एकत्र हुई बालू का मेजरमेंट कर नीलाम कराने के लिये निर्देशित किया, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को जिले में प्रदूषण फैलाने बाली इकाइयों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। बैठक में डी0एफ0ओ0, पी0डी0 डी आर डी ए व संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती

उरई (जालौन) अवधनामा संवाददाता। राजकीय मेडिकल कॉलेज, के ऑडिटोरियम में पुण्यश्लोक लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती की स्मृति में एक भव्य संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री, गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग श्री संजय सिंह गंगवार ने मां सरस्वती व अहिल्याबाई होल्कर जी के चित्र पर पुष्प अर्पितकर कर संगोष्ठी का शुभारंभ किया। राज्यमंत्री श्री संजय सिंह गंगवार ने अपने वक्तव्य में कहा, पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होलकर का जीवन त्याग, तप, सेवा और शौर्य का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने न केवल मालवा क्षेत्र में लोककल्याणकारी शासन दिया, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना को पुनर्जीवित किया। उनका अखिल भारतीय दृष्टिकोण और सामाजिक समरसता आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। लोकमाता अहिल्याबाई ने देश की एकता और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण में जो योगदान दिया वह भारत के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है।

गोरखपुर में दस हजार से अधिक गरीब बेटियों के हाथ पीले कर चुकी है योगी सरकार

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों की शादी की चिंता हुई दूर

अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर। योगी सरकार में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की गरीब बेटियों की शादी की चिंता दूर हो गई है। इस चिंता को दूर करने का जरिया बनी है मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना। योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद इस योजना के तहत अकेले गोरखपुर में सरकार दस हजार से अधिक (10287) गरीब बेटियों के हाथ पीले करा चुकी है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का मांगलिक आयोजन आज एक बार फिर होने जा रहा है जिसमें करीब 1200 जोड़े परिणय सूत्र में बंधेंगे। यह आयोजन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में बेहद खास बन जाएगा। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत आज खाद कारखाना परिसर में करीब 1200 ऐसी गरीब बेटियों की शादी अविस्मरणीय बनने जा रही है जिनके परिवार के लिए शादी के संसाधन जुटाना काफी मुश्किल था। यह आयोजन इसलिए अविस्मरणीय होगा कि सामूहिक विवाह के भव्य समारोह में आशीर्वाद देने के लिए सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ खुद मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना गरीब परिवारों के लिए एक बड़ा सम्बल है। नई व्यवस्था के तहत अब मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में प्रति जोड़ा 51 हजार की बजाय एक लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इसमें 60 हजार रुपये की धनराशि कन्या के बैंक खाते में अंतरित की जाएगी। पूर्व में यह रकम 35 हजार रुपये निर्धारित थी। अब उपहार सामग्री पर 10 हजार की जगह 25 हजार रुपये और भोज व अन्य व्यवस्थागत मद में 6 हजार की बजाय 15 हजार रुपये खर्च होंगे। उपहार में वधू के लिए विवाह हेतु कढ़ाई की साड़ी, चुनरी, डेली यूज की साड़ी, वर हेतु कुर्ता पायजामा, पगड़ी तथा माला, मुस्लिम विवाह के लिए वधू को कढ़ाई वाला सूट, चुनरी, सूट का कपड़ा, वर हेतु कुर्ता, पायजामा आदि दिया जाता है। आभूषण में चांदी की पायल, बिछुआ भी प्रदान किया जाता है। गृहस्थी के समान में कुकर, जग या लोटा, थाली, गिलास, कटोरा व चम्मच, बक्सा तथा प्रसाधन सामग्री से भरी श्रृंगारदानी दी जाती है। जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग के अधिकारी सामूहिक विवाह कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी वशिष्ठ नारायण सिंह से मिली जानकारी के अनुसार 27 मई, मंगलवार को होने वाले मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से प्राप्त आवेदनों का सत्यापन कराने के बाद करीब 1200 पात्र आवेदकों के सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है। आर्थिक रूप से कमजोर किसी वही व्यक्ति के लिए सबसे बड़ी चिंता बेटी के हाथ पीले करने की होती है। योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद उनकी यह चिंता दूर हो गई है। वित्तीय वर्ष 2017-18 से अब तक समाज कल्याण विभाग मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत सिर्फ गोरखपुर जिले में ही 10287 शादियां सम्पन्न करा चुका है।

बिना कानूनी दांवपेंच समझे पहले मकान क़ब्ज़ा कराया फिर बैकफुट पर आयी राजस्व टीम

मनव्वर रिज़वी

गोरखपुर। किस्सा राजस्व विभाग से जुड़ा है जब दो दिन पहले तहसीलदार साहब अपने खुद के आदेश का अनुपालन कराने अपने नायब तहसीलदार और राजस्व टीम को लेकर कोतवाली थाने पर आ धमके और कोतवाली पुलिस को अपने रौब में लेते हुए बाकायदा शहर कोतवाल की कुर्सी पर विराजमाम हो गए। साहब का रुतबा और राजस्व टीम को देखकर बेचारे कोतवाल साहब भी सकते में आ गए।

आनन फानन में पुलिस टीम तैयार हुई और मौके पर पूरे दलबल के साथ पहुंच गई। कोई कुछ समझ पाता उससे ही मकान पर कब्जे की कार्यवाही युद्ध स्तर पर शुरू हो गई। मामला शहर के सबसे कीमती इलाके पुर्दिलपुर में स्थित एक मकान का है। जिसको दो भाइयों भूपेंद्र नाथ घोष व खगेन्द्र नाथ घोष द्वारा 12804 वर्ग फिट जमीन खरीदकर बनाया गया था। 1996 में भूपेंद्र नाथ के एकमात्र पुत्र गोपाल चन्द्र घोष ने कलकत्ता में सीताराम को रजिस्ट्री बैनामा किया। जिसको बाद में इस मकान को सीताराम ने रमन कुमार और सुरेश चन्द्र को वसीयत के जरिये दे दिया। चूंकि प्रदेश के बाहर किसी महानगर में की गई रजिस्ट्री प्रभावी होने पर कानूनी अड़चन है इसी को लेकर और सम्भवतः अन्य कारणों से यह सम्पत्ति विवादों में है। मामला न्यायालय में लंबित होने के बाद भी तहसीलदार द्वारा सिटी मजिस्ट्रेट के आदेश का हवाला देकर जिस तरह कोतवाली पुलिस के सहयोग से पहले मकान पर कब्ज़ा कराया और फिर उसी तेज़ी से बैकफुट पर आये। उसकी चर्चा तहसील परिसर में जोरों पर है। बहरहाल मामला ऊपर से जितना हल्का लग रहा है अंदर से उतना ही पेंचीदा और उलझा हुआ है।

चूंकि सम्पत्ति का मूल्यांकन करोड़ो में किया जा रहा है और कार्यवाही में भ्रष्टाचार की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है । ऐसे में राजस्व विभाग के एक ज़िम्मेदार अधिकारी द्वारा बीच शहर में नियम कानून को ताक पर रख कर की गई इस कार्यवाही से न्याय व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह लग गया है जिसकी जांच बेहद ज़रूरी है।

सूचना

मैं मिनहाजुद्दीन (MINHAJUDDEEN) पुत्र अबू बकर, निवासी ग्राम मजगवां कला पोस्ट मजगवां खुर्द, मजगवां, जिला बलरामपुर,उत्तर प्रदेश का हूँ। मैंने अपना नाम मिनहाजुद्दीन (MINHAJUDDEEN) से बदलकर मिनहाजुद्दिन खान (MINHAJUDDIN KHAN) रख लिया है जो कि मेरे सभी दस्तावेजों में दर्ज है। मुझे भविष्य में मिनहाजुद्दिन खान (MINHAJUDDIN KHAN) के नाम से जाना, पहचाना व पुकारा जाए।

सूचना

मैं मुजफ्फर खान (MUJAFFAR KHAN) पुत्र मुनव्वर खान, निवासी 561 बुचड मोहाल, सदर बाज़ार, कैन्टोमेंट, कैंट, लखनऊ,उत्तर प्रदेश का हूँ। मैंने अपना नाम मुजफ्फर खान (MUJAFFAR KHAN) से बदलकर मुज़फ्फर खान (MUZAFFAR KHAN) रख लिया है जो कि मेरे सभी दस्तावेजों में दर्ज है। मुझे भविष्य में मुज़फ्फर खान (MUZAFFAR KHAN) के नाम से जाना, पहचाना व पुकारा जाए।

सूचना

सर्वसाधारण सूचित किया जाता है कि भूलवश मेरा नाम इन्तकाब आलम बैंक सम्बन्धित कागजात में लिख दिया था। जबकि मेरा नाम मो. इन्तखाब आलम है। आ.नं. 661317744160 है। अत मुझे मो. इन्तखाब आलम के नाम से जाना व पुकारा जाए तथा बैंक पत्राजात में मेरा नाम मो. इन्तखाब आलम अंकित किया जाना न्यायोचित है।

मो. इन्तखाब आलम
पुत्र श्री सरफराज हुसैन निवासी
मान. 97, गली नं. 05.
तीसफुटा रोड, हाजीपुरा तहसील
जिला फिरोजाबाद

स्वस्थ जीवन के लिए योगासन और प्राणायाम जरूरी

नियमित योग करने वाले कभी बीमार नहीं पड़ते

अवधनामा संवाददाता

अमेठी। कम्पोजिट विद्यालय भादर प्रथम में सोमवार को समर कैंप में योगासन और खेल की गतिविधियों का आयोजन किया गया। दूसरे सत्र में बच्चों ने चित्रकारी और हस्तशिल्प का अभ्यास किया। प्रथम सत्र में कौशलेंद्र सिंह ने योगासन के अभ्यास के बाद विभिन्न प्रकार के आसनों से शरीर को होने वाले लाभ की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से प्राणायाम और योगासन करने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की बीमारी नहीं होती। तमाम प्रकार की बीमारियों से बचाव को डाक्टर भी मरीजों को व्यायाम और योगासन की जानकारी करने की सलाह देते हैं। इं प्र अ संजीव कुमार ने बच्चों को नीम, पीपल और तुलसी के औषधीय गुणों की जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को पौधरोपण और पौधों की सुरक्षा के लिए प्रेरित किया और कहा कि स्कूल में बने यूको क्लब के बारे में बच्चों को जानकारी दी। प्रशिक्षक और शिक्षामित्र लालती देवी ने बच्चों को प्लास्टिक की बोरी के टुकड़ों से पंखे बनाने के तरीके सिखाए।

मिशन शक्ति अभियान-5 के अन्तर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक

अवधनामा संवाददाता

अलीगढ़। जनपद में गठित मिशन शक्ति टीमों के द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान-5 के अंतर्गत समस्त थाना क्षेत्रों में कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण हेतु शक्ति दीदी के माध्यम से महिला सम्मान, सुरक्षा व जागरूकता हेतु अभियान चलाया जा रहा है। मिशन शक्ति फेज-05 के विशेष अभियान (शक्ति दीदी) के तहत थानों में नियुक्त महिला बीट अधिकारियों, समस्त थानों पर गठित महिला सुरक्षा विशेष दल द्वारा गाँवों/ कस्बों/मोहल्लों में जन चौपाल लगाकर तथा बस स्टैंड/बाजार/ गांव/कस्बा/ स्कूल/कालेज/कोचिंग सेंटर इत्यादि सार्वजनिक एवं भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर बालिकाओं/ महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा सम्बन्धी उपायों के बारे में जागरूक करते हुए शक्ति दीदी के रुप में महिलाओं/बालिकाओं से जुड़ कर उन्हे सक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। शक्ति दीदी अभियान के तहत महिलाओं/ बालिकाओं को शासन/यूपी पुलिस द्वारा चलाई जा रही सुरक्षा संबंधित सेवाएं जैसे *वीमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, साइबर सम्बन्धी एवं सीयूजी नम्बरों के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरुक किया जा रहा है । महिलाओ एवं बालिकाओं से वार्ता कर उनके अन्दर आत्मविश्वास को बढ़ाने का प्रयत्न किया जा रहा है।

स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा बैठक में डीएम ने दिए कड़े निर्देश

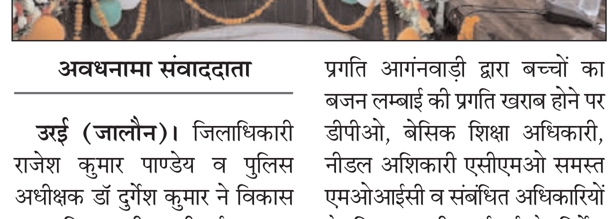

अवधनामा संवाददाता

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ दुर्गेश कुमार ने विकास भवन स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की शासी निकाय समीक्षा कर विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कदौरा एमओआईसी अनुपस्थिति होने पर वेतन रोकने के निर्देश। आकांक्षात्मक ब्लॉक रामपुरा व जालौन में हेल्थ इंडिकेटर, स्वास्थ्य विभाग के एनसीडीएस स्क्रीनिंग में प्रगति आगंनवाड़ी द्वारा बच्चों का बजन लम्बाई की प्रगति खराब होने पर डीपीओ, बेसिक शिक्षा अधिकारी, नीडल अशिकारी एसीएमओ समस्त एमओआईसी व संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए।

आभा आईडी की प्रगति की समीक्षा की गई, जिसमें कुठौन्द, जालौन और रामपुरा ब्लॉकों की प्रगति जनपद औसत से कम पाई गई। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि इन ब्लॉकों में 15 दिनों के भीतर सुधार सुनिश्चित किया जाए तथा आगामी बैठक में न्यूनतम 75 प्रतिशत आभा आईडी बनाना अनिवार्य किया जाए।

अवधनामा

सुहागिनों ने की वट वृक्ष की पूजा, चबूतरे के निर्माण की मांग उठी

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। जेष्ठ माह की अमावस्या को सुहागिन महिलाओं ने वट सावित्री व्रत के अवसर पर पारंपरिक रूप से वट वृक्ष की पूजा-अर्चना की। यह पर्व सुहागिनें अपने पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना के लिए करती हैं। इस अवसर पर शहर की अनेक महिलाओं ने वट वृक्ष की परिक्रमा की और विधिपूर्वक व्रत का पालन किया।पूजा के दौरान महिलाओं ने नगर निगम और जनप्रतिनिधियों से चौक कोठापार्चा मस्जिद के सामने वट वृक्ष के पास चबूतरे के निर्माण और साफ-सफाई की उचित व्यवस्था की मांग की। महिलाओं का कहना है कि यह पर्व साल में केवल एक बार आता है, और इस दौरान श्रद्धालुओं को मूलभूत सुविधाओं का अभाव खलता है।महापौर गिरीशपति त्रिपाठी और स्थानीय विधायक वेद प्रकाश गुप्ता से महिलाओं ने विशेष आग्रह किया कि वट वृक्ष के आसपास उचित साफ-सफाई, बैठने की व्यवस्था और चबूतरे का निर्माण कराया जाए, ताकि धार्मिक परंपराएं सम्मानजनक रूप से निभाई जा सकें। इसी तरह चित्रगुप्त वार्ड संख्या 24 की महिलाओं ने भी परंपरागत रूप से व्रत रखते हुए पूजा संपन्न की। यह पर्व विवाहित महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखता है। मान्यता है कि इसी दिन सावित्री ने यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस लिए थे।

26 मई व्यापारी शहीद दिवस पर अयोध्या के व्यापारियों ने शाहिद व्यापारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की

अयोध्या। (अवधनामा संवाददाता) उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। यह सभा उन वीर व्यापारियों की स्मृति में आयोजित की जिन्होंने देश,समाज और व्यापारिक हितों की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी।

जेठ के तीसरे मंगलवार को लता चौक पर होगा विशाल भंडारे का आयोजन

अयोध्या। (अवधनामा संवाददाता) जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह व उनके प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित के संयोजन में तीसरे मंगलवार को लता चौक पर विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन का शुभारंभ श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास के कर-कमलों द्वारा प्रातः 10 बजे किया जाएगा। भण्डारे में प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, रामचन्दर यादव, अमित सिंह चौहान, महानगर अध्यक्ष कमलेश सिंह, जिलाध्यक्ष संजीव सिंह सहित अन्य विशिष्ठ जनों की मौजूदगी रहेगी। भंडारा देर रात तक चलेगा, जिसमें श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया जाएगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भक्तों के शामिल होने की संभावना है।

जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजनों से लोगों में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता है और सामाजिक समरसता भी बढ़ती है। उन्होंने कहा कि सामूहिक रूप से भोजन करने से समाज में एकजुटता का संदेश भी जाता है।

जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रोहित सिंह ने बताया कि भंडारे की व्यवस्था के लिए कार्यकर्ताओं को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। आयोजन को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं और सभी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ जुटे हुए हैं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

भण्डारे की व्यवस्था में सोनू सिंह, अभिषेक सिंह, अभिषेक दुबे, सौरभ पांडे, हर्षित पांडे, कीर्तिवर्धन सिंह, गौरव तिवारी, मनदीप तिवारी, राजा सिंह, कलश सिंह, मनीष वर्मा, अंकुर पांडे, आदित्य तिवारी को जिम्मेदारियां सौंपी गईं हैं।

अयोध्या-रायबरेली हाईवे पर हादसा वन कर्मी की मौत, कार चालक फरार

अवधनामा संवाददाता

मिल्कीपुर अयोध्या। अयोध्या-रायबरेली नेशनल हाईवे पर सोमवार सुबह एक सड़क हादसे में वन विभाग के कर्मचारी सूर्यभान सिंह (55) की मौत हो गई। यह घटना सुबह करीब 9¬45 बजे बराई पारा गांव के पास हुई, जब एक तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार ने सूर्यभान सिंह को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद सूर्यभान अपनी टीवीएस मोपेड (UP-44-BA-4578) सहित हाईवे पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। कार चालक हादसे के बाद वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। सूर्यभान सिंह, जो मंझागांव, थाना कुमारगंज के निवासी थे, वन रेंज कुमारगंज में माली के पद पर कार्यरत थे और मिल्कीपुर बीट के प्रभारी भी थे। जानकारी के अनुसार, वह रेंज कार्यालय से तेंधा बाजार की ओर जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्विफ्ट डिजायर कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि सूर्यभान को संभलने का मौका तक नहीं मिला। टक्कर के बाद वह सड़क पर गिर गए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों और वन विभाग के कर्मचारियों ने तुरंत सूर्यभान को सौ शैय्या अस्पताल, कुमारगंज पहुंचाया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रशासन की सूचना पर थानाध्यक्ष कुमारगंज, ओमप्रकाश, पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के भाई लाल बहादुर की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि फरार चालक की तलाश शुरू कर दी गई है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है ताकि कार और चालक की पहचान हो सके। हादसे की खबर मिलते ही सूर्यभान सिंह के परिवार में कोहराम मच गया। उनके परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूर्यभान अपने परिवार के प्रमुख सदस्य थे और उनकी अचानक मृत्यु ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया।

इज्जतनगर मंडल पर स्वच्छता एवं पर्यावरण पखबाड़ा 22 मई से 5 जून तक मनाया जा रहा

अवधनामा संवाददाता

बरेली। इज्जतनगर मंडल पर ''विश्व पर्यावरण दिवस 2025'' के उपलक्ष्य में ई.एन.एच.एम. विभाग के तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 22 मई से 05 जून 2025 तक ''स्वच्छता एवं पर्यावरण पखवाड़ा'' मनाया जा रहा है। मंडल द्वारा स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सशक्त करते हुए मंडल के बरेली सिटी, काठगोदाम, कासगंज सहित अन्य स्टेशनों पर कार्यरत रेलवे कर्मचारियों को कचरा पृथक्करण के वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक तरीकों पर संवेदनशीलता एवं ''प्लास्टिक को ना कहें'' विषय पर आधारित पोस्टर, बैनर और डिजिटल संदेशों के माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गये। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों को यह समझाना था कि सूखे एवं गीले कचरे को अलग-अलग एकत्र करना क्यों आवश्यक है, और यह प्रक्रिया किस प्रकार स्टेशन परिसर की स्वच्छता, कचरा और पर्यावरणीय संतुलन को बेहतर बनाती है।

पर्यवेक्षक द्वारा कर्मचारियों एवं रेल यात्रियों को बताया गया कि दो-डस्टबिन प्रणाली के उपयोग की जानकारी दी गई जिसके अंतर्गत हरे डस्टबिन में गीला कचरा जैसे बचा हुआ खाना, सब्जी के छिलके तथा नीले डस्टबिन में सूखा कचरा प्लास्टिक, कागज आदि डालें। कचरा छँटाई के समय बरती जाने वाली सावधानियों एवं सुरक्षा उपायों पर विस्तार से चर्चा की तथा कर्मचारियों को स्वच्छता के नियमों का पालन करने के लिए उन्हें जागरुक किया तथा प्लास्टिक प्रदूषण को हराने जैसे सरकारी प्रयासों से कर्मचारियों को जोड़ा गया। जिसके तहत इस अभियान से यात्रियों एवं आमजन में पर्यावरण संरक्षण की भावना जागृत करने के उद्देश्य से चलाया गया।

थाना बाबा बाजार में पुलिस आवासीय भवनों का निर्माण पूरा

8.07 करोड़ की लागत से रूदौली में बने दो ब्लॉक में है 27 आवास

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस कल्याण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। थाना मवई के अंतर्गत थाना बाबा बाजार में पुलिस कर्मियों के लिए 8.07 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित आवासीय भवनों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। दो ब्लॉकों में निर्मित इन 27 आवासों को जल्द ही निर्माण निगम (सीएनडीएस) द्वारा गृह विभाग को हस्तांतरित किया जाएगा। इसके लिए तैयारियां तेजी से चल रही हैं। योगी सरकार का यह कदम पुलिस कर्मियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। थाना बाबा बाजार परिषद में पुलिस कर्मियों को लंबे समय से आवासीय सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ रहा था। किराए के मकानों में रहने के कारण उनकी आर्थिक और मानसिक स्थिति प्रभावित होती थी। योगी सरकार ने इस समस्या को गंभीरता से लिया और पुलिस कर्मियों के लिए आधुनिक आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने का संकल्प लिया। इसी के तहत 25 सितंबर 2023 को रुदौली में थाना बाबा बाजार के लिए यह परियोजना शुरू की गई थी। हर सुविधाओं का रखा गया है ख्याल इन भवनों में दो ब्लॉक शामिल हैं, जिनमें 13 और 14 आवास बनाए गए हैं, जो सभी आवश्यक सुविधाओं से युक्त हैं। सीएनडीएस के परियोजना प्रबंधक देवव्रत पवार ने बताया कि इन आवासों को पुलिस कर्मियों और उनके परिवारों की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। बिजली, पानी, स्वच्छता और सुरक्षा जैसी सुविधाओं के साथ-साथ निर्माण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह भवन आधुनिक सुविधाओं से लेस। योगी सरकार की निगरानी में इस परियोजना को समयबद्ध तरीके से पूरा किया गया। अब सीएनडीएस इन भवनों को गृह विभाग को सौंपने की प्रक्रिया में है, जिसके बाद आवासों का आवंटन शुरू होगा। बढ़ेगा पुलिस कर्मियों का मनोबल

इल्म के साथ दीन पर यक़ीन कामयाबी की राह पर ले जाता: मौलाना मुशाहिद

बाराबंकी । (अवधनामा संवाददाता) जो मौत से हयात अता करता है बस वही दीन दीने इस्लाम है, कोई और दीन दीन नहीं । मायूसी वहीं नज़र आती है जहां दीन तो होता है लेकिन यक़ीन नहीं । इल्म के साथ दीन पर यक़ीन कामयाबी की राह पर ले जाता है यही ज़िन्दगी है यह बात करबला सिविल लाइन में मजलिस ए बरसी बराए ईसाल ए सवाब मरहूमा सैयदा कनीज़ मेहदी विन्ते सैयद हुसैन (अहलिया सर वर अली) को खिताब फ़रमाते हुए आली जनाब मौलाना मुशाहिद आलम साहब ने कही मौलाना ने आगे यहभी कहा कि जो जो यक़ीन को ठुकराता है उसका वजूद मिट जाता है। इस्लाम ही वह मज़हब है जो इंसानियत की मदद में हमेशा सबसे आगे खड़ा नज़र आता है। आखिर मैं करबला वालों के दर्दनाक मसायब पढे जिसे सुन सभी रोने लगे।मजलिस से पहले अजमल किन्तूरी ने पढ़ा अज़ा का फ़र्श बिछाया यज़ीद के घर में, यही था सबसे बड़ा इंतेक़ाम ज़ैनब का। हाजी सरवर ने पढ़ा सींचा है लहू देकर सरवर ने बहत्तर का ,इस्लाम वो पौधा है काटो तो हरा होगा। रज़ा मेहदी ने भी नजरानये अक़ीदत पेश किया। निज़ामत अजमल किन्तूरी ने की। मजलिस का आग़ाज़ तिलावते कलामे इलाही से मौलाना हिलाल अब्बास ने किया। अन्त में बानिये मजलिस ने सभी का शुक्रिया अदा किया।

स्वांतः सुखाय की भावना से करें कार्यः जिलाधिकारी

बेसिक शिक्षा विभाग के कई कार्यक्रमों का हुआ लोकार्पण

अवधनामा संवाददाता

महराजगंज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बेसिक शिक्षा विभाग के कई कार्यक्रमों का लोकार्पण लखनऊ के लोक भवन से किया। जिसका सजीव प्रसारण जनपद के कलेक्ट्रेट सभागार मे आयोजित हुआ। जनपद में कार्यक्रम जिला पंचायत अध्यक्ष रविकांत पटेल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। विधायक सदर जयमंगल कन्नौजिया ने कहा कि पहले की तुलना में प्राथमिक स्कूलों का कायाकल्प हुआ है। परिषदीय स्कूलों में अवसंरचना अब कॉन्वेंट स्कूलों के समान हो गई हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में वनटांगिया जैसे दुर्गम क्षेत्र में भी परिषदीय विद्यालय का निर्माण करवाया गया है। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा द्वारा अपने संबोधन में स्कूल चलो अभियान के द्वितीय चरण में अधिकाधिक संख्या में नामांकन कराये जाने का निर्देश दिया गया। साथ ही समस्त विद्यालयों के शिक्षकों से अपील की कि स्कूल चलो अभियान के द्वितीय फेज में गांव गांव जाकर एवं समिति के सदस्यों के साथ बैठक करके बच्चों के नामांकन पर विशेष रूप से कार्य करें। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2025-26 में अध्ययनरत 98818 विद्यार्थियों के अभिभावकों के बैंक खातों में रू.1200 की दर से डी0बी0टी0 के माध्यम से धनराशि प्रेषित किया जा रहा है। कायाकल्प के अन्तर्गत 19 पैरामीटर्स पर विद्यालयों को 97 प्रतिशत संतृप्त कर लिया गया है। कार्यक्रम के अंत में जनपद में 314 विद्यालयों में संचालित स्मार्ट क्लास में से 12 उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों के प्रधानाध्यपक को सम्मानित किया गया। इसी प्रकार समर कैम्प में सफल आयोजन करने हेतु जनपद के 12 विद्यालयों के प्रधानाध्यापक को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। जनपद के 12 विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को टैबलेट वितरण किया गया। जनपद के कुल घोषित हुए 823 निपुण विद्यालयों में से 24 विद्यालय को जनपद स्तर पर प्रशस्ति पत्र दिया गया।

पति की लंबी आयु के लिये सुहागिनों ने जल चढ़ाया

जैनपुर बाराबंकी। (अवधनामा संवाददाता) वट सावित्री व्रत पर महिलाओं ने की पूजाः हरख क्षेत्र में सुहागिनों ने वट वृक्ष को जल चढ़ाया, पति की लंबी आयु की कामना की। ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या पर हरख क्षेत्र में वट सावित्री व्रत श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। यह पर्व विवाहित महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखता है। सुहागिन महिलाएं पति की लंबी उम्र और अखंड सौभाग्य के लिए बरगद की पूजा करती हैं। पौराणिक मान्यता के अनुसार, इसी दिन सावित्री ने यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस लिए थे। सती सावित्री की तरह महिलाएं व्रत रखती हैं और वटवृक्ष को महादेव का रूप मानकर पूजा करती हैं। इस वर्ष व्रत का शुभ मुहूर्त 26 मई को दोपहर 12 बजकर 11 मिनट से प्रारंभ हुआ।

जिला पंचायत द्वारा बनाये गए सड़को हुई जर्जर, भष्टाचार की भेंट चढ़ गई

अवधनामा संवाददाता

रामनगर बाराबंकी। क्षेत्र में जिला पंचायत द्वारा करवाए जा रहे विकास कार्य काफी खराब हो रहे हैं। चाहे डामर रोड हो या खड़ंजा अथवा पुलिया सब मानक विहीन बन रहे मगर जे ई से लेकर एई तक पूंछने वाले नहीं है। जिला पंचायत से रामनगर इलाके में सरदार गंज में खड़ंजा लगवाया गया जो पीली इंटो का लगा। अमलोरा का भी खड़ंजा मानक अनुसार नही है।बेरिया व बहाव पुर में नाला बना जो सही नही है ।मल्लापुर के पास पुलिया की दिवार क्रेक हो गई और हरिनरायण पुर डामर रोड अभी से उखड़ने लगी।सभी कार्य ठेकेदारों द्वारा मनमाने कराए गए जिनमे जे ई की मिली भगत रही।अपर मुख्य अधिकारी ने जे ई से कार्य सही कराने और उखड़ी रोड को ठीक कराने को कहा मगर जे ई कुछ कर नही सके।वे भी ठेकेदारों की हा मे हा मिलाते रहे।सूत्र बताते है कि विकास कार्यो मे हुई भारी कमीशन खोरी से कार्य गड़बड़ हुए।कई खड़ंजा व नाला इस कदर खराब बने है कि साल भर टिकाऊ नही होंगे।

भाजपा ने कांग्रेस सांसद तनुज को मानसिक दिवालिया बताया

जैदपुर बाराबंकी। (अवधनामा संवाददाता) नगर पंचायत सभागार में पुण्यश्लोक अहिल्या बाई होल्कर त्रिशताब्दी स्मृति अभियान के तहत पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन कार्यक्रम का हुआ आयोजन जानकारी के अनुसार नगर पंचायत जैदपुर स्थित सभागार में पुण्य श्लोक अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी स्मृति अभियान पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन का सोमवार करीब 2 बजे आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि के रूप में श्रावस्ती के पूर्व जिलाध्यक्ष महेश मिश्रा शामिल हुए। हस मौके पर सभी कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व जिलाध्यक्ष महेश मिश्रा ने अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर प्रकाश डाला। वही इस मौके पर मीडिया से बातचीत करते हुए कांग्रेस सहित बाराबंकी सांसद तनुज पुनिया पर जमकर तंज कसा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक ऐसी पार्टी है जिसे अपना खुद का कोई इतिहास नहीं है। कांग्रेस के जितने नेता हैं वह मानसिक दिवालिया हो चुके हैं। तो तनुज पुनिया को भी मानसिक दिवालिया कहा जा सकता है। अमेरिका जैसा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत के लिए पलकें बिछाए खड़ा रहता है।

मदरसों पर कार्यवाही रोकने की मांग

अवधनामा संवाददाता

महराजगंज। तंजीमुलमुक़तिब संगठन ने उपजिलाधिकारी नन्द प्रकाश मौर्य को ज्ञापन देकर मदरसों पर हो रहे कार्यवाही को रोकने के लिए मांग किया है। संगठन के अध्यक्ष मौलाना वसीम अख्तर अज़ीज़ ने यह बताया कि गैर मान्यता प्राप्त मदरसे के सम्बन्ध में जमीयत उलमाए हिंद ने सर्वोच्च न्यायालय में अनुच्छेद 32 भारतीय संविधान के अनुसार याचिका दाखिल की गई है। उक्त याचिका के माध्यम से बिना किसी विधिक अधिकार के प्रदेश भर में गैर मान्यता प्राप्त मदरसों का उत्पीड़न उन्हें जबरन बंद कराए जाने पर रोक लगाने की मांग की गई है। जनाब अजीज ने यह मांग किया कि सर्वोच्च न्यायालय एवं विशेष सचिव उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी निर्देश का संज्ञान लेते हुए मदरसे पर हो रही कार्यवाही पर रोक लगाए जाएं।

लोकतंत्र सेनानियों ने जिलाधिकारी को दिया ज्ञापन

समय से सम्मान राशि भेजने की किया मांग

अवधनामा संवाददाता

महराजगंज। लोकतन्त्र रक्षक सेनानियों ने सम्मान राशि को भेजने में लापरवाही करने पर जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया। जिसमें उन्होंने समय से सम्मान राशि भेजने की मांग की। लोकतंत्र रक्षक सेनानी प्रदेश अध्यक्ष जयप्रकाश लाल व जिलाध्यक्ष फिरोज़ खान ने बताया कि लोकतंत्र सेनानी को सम्मान राशि भेजने में काफी लापरवाही किया जा रहा हैं। यदि सेनानियों का पैसा इस महीने के अंत तक नहीं मिला तो जनपद के सेनानी 3 जून से अनिश्चितकालीन धरना जिला मुख्यालय पर देंगे। उन्होंने बताया कि लोकतंत्र सेनानियों को प्रदेश सरकार द्वारा?20000 रुपए सम्मान राशि के रूप में दिया जाता है। जिसके निमित्त 17 अप्रैल को एक करोड़ 29 लाख रुपया जिलाधिकारी के खाते में शासन द्वारा भेज दिया गया है जनपद महाराजगंज के प्रशासनिक अधिकारी जे बाबू द्वारा उक्त पैसे को सेनानियों को उपलब्ध करने के बजाय उन्हें तंग करने के लिए 17 अप्रैल को आए हुए आदेश के विरुद्ध 2 मई को भुगतान निर्मित ट्रेजरी में भेजा जिसमें उन्होंने 23- 24 वर्ष का पैसा बांटने का डिमांड किया ट्रेजरी ने इस त्रटिपूर्ण कार्यवाही के लिए पुनः लिखा फिर जीवित होने के सत्यापन के लिए लिखा गया और सेनानियों के प्रयास से पूरे सत्यापन की लिस्ट आने के बावजूद भी पैसे का भुगतान नहीं किया है। पुनः सत्यापन करने की बात की जा रही है। सेनानियों ने मांग किया है कि प्रशासनिक अधिकारी के बजाय किसी और को जिम्मेदारी दिया जाए और सम्मान राशि को सम्मानपूर्वक दिया जाए। इस दौरान मुख्य रूप जिलाध्यक्ष फिरोज अहमद संगठन के प्रवक्ता जयप्रकाश लाल, सुभाष त्रिपाठी,त्रिजुगी पटेल दीनानाथ राममिलन सिंह, रामबचन प्रजापति, लालमोहर यादव,कोमल अवध राज यादव सहित तमाम लोग उपस्थित थे।

घर में मिला अजगर ग्रामीणों का लगा तांता

महराजगंज। (अवधनामा संवाददाता) थाना कोतवाली अंतर्गत ग्राम सभा गौनरिया बाबू के एक घर में अजगर सांप मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची रेस्क्यू टीम ने अजगर पकड़ कर उठा ले है। जानकारी के अनुसार गौनरिया बाबू निवासी रामानंद का घर गांव के बाहर नहर के किनारे है। रविवार की रात्रि 12 बजे के करीब किचन में पानी पीने गए तो अजगर देख सहम गए फिर आस पास के लोगों को सूचना दी और उसे पकड़ कर एक ड्रम में रख वन विभाग को सूचित करने का प्रयास किया गया। लेकिन पूरी रात जितने भी नंबर पर संपर्क किया गया किसी का कॉल रिसीव नहीं हुआ । थक हार कर डायल 112 को काल किया तो वहां से कुछ अधिकारियों के नंबर दिए गए लेकिन उन नंबरो पर भी काल नहीं रिसीव हुआ और कुछ पर काल ही नहीं लगा।

लारैब पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया, टॉपर को साईकिल दिया

अवधनामा संवाददाता

कोठी बाराबंकी। ग्राम मीरपुर स्थित लारैब पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर जिले के तेजतर्रार कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया जिला पंचायत सदस्य गीता, हिंदुस्तान के मशहूर डॉक्टर सैय्यद हैदर मेहंदी ने स्कूली बच्चो द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। जिसे देखकर सांसद तनुज पुनिया ने बच्चो का हौसला बढ़ाया। बच्चो के रंगारंग प्रस्तुतियो से स्कूल का आंगन खिल उठा और वहाँ तालियों की गडगडाहट से स्कूल परिसर गूंज उठा। कार्यक्रम के दौरान सांसद तनुज पुनिया ने स्कूल टॉपर अलीना ज़ैदी को साईकिल देकर सम्मानित किया और स्कूल प्रबंधक मौलाना जफर अब्बास उर्फ कुम्मी की जमकर प्रशास करते हुवे कहा कि आज के बच्चे कल देश का भविष्य बनायेंगे। उन्होंने वादा किया हमसे जो बन पड़ेगा वो हम पूरा करने की कोशिश करेंगे। जिला पंचायत सदस्य गीता ने स्कूल की तारीफ करते हुवे कहा कि लारैब पब्लिक स्कूल में बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण कर रहे जो काबिले तारीफ है। डॉक्टर ने संबोधित करते हुवे कहा कि बच्चो के माता पिता स्कूल का टीचर होता है और शिक्षक का फर्ज है कि बच्चो को अच्छी शिक्षा प्रदान करने में भूमिका निभाना चाहिए।

डबल इंजन सरकार में नारी समृद्ध समाज का सर्वांगीण विकास हुआ : राजेश पाल

अवधनामा संवाददाता

- देश की दो बेटियों ने पाकिस्तान के 9 आतंकवाद के ठिकानों को निस्तोनाबूत कर दिया: डा सतीश द्विवेदी
- पुण्य श्लोक अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी

इटवा सिद्धार्थनगर। पुण्य श्लोक देवी अहिल्याबाई होल्कर भारतीय इतिहास की उन महान नारियों में से हे की जिन्होंने नारी शक्ति प्रशासनिक दक्षता और धर्म परायणता का ऐसा अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। उक्त बातें इटवा के शिवम् मैरेज हाल में सोमवार को मुख्य अतिथि गोरखपुर के क्षेत्रीय मंत्री राजेश पाल ने पुण्य श्लोक अहिल्याबाई होल्कर स्मृति अभियान के विधानसभा पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन में कही।

उन्होंने कहा कि लोक माता अहिल्याबाई होल्कर भारतीय इतिहास में एक ऐसी शासिका के रूप में जानी जाती है जिनका जीवन आध्यात्मिकता धर्म कर्म और सुशासन का अनुपम संगम था। क्षेत्रीय मंत्री राजेश पाल ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की अनन्य स्वरूप ने उन्हें पुण्य शलोक की उपाधि प्रदान की। उनकी शिव शक्ति और धार्मिक कार्यों के प्रति समर्पण ने उन्हें युगों तक अमर बना दिया। क्षेत्रीय मंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में पुण्यशलोक अहिल्या बाई होलकर के नाम पर 7 जनपदों में श्रमजीवी महिला हॉस्टल मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना में 22,12 लाख निराश्रित महिला पेंशन योजना में 30,98 लाख मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) 53,60 पात्र लाभान्वित हुए और 2 लाख से अधिक महिलाएं पी एम स्वनिधि योजना और प्रधानमंत्री मातृ वंदना। योजना से 60 लाख से अधिक महिलाएं लाभान्वित हुई है। क्षेत्रीय मंत्री ने कहा डबल इंजन की सरकार में महिलाओं के लिए ऐसी बहुत योजनाएं चल रही हैं जिससे डबल इंजन सरकार में नारी समृद्ध समाज की सर्वांगीण विकास हुआ हैं। इस अवसर पर पूर्व मंत्री डॉ द्विवेदी ने कहा की महिला सशक्तिकरण की प्रतीक देवी अहिल्या बाई ने बाबा विश्वनाथ के मंदिर को वर्तमान स्वरूप देने का काम किया था। राष्ट्र निर्माण के कार्यों के लिए देश के लोगों को कर्तव्यपथ की दिशा दिखाने के लिए देवी अहिल्या को देश हमेशा याद रखेगा। पूर्व मंत्री डॉ द्विवेदी ने कहा कि राजतंत्र में लोकतंत्र की चेतना से दीप्त राजमाता का शासन काल आज भी सुराज और सुशासन के लिए एक आदर्श मानक है । लोकमाता अहिल्या बाई होलकर की नीति चिंतन और राष्ट्रीय दृष्टि और एक भारत -श्रेष्ठ भारत का भाव सही मायने में दृष्टिगोचित होता है। पूर्व मंत्री ने कहा कि हमारे देश की दो बेटियों ने अद्वतीय पराक्रम के साथ ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के 9 आतंकवाद के ठिकानों को निस्तोनाबूत कर दिया है। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष बिस्कोहर अजय गुप्ता, नगर पंचायत अध्यक्ष इटवा विकास जायसवाल , जिला मंत्री कृष्णा मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य प्रदीप कसौधन, कार्यक्रम संयोजक पूर्व ब्लॉक प्रमुख बलराम मिश्रा, वरिष्ठ भाजपा नेता हरिशंकर सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि राजेंद्र दूबे, मंडल अध्यक्षग दीप नारायण त्रिपाठी, राजेश पाण्डेय, सुरेश्वर पूरी सहित भाजपा वरिष्ठ नेतागण कार्यकर्तागण प्रधानगण युवा भाजपा कार्यकर्तागण, व्यापारीगण उपस्थित रहे।

आज आएंगे जनपद के प्रभारी मंत्री

सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री और जनपद के प्रभारी मंत्री अनिल राजभर मंगलवार को जिले में आएंगे। जहां वह लोहिया कला भवन में 11.30 बजे से भाजपा की ओर से रानी अहिल्याबाई होल्कर जन्म त्रशताब्दी वर्ष स्मृति अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। यह जानकारी भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी निशांत पांडेय ने दी। बताया कि भाजपा जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में सांसद, विधायक, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, पूर्व पदाधिकारी समेत पार्टी के वर्तमान पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं को आमंत्रित किया गया है।

दिवंगत सहपाठीयो की स्मृति मे मजलिस का आयोजन

जलालपुर अम्बेडकरनगर अवधनामा संवाददाता। मदरसा इमामिया जाफरिया जाफराबाद के पुरा छात्रों की तरफ से दिवंगत सहपाठियों की स्मृति में नगर के जाफराबाद स्थित बहिश्त-ए-वफा में आयोजित मजलिस को खिताब करते हुए मौलाना काजिम मेहंदी उरूज ने कहा कि शिक्षा का महत्व हर दौर में रहा है। उन्होंने कहा कि मोहम्मद साहब ने कहा कि मैं शहर -ए- इल्म हूं। और अली उसके दरवाजा हैं। उन्होंने हज़रत अली को इल्म का पैकर बताते हुए कहा कि ऐसा इल्म बेकार है जो किसी को फायदा न पहुंचा पाए। मौलाना ने मजलिस के अंत में हज़रत अली अकबर के मसाएब बयान किया तो मोमनीन अशक बार हो रहा। मजलिस से पूर्व मास्टर अशफाक हुसैन ने पेश ख्वानी किया। सुरूर व उनके हमनवां ने मर्सिया ख्वानी पेश किया। मजलिस में मौलाना मेहदी हसन, मौलाना अकबर अली, मौलाना र ईस हैदर, मौलाना मीसम रज़ा, इब्ने अली जाफरी,अकबर एजाज,अली रमजान मास्टर शरीफ अहमद आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम के संयोजक मोहम्मद अब्दुल्ला ने बताया विगत माह मोमिन हसन,हैदर मेंहदी, मेजबान असगर, फात्मा जहरा पुत्री नज़र अब्बास, फात्मा जहरा पुत्री कल्बे हसन कम उम्र में ही दुनिया को अलविदा कह दिया था। ऐसे में यह मजलिस दिवंगत सहपाठियों के ईसाल -ए-सवाब के लिए आयोजित की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में अली हेलाल, मोहम्मद अकबर, नदीम, जाहिद, तुफैल, मोहम्मद मेंहदी मोहम्मद फैजान, मोहम्मद हानी, मोहम्मद फैजी एडवोकेट, आदि सक्रिय रहे।

अहिल्याबाई होलकर का जीवन प्रेरणादायक है : पूर्व जिलाध्यक्ष

अवधनामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होलकर जन्म त्रिशताब्दी स्मृति अभियान जयंती अंतर्गत विधानसभा कपिलवस्तु स्थित नौगढ़ ब्लॉक सभागार में कपिलवस्तु विधानसभा के पंचायत प्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष संतकबीरनगर सेतभान राय ने संबोधित करते हुए अहिल्या बाई होलकर के जीवनवृत्त के विषय में बताया कि अहिल्याबाई होलकर का जीवन प्रेरणादायक है ।उनका जीवन शौर्य साधना सेवा समर्पण और सादगी का प्रतीक है। अहिल्या बाई होलकर नारी शशक्तीकरण की प्रेरणा स्रोत, एक अद्वितीय व्यक्तित्व की महिला थी जिन्होंने अपने शासन काल में मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र को एक नई दिशा दी थी। इस दौरान सदर विधायक श्यामधनी राही ने कहा कि सनातन संस्कृति में अगाध आस्था रखने वाली पुण्यलोक अहिल्या बाई ने विपरीत परिस्थितियों में भी भारत के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को संजोए रखा। तत्कालीन मुगलों के शासनकाल होने के बावजूद भी उन्होंने सोमनाथ मंदिर, काशी विश्वनाथ मंदिर सहित सैकड़ों मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया। वह एक न्यायप्रिय महारानी थीं। उन्होंने अपने शासनकाल में सेना को भी अधिक मजबूती दी थी। जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने बताया कि अहिल्या बाई होलकर नारी शशक्तीकरण का पर्याय रहीं। इसलिए भाजपा की केंद्र व प्रदेश सरकार अहिल्याबाई होलकर के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रेरणा मानकर मूर्त रूप दे रही है। कार्यक्रम का संचालन संयोजक तेजू विश्वकर्मा ने किया। सत्य प्रकाश राही, नितेश पाण्डेय दीपक मौर्य, विपिन सिंह, फतेहबहादुर सिंह, सच्चिदानंद चौबे, अरुणिमा मिश्रा, राजेश मिश्र, रेनू मिश्र, गंगा मिश्र, दिलीप पाण्डेय, अर्चिष्म मिश्र, अमित उपाध्याय, दृग नारायण सिंह, सोनू गुप्ता, जगदीश जायसवाल, मूसे सिंह, चंद्र मोहन चौधरी, राजकुमार चौधरी, अजय गुप्ता, सुधीर पाण्डेय उर्फ़ फरसा बाबा, रामकृष्ण पाण्डेय, मुनिराम राजभर, बालगोविंद पाठक, मनीष जायसवाल अनिल चौधरी अनुराग कसौधन बबलू पाण्डेय रवि पाण्डेय कृष्ण दत्त त्रिपाठी विवेक गोस्वामी मंगलेश शुक्ला सोनू सिंह विजय चौरसिया सत्या दुबे मंटू विश्वकर्मा सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

ट्रेलर की चपेट में आने से पिता की मौत पुत्र घायल

बांसी सिद्धार्थनगर। एन एच 28 पर कोतवाली क्षेत्र के पिपरा भैया गांव के पास ट्रेलर की चपेट में आने से रविवार को मोटरसाइकिल सवार पिता की मौत हो गई और पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया जिसका इलाज मेडिकल कालेज सिद्धार्थनगर में चल रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। और घटना को अंजाम देने वाले ट्रेलर को पकड़ लिया है जबकि चालक फरार हो गया है। घटना की सूचना मिलते ही घर में कोहराम मच गया और पूरे क्षेत्र में शोक व्याप्त हो गया है। पिता रामशब्द चौरसिया 60 पुत्र कामता व पुत्र 35 वर्षीय अमित चौरसिया निवासी ग्राम धनघटा थाना शिवनगर डिडई मोटरसाइकिल से किसी काम से बांसी आए थे और शाम पांच बजे लौटकर घर जा रहे थे जैसे ही पिपरा भैया गांव के पास पहुंचे सामने से आ रहे ट्रेलर ने ठोकर मार दिया। जिससे पिता रामशब्द चौरसिया की मौके पर मौत हो गई और पुत्र अमित चौरसिया गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए तत्काल उच्चीकृत संयुक्त अस्पताल बांसी लाया गया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर मेडिकल कालेज सिद्धार्थनगर रेफर कर दिया जहां उसका इलाज चल रहा है। कोतवाल संतोष कुमार तिवारी ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि घटना के बाद ट्रेलर छोड़कर चालक भाग गया है।

लाइव प्रसारण सुन निपुण विद्यालयों के प्रधानाध्यापक हुए सम्मानित

अवधनामा संवाददाता

- परिषदीय विद्यालय अब किसी कान्वेंट विद्यालय से कम नही : पिंटू यादव
- समर कैंप के आयोजन से बच्चों की दबी प्रतिभा निखारने का सुनहरा मौका : अर्जुन प्रसाद वर्मा

पौली, बस्ती। ब्लाक संसाधन केंद्र पौली के उच्च प्राथमिक विद्यालय शनिचरा बाजार के सभागार में सोमवार को मुख्यमंत्री द्वारा बेसिक शिक्षा विभाग के छात्र-छात्राओं को डीबीटी के माध्याम से धनराशि स्थानांतरण, लोकार्पण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण, टेबलेट वितरण व निपुण विद्यालयों के प्रधानाध्यपको के सम्मान समारोह कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि पिंटू यादव व खंड शिक्षा अधिकारी अर्जुन प्रसाद वर्मा ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया।

मुख्य अतिथि ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को जूता, मौज, बैग, ड्रेस व स्टेशनरी की धनराशि अभिभावको के खाते में स्थानांतरित करने का काम भाजपा सरकार में ही संभव है। इसके पूर्ववर्ती सरकार अपने चहेतो को ठेका दे कर स्कूलो में वितरित कराने का काम करती थी। अब बच्चों को एक ही छत के नीचे प्री प्राइमरी से इंटर तक की शिक्षा मिलने जा रही है। परिषदीय विद्यालय अब किसी कान्वेंट विद्यालय से कम नही है। गुणवत्ता युक्त शिक्षा के साथ-साथ मूलभूत सुविधा से भी लैश हो चुका है।

खंड शिक्षा अधिकारी अर्जुन प्रसाद वर्मा ने कहा कि डीबीटी के माध्यम से अध्यनरत छात्र-छात्राओं के अभिभावकों के खाते में 1200 रुपया भेजा गया है। सभी अभिभावकों से अनुरोध है कि बच्चों को जूता, मौज, ड्रेस व स्वेटर अवश्य खरीदे। परिषदीय विद्यालयों में योग्य शिक्षकों द्वारा शिक्षण कार्य किया जा रहा है। अभिभावक अधिक से अधिक अपने बच्चों का नामांकन कराएं। परिषदीय विद्यालयों में समर कैंप के आयोजन से बच्चों में प्रतिभा निखारने का अच्छा मंच मिला है।

निपुण विद्यालयों के प्रधानाध्यापको को प्रमाण पत्र देखकर सम्मानित करने के साथ-साथ अवशेष विद्यालय के प्रधानाध्यापक को टैबलेट भी वितरित किया। कार्यक्रम की शुरुआत में शिक्षक अमित सिंह ने सरस्वती वंदना व शिक्षक देवेंद्र कुमार ने स्वागत गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लाक अध्यक्ष उदय प्रताप यादव ने किया। खंड शिक्षा अधिकारी अर्जुन प्रसाद वर्मा ने आए हुए अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में हरिराम यादव, दिलीप कुमार, आदर्श मणि त्रिपाठी, रतीभान चौधरी, भोलेंद्र यादव, अमित सिंह, रामगोपाल, मोहम्मद रऊफ, नरेंद्र कुमार, राकेश, खालिद, राम मोहन शुक्ला, राजकुमार यादव, अजय कुमार, महेंद्र अमरोही, कुंदन यादव, धर्मेंद्र शाहिद तमाम शिक्षक मौजूद रहे।

अधीक्षक के तहरीर पर डाक्टर के कुर्सी पर बैठे व्यक्ति पर मुकदमा दर्ज

लोटन सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लोटन में एक व्यक्ति द्वारा डाक्टर के कुर्सी पर बैठ कर मरीजों का दवा लिखने का मामला सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अधीक्षक अमित चौधरी के तहरीर पर रविवार देर शाम को मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दिया गया है। घटना शनिवार का बताया जा रहा है। अधीक्षक अमित चौधरी ने अपने तहरीर में कहां है कि मैं शनिवार को क्षेत्र भ्रमण पर गया था। उसी दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लोटन मे कार्यरत डाक्टर फातिमा का भाई डाक्टर के कुर्सी पर बैठ कर मरीजों का पर्ची लेकर दवा लिखने लगा। जिसका विडियो वायरल होने के बाद उस के खिलाफ तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई कराने की मांग पर पुलिस ने उप व्यक्ति के खिलाफ धारा-204 के तहत मुकदमा पंजीकृत कर कार्यवाही में जुटी हुई है। थाना प्रभारी लोटन दिनेश कुमार सरोज का कहना है कि सीएचसी अधीक्षक अमित चौधरी के दिये गये तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर दिया गया है। जांच कर कानूनी कार्यवाही की जायेगी। क्षेत्र में चर्चा है कि अग्यात व्यक्ति का वायरल फोटो लोटन में तैनात डाक्टर फातिमा बेग के साथ आता जाता अक्सर देखा जाता है। अब किस आधार पर उनके जगह पर एक व्यक्त दवा लिख रहा था यह सोचने की बात है। ऐसी ही लापरवाही से बड़ी घटना हो जाती है यह जांच का विषय है।

मां बाप रब की रहमत हैं : अल्लामा अल्वी

सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। मां बाप अपने बच्चों के लिए रब की अज़ीम रहमत हैं। जब बच्चे अपने मां बाप की खिदमत करते हैं और उनका दिल खुश रखते हैं तो ऐसे बच्चों से अल्लाह भी खुश रहता है और उनकी मुश्किलों, परेशानियों को दूर करता है। जिन लोगों के माँ या बाप दुनिया में नहीं हैं वो अपने समाज में भलाई के काम करके अपने मां-बाप की रूह को सुकून पहुंचा सकते हैं। बर्डपुर ब्लाक के टोला रेहरा में आयोजित अज़मत ए वालदैन कांफ्रेंस में यह बातें मशहूर आलिम ए दीन हज़रत मौलाना गुलाम अब्दुल कादिर अल्वी ने अपने खिताब में कहीं। प्रोग्राम के दौरान अल्लामा आसिफ अल्वी ने कहा कि माँ के कदमों के नीचे जन्नत है तो बाप को जन्नत का दरवाजा कहा गया है। अपने मां बाप की खिदमत न करने वाले रब की रहमत और जन्नत के हकदार नहीं रह जाते हैं। रविवार की रात मरहूम हाजी ज़ियाउल्लाह के फातिहा चेहल्लुम के मौके पर आयोजित दीनी व इस्लाही कांफ्रेंस में मौलाना सैयद अफरोज अहमद नूरी, मौलाना नूर हसन अल्वी, मौलाना फरीद अहमद सिद्दीकी, मौलाना खुर्शीद फैजी, मौलाना इमरान बरकाती और मौलाना गुफरान अशर्फी ने भी संबोधित किया। प्रोग्राम में मौलाना इश्तियाक अहमद कादरी, अतहर फैजी, कलामुद्दीन फैजी, अबरार फैजी,अतहर फैजी, अयूब कादरी, शहजाद कादरी,नेमत सिद्दीकी, अब्दुल करीम फैजी, चौधरी अब्दुल हई, हाजी मोहम्मद नसीम खान, मुहिब अली, रियाज अहमद, नियाज अहमद और अशरफ़ खान सहित बड़ी तादाद में सामईन की मौजूदगी रही।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने पार्टी पदाधिकारियों को लेकर डीएम-एसपी के साथ की बैठक

प्रशासनिक स्तर पर पार्टी पदाधिकारियों के कार्य को मिले प्राथमिकता : कन्हैया पासवान

अवधनामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रट सभागार में रविवार को भाजपा जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने पार्टी पदाधिकारियों को लेकर जिलाधिकारी डॉ राजा गणपति आर0 व पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के साथ बैठक किया।

बैठक में जिलाधिकारी राजा गणपति आर ने स्वागत भाषण के सभी का अभिनंदन किया। जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक के साथ बैठक में कहा भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं का कार्य मेरी पहली प्राथमिकता है प्रशासनिक स्तर पर पार्टी पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं के कार्य को प्राथमिकता दी जाए एंव उनके सम्मान के साथ कोई समझौता न किया जाए जिस पर जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा जिलाध्यक्ष को आश्वाशन दिया गया की किसी भी दशा में किसी के सम्मान से कोई समझौता नहीं किया जाएगा जनता की सेवा ही हमारी प्राथमिकता है। वहीं उपस्थित पार्टी पदाधिकारियों ने अपने अपने क्षेत्र की जन समस्याओं से जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक को अवगत कराया जिस पर डीएम व एसपी द्वारा समाधान हेतु आश्वासन दिया गया।

जिलाधिकारी राजा गणपति ने सभी बिंदुओं को सुनते हुए समाधान के लिए आश्वासन दिया एवं कहा आप सभी के सहयोग की अपेक्षा जिला प्रशासन को हमेशा रहेगी। पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन ने बेहतर पुलिसिंग करने के लिए सभी के सहयोग की बात कही।

बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष बृजबिहारी मिश्रा, लाल जी त्रिपाठी, साधना चौधरी, जिला महामंत्री विपिन सिंह, मधुसूदन अग्रहरि, विजयकांत चतुर्वेदी, जिला उपाध्यक्ष दीपक मौर्य, चेयरमैन अजय गुप्ता, विकास जयसवाल, जिला मंत्री फतेबहादुर सिंह, अजय उपाध्याय, बिंदुमती मिश्रा, कृष्णा मिश्रा, जिला मीडिया प्रभारी निशांत पाण्डेय, अरविंद उपाध्याय, संतोष शुक्ला, मंगल चौरसिया, अमित उपाध्याय, रमेश मणि त्रिपाठी, महेंद्र लोधी, फूलचंद जयसवाल, अनुराग गगन, अरुणा मिश्रा, दृग नारायण सिंह, राकेश आर्य, विश्वनाथ पाण्डेय, शिवशक्ति शर्मा सहित समस्त मंडल अध्यक्षगण उपस्थित रहे।

धरनीहवा प्रधान के मृत्यु के बाद एसडीएम की अध्यक्षता में सदस्य को चुना गया प्रधान

अवधनामा संवाददाता

लोटन सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड लोटन के ग्राम पंचायत धरनिहवां के मिनी सचिवालय मे निर्वाचित प्रधान तीरथ चौहान के दिनांक 28/03/2025 के मृत्यु होने के बाद जिलाधिकारी महोदय के निर्देश पर पूर्व प्रसारित सूचना के आधार पर धरनीहवा मिनी सचिवालय में सोमवार को यस डी एम कल्याण सिंह मौर्या के अध्यक्षता में सचिव की मौजूदगी मे बैठक कर ग्राम पंचायत मे विकास कार्य करने के लिए कार्यवाहक प्रधान का चैन किया गया। बैठक में कार्यवाहक प्रधान के लिए कन्हई यादव व इरफान खान ने पर्चा भरा जब कि ग्राम पंचायत में कुल तेरह सदस्य थे जिसमें से एक सदस्य की भी कुछ माह पहले मृत्यु हो जाने के कारण बारह ही सदस्य बचे। जिसमें चुनाव के बाद दोनों प्रत्याशियों को छ- छ- वोट मिलने के कारण फैसला न हो पाने से दोनों प्रत्याशियों के सहमति के आधार पर दोनो नाम का दो दो पर्ची बना कर एक डिब्बे में डाल कर एक बच्चे से पर्ची निकलवाया गया। जिसमें कन्हई यादव विजयी हुए। एसडीएम ने त्रिस्तरीय चुनाव होने तक ग्राम पंचायत धरनिहवां का विकास कार्य देखने का कन्हई को शपथ दिलाया। इस दौरान एडीओ पंचायत सदानंद वर्मा,सचिव विनोद कुमार चौधरी, सदस्य कमलावती, ओमप्रकाश, उर्मिला, इरफान, रामजीत, मरियम, कन्हई, माया देवी, माया, दुखनी, इमरान, कलावती सहित तमाम लोग मौजूद रहें।

बेसिक शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण

जलालपुर अम्बेडकरनगर। लखनऊ स्थित लोकभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बेसिक शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट प्रसारण ब्लॉक संसाधन केंद्र जलालपुर में खंड शिक्षा अधिकारी मीनाक्षी सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों व कर्मचारियो ने देखा।मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ ने 43 मुख्यमंत्री माडल कम्पोजिट विद्यालयों एवं 66 मुख्यमंत्री अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालय का शिलान्यास समेत परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे नौनिहालो के लिए ड्रेस जूता मोज़ा स्कूल बैग एवं स्टेशनरी हेतु 1200 रूपए अभिभावकों के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है। जनप्रतिनिधि के तौर पर कुसुमखोर के ग्राम प्रधान विशाल सिंह मौजूद रहे।

श्रीमद्भागवत के दौरान कथा वाचक ने सुनाई श्रीकृष्ण सुदामा के मित्रता की कथा

अवधनामा संवाददाता

बांसी सिद्धार्थनगर। बांसी तहसील क्षेत्र के गोनहाताल पूर्वी गांव में सात दिवसीय आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के छठवीं रात रविवार को कथावाचक आचार्य पं. सत्य प्रकाश पाण्डेय ने श्रीकृष्ण सुदामा मित्रता की कथा सुनाई। कथा सुनकर पंडाल में उपस्थित श्रद्धालु भाव विभोर हो उठें।

कथावाचक आचार्य पं. सत्य प्रकाश पाण्डेय ने श्रीकृष्ण-सुदामा मित्रता का वर्णन करते हुए उनकी मित्रता को प्रेरणादाई बताया। कृष्ण और बलराम मध्य प्रदेश के उज्जैन (अवंतिका) नगरी स्थित ऋषि संदीपनी के आश्रम में रह कर विद्या अध्ययन करते थे। वहा श्रीकृष्ण के कई मित्रों में से एक खास मित्र थे जिनका नाम था सुदामा। श्रीकृष्णा और सुदामा दोनों बचपन के मित्र थे। सुदामा एक गरीब ब्राह्मण के पुत्र थे। श्रीकृष्ण और सुदामा आश्रम से भिक्षा मांगने नगर में जाया करते थे। और पुनः आश्रम में लौट कर भिक्षा गुरु माता के चरणों में रखने के बाद ही भोजन करते थे। एक बार गुरु माता ने श्रीकृष्ण और सुदामा को जंगल से लकड़ी लाने के लिए कहा। जंगल में जाते समय सुदामा को चना दिया और कहा कि इसमें से आधा चना श्रीकृष्ण को दे देना और आधा तुम खा लेना। उसके बाद दोनों जंगल में लकड़ी लेने चले गए। जंगल में पहुंचते ही बारिश होने लगी और तभी दोनों शेर को आते देखकर कर एक वृक्ष पर चढ़ कर बैठ गए । फिर सुदामा अपने पल्लू से चना निकालकर खाने लगे। चना खाने की आवाज सुनकर श्रीकृष्ण कहते हैं अरे ये कट-कट की आवाज कहा से आ रही है मित्र कुछ खा रहे हो क्या। सुदामा ने कहा नहीं मित्र ये तो सर्दी के मारे मेरे दांत कट-कटा रहे हैं। श्रीकृष्ण ने कहा कि मुझे भी बहुत सर्दी लग रही है। सुना है कि कुछ खाने से शरीर में गर्मी आ जाती है।

लाओ गुरु माता ने जो चना दिया था दोनों बांटकर खा लेते हैं। यह सुनकर सुदामा ने कहा कि चना कहा है वो तो पेड़ पर चढ़ते समय ही मेरे पल्लू से नीचे गिर गया था। यह सुनकर नीचे की डाल पर बैठे श्रीकृष्ण समझ जाते हैं और कहते हैं ओह यह तो बहुत बुरा हुआ। तब भगवान श्रीकृष्ण चमत्कार से अपने हाथों में चने की पोटली मंगाते हैं। और ऊपर चढ़कर सुदामा को कहते हैं कि मेरे पास ये चने हैं, तुम खा लो। यह सुनकर सुदामा कहते हैं कि चना तुम्हारे पास कहा से आए। तब श्रीकृष्ण कहते हैं कि मुझे भूख कम लगती है पिछली बार जब गुरु माता ने मुझे चना दिया था तो वह चना अब तक मेरी अंटी में बंधे हुए थे, लो अब जल्दी से खा लो। यह सुनकर सुदामा कहने लगे कि नहीं नहीं मैं इस चने को नहीं ले सकता। तब श्रीकृष्ण ने कहा कि क्यों नहीं ले सकते हो।

सुदामा रोते हुए कहने लगे कि मैं इसका अधिकारी नहीं हूं, साथ ही मैं तुम्हारी मित्रता का भी अधिकारी नहीं हूं क्योंकि मैंने तुम्हें धोखा दिया है। हे श्रीकृष्ण मुझे क्षमा कर दो क्योंकि मैंने तुम्हारे भाग का भी चना खा लिया। और तुम्हारे द्वारा पूछने पर बताया कि मुझे ठंड लग रही है। तब श्रीकृष्ण ने कहा अरे जिसे मित्र कहते हो उससे क्षमा मांगकर उसको लज्जित मत करो। इसी प्रकार श्रीकृष्ण सुदामा को वचन देते हैं कि मित्र जब भी तुम्हारे उपर संकट पड़ेगा तो मुझे याद करना, मैं हर संभव तुम्हारी मदद करके अपनी मित्रता निभाऊंगा। इस अवसर पर राम अनुज, अजय, विनोद, चन्दु, रमेश आदि उपस्थित रहे।

इंग्लैन्ड को दौरा गिल कप्तान

इंग्लैन्ड जाने वाले टीम की घोषणा हो गई है। टीम के लिये भारतीय अनुभवी बैटर गिल को 37वें टेस्ट टीम के लिये भारतीय टीम नया कप्तान चुना गया है। 18 सदस्यीय टीम का उप कप्तान ऋषभ पन्त होगे जो बेहतरीन वीकेट कीपर भी है। कप्तानी के लिये जसप्रीत बुमराह, ऋषभ पन्त और के एल राहुल के नाम की चर्चा हुई। पर कप्तानी का ताज प्रिन्स के नाम से मशहूर हो चुके शुभमान गिल के सर पर सजी। चयनकर्ताओं का उम्मीद है कि खेल मैदान वे एक शानदार बैटर और कप्तान साबित होगे। वीकेट कीपर और बैटर के रूप में ऋषभ अपना सराहनीय योगदान देगे। हमेशा उनकी खुश रहने की आदा और साथियों को खुश रखने की आदत खिलाड़ियों ताजगी देती रहती है।

गिल ने 2020 में डेब्यू किया था। गिल 32 टेस्ट मैच खेल चुके है। इंग्लैन्ड में 20 जून से लीडस में मैच शुरू होगा। गिल पांच शतक और सात अर्धशतक लगा चुके है। 35 के औसत से 1993 रन बनाये है। 2017 में अपने पिछले टेस्ट में ट्रिपल सेन्चुरी लगाये इसके बाद टीम से बाहर हो गये थे। अब उनकी टेस्ट टीम में वापसी हुई है। टीम के चीफ सेलेक्टर आगरकर ने कहा गिल हमें आगे ले जाने वाले खिलाड़ी साबित होगे वह एक शानदार खिलाड़ी है, हम सभी को उनसे बहुत उम्मीद है।

टेस्ट क्रिकेट खिलाडी रोहित शर्मा के रिटायरमेन्ट के बाद से ही नये कप्तान की चर्चा चल रही थी अब उस पर विराम लग गया है। पूरी तरह से फिट नहीं होने की वजह से लम्बे दौरे के लिए सर्फराज को उपयुक्त नही माना गया और टीम में उन्हें जगह नही दी गयी। आस्टेऊलिया टीम के शामिल नही किया गया है। पटौदी, कापिल देव की विरासत को गिल कितना आगे ले जाते है और टेस्ट में भारत को जीत दिला पाते है या नहीं इस पर सबकी निगाहे होगी। भारती जवानो की क्रिकेट की दिवानगी से पूरा दुनियां वाकिफ है। मैजूदा आईपीएल में सबसे ज्याद 6.38 रन जुटाने वाले बैटर सुदर्शन गिल से दौर में आगे है। उनकी 4 पर्फामेन्स पर सबकी निगाहे होगी। टीम के बल्लेबाज सुदर्शन चार सालों से गिल के साथ क्रिकेट खेल रहे है। वह गिल की प्रतिभा का तारीफ करते अघाते नहीं है। एक कप्तान में टीम के सदस्यों का इस कदर का विश्वास कैप्टन के लिये तो टानिक है ही खिलाड़ियों के लिये भी टानिक है। रोहित और कोहली के रिटायरमेंन्ट के बाद गिल पर बड़ी जिम्मेदारी आ गई है। उन्हें केल जीत ही हासिल नही करनी है साथी खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हुये उन्हें आगे भी ले जाना है। प्रतिभा शाली खिलाड़ियो को तराश कर आगे भी ले जाना है। पढौदी बार्डेकर, कपिल देव साथी खिलाड़ियों को आगे बढ़ते रहने के लिये प्रोत्साहित करते रहे है। गिल को भी वही करना चाहिये। जितनी मजबूत प्रतिभाशाली टीम बनाये में उतना ही उन्हें फायदा मिलेगा और उनका खेल आगे बढ़ता जायेगा। बड़े बल्लेबाजो के कैरियर में बीच में बहुत खराब फार्म आ जाता है पर घबराकर वे खेल को छोड़ते नही है और खराब फार्म से उबर उन्हें फिर अपनी लय हासिल हो जाती है। वे ढेरो रन भी बनाते है और रिकार्ड भी स्थापित करते है। गिल अभी नये है और उम्र भी कम है अगर इच्छानुसार रन नही बना पाते है तो उन्हें घबराना नही चाहिये। पुराने खिलाडियों को याद कर खेल में अपना सर्वश्रेष्ठ देते रहे उन्हें भी सफलता मिलेगी नये रिकार्ड स्थापित करेगे। बस आज मनसिकता गिरने नही दे। उस दौरान उनकी कोई और हाबी है तो उसे अपना कर पूराना ऊर्जा हासिल कर सकते है। कप्तानी के लिये और उनकी टीम के सफलता के लिये अवधनामा परिवार की शुभकामनायें।

नये आर्थिक सूरज बनने के सुखद एवं गौरवपूर्ण पल

ललित गर्ग

नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने रविवार की सुबह नये उगते सूरज के साथ भारत के नये आर्थिक सूरज बनने की सुखद एवं आह्लादकारी खबर दी। उन्होंने बताया कि भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अब अगले ढाई से तीन वर्षों में जर्मनी को हटाकर तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकडों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की जीडीपी बन चुके भारत ने अनेक नवीन संभावनाओं एवं उपलब्धियों को पंख लगाये हैं। निश्चित ही भारत आर्थिक क्षेत्र के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में एक महाशक्ति बन कर उभर रहा है, जो हर भारतीय के लिये गर्व एवं गौरव की बात है।

सुब्रह्मण्यम ने कहा, केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और जर्मनी ही हमसे बड़े हैं और जो योजना बनाई जा रही है, अगर हम उसी पर टिके रहते हैं, अपनी योजनाओं एवं नीतियों को आगे बढ़ाते है तो भारत शीघ्र ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अप्रैल 2025 में कहा था कि 2025 में भारत की नॉमिनल जीडीपी बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के अनुमानों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन सकता है। 2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर सकती है और इस दौरान जीडीपी का आकार 5,069.47 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। वहीं, 2028 तक भारत की जीडीपी का आकार 5,584.476 अरब डॉलर होगा, जबकि इस दौरान जर्मनी की जीडीपी का आकार 5,251.928 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के मुताबिक, 2025 में अमेरिका 30,507.217 अरब डॉलर के आकार के साथ दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। वहीं, चीन 19,231.705 अरब डॉलर के साथ दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। भारत का चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से विश्व स्तर पर कई महत्वपूर्ण प्रभावों में बढ़ोतरी होगी। भारत का अंतरराष्ट्रीय मंचों जैसे जी 20 और आईएमएफ में प्रभाव बढ़ेगा। भारत में फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) में और वृद्धि होगी, क्योंकि ग्लोबल कंपनियां भारत को एक आकर्षक बाजार के रूप में देख रही हैं। इससे भारत और जापान के बीच मजबूत रणनीतिक साझेदारी, जैसे चंद्रयान-5 और सैन्य सहयोग, भारत-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा। भारत इस उपलब्धि के बाद ग्लोबल इकोनॉमिक लीडरशिप की दिशा में और करीब आ गया है। भारत अगर 2028 तक जर्मनी को पीछे छोड़ देता है तो लीडरशिप और मजबूत होगी। भारत विश्वगुरु बनने एवं विश्व नेतृत्व करने में सक्षम होगा। भारत ने जापान को पछाड़ कर जो छलांग लगायी है, इसके पीछे जापान की अर्थव्यवस्था के सामने कई चुनौतियों रही है। आईएमएफ के अनुमान के अनुसार, 2025 में जापान की जीडीपी ग्रोथ रेट केवल 0.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो भारत की 6.5 प्रतिशत की तुलना में बहुत कम है। जापान की उम्रदराज आबादी और लो बर्थ रेट ने लेबर फोर्स को सीमित कर दिया है। अमेरिका और अन्य देशों द्वारा लगाए गए टैरिफ और व्यापार नीतियों ने जापान की निर्यात-आधारित अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। जापान की अर्थव्यवस्था कई दशकों से स्थिरता के लिए संघर्ष कर रही है, जिसके कारण वह भारत जैसे तेजी से बढ़ते देशों से पिछड़ गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने यह भी कहा कि भारत की विकास दर 2025 में 6.2 प्रतिशत और 2026 में 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो कि बाकी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में ज्यादा है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक तकदीस फ़ातिमा रिज़वी ने ग्रुप-5 प्रकाशन, 55-बी, वज़ीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित कराकर प्रथम तल, मस्जिद नूर महल, साकेत पल्ली, नरही, लखनऊ से प्रकाशित किया।

किसी भी लेख में कोई विवाद के लिए 'अवधनामा' जिम्मेदार नहीं होगा, इसकी जिम्मेदारी लेखक की है। किसी भी समाचार के विवाद के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही होगा।

पोलिटिकल एडीटर : एम.एम. मोहसिन

स्थानीय संपादक

मोहम्मद आलम रिज़वी

RNI No UPHIN/2010/31173

टेली फैक्स नं. : 2288091, 4065716

avadhnamahindi@gmail.com,

तब सरदार पटेल ने पास बैठे मानेक शॉ से कहा- जाओं तुम्हें आदेश मिल गया कश्मीर को बचाओं। इसके बाद भारत की सेना ने अपने पराक्रम से कबायली रूपी पाकिस्तानी सेना को कश्मीर से खदेड़ना शुरू कर दिया और बहुत ही कम समय में कश्मीर का काफी बड़ा हिस्सा पाकिस्तानियों से मुक्त करवा लिया और जब लग रहा था कि पूरा कश्मीर सेना पाकिस्तान से छीन लेगी तभी वह हुआ जो नहीं होना चाहिये था। नेहरू ने कश्मीर समस्या का अन्तर्राष्ट्रीय कर दिया और कश्मीर को संयुक्त राष्ट्र के पटल पर रख दिया।

भारत सरकार, पाकिस्तान और कांग्रेस

जीतेन्द्र श्रीवस्तव

भारत, पाकिस्तान के सम्बध कैसे है, यह कोई गूढ रहस्य नहीं है। यह जंग जाहिर है। भारत की जनसंख्या, भारत का भौगोलिक आकार, (भारत की सेना व सामरिक क्षमता भारत पाकिस्तान बनने के बाद से ही) पाकिस्तान के मुकाबले हमेशा ही काफी बेहतर थी और आज तो भारत की सेना व उसकी सामरिक क्षमता पाकिस्तान के मुकाबले कई गुना अधिक है। इस पर किसी को भी किसी भी प्रकार का संशय बिल्कल भी नहीं होना चाहिये।

अब बात करते है भारत-पाकिस्तान के सम्बन्धों में शुरू से ही मौजूद तल्खी की जो वक्त के साथ-साथ कम होने के स्थान पर बढ़ते-बढ़ते अब अति उग्र दौर में आ चुकी है। भारत-पाकिस्तान के मध्य मौजूद इस तल्खी के मुख्य कारण क्या है। मुझे लगता है कि इसके मुख्य दो कारण है। नम्बर एक कश्मीर नम्बर दो दोनों देशों की सरकारें और राजनीतिक दल।

कश्मीर को पाकिस्तान अपना मानता है जो पाकिस्तान का कभी भी था नहीं और भारत-पाकिस्तान के बटवारे के बाद ही पाकिस्तान की कश्मीर को हड़पने को भूख ने जोर मारा और पाकिस्तान की सेना ने कबायलियों के भेष में कश्मीर पर हमला कर दिया और तीब्र गति से कश्मीर पर कब्जा करना, हत्या करना, बलात्कार करना और लूटपाट करना शुरू कर दिया। महाराजा हरिसिंह ने थोड़ा अधिक समय लिया भारत में कश्मीर के विलय का पत्र जारी करने में। उस समय भारत के प्रधानमंत्री बनाए गए जवाहर लाल नेहरू थे और भारत के उपप्रधानमंत्री और गृह मंत्री के पद पर सरदार पटेल थे। किन्तु भारत के प्रधानमंत्री नेहरू जो कश्मीर रियासत का मामला खुद देख रहे थे (बाकी दूसरी रियासतों का भारत के साथ विलय का मामला उप-प्रधानमंत्री/गृह मंत्री सरदार पटेल देख रहे थे) ने निर्णय लेने में देर लगा दी। कश्मीर की रक्षा के लिये एक बैठक चल रही थी जिसमें लार्ड माउंट बेटन, जवाहर लाल नेहरू, सरदार पटेल इत्यादि थे। वहां भी नेहरू अंग्रेजी में लच्छेदार बातें तो खूब कर रहे थे, किन्तु कश्मीर की रक्षा पर कुछ नहीं बोल रहे थे तब सरदार पटेल ने गुस्से से नेहरू से हिन्दी में पूछा- जवाहर तुम कश्मीर चाहते हो या नहीं तो नेहरू ने कहा व्हाई नाट। तब सरदार पटेल ने पास बैठे मानेक शॉ से कहा- जाओं तुम्हें आदेश मिल गया कश्मीर को बचाओं। इसके बाद भारत की सेना ने अपने पराक्रम से कबायली रूपी पाकिस्तानी सेना को कश्मीर से खदेड़ना शुरू कर दिया और बहुत ही कम समय में कश्मीर का काफी बड़ा हिस्सा पाकिस्तानियों से मुक्त करवा लिया और जब लग रहा था कि पूरा कश्मीर सेना पाकिस्तान से छीन लेगी तभी वह हुआ जो नहीं होना चाहिये था। नेहरू ने कश्मीर समस्या का अन्तर्राष्ट्रीय कर दिया और कश्मीर को संयुक्त राष्ट्र के पटल पर रख दिया। और भारत एक जीता हुआ युद्ध (कश्मीर) हार गया। यह सम्भवतः पहली बार था जब किसी देश ने युद्ध तब रोका जब वह अपना पूरा हारा हुआ भू-भाग जीतने की कगार पर था। युद्ध रूक गया

वह जम्मू-कश्मीर कहलाय। और जिस हिस्से पर पाकिस्तान का कब्जा हो गया वह पीओके (पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर) हो गया। और यह तभी से भारत पाकिस्तान के बीच की शायद दुनिया की सबसे बड़ी समस्या के रूप में आज भी है। यह वहीं मानेक शॉ थे जिन्होंने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में निर्णायक भूमिका निभाई थी और पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए थे। पाकिस्तान और पूर्वी पाकिस्तान जो बाद में बॉगला देश बना। निर्णायक क्षमता किसी भी देश को बनाती है और बिगाड़ती भी है। प्रधानमंत्री जैसे पद के लिए तो यह अति आवश्यक भी है। सशक्त निर्णय क्षमता होती तो पूरा कश्मीर भारत का ही होता लेकिन नेहरू की निर्णायक कमजोरी और नासमझी को भारत आज तक भुगत रहा है। यही नहीं नेहरू ने समय-समय पर ऐसी ही निर्णायक नासमझी का समय-समय पर प्रदर्शन किया और भारत को होने वाले लाखों के विरूद्ध समझौता किए। पता नहीं क्यों नेहरू के निर्णयों में पाकिस्तान और चीन की तरफ झुकाव भी दिखता था लाभ पहुंचाने की कोशिश भी दिखायी देती थी। जो एक प्रधानमंत्री के लिए सर्वथा अनुचित था। किसी भी प्रधानमंत्री के लिए राष्ट्र प्रथम नीति अति आवश्यक है। (वैसे तो यह प्रत्येक नागरिक के लिए ही आवश्यक है। वैसे तो कांग्रेस कमेटियों ने सरदार पटेल को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री के रूप में चुना था, किन्तु गांधी जी ने नेहरू प्रेम में दखल देकर सरदार पटेल को प्रधानमंत्री पद के लिए अनिच्छुक कहला कर नेहरू को प्रधानमंत्री बना दिया। बनाएं गये और चुने गए व्यक्ति में दो खूबियां होती है वह यह तो निरंकुश होता है या फिर नेतृत्व या निर्णायक क्षमता से विहीन होता है। जनता समझदार है सब समझती है कि वास्वविकता क्या है। अपने स्वार्थो से हटकर देश ही सर्वोपरि होना चाहिए नेताओं के लिए सेनाओं की तरह।

सन् 1948-49 के पश्चात कुछ समय तक पाकिस्तान खामोश रहा, लेकिन उसकी तो फितरत ही युद्ध की है तो 1965 में उसने फिर हिमाकत की उस समय भारत के प्रधानमंत्री के पद पर लाल बहादुर शास्त्री थे। उन्होंने सेना को खुली छूट देते हुए कहा कि देश को भीतर से मेरी सरकार संभालेगी और सीमा की रक्षा का पूरा दायित्व आपका है आप जैसा चाहे जवाब दे। ईट का जवाब पत्थर होना चाहिए। उसी समय उन्होंने जय जवान-जय किसान का प्रसिद्ध नारा भी दिया। भारत ने पाकिस्तान पर भीषण प्रति आक्रमण करके पाकिस्तान को धूल चटा दी। पाकिस्तान के अमेरिका प्रदत्त पैदल टैंक और सैबर जेत की धूल धूसरित कर दिया। भारत की सेना लाहौर तक घुस गयी थी। यह युद्ध निर्णायक हो जाता, किन्तु दुर्भाग्य प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की सूचित किया गया कि सेना के पास उपलब्ध रसद मात्र एक सप्ताह की बची है। जबकि हककीत में सेना की रसद की उपलब्धता संघर्ष विराम के समय एक माह से अधिक की थी। वह कौन लोग थे जिन्होंने प्रधानमंत्री को तब अंधेरे में रखा यह आज भी अंधरे में है। बुरी तरह परास्त पाकिस्तान के समझते ही गुहार लगाना। शुरू किया जिस कारण तत्कालीन सोवियत संघ ने ताशंकद में ताशकंद समझौता हुआ जहां प्रस्ताव हुआ कि भारत और पाकिस्तान युद्ध की पूर्व स्थिति में आजाएं और कैद सैनिकों की भी अदला बदली हो जाये जिस पर शास्त्री जी ने दस्तखत करने से यह कहते हुए मना कर दिया कि इसमें भारत का कोई हित नहीं है। भारत को नुकसान होगा, मेरे बाद जो प्रधानमंत्री बने उससे यह समझौता कर लेना। उसके पश्चात कुछ सेना घटनाक्रम घटा कि बेहत रहस्यमयी परिस्थितियों में शास्त्री जी की मृत्यु हो गयी। ताशकंद से शास्त्री जी जीवित वापिस नहीं लौट पाए उनका मृत शरीर ही वापस आ पाया। देश की अक्षुण क्षति हुयी। पाकिस्तान की कुत्सित इच्छाओं ने पुनः जोर मारा और 170-71 से पूर्वी पाकिस्तान में अत्याधिक अत्याचार शुरू करने की साथ पश्चिमी मोर्चे पर भी भारत को उकसाना शुरू कर दिया। जिस पर भारत को तत्कालीन प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी ने अप्रैल 1971 में थल सेना अध्यक्ष जनरल मानेक शॉ से तत्काल पाकिस्तान पर आक्रमण करने की लिए कहा जिस पर मानेक शॉ ने यह कहते हुए मना कर दिया कि सेना अभी पूर्ण कालिक युद्ध के लिए तैयार नही है।

भारत ने वैश्विक और आर्थिक मंच पर रचा नया इतिहास

भारत ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है, लेकिन कुछ चुनौतियां अभी भी बाकी हैं। उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने इस उपलब्धि की सराहना करते हुए प्रति व्यक्ति जीडीपी में सुधार पर ध्यान देने की आवश्यकता जताई है। भारत की प्रति व्यक्ति आय अभी भी 2,389 डॉलर है, जो विश्व में 136वें स्थान पर है। इसके अलावा, असंगठित क्षेत्र, बेरोजगारी, और बुनियादी ढांचे में निवेश की कमी जैसी चुनौतियां बरकरार हैं। भारत का अगला लक्ष्य 2030 तक जर्मनी को पीछे छोड़कर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना है।

भारत ने वैश्विक आर्थिक मंच पर एक नया इतिहास रचते हुए जापान को पीछे छोड़कर विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की हालिया 'वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक' रिपोर्ट और नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम के बयान के अनुसार, भारत की नाममात्र सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 4.19 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई है, जो जापान की 4.18

आलम रिज़वी

ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी से अधिक है। यह उपलब्धि भारत के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो इसके आर्थिक सुधारों, नीतिगत स्थिरता और वैश्विक मंच पर बढ़ते प्रभाव को दर्शाती है।

भारत की आर्थिक यात्रा : भारत की यह उपलब्धि रातोंरात हासिल नहीं हुई है। 1991 के आर्थिक सुधारों ने भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में एकीकरण की राह पर ला खड़ा किया। तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व में लाइसेंस राज को समाप्त किया गया, व्यापार प्रतिबंधों को कम किया गया और विदेशी निवेश को बढ़ावा दिया गया। इसके बाद से भारत ने लगातार आर्थिक प्रगति की है। 2014 में दसवें स्थान पर रही भारतीय अर्थव्यवस्था ने 2019 में ब्रिटेन और फ्रांस को पीछे छोड़कर पांचवां स्थान हासिल किया और अब 2025 में जापान को पछाड़कर चौथे स्थान पर पहुंच गई है। आईएमएफ के अनुमानों के अनुसार, भारत की जीडीपी 2024 में 7 फीसदी और 2025 में 6.5 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है, जो इसे विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनाता है। दूसरी ओर, जापान की

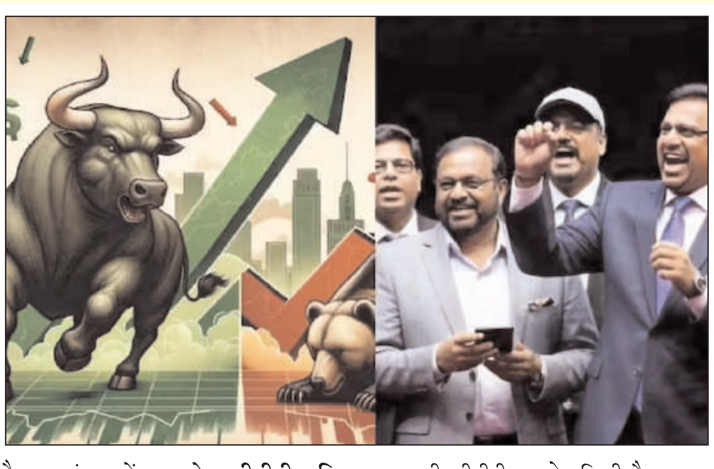

अर्थव्यवस्था में ठहराव और जनसंख्या में कमी के कारण इसकी वृद्धि दर 2025 में केवल 1.1 फीसदी रहने का अनुमान है।

इस उपलब्धि के पीछे प्रमुख कारक आर्थिक सुधार और नीतियां : भारत सरकार ने पिछले दशक में कई महत्वपूर्ण सुधार लागू किए हैं, जैसे कि जीएसटी, दिवालियापन संहिता (आईबीसी), मेक इन इंडिया, और डिजिटल इंडिया। इन सुधारों ने बुनियादी ढांचे में निवेश को बढ़ावा दिया और विदेशी पूंजी को आकर्षित किया।

तेज जीडीपी वृद्धि : भारत की जीडीपी पिछले दशक में 105 फीसदी बढ़ी है, जो विश्व में सबसे तेज वृद्धि दरों में से एक है। 2015 में भारत की जीडीपी 2.1 ट्रिलियन डॉलर थी, जो 2025 में 4.19 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई।

वैश्विक व्यापार और निवेश :भारत ने वैश्विक व्यापार में अपनी स्थिति मजबूत की है। जेपी मॉर्गन के 'सरकारी उभरते बाजार बॉन्ड सूचकांक' में भारत का प्रवेश और माइक्रॉन, सैमसंग जैसी कंपनियों का निवेश इसकी आर्थिक प्रगति को दर्शाता है।

आत्मनिर्भर भारत भारत ने दूध, गेहूं, चावल, चाय, और मसालों जैसे उत्पादों में विश्व में अग्रणी स्थान बनाया है। साथ ही, लौह अयस्क, कोयला, और टाइटेनियम जैसे संसाधनों ने औद्योगिक विकास को गति दी है।

चुनौतियां और भविष्य की राह : हालांकि भारत ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है, लेकिन कुछ चुनौतियां अभी भी बाकी हैं। उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने इस उपलब्धि की सराहना करते हुए प्रति व्यक्ति जीडीपी में सुधार पर ध्यान देने की आवश्यकता जताई है। भारत की प्रति व्यक्ति आय अभी भी 2,389 डॉलर है, जो विश्व में 136वें स्थान पर है। इसके अलावा, असंगठित क्षेत्र, बेरोजगारी, और बुनियादी ढांचे में निवेश की कमी जैसी चुनौतियां बरकरार हैं।भारत का अगला लक्ष्य 2030 तक जर्मनी को पीछे छोड़कर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के अनुसार, 2030 तक भारत की जीडीपी 7.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है। केंद्र सरकार ने 2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है, जिसके लिए निरंतर सुधार और निवेश की आवश्यकता होगी।

सामाजिक और वैश्विक प्रभाव : इस उपलब्धि ने न केवल भारत की आर्थिक ताकत को दर्शाया है, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति को भी मजबूत किया है। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने कहा, हमारी योजना पर कायम रहने पर अगले ढाई-तीन साल में भारत जर्मनी को पीछे छोड़ देगा। सोशल मीडिया पर भी इस उपलब्धि को लेकर उत्साह देखा गया, जहां कई यूजर्स ने इसे भारत की मेहनत और नीतिगत सुधारों का परिणाम बताया।

निष्कर्ष : भारत का विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना न केवल आर्थिक प्रगति का प्रतीक है, बल्कि यह 140 करोड़ भारतीयों की मेहनत और सरकार की दूरदर्शी नीतियों का परिणाम है। यह उपलब्धि भारत को वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करती है, लेकिन प्रति व्यक्ति आय, रोजगार सृजन, और बुनियादी ढांचे में सुधार जैसे क्षेत्रों में अभी और प्रयासों की आवश्यकता है। यदि भारत इसी गति से प्रगति करता रहा, तो 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य भी असंभव नहीं है।

धुएं से मुक्त रसोई होनी चाहिए

प्रमिला

जमना देवी कहती हैं कि जब से घर में गैस सिलेंडर आया है, जीवन बहुत हद तक आसान हो गई है। पहले मिट्टी के चूल्हे पर 7 लोगों का खाना बनाना पड़ता था। दोपहर की तपती धूप में धुएं के बीच खाना बनाना से तबीयत ख़राब हो जाती थी। लेकिन उसी हालत में हमें चूल्हा फूंकना पड़ता था। अब सिलेंडर आ जाने से कम से कम उस नरक से छुटकारा तो मिला। कुछ ऐसी ही ख़ुशी 11वीं में पढ़ने वाली गुड्डी को भी है। जिसे पिछले तीन सालों से अब लकड़ियां चुनने के लिए मां बाहर नहीं भेजती है।

तकनीक चाहे जितनी आगे बढ़ जाए, पर गांव की रसोई में महिला अब भी उसी जगह ठहरी हुई हैं जहां हर सुबह धुएं से भरा चूल्हा उनका इंतज़ार कर रहा होता है। लकड़ी, गोबर और सूखे पत्तों से जलता यह चूल्हा सिर्फ उनका वक़्त ही नहीं बल्कि उसकी सांसें, आंख और शरीर के हिस्सों को भी धीरे-धीरे बीमार करता रहता है। यह केवल एक रसोई की तस्वीर नहीं है, बल्कि पितृसत्ता के उस ढांचे की झलक होती है, जो महिलाओं को सुविधाएं प्राप्त करने का अधिकारी मानता ही नहीं है। यह स्थिति देश के किसी एक गांव की नहीं होती है, बल्कि बिहार से लेकर पहाड़ी राज्य उत्तराखंड और बर्फीले क्षेत्र जम्मू कश्मीर से लेकर रेगिस्तानी इलाका राजस्थान तक एक समान तस्वीर देखने को मिल जाएगी।

राजस्थान के बीकानेर स्थित लूणकरणसर ब्लॉक से 19 किमी दूर राजपुरा हुड्डान गांव भी यही तस्वीर पेश करता है। करीब 3200 की आबादी वाले इस गांव की कई महिलाएं अब भी खाना बनाने के लिए मीलों चलकर लकड़ियां बटोरती हैं। अक्सर उनके साथ घर की किशोरियां भी होती हैं। जो स्कूल जाकर अपना समय पढ़ाई या किसी रचनात्मक कार्य में लगा सकती थीं, उसे वह सिर्फ इसलिए गंवा रही हैं क्योंकि समाज मान बैठा है कि ÷खाना बनाना तो घर की औरतों और लड़कियों का काम है।

हालांकि 2016 में केंद्र सरकार की शुरू की गई उज्ज्वला योजना ने इस गांव के बहुत से घरों की महिलाओं के खाना बनाने के काम को आसान ज़रूर किया है, लेकिन फिर भी उनके कदम रसोई घर से बाहर नहीं निकल सके हैं। यह महिलाएं अब इसी बात पर संतोष कर लेती हैं कि उन्हें आज उन्हें धुएं वाले चूल्हे से आज़ादी मिली है, एक दिन चारदीवारी से भी मिल जाएगी।

चालीस वर्षीय जमना देवी कहती हैं कि जब से घर में गैस सिलेंडर आया है, जीवन बहुत हद तक आसान हो गई है। पहले मिट्टी के चूल्हे पर 7 लोगों का खाना बनाना पड़ता था। दोपहर की तपती धूप में धुएं के बीच खाना बनाना से तबीयत ख़राब हो जाती थी। लेकिन उसी हालत में हमें चूल्हा फूंकना पड़ता था। अब सिलेंडर आ जाने से कम से कम उस नरक से छुटकारा तो मिला। कुछ ऐसी ही ख़ुशी 11वीं में पढ़ने वाली गुड्डी को भी है। जिसे पिछले तीन सालों से अब लकड़ियां चुनने के लिए मां बाहर नहीं भेजती है। वह कहती है कि अब इस बचे हुए समय का उपयोग वह घर के अन्य कामों को निपटाने के लिए करती है ताकि उसे पढ़ने का पूरा समय मिल सके। यानी पढ़ने से पहले उसे भी रसोई और अन्य कामों को करना पड़ता है। लेकिन इस काम से उसके भाइयों को आज़ादी मिली हुई है।

लेकिन गांव के कुछ घर ऐसे भी हैं जहां की महिलाओं के हिस्से में अभी भी धुएं वाले चूल्हे लिखे हुए हैं। किसी के पास आज तक सिलेंडर

उपलब्ध नहीं हो सका है तो कोई उसे आपातकाल के लिए संभालकर रखती हैं, और रोज़ की ज़रूरत के लिए फिर उसी धुएं भरे चूल्हे पर लौट जाती हैं। 32 वर्षीय संतोष देवी कहती हैं कि हमारा परिवार बड़ा है। एक सिलेंडर मुश्किल से 15 दिन चल पाता है। जिसे दोबारा भरवाने में पैसे लगते हैं। इसीलिए हम इसे बहुत ज़रूरी होने पर ही खर्च करते हैं। अधिकतर समय इन्हीं चूल्हे के धुएं के बीच समय गुज़रता है।

कालो देवी कहती हैं कि हमें आज तक इस योजना का लाभ नहीं मिल सका है। चूल्हा जलाने के लिए हमें तपते रेगिस्तान में लकड़ियां चुनने के लिए दूर दूर तक चलना पड़ता है। कालो देवी की पड़ोसन विमला कहती हैं कि हमने उज्ज्वला का नाम सुना है, लेकिन हमें आज तक यह नहीं पता है कि इसके लिए कहां आवेदन देनी होगी? कई बार हमने प्रयास किया कि हमारे परिवार को भी इसका लाभ मिल जाए, लेकिन अभी तक नहीं हुआ है। हमारी ज़िंदगी तो धुएं के बीच बीत गई, लेकिन हम चाहते हैं कि हमारी बच्चियों को यह सुविधा मिल जाए।

एक अध्ययन के अनुसार 2016 में राजस्थान में COPD (क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज) से मृत्यु दर देश में सबसे अधिक थी, और श्वसन रोगों से होने वाली मौतें दूसरे स्थान पर थीं। 1990 में, राजस्थान में श्वसन रोगों से कुल मौतों में से 3.4% COPD के कारण थीं, जो 2016 में बढ़कर 7% हो गई। वहीं जोधपुर, राजस्थान में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि 43.1% महिलाएं मुख्य रूप से बायोमास ईंधन का उपयोग करती हैं, जबकि केवल 19.7% महिलाएं ही पूरी तरह से एलपीजी पर निर्भर हैं। बायोमास उपयोगकर्ताओं के घरों में PM 2.5 स्तर एलपीजी उपयोगकर्ताओं की तुलना में अधिक पाया गया। एक अन्य अध्ययन में राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में बायोमास ईंधन का उपयोग करने वाली महिलाओं में श्वसन लक्षणों की व्यापकता अधिक पाई गई है। ऐसे ईंधन के उपयोग से जुड़े घरों में महिलाओं को आंखों में जलन, सिरदर्द, और फेफड़ों की कार्यक्षमता में गिरावट जैसी समस्याएं अधिक होती हैं।

यह सिर्फ बीमारी की बात नहीं है, यह एक ऐसी सामाजिक चुप्पी की बात है, जो सदियों से रूढ़िवादी सोच को ढ़ोते हुए यह मान चुकी है कि औरत की तकलीफ़ उसके कर्तव्यों का हिस्सा है। लेकिन सवाल यह उठता है कि यह कैसा कर्तव्य है जो किसी के स्वास्थ्य को निगल जाए? दरअसल, रसोई महज़ एक खाना पकाने की जगह नहीं है, यह एक ऐसी जगह है, जहां रोज़ एक स्त्री खुद को धुएं में जलाती है। गर्मी हो या बारिश, बीमारी हो या थकान, उसे रुकने की इजाज़त नहीं है। यह एक ऐसी गलत परंपरा है, जो पितृसत्तात्मक समाज द्वारा पीढ़ियों से महिलाओं को ज़बरदस्ती ढोने पर मजबूर किया जाता है। यह वह चक्र है, जो उसके जन्म होने से शुरू होता है और बुढ़ापे तक चलता है। जिसे अक्सर समाज अनदेखा कर देता है। वह कभी इन बातों को महसूस ही नहीं कर पाता है कि एक महिला को भी वह सभी सुविधाएं और अधिकार पाने का हक़ है, जिसे समाज केवल पुरुष का अधिकार समझता है। इसके लिए पहले उसे अपने नज़रिये को बदलना होगा। उस सोच से बाहर निकलना होगा जो महिलाओं को किचन और चारदीवारी तक सीमित रखने की तर्कहीन वकालत करता है। हमें यह समझना होगा कि तकनीक और सुविधा पर सबसे पहला अधिकार उसी का है जो सबसे ज्यादा श्रम करते हैं। अगर सोलर चूल्हों या बायोगैस संयंत्रों को सही मायनों में घर-घर तक पहुंचाया जाए, तो हर घर को धुएं वाले चूल्हों से मुक्ति मिल सकती है। लेकिन इसके साथ साथ समाज को भी उस सोच से मुक्त होने की ज़रूरत है जो महिलाओं के अधिकारों को रसोई घर तक बांध कर रखना चाहता है।

अवैध बेसमेंट निर्माण का मामला

बिना नक्शा पास कराए विशालकाय भवन निर्माण पर उठे सवाल

प्रशासन से कार्रवाई की मांग

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। शहर के मेन रोड पर अभिलाषा पेट्रोल पंप के निकट एक विशालकाय भवन का निर्माण कार्य बिना नक्शा पास कराए और अवैध बेसमेंट के साथ किया जा रहा है। यह आरोप स्थानीय निवासी सरदार रमन सिंह ने अपने एक पत्र के माध्यम से जिलाधिकारी को संबोधित करते हुए लगाया है। पत्र में कहा गया है कि उक्त निर्माण कार्य नगर पालिका और भवन निर्माण नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है, जिसके खिलाफ तत्काल जांच और उचित कार्रवाई की मांग की गई है।

आरोपों का विवरण: लक्ष्मीपुरा, ललितपुर के निवासी सरदार रमन सिंह ने अपने पत्र में बताया कि मेन रोड पर अभिलाषा पेट्रोल पंप के पास बन रही इमारत में न केवल बिना नक्शा पास कराए निर्माण कार्य चल रहा है, बल्कि एक अवैध बेसमेंट भी बनाया गया है। यह निर्माण कार्य स्थानीय भवन निर्माण नियमों और उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करता है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि इस तरह के अनधिकृत निर्माण से न केवल क्षेत्र की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था प्रभावित हो सकती है, बल्कि इससे नगर पालिका को राजस्व का नुकसान भी हो रहा है।

कानूनी पहलू: भारत में भवन निर्माण के लिए स्थानीय नगर पालिका या विकास प्राधिकरण से नक्शा पास कराना अनिवार्य है। उत्तर प्रदेश में यह नियम उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959 और उत्तर प्रदेश शहरी नियोजन और विकास अधिनियम, 1973 के तहत लागू होता है। इन नियमों के अनुसार

नक्शा पास की अनिवार्यता: कोई भी भवन निर्माण शुरू करने से पहले संबंधित प्राधिकरण से नक्शा स्वीकृत कराना आवश्यक है। बिना नक्शा पास कराए निर्माण कार्य अवैध माना जाता है, और इसे ध्वस्त करने या सील करने का आदेश जारी किया जा सकता है।

बेसमेंट निर्माण के नियम: बेसमेंट निर्माण के लिए विशेष अनुमति और तकनीकी मानकों का पालन करना होता है, जैसे कि भूजल स्तर, संरचनात्मक सुरक्षा, और अग्नि सुरक्षा मानक। बिना अनुमति के बेसमेंट बनाना गंभीर उल्लंघन है, जिसके लिए भारी जुर्माना और निर्माण को तोडने की कार्रवाई हो सकती है।

कानूनी कार्रवाई: यदि कोई व्यक्ति बिना नक्शा पास कराए निर्माण करता है, तो नगर पालिका या विकास प्राधिकरण नोटिस जारी कर सकता है। नोटिस का पालन न करने पर भवन को सील करने, ध्वस्त करने, या संबंधित व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 329 के तहत मुकदमा दर्ज किया जा सकता है।

कम्पाउंडिंग की संभावना: कुछ मामलों में, अवैध निर्माण को वैध करने के लिए कम्पाउंडिंग प्रक्रिया अपनाई जा सकती है, जिसमें जुर्माना भरकर और आवश्यक दस्तावेज जमा करके निर्माण को नियमित किया जा सकता है। हालांकि, यह प्रक्रिया प्राधिकरण के नियमों और निर्माण की प्रकृति पर निर्भर करती है।

प्रशासन की जिम्मेदारी: नगर पालिका और जिला प्रशासन का दायित्व है कि वह शहर में सुव्यवस्थित और सुरक्षित निर्माण को सुनिश्चित करे। बिना नक्शा पास कराए निर्माण कार्य से न केवल सड़कों और नालियों की व्यवस्था प्रभावित होती है, बल्कि यह भविष्य में संरचनात्मक जोखिम भी पैदा कर सकता है। ललितपुर में पहले भी ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां अवैध निर्माण को लेकर नोटिस जारी किए गए और कुछ मामलों में भवनों को सील या ध्वस्त किया गया।

स्थानीय निवासियों की चिंता: स्थानीय निवासियों का कहना है कि मेन रोड जैसे व्यस्त क्षेत्र में अवैध निर्माण से यातायात और सुरक्षा संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। बेसमेंट निर्माण से भूजल स्तर और आसपास की इमारतों की नींव पर भी असर पड़ सकता है। सरदार रमन सिंह ने अपने पत्र में प्रशासन से तत्काल जांच और कार्रवाई की मांग की है, ताकि इस तरह के अनधिकृत निर्माण पर रोक लगाई जा सके।

नागरिकों के लिए सलाह: नगर पालिका और विशेषज्ञों का कहना है कि भवन निर्माण से पहले नक्शा पास कराना न केवल कानूनी रूप से अनिवार्य है, बल्कि यह भवन की सुरक्षा और शहर की सुव्यवस्था के लिए भी जरूरी है। नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे निर्माण शुरू करने से पहले स्थानीय प्राधिकरण से संपर्क करें और सभी नियमों का पालन करें। ललितपुर में अभिलाषा पेट्रोल पंप के निकट अवैध बेसमेंट और बिना नक्शा पास कराए निर्माण का यह मामला शहर में अनधिकृत निर्माण की गंभीर समस्या को उजागर करता है। यह देखना बाकी है कि जिला प्रशासन इस शिकायत पर कितनी तत्परता से कार्रवाई करता है। यदि यह निर्माण वास्तव में नियमों का उल्लंघन करता है, तो इसे एक मिसाल के रूप में लिया जा सकता है, ताकि भविष्य में ऐसे उल्लंघनों को रोका जा सके।

पच्चीस गुना से कम में पांच साल के लिए नियम विरूद्ध कर दिया ठेका

- नगर पालिका ईओ पर पार्षद ने लगाये गंभीर आरोप, सीएम को भेजा शिकायती पत्र

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। नगर पालिका परिषद इन दिनों अपने किसी न किसी कारनामे के चलते सुर्खियों में बनी रहती है। नगर पालिका में विकास के काम तो ठप पड़े हुये हैं ही और जो काम भी चल रहे हैं, उनमें भ्रष्टाचार का दीमक सरकार की जीरो टोलरेंस की नीति को चट करता नजर आ रहा है। ऐसा ही मामला उस समय प्रकाश में आया, जब वार्ड नं. 15 के पार्षद मनमोहन चौबे एड. ने नगर पालिका परिषद के भू-तल में खोली गयी पार्किंग में ठेकेदार द्वारा शासन-प्रशासन द्वारा निर्धारित दाम से करीब 25 गुना कम में नियम विरूद्ध पांच साल के लिए ठेका दिये जाने का आरोप लगाया है। ईओ पर आरोप लगाते हुये पार्षद ने मुख्यमंत्री को संबोधित एक शिकायती पत्र अपर जिलाधिकारी अंकुर श्रीवास्तव को सौंपा है। मुख्यमंत्री को भेजे गये शिकायती पत्र में पार्षद ने बताया कि नगर पालिका परिषद कार्यालय के ठीक नीचे जो पार्किंग बनी हुयी है। इस पार्किंग का ठेका मात्र 40 रूपया रोज यानि 12 सौ रूपया महीने के हिसाब से अपनी मूल्य कीमत से 25 गुने कम में अधिशाषी अधिकारी ने ठेकेदार से गठजोड कर नियम विरूद्ध तरीके से 5 साल के लिए ठेके पर दे दी है। जबकि नगर पालिका के बाकी ठेके एक साल के लिए दिये जाते हैं। जिससे नगर पालिका को लाखों रूपये साल का नुकसान हो रहा है। जबकि उस ठेके की कीमत वर्तमान में 25 गुने से अधिक है।

उन्होंने मुख्यमंत्री से मामले की जांच करायी जाकर ठेके का आवंटन निरस्त किये जाने की मांग करते हुये अन्यथा की स्थिति में धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया प्रदेश के बेसिक शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं का शुभारंभ

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। लोक भवन ,लखनऊ में मुख्यमंत्री के द्वारा प्रदेश के बेसिक शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं का शुभारंभ किए गया। विकास खण्ड जखौरा के बालाजी विद्या मंदिर जखौरा में कार्यक्रम के सजीव प्रसारण को उपस्थित जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों द्वारा गया कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी जखौरा भुवनेंद्र अडजरिया द्वारा की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुरेंद्र कुमार रजक जिला पंचायत सदस्य, हरिराम सिंह लोधी वरिष्ठ नेता भाजपा ,ग्राम प्रधान अनुरुद्र सिंह यादव , के पी राजा पूर्व प्रधान ननोरा द्वारा मां सरस्वती जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित ब्लाक प्रमुख जखौरा, भरत कांत विलगैया पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य,किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष वैभव तिवारी, किसान मोर्चा उपाध्यक्ष जयपाल सिंह राजा, रविन्द्र सिंह लाला, संतोष ताम्रकार, देव सिंह राजपूत समाज सेवी, पत्रकार गौरव सैनी, पत्रकार नीरज जैन आशु , सोसायटी अध्यक्ष बिजरौठा गौरव चौबे, प्रचार प्रसार प्रमुख महेंद्र झा, हरिराम रजक क्षेत्र पंचायत सदस्य, प्रधानाध्यापक अनेक सिंह राजपूत, प्रधानाध्यापक प्रमोद नापित, प्रधानाध्यक सुनील कौशिक, गुड्डा ताम्रकार, रतिराम विश्वकर्मा, जानकी कुशवाहा, हारून खा, जयप्रकाश सिंह यादव, कल्याण सिंह लोधी, हेमंत कुमार, बृजेंद्र सिंह लोधी, रानी यादव प्राचार्य बालाजी स्कूल, अंजू राजा, साधना सोनी, कीर्ति ताम्रकार एवं बालाजी विद्या मंदिर प्रबंधक अरुण ताम्रकार एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने लाइव प्रसारण को देखा।

लेखपाल पर फर्जी नापजोख और रिश्वत मांगने का आरोप

ललितपुर। जिले के तालबेहट तहसील के ग्राम खांदी, मजरा गड़रयाना निवासी सुरेश पुत्र वख्ते ने लेखपाल ताम्रकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सुरेश ने जिलाधिकारी को दिए प्रार्थना पत्र में कहा है कि लेखपाल ताम्रकार ने बिना किसी आदेश के उनकी जमीन (खसरा संख्या 5508, 5572, 5560, 5510, 5502, 5520) की फर्जी और गलत तरीके से नापजोख कर विपक्षी पक्ष को लाभ पहुंचाया। पीड़ित के अनुसार उन्होंने दो वर्ष पूर्व हदबंदी के लिए तालबेहट तहसील में आवेदन किया था, जिसे एसडीएम तालबेहट ने खारिज कर दिया था। इसके बावजूद लेखपाल ने बिना नक्शे और अधिकार के जमीन नाप दी। सुरेश ने आरोप लगाया कि लेखपाल ने उनसे 2 लाख रुपये की रिश्वत मांगी और धमकी दी कि यदि रिश्वत नहीं दी तो उनकी जमीन खुर्द-बुर्द कर दी जाएगी और उनके परिवार को नुकसान पहुंचाया जाएगा। लेखपाल ने यह भी दावा किया कि पैसे के दम पर सब काम हो जाते हैं और उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। सुरेश ने जिलाधिकारी से इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

ललितपुर में गुंडागर्दी का आतंक

- विकलांग दंपति के आवास निर्माण में बाधा, परिवार पर हमला

ललितपुर। जिले के ग्राम पनारी में एक विकलांग दंपति और उनके परिवार पर गुंडई के बल पर हमला करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। शासन द्वारा स्वीकृत आवास निर्माण को रोकने के लिए कुछ दबंगों ने न केवल मारपीट की, बल्कि जान से मारने की धमकी देकर परिवार को पलायन के लिए मजबूर करने की कोशिश की। पीड़ित भागवती पत्नी धर्मवीर और उनके परिवार ने जिला प्रशासन से सुरक्षा और कठोर कार्रवाई की गुहार लगाई है।

घटना का विवरण: श्रीमती भागवती और उनके पति, दोनों विकलांग, को शासन द्वारा आवास निर्माण के लिए स्वीकृति मिली थी। 21 मई 2025 को सुबह 9.30 बजे जब वे अपने मकान के पिलर के लिए गड्ढे खोद रहे थे, तभी गांव के कुछ दबंगों- रामबाबू पुत्र जगदेव, अरविंद उर्फ संजू पुत्र जगदेव, प्रमोद पुत्र जगदेव, अक्षय पुत्र प्रमोद उर्फ शीलू, मुकेश और रजनीश पुत्रगण शंकर तिवारी, हल्ली पुत्र स्व. रामसेवक और बड़े तिवारी पुत्र रामसेवक ने लाठी, डंडों और लोहे की छड़ों के साथ हमला बोल दिया। आरोपियों ने भागवती को गालियां दीं, जमीन पर गिराकर मारपीट की और निर्माण कार्य रोकने की धमकी दी। जब भागवती की जेठानी शोभाबाई, जानकी और देवरानी भावना ने बचाव के लिए चीख-पुकार की, तो उनके साथ भी बेरहमी से मारपीट की गई। जानकी को गंभीर चोटें आईं, जबकि भावना का हाथ टूट गया। इसके अलावा, भागवती के ससुर गुलाब पुत्र भैयालाल पर 20 मई 2025 की रात 10 बजे खेत जाते समय हमला किया गया, जिसमें वे किसी तरह जान बचाकर भागे।

परिवार की बेटी के साथ क्रूरता

दबंगों ने भागवती के जेठ की पुत्री रजनी पर भी हमला किया, जिसके चलते उसके कान का पर्दा फट गया। डाक्टरों ने इसकी पुष्टि की है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि ये लोग आए दिन गाली-गलौज और धमकियां देकर उन्हें गांव छोड़ने के लिए मजबूर कर रहे हैं।

मुकदमा दर्ज, फिर भी धमकियां जारी: 21 मई 2025 को थाना कोतवाली में मुकदमा संख्या 0586/2025, धारा 191(2), 352 और 351(3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। इसके बावजूद, आरोपियों ने 28 मई 2025 को फिर से धमकी दी कि यदि निर्माण कार्य बंद नहीं किया गया और मुकदमे में राजीनामा नहीं किया, तो वे पैसे और बल से कुछ भी कर सकते हैं। पीड़ित परिवार का कहना है कि आरोपी लगातार दबाव बना रहे हैं और उनके पीछे लोगों को भेजकर राजीनामा करने के लिए कहलवाते हैं।

परिवार की गुहार: श्रीमती भागवती ने जिलाधिकारी और पुलिस प्रशासन से गुहार लगाई है कि उनकी जान-माल की रक्षा की जाए और आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो कोई अप्रिय घटना हो सकती है, जिसकी जिम्मेदारी आरोपियों की होगी।

प्रशासन से अपील: यह मामला न केवल कानून-व्यवस्था की गंभीर स्थिति को दर्शाता है, बल्कि यह भी सवाल उठाता है कि क्या शासन की योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंच पाएगा? जिला प्रशासन और पुलिस से मांग की जा रही है कि पीड़ित परिवार को न्याय और सुरक्षा प्रदान की जाए, ताकि वे बिना डर के अपने हक का उपयोग कर सकें।

अम्बेड़कर पार्क की भूमि पर कब्जे का आरोप

ललितपुर। जिले के ग्राम विद्या महावत में अंबेडकर पार्क की भूमि पर अनियमित्ता का गंभीर मामला सामने आया है। ग्रामवासियों ने वर्तमान ग्राम प्रधान पर आरोप लगाया है कि उन्होंने अंबेडकर पार्क की आराजी संख्या 385 मिनी, रकवा 0.1820 हेक्टेयर की समूची भूमि पर पार्क का निर्माण न करवाकर, इसका एक हिस्सा अपने चहेतों को सौंप दिया है। इस संबंध में ग्रामवासियों ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर उचित जांच और कार्रवाई की मांग की है। शिकायती पत्र में ग्रामवासी गिरिमानंद भंते व अन्य ग्रामीणों ने बताया कि उक्त भूमि अंबेडकर पार्क के नाम से दर्ज है, लेकिन ग्राम प्रधान ने पार्क का निर्माण केवल आंशिक भूमि पर करवाया है। पश्चिम दिशा की ओर बाकी भूमि को कथित तौर पर लेन-देन के जरिए अपने करीबियों को सौंप दिया गया है।

सैनिक बंधु की बैठक का आयोजन किया गया

सम्भल (बहजोई) कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा की अध्यक्षता में जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास के अन्तर्गत सैनिक बंधु की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अन्तर्गत जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कमांडर संदीप कुमार चड्ढा द्वारा पूर्व में हुई बैठक के कार्यवृत्त ?पर क्या कार्यवाही हुई उसको लेकर अपर जिलाधिकारी को अवगत कराया। बैठक के अन्तर्गत जिला सैनिक कार्यालय को शिफ्ट करने एवं कार्यालय की स्थापना वाले बिन्दु पर चर्चा की गयी तथा संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।। शस्त्र लाइसेंस की एन ओ सी को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जनपद में शहीद स्मारक एवं शहीद द्वार को लेकर भी चर्चा की गयी। जिसमें अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत आशीष सिंह ने बताया कि जनपद में 5 शहीद द्वार का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा इनमें से 3 का लोकार्पण भी हो गया है। इस्लामनगर चौराहे के पास दुकान के आगे पुलिस चैक पोस्ट को हटवाने वाले बिन्दु पर भी चर्चा की गयी एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। भूमि आवंटन तथा जमीन की पैमाईश वाले बिन्दु पर भी चर्चा की गयी संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कमांडर संदीप कुमार चड्ढा, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत आशीष सिंह,जिला सूचना अधिकारी बृजेश कुमार, चंद्रपाल सिंह ,राजकुमार शर्मा एवं प्रभात कुमार गुप्ता तथा सोमवीर सिंह एवं अन्य सैनिक बंधु उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने किया बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यक्रमों का शुभारम्भ

अवधनामा संवाददाता

- स्मार्ट क्लास से शिक्षा के स्तर में हुआ सुधार: जिला पंचायत अध्यक्ष
- शिक्षक बच्चों के भविष्य को तराशने का कार्य करते हैं: जिलाधिकारी
- सरकार के प्रयास से शिक्षा के क्षेत्र में हुआ आमूल-चूल परिवर्तन: बब्बन
- शिक्षा विभाग में हुए कार्यों का मिला सकारात्मक परिणाम: सीडीओ

हरदोई मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्य नाथ जी द्वारा वर्चुअल माध्यम से बेसिक शिक्षा विभाग के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का शुभारम्भ व लोकार्पण किया गया। मुख्य मंत्री ने बटन दबाकर कक्षा 3 से 12 के छात्र-छात्राओं के स्पॉट ऐसेसमेंट हेतु निपुण प्लस का बटन दबाकर शुभारम्भ किया गया। जनपद के 211528 बच्चों को ड्रेस, जूता-मोजा, स्वेटर, स्टेशनरी एवं स्कूल बैग आदि के लिए प्रथम किश्त डीबीटी के माध्यम से प्रेषित की गयी। मुख्य मंत्री जी ने जनपद के 579 स्मार्ट क्लास, 121 विद्यालयों में आईसीटी लैब, 25 विद्यालयों में डिजिटल लाइब्रेरी का उदघाटन किया। जनपदीय कार्यक्रम में सभी अतिथियों ने मुख्यमंत्री जी के सम्बोधन को सुना। अपने सम्बोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों के प्रति लोगों की सोंच बदली है। जनपद स्तरीय कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रेमावती पीके वर्मा तथा विशिष्ट अतिथि जिलाध्यक्ष भाजपा अजीत सिंह बब्बन व नगर पालिका अध्यक्ष श्री सुखसागर मिश्र मधुर रहे। जिला पंचायत अध्यक्ष ने अपने सम्बोधन में कहा कि स्मार्ट क्लास के माध्यम से शिक्षा के स्तर में सुधार हुआ। कायाकल्प के माध्यम से विद्यालय भवन का सुदृढ़ीकरण हुआ है। शिक्षक काफ़ी मेहनत कर रहे हैं। जिलाध्यक्ष भाजपा अजीत सिंह बब्बन ने कहा कि सरकार के प्रयासों से शिक्षा के क्षेत्र में आमूल-चूल परिवर्तन हुआ है। मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी ने कहा कि जनपद में बेसिक शिक्षा विभाग में काफ़ी कार्य हुआ है जिसका काफ़ी सकारात्मक परिणाम मिला है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि जल्द ही मिशन कायाकल्प में संतृप्तीकरण को प्राप्त कर लिया जायेगा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा जनपद में बेसिक शिक्षा विभाग की उपलब्धियों को रखा गया। जिलाधिकारी ने सभी का आभार जताते हुए कहा कि विद्यालय परिवर्तन का संस्थान है। इसमें शिक्षक का महत्वपूर्ण योगदान है। शिक्षक ईमानदारी व निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। शिक्षक बच्चों के भविष्य को तराशने का कार्य करते हैं। अधिकारी स्कूलों को गोद लेकर शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने में अपना योगदान दे सकते हैं। कम से कम 50 स्कूलों को गोद दिया जाये। इन पचास स्कूलों से शिक्षा की जो क्रांति शुरू होगी उसकी मशाल बड़ी दूर तक जाएगी। जनपदीय कार्यक्रम में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत इलाज कराकर ठीक हो चुके चार बच्चों को प्रमाणपत्र, मेडल व उपहार किट दी गयी। दो शिक्षकों को टेबलेट प्रदान किया गया। स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, डिजिटल लाइब्रेरी में अपना योगदान देने वाले 2-2 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। निपुण आंकलन के लिए एबीएसए भरावन व बावन को सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री के लोकार्पण/ शिलान्यास का शुभारंभ कार्यक्रम का सजीव प्रसारण

अवधनामा संवाददाता

सम्भल (बहजोई) मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के कर कमलों से बेसिक शिक्षा विभाग के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का लोकार्पण / शिलान्यास का शुभारंभ कार्यक्रम का सजीव प्रसारण आज कलक्ट्रेट सभागार में मुख्य अतिथि राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा उ. प्र. धर्मवीर प्रजापति एवं विशिष्ट अतिथि मा. जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ अनामिका यादव , मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट तथा अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा तथा भाजपा जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह रिंकू तथा पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री गुन्नौर अजीत कुमार राजू यादव, नगर पालिका अध्यक्ष बहजोई राजेश शंकर राजू एवं पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा ओमवीर सिंह खडगवंशी तथा पूर्व लोकसभा प्रत्याशी परमेश्वर लाल सैनी एवं अन्य अधिकारी गणों एवं परिषदीय विद्यालयों के अध्यापक गणों तथा स्कूली बच्चों द्वारा देखा गया । कार्यक्रम के अन्तर्गत सर्व प्रथम मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य विकास अधिकारी तथा अपर जिलाधिकारी द्वारा मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि एवं अन्य अतिथि गणों को पुष्प देकर स्वागत किया। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय आवासीय बहजोई की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना तथा स्वागत गीत गाया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने जनपद के अन्तर्गत बेसिक विभाग द्वारा की जा रही गतिविधियों के विषय में जानकारी दी गयी। उन्होंने बताया कि जनपद में 610 विद्यालय निपुण हो चुके हैं , उन्होंने प्रथम चरण तथा द्वितीय चरण में 1289 विद्यालयों में टैबलेट की उपलब्धता तथा आईसीटी लैब के विषय में मा. मंत्री को अवगत कराया । उन्होंने बताया कि 261 स्मार्ट क्लास बन चुकी हैं तथा जनपद के 475 विद्यालयों में समर कैंप संचालित किया जा रहा है। विद्यालय 99.22 प्रतिशत कायाकल्प से संतृप्त हो चुके हैं। मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री ने कहा कि 2017 के बाद शिक्षा विभाग में जो परिवर्तन देखने को मिला है वह अभूतपूर्व है।जनपद के पीएम श्री विद्यालय काफी सुन्दर बने हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा के स्तर में गुणवत्तापूर्ण सुधार हुआ है। शिक्षक एवं बच्चों का आत्मीय संबंध होना चाहिए। सभी शिक्षकों का प्रयास होना चाहिए वह श्रेष्ठ एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें । उन्होंने कहा कि कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय आवासीय को इण्टरमीडिएट तक करना मा.मुख्यमंत्री का सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि सभी को ऐसा कार्य करना चाहिए जो दूसरों के लिए प्रेरणा बने। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि समाज या राष्ट्र की आधार शिक्षा बेसिक शिक्षा होती है। शिक्षक राष्ट्र निर्माता होतें हैं। जिलाधिकारी के विशेष प्रयास से जनपद में बेसिक शिक्षा को प्राथमिकता पर रखते हुए कार्य किया जा रहा है। आज हमारा जनपद 60 प्रतिशत से अधिक निपुण हो चुका है। मुख्य विकास अधिकारी ने परिषदीय विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता के लिए शिक्षकों की सराहना की।उन्होंने क, ख, ग, घ मिशन के विषय में भी जानकारी दी तथा पीएम श्री विद्यालयों की तर्ज पर 144 सम्भल श्री विद्यालयों का विकास हो रहा है। जनपद में जिलाधिकारी द्वारा प्राचीनता को आधुनिकता के साथ जोड़कर बेसिक शिक्षा को आगे बढाने का कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम के अन्तर्गत अपर जिलाधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के अन्तर्गत विद्यालय में निपुणता के लिए प्रत्येक ब्लॉक से 10 प्रधानाध्यापक को प्रशस्ति पत्र दिया गया जबकि प्रत्येक ब्लॉक से 2 प्रधानाध्यापक को टैबलेट का वितरण किया तथा प्रत्येक ब्लॉक से 1 स्मार्ट क्लास के लिए प्रधानाध्यापक को प्रशस्ति पत्र तथा प्रत्येक ब्लॉक से 2 उत्कृष्ट समर कैम्प आयोजित करने वाले विद्यालयों के शिक्षामित्र एवं अनुदेशक को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के समापन पर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को स्मृति चिन्ह् के रूप में एक मूर्ति तथा एक पुस्तक दी गयी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक श्रीश्चन्द, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक, जिला विद्यालय निरीक्षक श्यामा कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत आशीष सिंह, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी रत्नेश कुमार एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

आइपीएमएम ने जूम मीटिंग का किया आयोजन

अवधनामा संवाददाता

- शफीक के हत्यारों पर हो कार्रवाई

लखनऊ। ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज (एआइपीएमएम) की जूम मीटिंग आयोजित की गई, जिसमें राष्ट्रीय, प्रांतीय, और जिला स्तर के पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस बैठक में सामाजिक, संगठनात्मक और सामुदायिक मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा की गई और सर्वसम्मति से कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए।

इस मीटिंग में अख्तर हुसैन (राष्ट्रीय सलाहकार), नफीस मंसूरी (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व दिल्ली प्रदेश प्रभारी), कमरुद्दीन अंसारी (राष्ट्रीय महासचिव व महाराष्ट्र संयोजक), अबु शहीद अंसारी (झारखंड प्रदेश अध्यक्ष), शफकत अंसारी (झारखंड प्रभारी), इजराइल अंसारी (झारखंड प्रदेश सचिव), नजीर अहमद अंसारी (राष्ट्रीय प्रवक्ता), तौकीर आलम (बिहार प्रदेश महासचिव), शब्बीर आलम (राष्ट्रीय सचिव), अब्दुल्लाह मंसूर (राष्ट्रीय सलाहकार), समीन अंसारी, ताहिर अंसारी, आसिफ सिद्दीकी, नूरुद्दीन (पसमांदा एक्टिविस्ट्स) उपस्थित रहे।

झारखंड के महुआ ग्राम में शफीक अंसारी की पुलिस हिरासत में मृत्यु पुलिस बर्बरता की कड़ी निंदा की गई। संगठन ने कहा दोषी पुलिसकर्मियों पर तत्काल आपराधिक मुकदमा चलाया जाए, पीड़ित परिवार को 25 लाख रुपये मुआवजा दिया जाए और संगठन का प्रतिनिधिमंडल महुआ जाकर सहायता प्रदान करे।

वहीं दूसरी ओर अलीगढ़ के मंजूरगढ़ी में गोश्त व्यापारियों पर हमला, चैथ वसूली से जुड़े इस हमले की आलोचना कर हमलावरों की गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग, साथ ही कुरैशी समाज के नेताओं से राष्ट्रीय स्तर पर मुद्दा उठाने की अपील। इन दोनों घटनाओं पर प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और संबंधित मुख्यमंत्रियों को ज्ञापन सौंपकर त्वरित कार्रवाई की मांग गई।

संगठन ने अपनी राष्ट्रवादी, गैर-राजनीतिक पहचान दोहराई और कहा यदि कोई शीर्ष पदाधिकारी चुनाव लड़ना चाहता है तो उसे संगठन से इस्तीफा देना होगा। संगठन व्यक्तिगत रूप से पसमांदा हितों की दिशा में कार्यरत लोगों को समर्थन देगा। विवादास्पद विषय संगठन के आंतरिक चैनलों में ही सुलझाए जाएं। नियमों के उल्लंघन पर सदस्यता समाप्त की जा सकती है। बिना अनुमति कोई बयान/लेख सार्वजनिक नहीं किया जाएगा। सभी प्रदेश अध्यक्ष और प्रभारी प्रत्येक माह दो जूम मीटिंग्स करेंगे। संगठन से जुड़े हर नीतिगत निर्णय कोर कमेटी की मंजूरी के बाद ही लिए जाएं।

ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज पसमांदा समाज की आवाज है। हम अन्याय, हिंसा, और भेदभाव के खिलाफ सशक्त तरीके से खड़े हैं। हमारा संगठन किसी राजनीतिक दल का हिस्सा नहीं है, परंतु हम सरकारों से जवाबदेही और सहयोग की मांग करते रहेंगे।

सड़क पर पड़े कीचड़ के ढेर लोगों के लिए बने मुसीबत

■ कीचड़ के ढेरो का उठान न होने से सड़कों पर फैल रही गंदगी

अवधनामा संवाददाता

महोबा। बारिश से पहले शहर के नालों की सफाई पूर्ण कराने के लिए पलिका प्रशासन द्वारा एक माह पहले शुरू किए गए सफाई अभियान को लेकर सड़क किनारे नालों की गंदगी निकाल कर ढेर लगा दिए जाने से आवागमन में लोगों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। वहीं नालों के किनारे सड़क पर पड़े गंदगी के ढेर से सारा दिन वाहनों के निकलने से सड़कों पर नालों का कचड़ा फैल रहा है। जो सूखने पर वाहनों के निकलने से दुकानों और घरों में गंदी धूल बनकर घुस रहा है। गौरतलब है कि नालों के किनारे पड़ी गंदगी को जल्द न उठाए जाने से शहर की सड़कों में नालों का कीचड़ वाहनों के जरिए फैल रहा है, बावजूद इसके पालिका प्रशासन द्वारा सड़क पर पड़े कीचड़ कील सफाई नही कराई जा रही है इससे लोगों में आक्रोश पनप रहा है। दुकानदारों द्वारा नगर पालिका को इस बावत कराने के बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है। नाला सफाई अभियान के दौरान सफाई कर्मचारियों द्वारा सफाई के नाम पर खाना पूरी की जा रही है। नालों का कीचड़ जमीन तक न निकाले जाने से आधी गंदगी नालों में पटी पड़ी है। कारण, नगर पालिका के अधिकारी द्वारा कोई ध्यान न दिए जाने से नाला सफाई का लोगों को कोई लाभ नही मिल रहा है, यही वजह है कि बारिश होने पर नालों का पानी बहने के बजाय सड़कों पर आ जाता है। नगर पालिका के पूर्व सभासद बाबू मंसूरी ने नालों की पूरी तरह से सफाई कराए जाने की मांग की है।

तालाब में डूबकर हुई वृद्ध की मौत, परिजनों मे मचा कोहराम

■ ग्रामीण गोताखोरों कड़ी मेहनत के बाद तालाब से निकाला शव

अवधनामा संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। क्षेत्र के ग्राम ग्राम खाड़ेदेवर में मानसिक रूप से बीमार चल रहा वृद्ध पैर फिसलनें से अचानक तालाब में डूब गया। जिसे ग्रामीण गोताखोरों द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर ग्रामीणों की भारी संख्या में भीड़ एकत्र हो गई। सोमवार को करीब 04 बजे क्षेत्र के ग्राम खाड़े देवर निवासी 70 वर्षीय शेर सिंह पुत्र लक्ष्मण जाटव का पैर फिसलने से गांव में ही स्थित गहरे तालाब में डूब गया। जानकारी होने पर पहुंचे ग्रामीण गोताखोर सुरेश कठेरिया द्वारा बहादुरी का परिचय देते हुए उसे कड़ी मशक्कत के बाद तालाब से उसे बाहर निकाला गया तब तक उसने दम तोड़ दिया था। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मो. इरफान उर्फ राजू, किसान नेता इरशाद अली, जुबेर खान, अतीक खान, अमन खान, सहित भारी संख्या में भीड़ एकत्र हो गई। मौके पर पहुंचे समधन चौकी इंचार्ज संजीव कटारा ने मतक के शव को कब्जे में लेकर मृतक के पुत्र राजकुमार की तहरीर पर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा है।

2027 में बनेगी पीडीए की सरकारः विनीत कुशवाहा

उन्नाव। समाजवादी छात्रसभा के कार्यकर्ता सम्मलेन को सम्बोधित करने पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष विनीत कुशवाहा का कार्यकर्ता सम्मलेन के आयोजक जिलाध्यक्ष छात्रसभा लकी यादव ने 51 किलो की माला अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेटकर स्वागत किया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष राजेश यादव ने प्रदेश अध्यक्ष का पार्टी पदाधिकारियों के साथ भव्य स्वागत किया। विनीत कुशवाहा ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने अपने भाषण में भाजपा की दूषित मानसिकता को उजागर करते हुए बताया कि दलितों, पिछडो और अल्पसंख्यक वर्ग पर हो रहे घोर अत्याचार किसी से छुपे नहीं हैं ये वो लोंग हैं जो केवल जुमलेबाजी से अपनी सत्ता पर काबिज बैठे हैं वक्त आ गया हैं इनकी घर वापसी करने का हम सबको एकजुट होकर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के हाथों को मजबूत करते हुए 2027 में पीडीए की सरकार बनानी हैं, फ्रंटल संगठन के अध्यक्ष अंकित यादव, अमन अंजुम, राहुल अग्निहोत्री सहित समाजवादी छात्र सभा के जिलाध्यक्ष लकी यादव सहित अन्य कई लोग मौजूद थे।

छोटे उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनाना ही सपा का मकसद है

■ सलोबा राष्ट्रीय सचिव ने किया बाइक रिपेयरिंग सेंटर का उद्घाटन

अवधनामा संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। समाजवादी लोहिया वाहिनी राष्ट्रीय सचिव अरूण कुमार शर्मा ने क्षेत्र के ग्राम मलिकपुर में बाइक रिपेयरिंग सेंटर का फीता काटकर उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में उन्होनें सेंटर का निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों से बातचीत भी की।

सोमवार को क्षेत्र के ग्राम मलिकपुर में बाइक रिपेयरिंग सेंटर का फीता काटकर उद्घाटन करनें के उपरान्त समाजवादी लोहिया वाहिनी राष्ट्रीय सचिव अरूण कुमार शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि यह रिपेयरिंग सेंटर न केवल क्षेत्र के युवाओं को रोजगार प्रदान करेगा, बल्कि बाइक सवारों को भी तत्काल और किफायती सेवा उपलब्ध कराएगा। कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा छोटे उद्यमियों और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। बाइक रिपेयरिंग सेंटर के मालिक ने बताया कि इस सेंटर पर अनुभवी मैकेनिकों की टीम काम करेगी और ग्राहकों को बेहतर सेवा देने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर गिरजा शंकर शर्मा बीडीसी, रॉबिन यादव, श्रीनिवास शर्मा, विपिन शर्मा, घनश्याम, राजेश शर्मा, राकेश शर्मा, ललित, हिमांशु, आकाश, हरगोविंद यादव, अतुल राजपूत, मुजस्सिम हुसैन, हसनैन, अभय सिंह आदि मौजूद रहे।

जन औषधि केन्द्र में मरीजों को मिलेगी सस्ती दवाएं

■ प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र का फीता काटकर किया शुभारंभ

अवधनामा संवाददाता

महोबा। जिला अस्पताल में प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र का फीता काटकर पलिका अध्यक्ष डॉ. संतोष चैरसिया एंव मुख्य चिकित्सा अधीक्षक पीके अग्रवाल ने उदघाटन किया। इस मौके पर अधिकारियों और कर्मचारियों के अलावा जनप्रतिनिधि एंव भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उदघाटन अवसर पर जिला अस्पताल के सीएमएस ने कहा कि जन औषधि केन्द्र खुलने से आमजनमानस को बड़ी राहत मिलेगी। बाजार में मिलने वाली दवा जन औषधि केन्द्र से खरीदने पर तीन गुना कम कीमत पर मिलेगी। अब मरीजों को हर तरह की दवा जन औषधि केन्द्र में मिलेगी, साथ ही नाम मात्र की कीमत पर दवा मिलने से मरीजों को कम खर्च में बेहतर इलाज मिल सकेगा। सरकार गरीबों को इलाज के लिए तमाम सुविधाएं उपलब्ध करा रही है।

नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि गरीबों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए केन्द्र सरकार ने जिला अस्पताल से लेकर सीएचसी और पीएचसी अस्पतालों में भी जन औषधि केन्द्र खोल रखे है, जहां पर बेहद कम कीमत पर औषधि केन्द्र से दवाएं मिल सकेंगी। इससे मरीजों का कम से कम खर्च में इलाज हो सकेगा। उन्होने कहा कि आए दिन बाहर की दवाएं लिखने की जो समस्या आ रही थी मरीजों को अब उससे भी निजात मिलेगी। कारण, औषधि केन्द्र में हर तरह की दवाएं मिलेंगी।

प्रेमी से अनबन पर युवती ने फांसी लगा की आत्महत्या

अवधनामा संवाददाता

उन्नाव। मौरावां थाना क्षेत्र के ग्राम मउवा मजरा गुलरिहा में रविवार को एक युवती ने घर की छत पर सरिया में गमछे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूत्रो से मिली जानकारी के अनुसार केतकी गोस्वामी 19 का लालाखेड़ा के एक युवक से प्रेम संबंध था। बीते कुछ समय से दोनों के बीच विवाद चल रहा था जिससे युवती तनावग्रस्त रहने लगी थी। परिजनों ने बताया कि केतकी पिछले कुछ दिनों से चुपचाप और गुमसुम रहती थी। रविवार को वह छत पर गई और काफी देर तक नीचे नहीं लौटी। जब परिजन ऊपर पहुंचे तो देखा कि वह फंदे से लटक रही थी। प्रेमी को हिरासत लेकर पुलिस कॉल और चैट्स की जांच कर रही है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और युवक को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है। थाना प्रभारी कुंवर बहादुर ने बताया कि मोबाइल कॉल डिटेल और सोशल मीडिया चैट्स की जांच की जा रही है। जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकार्पण, शिलान्यास का लोक भवन से किया शुभारंभ

■ सेवायोजन कार्यालय में उपस्थित अधिकारियों कर्मचारियों, शिक्षकों ने देखा लाइव प्रसारण

अवधनामा संवाददाता

महोबा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक भवन लखनऊ से अपने कर कमलों से बेसिक शिक्षा विभाग के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का लोकार्पण, शिलान्यास का सुभारम्भ किया। साथ ही समर कैम्प जागरूकता कार्यक्रम किये जाने के लिए सोमवार को जिला सेवायोजन सभागार में कार्यक्रम का आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिले के प्रभारी मंत्री राकेश राठौर रहे। जिले के प्रभारी मंत्री ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। उधर सुबह 10:30 बजे पर मुख्यमंत्री द्वारा लोकभवन लखनऊ से कार्यक्रम का शुभारम्भ किया, जिसका सजीव प्रसारण सेवायोजन सभागार, महोबा में किया गया, जहां पर उपस्थित शिक्षा विभाग के अध्यापक, बच्चें, कर्मचारियों व जनप्रतिनिधियों एंव जिलास्तरीय अधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री के उद्बोधन को सुना गया। प्रभारी मंत्री ने अपने सम्बोधन में 06 से 14 आयुवर्ग के सभी बच्चों को विद्यालय में पंजीकरण व नामांकन कराने के लिए प्रेरित किया गया तथा अपने बचपन के एक प्रकरण के बारे में बताया कि जब वह कक्षा 05 में अध्ययनरत थे तब किसी कारण से उनका विद्यालय छूट गया तब उनके विद्यालय के एक शिक्षक ने उनका प्रवेश अगली कक्षा में कराते हुए शिक्षण शुल्क स्वंय जमा किया था। इस पर आज भी वे अपने गुरूजनों को सम्मानपूर्वक याद करते है इसी प्रकार आज के परिवेश मे भी सभी लोग अपने आस.पास के क्षेत्र में यदि कोई बच्चा अपनी शिक्षा से छूट रहा है तो उसको उसकी शिक्षा पूर्ण कराने में सहयोग करे। बच्चे ही देश का भविष्य है। जिलाधिकारी गजल भारद्वाज ने दो दृष्टि बाधित बच्चों को ब्रेल किट और निपुण भारत योजना के संचालन के लिए अध्यापकों को 20 टेबलेट वितरित किए गए। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्याक्ष मोहनलाल कुशवाहा, मुख्य विकास अधिकारी हरेन्द्र कुमार, जन प्रतिनिधि राहुल अग्रवाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी आशाराम, जिला पंचायती राज अधिकारी, जिला सेवायोजन अधिकारी आकांक्षा वाजपेयी व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल मिश्रा के अलावा अन्य जिलास्तरीय अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जेवरात व नगदी मांगने पर युवक को पीटा, दी धमकी

गुरसहायगंज, कन्नौज,अवधनामा संवाददाता। क्षेत्र के ग्राम नौधना निवासी सुधांशु पुत्र उमेश चंद्र द्वारा कोतवाली में दर्ज कराए गए मुकदमे में कहा गया है कि विगत 23 मई की शाम 08 बजे उसने परिवार के ही दिनेश चंद्र, राजेश चंद्र, प्रवीन चंद्र से मोबाइल, बीस हजार रुपये की नगदी एवं जेवरात वापस मांगे। जिस पर उक्तगणों ने नाराज होकर उसके साथ गाली गलौज करते हुए लात घूसों से मारपीट कर घायल कर दिया तथा जान से मारने की धमकी दी। घटना के संबंध में कोतवाली पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस ने सट्टा पर्ची सहित युवक को पकड़ा

गुरसहायगंज, कन्नौज,अवधनामा संवाददाता। हमराह सिपाहियों के साथ शांति व्यवस्था में गस्त कर रहे कस्बा प्रभारी दीपक चौधरी ने मुखबिर की सूचना पर पीडब्ल्यूडी तिराहा के निकट छापेमारी कर एक युवक के पास से सट्टा पर्ची सहित सात सौ बीस रुपये बरामद करते हुए हिरासत में ले लिया। पुलिस हिरासत में आरोपी युवक ने अपना सानू उर्फ शान मोहम्मद पुत्र इरशाद निवासी ग्राम खाडेदेवर बताया है। कोतवाली पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की गई है।

साइबर पुलिस ने 09 दिन में 11.5 लाख वापस कराए

महोबा। साइबर थाना पुलिस ऑनलाइन पैसे उड़ाने वाले शातिर बदमाशों के खिलाफ अभियान चलाकर नौ दिन में छह लोगों के 11.5 लाख रुपये वापस दिलाए है। इससे वापस पैसा पाने वाले लोग साइबर थाना पुलिस की इस कार्रवाई से खासा गदगद है। साइबर थाना प्रभारी नरेंद्र प्रताप सिंह की टेक्निकल टीम ने शातिरों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करते हुए फ्रॉड खातों को फ्रीज किया, इसके बाद पेमेंट गेटवे और बैंक अधिकारियों के सहयोग से धनराशि की रिकवरी कराई। सबसे पहले पत्थर व्यवसायी एके त्रिपाठी के साथ नौ लाख की रकम मात्र 24 घंटे में वापस कराई गई। गांधीनगर निवासी अबू साहिमा को 35 हजार रुपये, भटीपुरा निवासी पुष्पेंद्र प्रजापति को 1.20 लाख रुपये और भीम कुमार को 20 हजार रुपये वापस कराए है।

स्वाट टीम को पुलिस अधीक्षक ने किया सम्मानित

उन्नाव, अवधनामा संवाददाता। जनपद में लूट और हत्या जैसी गंभीर वारदातों का सफल अनावरण करने वाली स्वाट टीम को पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। हाल ही में स्वाट टीम ने तत्परता और सूझबूझ का परिचय देते हुए एक जटिल लूट व हत्या के मामले को सुलझाया था, जिससे अपराधियों की गिरफ्तारी संभव हो सकी और क्षेत्र में भयमुक्त वातावरण स्थापित हुआ। एसपी दीपक भूकर ने टीम के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस का यह कर्तव्य है कि वह आमजन को सुरक्षा का भरोसा दिलाए और स्वाट टीम ने इस दिशा में सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे अधिकारी और कर्मचारी पूरे विभाग के लिए प्रेरणा स्रोत होते हैं। सम्मान समारोह के दौरान एसपी ने टीम के प्रत्येक सदस्य को प्रशस्ति पत्र देकर उत्साहवर्धन किया और भविष्य में भी इसी तरह कर्मठता व निष्ठा के साथ कार्य करने का संदेश दिया।

नगर निगम के खोखले वादों की वारिश में खुली पोल

मथुरा। मथुरा जनपद में बीते दशकों से भाजपा का शासन चला आ रहा है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मथुरा को स्मार्ट सिटी परियोजना में शामिल कर चुके हैं साथ ही प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ सदैव मथुरा के विकास के लिए प्रतिबद्ध नजर आते है फिर भी मथुरा की जनता को विकास के नाम पर खोखले वादों से संतुष्ट होना पड़ता है। बीते दशकों से मथुरा शहर में बरसात के मौसम में जल भराव की गंभीर समस्या देखने को मिलती है जबकि मथुरा के शहरी क्षेत्र में ही भाजपा के 5 विधायकों दो सांसदों, का निवास स्थान बना हुआ है, फिर भी मथुरा में विकास दिन के उजाले में चिराग लेकर ढूंढने पर दिखाई नहीं देता। वर्षो पुरानी जल भराव की समस्या का पुख्ता इंतजाम आज तक नहीं हो सका या सरकारी तंत्र इस जल भराव की गंभीर समस्या को समाप्त करने में अपनी रुचि नहीं दिखा रहा। मथुरा में दो दिनों से लगातार मौसम अपना मिजाज बदल रहा है आज सुबह भी मौसम ने अपना रंग बदला और सुबह थोड़ी वारिश हुई जिसके कारण जगह जगह जल भराव की समस्या उत्पन्न होने लगी स्थानीय लोगो को दिक्कत का सामना करना पड़ा नगर निगम के अधिकारियों और महापौर के ढुलमुल रवैए के कारण भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को जनता की खरी खोटी सुनाई दी। सुबह तड़के 8 बजे के लगभग जोरदार बारिश हुई जिसके कारण मथुरा के भूतेश्वर रेलवे पुल, सहित तमाम इलाकों में पानी भर गया , जल भराव के कारण लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। भूतेश्वर रेलवे पुल के नीचे करीब ढाई फूट पानी जमा हो गया इस जल भराव के कारण सड़क किनारे बने गड्ढे में स्कूटी सवार कई राहगीर गिर गए जिसके कारण कई राहगीर चोटिल होते होते बचे पुल के नीचे जमा पानी के कारण सड़क पर लंबा जाम दिखाई दिया। राहगीरों का कहना है कि यह स्थिति मथुरा में लगभग 30 सालों से बनी हुई है लेकिन आजतक मथुरा में किसी भी दल के नेता और सरकारी अधिकारी ने इस समस्या का हल नहीं कराया जिससे लगता है कि सरकारी अमला मथुरा की इस वर्षो पुरानी जलभराव की समस्या को लेकर गंभीर नहीं है।

ब्लाक प्रमुख के नेतृत्व में धूमधाम से निकली तिरंगा शौर्य यात्रा

अवधनामा संवाददाता

उन्नाव। बांगरमऊ के कस्बा गंज मुरादाबाद में भारत शौर्य यात्रा निकाली गई। यात्रा की अगुआई ब्लॉक प्रमुख संध्या सिंह पटेल एवं विवेक सिंह पटेल के द्वारा की गई।

आपको बताते चले कि पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारतीय सेना की जवाबी कार्यवाही में आतंकवादी ठिकानों पर चुन-चुनकर निशाना साधा गया और भारतीय सेना द्वारा बड़ी संख्या में आतंकवादियों को मार गिराया गया। सेना के पराक्रम को सलामी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवाहन पर देश भर में भारत शौर्य तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। आज गंजमुरादाबाद में भी ब्लॉक प्रमुख संध्या सिंह पटेल की अगुवाई में एक विशाल भारत शौर्य तिरंगा यात्रा निकाली गई जिसमे क्षेत्र के हज़ारों लोगों ने पहुँच कर सहभागिता दर्ज की। यात्रा का शुभारंभ माँ काली देवी मंदिर से हुआ जो कस्बे के विभिन्न स्थानों से होता हुआ स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं राष्ट्रीय कवि स्व0 जगदंबा प्रसाद हितैषी की प्रतिमा तक पहुँचा। हितैषी जी की प्रतिमा पर प्रमुख प्रतिनिधि विवेक सिंह पटेल, पूर्व ज़िला अध्यक्ष अवधेश कटियार सहित समस्त कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण किया। यात्रा का गंज मुरादाबाद में जगह जगह जोरदार स्वागत किया गया। नगर का चप्पा चप्पा भारत माता की जय के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। इस यात्रा में प्रमुख रूप से सतीश प्रधान, रानू खां, रावेंद्र सिंह, रामनरेश कुशवाहा, लल्लू प्रधान, साहिल प्रधान, रणधीर सिंह, रीता गुप्ता, पंकज शुक्ला, सोनू सिंह, गुफ़रान प्रधान, मनोज प्रधान, गुमानी प्रधान, मुजम्मिल, मनोज सिंह, नीरज तिवारी आदि सहित हज़ारों की भीड़ उपस्थित रही।

मथुरा में गौ रक्षकों की बड़ी कार्यवाही बचाए गए दर्जनों गौवंश

अवधनामा संवाददाता

■ गौ तस्कर वारिश का फायदा उठा भागने में हुए सफल

मथुरा। प्रदेश में सरकारी तंत्र की लाख कोशिशों के बावजूद भी गौ तस्कर बेखौफ हो अपनी कार्ययोजना को अंजाम दे रहे है बीती रात मथुरा में गौ रक्षकों की मुस्तैदी के कारण गौ तस्करों के मंसूबे पर पानी फेर दिया, मथुरा में गौ हत्या रोकने के लिए प्रशासन के साथ साथ गौ रक्षक दल भी सड़को पर पहरेदारी करते रहते है जिसका परिणाम है कि गौ तस्करों को अपने मंसूबों को अंजाम देने से कुछ हद तक रोका जा रहा है बीती रात मथुरा में गौ रक्षकों की टीमों ने अपनी जान पर खेलते हुए गौ वंश से भरे एक कैंटर को पकड़ा जिसने दर्जनों गौ बंश को कटान से बचा लिया गया।

गौ रक्षक दल की टीम सोनू हिन्दू पलवल, विश्व हिन्दू परिषद गौ रक्षा चीता फोर्स टीम पुनीत चतुर्वेदी और श्री चिंताहरण महादेव की टीमों ने संयुक्त रूप से एक कैंटर से गौ वंश के लदान की सूचना मिलने पर नाकाबंदी की तभी एक कैंटर क्क80 ञ्ज 6144 आता दिखाई दिया जिसे रोकने की कोशिश की कैंटर चालक द्वारा गौ रक्षकों को देखते हुए अधाधुंध तेज गति में कैंटर को भगाना प्रारंभ कर दिया जाबाज गौ रक्षकों द्वारा अपनी जान को जोखिम में डाल कर कैंटर को घेर लिया बरसात होने का फायदा उठा कैंटर चालक और क्लीनर भागने में सफल रहे।

गौ रक्षकों की इस कार्यवाही में प्रमुख रूप से टीम सोनू हिन्दू पलवल के साथ , रवि शर्मा, भारत गौतम, डाक्टर गोविंद, सोनू, पुनीत पंडित पलबल, विश्व हिन्दू परिषद गौ रक्षा चीता फोर्स पुनीत चतुर्वेदी मथुरा का सराहनीय योगदान रहा।

सभी गौ वंशो को गौ तस्करों के चंगुल से बचा कर सुरक्षित गौ शाला में छोड़ दिया गया।

बच्चे को बाइक से टक्कर मारने के विवाद में हुई मारपीट व पथराव

अवधनामा संवाददाता

■ कोतवाली पुलिस ने शुरू की जांच, सभ्रांतजनों ने कराया समझौता

गुरसहायगंज, कन्नौज। क्षेत्र के ग्राम मझपुरवा में बच्चे को बाइक से टक्कर मारने वाले युवक का विरोध करने पर पथराव हो गया। बाइक सवार युवक अपने साथियों के साथ आया और घर में घुसकर मारपीट की साथ ही पथराव कर दिया। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर दी है।

रविवार की देर शाम क्षेत्र के ग्राम मझपुरवा निवासी अब्दुल हाफिज का 06 वर्षीय नाती जैद घर के बाहर खेल रहा था। तभी गांव का ही अनवर तेजी से बाइक लेकर उधर से गुजरा। जिसकी चपेट में आकर जैद चोटिल हो गया। ऐसे में अब्दुल हाफिज ने बाइक सवार को डांट दिया। जिससे दोनों के बीच कहासुनी हो गई। अनवर वहां से चला गया। कुछ ही देर बाद वह अपने साथ कुछ अन्य युवकों को लेकर अब्दुल हाफिज के घर पहुंच गया और परिजनों को लात-घूंसों से न सिर्फपीटना शुरू कर दिया बल्कि युवकों ने घर के बाहर ईंट-पत्थर भी चलाए। जिससे ग्रामीणों में दहशत फैल गई। उधर अब्दुल हाफिज ने अनवर और उसके कुछ साथियों को नामजद करते हुए दो दर्जन से अधिक लोगों के खिलाफ कोतवाली में तहरीर देते हुए कार्रवाई की मांग की है। उधर सभ्रांतजनों द्वारा दोनों पक्षों के मध्य सुलह समझौता करवा दिया है।

मथुरा पुलिस की बदमाशों से हुई मुठभेड़

अवधनामा संवाददाता

■ असर एग्रो फैक्ट्री में हुई हत्या की वारदात से जुड़े थे बदमाशों के तार

मथुरा। जनपद की भौगोलिक स्थिति के अनुसार दो राज्यों की सीमा से सटा होने के कारण हमेशा अपराध की फेहरिस्त में शामिल रहता है पर मथुरा जनपद में तैनात जाबाज पुलिस के जवान हमेशा अपराधियों पर भारी पड़ते रहे हैं अपराधी कितने भी शातिराना अंदाज में घटना को अंजाम दे कर निकलने की जुगत में लगे रहते है पर मथुरा पुलिस अपनी सूझबूझ और बहादुरी के दम पर अपराध पार अंकुश लगाने में कामयाब रही है।

बीते तीन दिन पहले मथुरा दिल्ली हाइवे पर बंद पड़ी असर एग्रो फैक्ट्री में चौकीदार की हत्या से इलाके में सनसनी मचाने के मामले को पुलिस ने गंभीरता से लिया और घटना में शामिल बदमाशों को उनके अंजाम तक पहुंचाने की दिशा पर काम करना प्रारंभ कर दिया और इस मामले में पुलिस को बड़ी सफलता भी हाथ लगी। मथुरा पुलिस की देर रात दो अलग अलग थाना क्षेत्रों में बदमाशों के साथ मुठभेड़ हुई, दोनों मुठभेड़ों में 5 बदमाशों को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया, पहली मुठभेड़ थाना छाता क्षेत्र में हुई जहां तीन बदमाशों की पुलिस मुठभेड़ के दौरान गोली लगी जिन्हें घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया दूसरी मुठभेड़ थाना जैत इलाके में हुई जहां दो बदमाशों को पुलिस मुठभेड़ में घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया, दोनों मुठभेड़ों में गिरफ्तार बदमाशों की थाना छाता क्षेत्र में बंद पड़ी असर एग्रो फैक्ट्री के चौकीदार की हत्या और दूसरे को घायल करने के मामले में तलाश थी। 22 मई की रात्रि को थाना छाता क्षेत्र में बंद पड़ी असर एग्रो फैक्ट्री में चौकीदार बद्री की हत्या कर दी गई बही दूसरे चौकीदार को अधमरा कर छोड़ दिया गया था, इस मामले का खुलासा करने के लिए मथुरा पुलिस कप्तान श्लोक कुमार ने 5 टीमों को लगाया। बदमाशों की तलाश में जुटी पुलिस टीम को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि चौकीदार की हत्या के मामले में संलिप्त कुछ बदमाश शुगर मील के निकट देखे गए हैं, सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने स्वाट टीम से संपर्क कर बदमाशों की घेरा बंदी करने के लिए पहुंच गई , पुलिस को आते देख बदमाशों ने भागने का प्रयास किया पर पुलिस टीम के द्वारा अपने आप को घिरा देख फायरिंग शुरू कर दी, पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्यवाही की जिसके चलते 3 बदमाशों के पैर में गोली लगी जिन्हें घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया , बही बदमाशों के दो साथी मौका देख भागने में सफल रहे। घायल बदमाशों की पहचान आगरा निवासी सतीश, विनोद, राकेश के रूप में हुई। पुलिस ने गिरफ्तार बदमाशों के पास से एक लोहे की कटर, मृतक चौकीदार का मोबाइल साथ ही 3 तमंचा और कारतूस बरामद किए। घायल अवस्था में गिरफ्तार बदमाशों को इलाज के लिए भेज पुलिस टीम भागे हुए बदमाशों की तलाश में जुट गई करीब 3 बजे के लगभग फिर पुलिस को जानकारी लगी कि फरार बदमाश टेम्पो में बैठ कर छाता से मथुरा की ओर जा रहे हैं पुलिस ने सूचना के आधार पर हाइवे पर चैकिंग प्रारंभ कर दी। चैकिंग के दौरान छाता से मथुरा की ओर आता हुआ एक टेम्पो दिखाई दिया जिसमें से दो लोग पुलिस की चैकिंग को देख कर टेंपो को रुकवा कर भागते दिखाई दिए जिस पर पुलिस टीम द्वारा उनका पीछा किया गया पुलिस को अपनी ओर आता देख बदमाशों ने फायर ठोक दिया, जिसके बाद पुलिस टीम ने भी जवाबी कार्यवाही की जिसमें दो बदमाशों के पैर में गोली लगी घायल अवस्था में दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया पूछताछ में बदमाशों ने हरिराम निवासी मुरैना, और विशाल निवासी आगरा के रूप में अपनी पहचान बताई दोनों बदमाशों के पास से पुलिस ने दो तमंचे 10 कारतूस सहित घटना में प्रयोग किया गया एक इको गाड़ी, एक ऑटो भी बरामद किया। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया, इन सभी बदमाशों के द्वारा थाना छाता क्षेत्र में बंद पड़ी असर एग्रो फैक्ट्री की वारदात को अंजाम दिया गया।

प्रणय-लक्ष्य और सिंधू सिंगापुर ओपन में पेश करेंगे चुनौती

सिंगापुर। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष जोड़ी फिटनेस संबंधी चिंताओं को दूर करने के बाद मंगलवार से यहां शुरू हो रहे सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में सितारों से सजी भारतीय चुनौती की अगुआई करेगी। विश्व की पूर्व नंबर एक जोड़ी ने पिछली बार मार्च में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में चुनौती पेश की थी। यह जोड़ी हालांकि चिराग की पीठ की चोट के कारण दूसरे दौर में ही हट गई थी। सात्विक की स्वास्थ्य समस्याओं के कारण वे सुदीरमन कप से भी नहीं खेल सके थे। इस साल की शुरुआत में मलेशिया ओपन और इंडिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे वाली यह भारतीय जोड़ी यहां मलेशिया के चूंग होन जियान और मुहम्मद हाइकल के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। पिछले सप्ताह मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में पहुंचकर किदांबी श्रीकांत ने खुद की और पिछले कुछ महीनों में भारतीय

फाइनल

किरण जॉर्ज भी इंडिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं।

बैडमिंटन पर छाई निराशा को दूर करने में कामयाबी हासिल की। उन्होंने पिछले कुछ महीनों से भारत के एकल खिलाड़ियों के टूर्नामेंट में सप्ताह दर सप्ताह अच्छा प्रदर्शन करने में विफल रहने की परिपाटी को तोड़ा। श्रीकांत हालांकि इस सप्ताह प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे लेकिन वह अपने हमवतन खिलाड़ियों को 10 लाख डॉलर पुरस्कार राशि वाले टूर्नामेंट में अच्छा करने के लिए प्रेरित जरूर करेंगे। विश्व चैंपियनशिप (2023) के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय ने कुआलालंपुर में श्रीकांत के शानदार प्रदर्शन को करीब से देखा था। वह डेनमार्क के रासमस गेम्के के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करते समय

इसी तरह का दमदार प्रदर्शन करना चाहेंगे। प्रणय पिछले साल चिकनगुनिया से जूझने के बाद लय हासिल करने की कोशिश में हैं। लक्ष्य सेन शुरुआती दौर में लिन चुन-यी का सामना करके अपनी फिटनेस पर संदेह को दूर करना चाहेंगे। 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता अल्मोड़ा के 23 वर्षीय खिलाड़ी ने पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद से निराशाजनक प्रदर्शन किया है। वह इस सत्र में चार बार शुरुआती दौर से ही बाहर हो गये हैं। प्रियांशु राजावत भी मौजूदा सत्र में प्रभावित करने में नाकाम रहे हैं। तेईस साल का यह खिलाड़ी छह प्रतियोगिताओं में शुरुआती दौर की बाधा पार करने में विफल रहा है।

किरण जॉर्ज भी इंडिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं। वह चीन के वेंग हांग यांग के खिलाफ अपने मौके को भुनाना चाहेंगे। महिला एकल में अनुभवी पीवी सिंधू अब भी वापसी की राह पर है। अपनी कोचिंग टीम में कई बार बदलाव करने के बाद बावजूद दो बार की ओलंपिक पदक विजेता के प्रदर्शन में निरंतरता नहीं दिखी है। इस 29 वर्षीय खिलाड़ी को फरवरी में गुवाहाटी में अभ्यास के दौरान हैमस्ट्रिंग (मांसपेशियों की खिंचाव) की चोट लगी थी। उन्हें इसके कारण एशिया टीम चैंपियनशिप से बाहर होना पड़ा था।

चोट से वापसी के बाद से उन्हें थुई लिन्ह गुयेन, पुत्री कुसुमा वर्दानी और किम यून जैसे खिलाड़ियों के खिलाफ शुरुआती चरणों में हार का सामना करना पड़ा है। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू का सामना पहले दौर में कनाडा की वेन यू झांग से होगा। महिला वर्ग में अन्य भारतीय खिलाड़ियों के सामने मुश्किल चुनौती होगी। अनमोल खरब का मुकाबला पूर्व ओलंपिक चैंपियन चीन के चेन यू फी से होगा जबकि आकर्षी कश्यप तीसरी वरीयता प्राप्त हान यू के खिलाफ कोर्ट में उतरेंगी।

मालविका बंसोड़ का सामना थाईलैंड की सुपानिडा काटेथोंग से और रक्षिता रामराज का मुकाबला दक्षिण कोरिया की किम गा इयोन से होगा। अनुपमा उपाध्याय चीनी ताइपे की सुंग शुओ युन से भिड़ेंगी जबकि उन्नति हुड्डा का सामना दूसरी वरीयता प्राप्त मलेशिया मास्टर्स चैंपियन वांग झीयी से होगा।

मन की बात में पीएम मोदी ने कादिर के प्रदर्शन को सराहा, खेलो इंडिया यूथ गेम्स में रचा है कीर्तिमान

नई दिल्ली। बरेली के कादिर खान धावक है। उन्होंने खेलो इंडिया यूथ गेम्स में शानदार प्रदर्शन से कीर्तिमान रचा है। कादिर के प्रदर्शन को पीएम मोदी ने सराहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में रविवार को खिलाड़ियों की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने खेलो इंडिया यूथ गेम्स में कीर्तिमान रचने वाले बरेली के कादिर खान के की सराहना की। कादिर खान ने बिहार के पटना में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स की 400 मीटर स्पर्धा के सेमीफाइनल में 47.67 सेकंड और फाइनल में 47.34 सेकंड में दौड़ पूरी कर उन्होंने कीर्तिमान रचा था।

उन्होंने केरल के अब्दुल रज्जाक के 48.34 सेकंड के रिकॉर्ड को ध्वस्त किया था। वह बताते हैं कि यह उनके लिए एक अविस्मरणीय पल था। पीएम से

प्रशंसा पाकर, बेहतरीन प्रदर्शन करने की ऊर्जा मिली है। कठिन परिस्थितियों और आर्थिक तंगी को मात देते हुए कादिर ने मेहनत की मिसाल पेश की और शहर को गर्व करने का मौका दिया।

कादिर खान बताते हैं कि उनके पिता किसान हैं और घर की आय बेहद सीमित है। कई बार प्रतियोगिताओं में फटे जूतों में भी दौड़ना पड़ा। इसके बाद भी उन्होंने कभी धैर्य नहीं छोड़ा। निरंतर अभ्यास और मेहनत की। सऊदी अरब में हुई एशियन अंडर-18 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेडले रिले स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया था।

इस उपलब्धि में भी कादिर खान ने अहम भूमिका निभाई थी। वह बताते हैं कि जब उन्होंने टीम के साथ पोडियम पर खड़े होकर देश का झंडा लहराया था तो यह किसी सपने से कम नहीं लगा था।

चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स में खिलाड़ियों की संख्या बढ़ाई गई, बड़ी पुरस्कार राशि की भी घोषणा

चेन्नई। आयोजकों ने एक प्रेस रिलीज में बताया कि छह से 15 अगस्त तक आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में अब प्रत्येक वर्ग में 10 खिलाड़ी भाग लेंगे। चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के तीसरे सत्र में खिलाड़ियों की संख्या बढ़ाकर 20 करने के साथ इसकी अब तक की सबसे बड़ी पुरस्कार राशि एक करोड़ रुपये करने की घोषणा की गई है। आयोजकों ने एक प्रेस रिलीज में बताया कि छह से 15 अगस्त तक आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में अब प्रत्येक वर्ग में 10 खिलाड़ी भाग लेंगे, जबकि पिछले सत्र में आठ खिलाड़ी भाग लेते थे। एमजीडी। द्वारा आयोजित और तमिलनाडु सरकार तथा तमिलनाडु खेल विकास प्राधिकरण द्वारा समर्थित इस टूर्नामेंट को सिंगापुर स्थित 'फिनटेक' कंपनी 'क्वांटबॉक्स रिसर्च' के साथ करार के बाद 'क्वांटबॉक्स चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स' कर दिया गया है। पिछले सत्र में अरविंद चिदंबरम मास्टर्स वर्ग में अर्जुन एरिगैसी और विदित गुजराती जैसे खिलाड़ियों को पछाड़कर चैंपियन बने थे। प्रणव वी. ने चैलेंजर्स वर्ग का खिताब जीता था। इस जीत से उन्हें इस साल मास्टर्स वर्ग में चुनौती पेश करने का मौका मिलेगा।

प्रदेश स्तरीय तैराकी प्रतियोगिताः पुरुष वर्ग में सैफई, महिलाओं में विंध्याचल की टीम चैंपियन

बरेली। बरेली के स्टेडियम में प्रदेश स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता का रविवार को समापन हो गया। पुरुष वर्ग में सैफई और महिला वर्ग में विंध्याचल की टीम चैंपियनशिप बनीं। व्यक्तिगत चैंपियनशिप में विंध्याचल के आदित्य और अर्चना ने बाजी मारी।

उत्तर प्रदेश तैराकी संघ और खेल निदेशालय की ओर से बरेली में आयोजित प्रदेश स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता की टीम चैंपियनशिप पुरुष वर्ग में 133 अंक लेकर स्पोर्ट्स कॉलेज सैफई और महिला वर्ग में 163 अंक हासिल कर विंध्याचल की टीमें अव्वल रहीं। व्यक्तिगत चैंपियनशिप पुरुष वर्ग में विंध्याचल के आदित्य साहनी और महिला वर्ग में अर्चना निषाद ने बाजी मारी। प्रतियोगिता के अंतिम दिन रविवार को विभिन्न स्पर्धाएं हुईं। पुरस्कार वितरण के साथ प्रतियोगिता का समापन हुआ। 800 मीटर

बाजी

मिश्रित मेडले में स्पोर्ट्स हॉस्टल लखनऊ की टीम ने बाजी मारी। विंध्याचल दूसरे और गोरखपुर तीसरे स्थान पर रहा।

फ्रीस्टाइल पुरुष वर्ग में स्पोर्ट्स कॉलेज सैफई के राज चौहान प्रथम, विंध्याचल के लालचंद साहनी द्वितीय और स्पोर्ट्स कॉलेज सैफई के अभिषेक चौहान तृतीय स्थान पर रहे। महिला वर्ग में गोरखपुर की अंकिता चौहान पहले, विंध्याचल की ऋतु निषाद दूसरे और वाराणसी की रिया पटेल तीसरे स्थान पर रहीं। 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले पुरुष वर्ग में विंध्याचल के आदित्य पहले, गोरखपुर के विराट चौहान दूसरे और स्पोर्ट्स कॉलेज सैफई के शुभम चौहान तीसरे स्थान पर रहे। महिला

वर्ग में विंध्याचल की अर्चना निषाद और शिखा ने क्रमशः प्रथम और द्वितीय स्थान हासिल किया। लखनऊ की सृष्टि तिवारी तीसरे स्थान पर रहीं।

मिश्रित मेडले में स्पोर्ट्स हॉस्टल लखनऊ की टीम ने बाजी मारी। विंध्याचल दूसरे और गोरखपुर तीसरे स्थान पर रहा। 100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले महिला वर्ग में विंध्याचल प्रथम, गोरखपुर द्वितीय और वाराणसी तृतीय स्थान पर रहा। वहीं, पुरुष वर्ग में वाराणसी पहले, विंध्याचल दूसरे और स्पोर्ट्स कॉलेज सैफई तीसरे स्थान पर रहे।

मुख्य अतिथि वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री अरुण कुमार, अंतरराष्ट्रीय शूटर कमल सेन, जिला तैराकी संघ के उपाध्यक्ष सुनील गुप्ता, क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी जितेंद्र यादव, उप्र तैराकी संघ के निदेशक रोबिन कपूर, जिला तैराकी संघ के सचिव सुनील कुमार मित्तल ने विजयी प्रतिभागियों और टीमों को पुरस्कृत किया। निर्णायक मंडल में नीरज मिश्रा, प्रभात मिश्रा, सुबोध मिश्रा, राज किशोर शर्मा, राकेश अजहरी, गजेश्वर सिंह आदि शामिल रहे।

संन्यास के बाद टेनिस को मिस नहीं कर रहे राफेल नडाल

पेरिस राफेल नडाल ने कहा है कि वह टेनिस को अलविदा कहने के बाद इस खेल को ज्यादा मिस नहीं कर रहे हैं। 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता नडाल ने पिछले साल प्रोफेशनल टेनिस से रिटायरमेंट लिया था। फ्रेंच ओपन 2025 के आगाज के मौके पर रोलां गैरो में पहले दिन 14 बार इस खिताब को जीतने वाले नडाल को सम्मानित किया गया। नडाल ने पत्रकारों से कहा, मैं टेनिस को ज्यादा मिस नहीं करता क्योंकि मुझे लगता है कि मैंने इस खेल के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया। मैं यह सोचकर आया कि मैं कोर्ट पर नहीं जा सकता। मेरा शरीर मुझे कोर्ट पर जाने की अनुमति नहीं देता। तो बस इतना ही। मेरा मन फिलहाल शांत है। नडाल ने कहा, मैंने वह सब किया जो मैं सबसे अच्छा करियर बनाने के लिए कर सकता था और अब मैं अपने जीवन के इस नए चरण का आनंद ले रहा हूं। मुझे यकीन है कि नया चरण टेनिस करियर की तुलना में कम रोमांचक होने वाला है, क्योंकि खेल आपको जो एड्रेनालीन देता है, मुझे लगता है कि जीवन में अन्य चीजों में खोजना असंभव है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं कम खुश होने जा रहा हूं। इस 38 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि पिछले साल नवंबर में अपना शानदार करियर समाप्त करने के बाद से वह बिल्कुल नहीं खेले हैं और इसके बजाय उन्होंने अपनी टेनिस अकादमी और व्यावसायिक हितों पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने कहा, %संन्यास के बाद मैंने रैकेट को छुआ तक नहीं। इसलिए बीते छह महीने से मैं टेनिस कोर्ट पर भी नहीं गया हूं, लेकिन मैं जाऊंगा। मैं किसी समय वापसी करूंगा, क्योंकि हो सकता है कभी मुझे खुद को किसी प्रदर्शनी या इस तरह की कुछ मैच खेलने के लिए तैयार करना पड़े।

ओमंग कुमार की फिल्म से होगी हर्षवर्धन राणे की वापसी, साथ दिखेंगी कश्मीर की कली सादिया खतीब

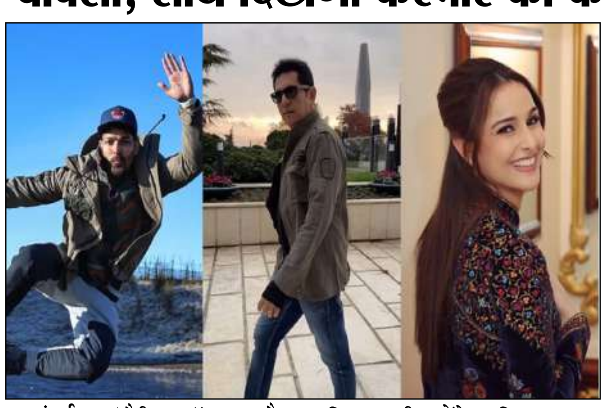

मुंबई। 'मैरी कॉम' और 'सरबजीत' जैसी बायोपिक फिल्मों के निर्देशक ओमंग कुमार की नई फिल्म से हर्षवर्धन राणे कमबैक करेंगे। इस फिल्म में उनके साथ एक्ट्रेस सादिया खतीब नजर आने वाली हैं।

इमोशन के बादशाह निर्देशक ओमंग कुमार और अभिनेता हर्षवर्धन राणे दोनों की जबरदस्त वापसी एक साथ एक नई फिल्म से होने जा रही है। इस फिल्म में हर्षवर्धन राणे के साथ सादिया खतीब, करणवीर मेहरा और इप्सिता भी होंगी। फिल्म एक रोमांटिक एक्शन थ्रिलर बताई जा रही है।

बायोपिक फिल्मों 'मैरी कॉम' और 'सरबजीत' से धाक जमाने वाले निर्देशक ओमंग कुमार अब मैदान में उतर रहे हैं एक नए तेवर के साथ।

इस बार न कोई बायोपिक, न कोई सीधी-सादी कहानी—बल्कि दिलों को धड़काने वाला एक हाई-वोल्टेज रोमांटिक एक्शन ड्रामा, जिसमें प्यार भी है, तकरार भी है और जबरदस्त टशन भी।

जानकारी के मुताबिक इस फिल्म की मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे रफ-टफ लुक वाले हर्षवर्धन राणे, संजीदा अदाकारा सादिया खतीब, स्टाइलिश और सधा हुआ अंदाज़ लिए करणवीर मेहरा, और एक ताज़गी से भरी धमाकेदार एंट्री के साथ इप्सिता। ये चौकड़ी मिलकर लव स्टोरी के पर्दे पर आग लगाने आ रही है। फिल्म का निर्माण कर रहे हैं खुद ओमंग कुमार।

पता चला है कि ओमंग कुमार ने ये पूरा प्रोजेक्ट अभिषेक अंकुर ब्लू लोटस पिक्चर्स, उमेश केआर बंसल, प्रगति देशमुख जी स्टूडियोज, हिमांशु तिवारी, अजय सिंह, धनंजय सिंह (स्टार्क एंटरटेनमेंट और कैप्टन राहुल बाली इनोवेशंस इंडिया के साथ मिलकर खड़ा किया है। इतने सारे निर्माताओं की कतार देखकर समझ ये भी आता है कि ये फिल्म कितनी चुनौतियों के बीच बनने जा रही है। फिल्म का फर्स्ट लुक जल्द ही जारी होने वाला है।

मृणाल और अदिवी शेष की डकैत का टीजर रिलीज

मुंबई। फिल्म 'डकैत' के टीजर के रिलीज होते ही फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट बढ़ गया है। एक अनोखी लव स्टोरी को दिखाने वाली इस फिल्म के टीजर में जानिए क्या है खास। इस साल की मच अवेटेड फिल्मों में शामिल 'डकैत' का आज टीजर जारी हो गया है। टीजर सामने आने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह और भी बढ़ गया है। टीजर में फिल्म के प्रमुख स्टारकास्ट अदिवी शेष, मृणाल ठाकुर और अनुराग कश्यप नजर आ रहे हैं। फिल्म का नाम 'डकैतः एक प्रेम कथा' है, ऐसे में फिल्म में एक्शन के साथ-साथ रोमांस का तड़का भी देखने को मिलेगा। 1 मिनट 1 सेकंड के इस टीजर की शुरुआत अदिवी शेष के एक वाइस ओवर से होती है। जबकि मृणाल ठाकुर की आंखों में आंसू हैं और वो परेशान दिखती हैं। वाइस ओवर में कहता है, 'जूलियट तेरे साथ सबने बहुत गलत किया है।

बॉलीवुड में काम करने पर अजय देवगन से बोले जैकी चैन, आप फाइट करो मैं डांस करूंगा

मुंबई। जैकी चैन ने एक वायरल वीडियो में बॉलीवुड में काम करने पर अपनी बात रखी है। वह बॉलीवुड की फिल्मों में फाइट नहीं बल्कि डांस करना चाहते हैं। देखें वीडियो।

जैकी चैन दुनिया भर में अपने स्टंट के लिए मशहूर हैं लेकिन हाल ही में उन्होंने अपने नए बयान से लोगों को हैरान कर दिया है।

जैकी चैन ने कहा है कि जब उन्हें मौका दिया जाता है, तो वह एक्शन करने के बजाए डांस करना पसंद करते हैं। हाल ही में जैकी चैन और अजय देवगन ने एक साथ बातचीत की। इस बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। वीडियो में अजय देवगन ने कहा मैं जैकी चैन का बहुत बड़ा फैन हूं। इसके बाद जैकी चैन ने कहा मुझे भारत

बुलाओ, मैं आऊंगा। इस पर अजय देवगन कहते हैं कि मैं जैकी चैन के साथ काम करना पसंद करूंगा। इस पर जैकी चैन अजय देवगन से कहते हैं तुम लड़ो, मैं डांस करूंगा। उन्होंने यह बात इस तरफ इशारा करते हुए कही कि वह एक और बॉलीवुड फिल्म में अभिनय करना चाहते हैं। इस बार वह फिल्म में एक्शन के बजाय डांस करना चाहते हैं।

आपको बता दें कि फिल्म कराटे किड- लीजेंड्स भारत में 30 मई को रिलीज होने वाली है। इसके हिंदी संस्करण में मिस्टर हान को अजय देवगन ने अपनी आवाज दी है। वहीं अजय देवगन के बेटे युग देवगन ने ली फोंग के किरदार को अपनी आवाज दी है। फिल्म कराटे किड- लीजेंड्स भारत में अंग्रेजी, हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होगी। 14 मई को अजय देवगन और उनके बेटे ने मुंबई में कराटे किड- लीजेंड्स का हिंदी ट्रेलर लॉन्च किया। फिल्म कराटे किड- लीजेंड्स ली फोंग की कहानी है, जो एक प्रतिभाशाली कुंग-फू छात्र है। वह एक नए स्कूल की चुनौतियों का सामना करता है। इस दौरान वह दोस्ती करता है और एक स्थानीय कराटे चैंपियन का सामना करता है। वह अपने शिक्षक मिस्टर हान (जैकी चैन) और डैनियल लारूसो (राल्फ मैकचियो) की सलाह पर नए सफर पर निकलता है।

जैकी चैन 15 साल के बाद कराटे किड फ्रैंचाइज में वापस आए हैं। वह नई किस्त में मिस्टर हान के रूप में आए हैं। चीन में सेट पिछली सीरीज के उलट यह सीक्वल न्यूयॉर्क शहर की सड़कों पर बनी है।

मीठी नदी घोटाले मामले में डिनो मोरिया से पूछताछ, मुंबई पुलिस की EOW के दफ्तर पहुंचे एक्टर

मुंबई। मीठी नदी घोटाले केस से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है। अभिनेता डिनो मोरिया से मुंबई पुलिस की EOW (आर्थिक अपराध शाखा) ने पूछताछ की है। वहीं उनके भाई सैंटिनो से भी पूछताछ की जा रही है।

मुंबई के बहुचर्चित मीठी नदी घोटाले की जांच अब और भी गहराती जा रही है। इस घोटाले में बॉलीवुड अभिनेता डिनो मोरिया का नाम सामने आने के बाद सोमवार सुबह वो EOW (आर्थिक अपराध शाखा) के दफ्तर में पेश हुए। सूत्रों की मानें तो मोरिया सुबह करीब 11 बजे जांच अधिकारियों के सामने बयान दर्ज कराने पहुंचे। EOW की जांच में अब तक कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। ताजा अपडेट में यह बात सामने आई है कि डिनो मोरिया,

सीमित

जांच में यह भी पता चला है कि डिनो मोरिया और उनके भाई की भूमिका केवल एक दोस्ती के दायरे में सीमित नहीं रही।

उनके भाई और इस घोटाले के मुख्य आरोपी केतन कदम के बीच कई बार बातचीत हुई है। इन कॉल्स की रिकॉर्डिंग्स और डेटा अब जांच एजेंसियों के रडार पर हैं। सूत्रों का कहना है कि इन कॉल्स के जरिए मिली जानकारी से पूरे घोटाले की परतें खुल सकती हैं। यह घोटाला मुंबई महानगरपालिका की ओर से मीठी नदी की सफाई में इस्तेमाल

होने वाले स्लज पुशर और ड्रेजिंग मशीनों की खरीद-फरोख्त से जुड़ा है। आरोप है कि इन मशीनों को कोच्चि की कंपनी मैटप्रॉप टेक्निकल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से ऊंचे दामों पर किराए पर लिया गया और इसमें भारी वित्तीय गड़बड़ी हुई। मामले में केतन कदम और जय जोशी को मुख्य आरोपी बताया गया है। इन दोनों पर आरोप है कि उन्होंने मैटप्रॉप कंपनी के अधिकारियों और बीएमसी के स्टॉर्म वॉटर ड्रेन्स विभाग के अधिकारियों से मिलीभगत कर करोड़ों रुपये का घोटाला किया। जांच में यह भी पता चला है कि डिनो मोरिया और उनके भाई की भूमिका केवल एक दोस्ती के दायरे में सीमित नहीं रही। कुछ कॉल रिकॉर्डिंग्स में घोटाले की राशि, भुगतान प्रक्रिया और मशीन रेंटल जैसे विषयों पर बातचीत होने के संकेत हैं। हालांकि, अब तक कोई सबूत सामने नहीं आया है जो डिनो मोरिया को सीधे इस घोटाले में दोषी ठहराए। लेकिन उनकी पेशी से इतना तो साफ है कि जांच एजेंसियां इस मामले को बेहद गंभीरता से ले रही हैं। EOW इस घोटाले में शामिल सभी लोगों की कॉल रिकॉर्ड, बैंक ट्रांजेक्शन और बाकी वित्तीय दस्तावेजों को खंगाल रही है। उम्मीद है कि आने वाले दिनों में और भी नाम इस जांच के दायरे में आएंगे। वहीं डिनो मोरिया के करीबी सूत्रों का कहना है कि अभिनेता पूरी तरह से जांच में सहयोग कर रहे हैं और उन्होंने किसी भी तरह की अनियमितता से इनकार किया है।

निर्देशक जोया अख्तर ने साझा की क्रिप्टिक पोस्ट, बॉलीवुड के लोगों पर कसा तंज

मुंबई। निर्देशक जोया अख्तर तब ही चर्चा में आती है, जब उनकी कोई फिल्म रिलीज होती है। हाल ही में वह बॉलीवुड इंडस्ट्री को लेकर एक क्रिप्टिक पोस्ट करने के कारण खबरों में आईं। जोया की इस क्रिप्टिक पोस्ट को कुछ नामी एक्ट्रेसेस ने भी लाइक किया है।

जोया अख्तर बॉलीवुड की एक नामी डायरेक्टर हैं। 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा', 'गली ब्वॉय', 'दिल धड़कने दो' जैसी हिट फिल्में वह बना चुकी हैं। जोया अख्तर कंट्रोवर्सी से दूर रहती हैं लेकिन हाल ही में उन्होंने एक क्रिप्टिक पोस्ट बॉलीवुड के लोगों को लेकर की। इसमें वह बॉलीवुड के लोगों को 'शेडी' बताती दिखीं। शेडी इंग्लिश का शब्द है, जिसका मतलब अविश्वास, बेईमानी जैसे शब्दों से

जुड़ता है। हाल ही में निर्देशक जोया अख्तर ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक पोस्ट साझा की, जिसमें एक टेडी बियर नजर आ रहा है। उस टेडी बियर ने एक टी-शर्ट पहनी है, जिस पर लिखा है - Industry People Are Shad4 (इंडस्ट्री के लोग शेडी होते हैं)। इस पोस्ट के साथ जोया ने एक कैप्शन भी लिखा है, ' यह एक इशारा है।' जोया की इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया यूजर ने रिएक्शन दिया और कहा कि जोया बॉलीवुड के लोगों पर तंज कस रही हैं। जोया अख्तर की पोस्ट को अनन्या पांडे और भूमि पेडनेकर के अलावा फराह खान ने लाइक किया है। पोस्ट को लाइक करके क्या ये लोग निर्देशक जोया की बात पर मुहर लगा रहे हैं। यूजर भी जोया की बात से सहमत नजर आए। कुछ यूजर ने लिखा कि इंडस्ट्री में ऐसे लोग मौजूद हैं।

जोया की बात करें तो वह फिल्म 'आर्चीज' में सभी स्टार किड को लॉन्च करने के लिए ट्रोल हुईं। इस फिल्म से शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान, अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा और श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर ने डेब्यू किया था। फिल्म में इन स्टार किड्स की एक्टिंग की भी खूब आलोचना हुई थी।

पिता समेत दो पुत्र की हत्या

अवधनामा संवाददता

जौनपुर। वाराणसी लखनऊ नेवादा हाइवे अंडरपास निकट पिता और दो पुत्रों समेत तीन लोगों की धारदार हथियार से हत्या हो गई।

यूपी के जौनपुर में जफराबाद थाना क्षेत्र के नेवादा गांव के पास बने अंडरपास के निकट एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। लालजी भैया इंजीनयरिंग वर्क्स इलेक्ट्रीकल एवं मैकेनिकल्स वर्क शॉप पर बीती रात्रि अज्ञात बदमाशों ने एक ही परिवार के तीन लोगों की धारदार हथियार से निर्मम हत्या कर कर के फरार हो गए सोमवार को जब गांव के कुछ लीग दुकान पर पहुचे तो उनके होश उड़ गये । ग्रामीणों ने आननफानन में इसकी सूचना पुलिस को दी मौके पर पहुची पुलिस ने तीनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना में मृतकों की पहचान लालजी, उनके पुत्र गुड्डु और राजवीर के रूप में हुई है। तीनों लालजी भैया इंजीनियरिंग वर्क्स इलेक्ट्रिकल्स की दुकान के अंदर बने एक कमरे में सो रहे थे। रात में अज्ञात हमलावर वहां पहुंचे और तीनों को हथौड़ा और रॉड से मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद सुराग न लगे इस लिए दुकान में लगे CCTV कैमरे का DVR अपने साथ ले कर चले गए।

पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कौस्तुभ कुमार ने बताया कि बेल्डिंग वर्क्स की दुकान तीन शव पाए गए। इनकी हत्या वजनदार और धारदार हथियार से की गई है। मौके पर चार मोबाइल पाए गए हैं। हथियार भी मिला है। सीसीटीवी के डीबीआर को चाभी से खोलकर ले जाया गया है। ऐसा लगता है कि किसी परिचित के द्वारा ये घटना की गई है। पूरी वारदात पर पुलिस की नजर है। पुलिस की टीम का गठन कर दिया गया है। शीघ्र ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

आई.जी.आर.एस. पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में विलंब न हो

अवधनामा संवाददता

कोई भी शिकायती प्रार्थना पत्र डिफाल्टर की श्रेणी में न पहुंचे- जिलाधिकारी। असंतुष्ट फीडबैक के प्रति सजग रहें, प्राप्त असंतुष्ट फीडबैक का तत्काल करें निस्तारण, असंतुष्ट फीडबैक के कारण खराब होगी जनपद की रैंकिग : अंजनी कुमार

मैनपुरी। जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने जन-सुनवाई प्रणाली पोर्टल पर होने वाले असंतुष्ट फीडबैक एवं लम्बित सन्दर्भों की विभागवार समीक्षा के दौरान कहा कि सभी अधिकारी शिकायतों के समयबद्ध, गुणवत्तापरक निराकरण के लिए सजग रहें, प्राप्त शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय-सीमा में हो, शिकायतकर्ता से वार्ता के उपरांत ही उसके संतुष्ट होने पर निस्तारण आंख्या अपलोड की जाए, कोई भी अधिकारी शिकायत के डिफॉल्ट होने की प्रतीक्षा न करें, कोई भी शिकायत सी-श्रेणी में न मिले, किसी भी शिकायत में असंतुष्ट फीडबैक प्राप्त न हो। उन्होने कहा कि शासन स्तर से प्राप्त असंतुष्ट फीडबैक में कमी आई है लेकिन कुछ विभागों में असंतुष्ट फीडबैक प्राप्त हुये हैं, सम्बन्धित अधिकारी प्राप्त असंतुष्ट फीडबैक को तत्काल निस्तारित करें। उन्होंने कहा कि मौके पर जाने से पूर्व शिकायतकर्ता से दूरभाष पर वार्ता करें ताकि वह मौके पर मौजूद रहे और उसकी उपस्थिति में समस्या का निदान किया जा सके, शिकायत के निस्तारण के उपरांत मौके पर उपस्थित 02 गवाहों के साथ शिकायतकर्ता के भी हस्ताक्षर कराये जाएं यदि आवेदक असंतुष्ट हो तो शिकायत पर असंतुष्ट होने का कारण इंगित किया जाए। उन्होंने समीक्षा के दौरान कहा कि सर्वाधिक असंतुष्ट फीडबैक विद्युत विभाग से संबंधित प्राप्त हुए हैं, जबकि सबसे ज्यादा 14 में से 12 संतुष्ट फीडबैक जिला पूर्ति अधिकारी के प्राप्त हुए हैं जबकि जिला बेसिक शिक्षाधिकारी, प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी के शत-प्रतिशत असंतुष्ट फीडबैक मिले है। श्री सिंह ने हेल्पलाइन सन्दर्भ की समीक्षा करने पर पाया कि दि. 22 अप्रैल से 22 मई के मध्य अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका से सम्बन्धित 55 फीडबैक में से 19, अधिशाषी अभियंता सिंचाई से सम्बन्धित 40 फीडबैक में से 17, तहसीलदार कुरावली से सम्बन्धित 18 फीडबैक में से 12, पूर्ति निरीक्षक कुरावली से सम्बन्धित 19 फीडबैक में से 11, जिला प्रोबेशन अधिकारी से सम्बन्धित 15 फीडबैक में से 09, बाल विकास परियोजना अधिकारी सुल्तानगंज से सम्बन्धित 19 फीडबैक में से 08, बाल विकास परियोजना अधिकारी जागीर से सम्बन्धित 10 फीडबैक में से 07, बाल विकास परियोजना अधिकारी बेवर से सम्बन्धित 19 फीडबैक में से 06, बाल विकास परियोजना अधिकारी घिरोर से सम्बन्धित 16 फीडबैक में से 06, बाल विकास परियोजना अधिकारी बरनाहल से सम्बन्धित 12 फीडबैक में से 05, पूर्ति निरीक्षक किशनी से सम्बन्धित 19 फीडबैक में से 04, पूर्ति निरीक्षक भोगांव से सम्बन्धित 18 फीडबैक में से 04, तहसीलदार सदर से सम्बन्धित 11 फीडबैक में से 04, अधिशाषी अभियंता सिंचाई से सम्बन्धित 15 फीडबैक में से 03, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी से सम्बन्धित 13 फीडबैक में से 03, तहसीलदार भोगांव से 15 फीडबैक में से 03, जिला कार्यक्रम अधिकारी से सम्बन्धित 07 फीडबैक में से 03, पूर्ति निरीक्षक सदर से सम्बन्धित 12 फीडबैक में से 03, प्रभारी चिकित्साधिकारी मैनपुरी से सम्बन्धित 04 फीडबैक में से 03, पूर्ति निरीक्षक घिरोर से सम्बन्धित 14 फीडबैक में से 02, बाल विकास अधिकारी परियोजना अधिकारी करहल से सम्बन्धित 09 फीडबैक में से 02, बाल विकास अधिकारी कुरावली, सदर से सम्बन्धित 07 फीडबैक में से 02-02, प्रभारी चिकित्साधिकारी जागीर से सम्बन्धित 05 फीडबैक में से 02, प्रभारी चिकित्साधिकारी कुरावली से सम्बन्धित 04 फीडबैक में से 02, प्रभारी चिकित्साधिकारी करहल से सम्बन्धित 03 फीडबैक में से 02, जिला बेसिक शिक्षाधिकारी, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी से सम्बन्धित 02 फीडबैक में से 01-01 शिकायतों के निस्तारण पर असंतुष्ट फीडबैक प्राप्त हुआ है जबकि उप निदेशक कृषि, श्रम प्रवर्तन अधिकारी, सहायक अभियंता लघु सिंचाई उप जिलाधिकारी किशनी, तहसीलदार घिरोर, सब रजिस्ट्रार, सहायक विकास अधिकारी बरनाहल, अधिशाषी अधिकारी नगर पंचायत किशनी से सम्बन्धित शत-प्रतिशत शिकायती प्रार्थना पत्रों पर अंसतुष्ट फीडबैक मिला है।

पीयू में स्टार यूनियन दाई-इचि लाइफ इंश्योरेंस कंपनी ने छात्रों को दिया अवसर

अवधनामा संवाददता

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया, जिसमें स्टार यूनियन दाई-इचि लाइफ इंश्योरेंस कंपनी ने भाग लिया। यह कार्यक्रम कुलपति प्रो. वंदना सिंह के संरक्षण और केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के तत्वावधान में इनक्यूबेशन सेंटर के मीटिंग हॉल में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर कंपनी के जोनल हेड (एजेंसी) बिश्वजीत मित्रा, रीजनल एचआर समीर सिंह और एचआर एग्जीक्यूटिव ऋतिक पांडेय विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत प्री-प्लेसमेंट टॉक से हुई, जिसमें कंपनी प्रतिनिधियों ने छात्रों को कंपनी की कार्यप्रणाली, पद की जिम्मेदारियों और विकास की संभावनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों के सवालों के उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। इसके बाद सभी पात्र छात्रों का साक्षात्कार लिया गया। यह प्लेसमेंट ड्राइव विश्वविद्यालय के सभी संकायों के स्नातक और परास्नातक छात्रों के लिए खुली थी, जिससे विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों को रोजगार का अवसर मिला। केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के सह समन्वयक सुशील कुमार ने कंपनी प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया और इस आयोजन को छात्रों के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बताया। इस दौरान डॉ. विशाल यादव, श्याम त्रिपाठी, दिव्यांशु संजय, हरी ओम साहू, आयुष गुप्ता, साक्षी मिश्रा, सौम्य गुप्ता, आशु सिंह व किशन चौहान समेत कई छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। यह ड्राइव रोजगारपरक शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास साबित हुई।

समर कैंप बच्चों की छिपी प्रतिभा को निखारेगा : रजनीश सिंह

अवधनामा संवाददता

जौनपुर (रामनगर) शासन के निर्देशानुसार कंपोजिट विद्यालय जेठपुरा में समर कैंप का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा नेता रजनीश सिंह ने फीता काटकर समर कैंप का शुभारंभ किया। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। समारोह में नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा स्वागत गीत एवं विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। इसके साथ ही समर कैंप की विभिन्न गतिविधियों का संचालन भी प्रारंभ हुआ। मुख्य अतिथि रजनीश सिंह ने अपने उद्बोधन में समर कैंप की उपादेयता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस प्रकार के शिविर बच्चों की छिपी प्रतिभा को उजागर करने के साथ-साथ उनकी अभिरुचियों, कला और कौशल के विकास में सहायक होते हैं।और समय कैम्प संचालन कर्ता के रूप में कार्य कर रही पूजा सिंह व उमेश कुमार मौर्या ने बच्चों को निर्देशित एक्टिविटी को कराया।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक सत्य प्रकाश मिश्र ने समर कैंप की आगामी 10 जून तक की कार्य योजना प्रस्तुत की। इस अवसर पर PSPSA के संगठन मंत्री सुनील कुमार उपाध्याय ,महाराष्ट्र से चलकर आये उद्योगपति संजय मिश्रा, तथा चन्द्र शेखर,सन्तोष कुमार यादव , गुलशन सहित कई गणमान्य शिक्षक व अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सुरेश सोनकर ने किया तथा प्रधानाध्यापक सत्य प्रकाश मिश्र ने समस्त अतिथियों, अभिभावकों एवं सहभागियों का आभार व्यक्त किया।

हाईवे जाम करने वालों पर कार्रवाई

प्रयागराज। शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के नारीबारी में एक मरीज की मौत के बाद हाईवे जाम करने के मामले में पुलिस ने 155 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है। इनमें 5 लोगों को नामजद किया गया है। शेष 150 अज्ञात आरोपियों की पहचान सीसीटीवी फुटेज से की जा रही है। घटना प्रयागराज-चित्रकूट हाईवे की है। एसआई आदित्य की रिपोर्ट के अनुसार, कोरांव के चिरांव गांव निवासी चंद्रिका प्रसाद प्रजापति को पथरी के इलाज के लिए मां शारदा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 16 मई को उनका ऑपरेशन हुआ। 20 मई को तबीयत बिगड़ने पर उन्हें एसआरएन अस्पताल रेफर किया गया। 23 मई को उनकी मौत हो गई।

मृतक के परिजनों ने अस्पताल के डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने शव को प्रयागराज-रीवा राजमार्ग पर रखकर जाम लगा दिया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों से विवाद किया और मारपीट की धमकी भी दी।

सोमवती अमावस्या पर संगम में उमड़ा श्रद्धालुओं का रेला

प्रयागराज। त्रिवेणी संगम में सोमवती अमावस्या पर श्रद्धालुओं का भारी जमावड़ा देखने को मिला। सूर्योदय से पहले ही हजारों श्रद्धालु संगम तट पर पहुंच गए। श्रद्धालुओं ने गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती की पवित्र धाराओं में स्नान किया। हिंदू धर्म में सोमवार को पड़ने वाली अमावस्या को सोमवती अमावस्या कहा जाता है। मान्यताओं के अनुसार इस दिन संगम में स्नान करने से पाप नष्ट होते हैं। साथ ही पितृ दोष भी दूर होते हैं। महिलाएं इस दिन व्रत रखकर परिवार की खुशहाली की प्रार्थना करती हैं। श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद घाटों पर पूजा-अर्चना की। कई लोगों ने दान-पुण्य भी किया। मंदिरों में दर्शन के लिए लंबी कतारें लगीं। कुछ श्रद्धालु पीपल की परिक्रमा और तुलसी पूजन करते दिखे। कई लोगों ने ब्राह्मणों को तिल दान किया। गंगा के विभिन्न घाटों पर दिनभर भीड़ रही। इनमें संगम, झुंसी, दारागंज, गंगोली और अरैल घाट शामिल हैं। कई जगहों पर भजन-कीर्तन और यज्ञ-हवन हुए। सोमवती अमावस्या पर प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा का पूरा ध्यान रखा। घाटों की सफाई की गई। पीने का पानी और मोबाइल शौचालय की व्यवस्था की गई। प्राथमिक चिकित्सा और सुरक्षा के इंतजाम किए गए। एनडीआरएफ और जल पुलिस की टीमें लगातार निगरानी करती रहीं।

पति की लंबी आयु के लिए रखा वट सावित्री व्रत

प्रयागराज। प्रयागराज में वट सावित्री व्रत का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। सुहागन महिलाओं ने तड़के से ही संगम में स्नान किया। इसके बाद पारंपरिक वस्त्र पहनकर बरगद की पूजा की। महिलाएं लाल या पीले वस्त्र पहनकर और मांग में सिंदूर लगाकर व्रत रखती हैं। वे सजा हुआ थाल लेकर वट वृक्ष के पास जाती हैं। पेड़ की परिक्रमा कर कच्चे सूत से उसे लपेटती हैं। जल, फल, मिठाई और धूप-दीप से पूजा करती हैं। पूजा के दौरान सावित्री-सत्यवान की कथा सुनी जाती है। प्रयागराज के संगम तट, झुंसी, दारागंज और तेलियरगंज के मंदिरों में बड़ी संख्या में महिलाएं एकत्र हुईं। कई स्थानों पर सामूहिक कथा वाचन और पूजन कार्यक्रम आयोजित किए गए। नगर निगम और धार्मिक संगठनों ने पेड़ों के नीचे सफाई, टेंट और पेयजल की व्यवस्था की। वट सावित्री व्रत सावित्री और सत्यवान की प्रेम कथा पर आधारित है। सावित्री ने अपने बुद्धि और दृढ़ निश्चय से यमराज से अपने पति के प्राण वापस लिए थे। यह व्रत नारी शक्ति, प्रेम और समर्पण का प्रतीक है। महिलाएं इस दिन वट वृक्ष की पूजा कर अपने पति की दीर्घायु की कामना करती हैं।

निस्काम कर्म ही सच्ची भक्ति है सांई शंकर मृदुल महराज

जौनपुर। बक्शा विकास क्षेत्र के बक्खोपुर गांव में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन रविवार को कथा व्यास सांई शंकर मृदुल महराज ने कहा कि मनुष्यों का क्या कर्तव्य है इसका बोध भागवत सुनकर ही होता है। विडंबना ये है कि मृत्यु निश्चित होने के बाद भी हम उसे स्वीकार नहीं करते हैं। निस्काम भाव से प्रभु का स्मरण करने वाले लोग अपना जन्म और मरण दोनों सुधार लेते हैंकथा व्यास ने कहा कि प्रभु जब अवतार लेते हैं तो माया के साथ आते हैं। साधारण मनुष्य माया को शाश्वत मान लेता है और अपने शरीर को प्रधान मान लेता है। जबकि शरीर नश्वर है। उन्होंने कहा कि भागवत बताता है कि कर्म ऐसा करो जो निस्काम हो वहीं सच्ची भक्ति है। श्रीमद्भागवत कथा जीवन के सत्य का ज्ञान कराने के साथ ही धर्म और अधर्म के बीच के फर्क को बताती है।इस अवसर पर हरिकान्त मिश्र, शान्ति देवी , हरिश्चन्द्र मिश्र सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

शिक्षा से ही विकास का मार्ग होता है प्रशस्तः उपमुख्यमंत्री

अवधनामा संवाददता

मुख्यमंत्री के लखनऊ में आयोजित बेसिक शिक्षा विभाग के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के शुभारंभ/लोकार्पण कार्यक्रम का जनपद में किया गया सजीव प्रसारण

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा लखनऊ में बेसिक शिक्षा विभाग के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का शुभारंभ व लोकार्पण किया गया। जिसका सजीव प्रसारण जनपद प्रयागराज में जिला पंचायत सभागार परिसर में किया गया। मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के द्वारा जिला पंचायत सभागार में जनपद प्रयागराज की बेसिक शिक्षा विभाग की उपलब्धियों पर आधारित डाक्यूमेंट्री फिल्म का बटन दबाकर विमोचन किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ उपमुख्यमंत्री द्वारा मां सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री द्वारा शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले अध्यापकगणों एवं अन्य लोगो को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। स्मार्ट क्लास संचालन के लिए कम्पोजिट विद्यालय घाटमपुर कौड़िहार-1 के सहायक अध्यापक प्रभाशंकर शर्मा, डिजिटल लाइब्रेरी के लिए कम्पोजिट विधालय पालपुर चाका की प्रधानाध्यापिका श्रीमती आभा को प्रशस्ति पत्र, यूपीएस थरवई सोरांव श्रीमती आशा देवी टेबलेट, समर कैम्प संचालन के लिए यूपीएस खेस्का करछना श्रीमती रूशदा नाहिद को प्रशस्तिपत्र, निपुण विकास खण्ड के लिए क्षमाशंकर पाण्डेय बीईओ कौड़िहार को प्रशस्ति पत्र, निपुण स्कूल के लिए प्राथमिक विधालय मलाकहरहर 1 कौड़िहार प्रधानाध्यापिता श्रीमती गरिमा मेहरोत्रा को प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर अपने सम्बोधन में केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि आज का दिन प्रदेश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। आज प्रदेश के सभी जनपदों में बेसिक शिक्षा विभाग के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का शुभारंभ/ लोकार्पण से सम्बंधित कार्यक्रमों का आयोजन एक साथ किया जा रहा है। मुझे प्रसन्नता है कि बेसिक शिक्षा विभाग के इस कार्यक्रम में मुझे आप सभी के मध्य आने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विगत वर्षों में बेसिक शिक्षा विभाग सहित अन्य सभी क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। स्थानीय स्तर पर माननीय जनप्रतिनिधियों एवं आमजनमानस में सरकारी स्कूलों के प्रति विश्वास सुदृढ़ बना है तथा विद्यालयों में शिक्षा का बेहतर माहौल बना है। कार्यक्रम के प्रारम्भ में बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी ने उपमुख्यमंत्री सहित अन्य जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए जनपद प्रयागराज में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा किये गये गुणात्मक कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि जनपद प्रयागराज में विभागीय सहयोग से 281 विद्यालय, नेडा के सहयोग से 187 विद्यालय, मा0 विधायक करछना के सहयोग से 201 विद्यालय, विभिन्न बैंकों के सहयोग से 17 विद्यालय एवं लोकल एरिया डेवलपमेंट फंड से 177 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास की स्थापना की गयी है। वर्तमान सत्र के प्रथम चरण में 293211 छात्र-छात्राओं को डी0बी0टी0 के माध्यम से रू0 1200 प्रति छात्र की दर से धनराशि आज मुख्यमंत्री के द्वारा बटन दबाकर हस्तान्तरित किया गया। इस अवसर पर विधायकगण पीयूष रंजन निषाद, डॉ0 वाचस्पति, दीपक पटेल, गुरू प्रसाद मौर्या, राजमणि कोल, विधान परिषद सदस्य डॉ0 के0पी0 श्रीवास्तव, भाजपा नगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, भाजपा यमुनापार अध्यक्ष राजेश शुक्ला, मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत, अपर शिक्षा निदेशक कामता राम पाल, मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह जिला विकास अधिकारी भोलानाथ कन्नौजिया, जिला समन्वयक राजीव त्रिपाठी सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण, शिक्षकगण सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रभाकर त्रिपाठी ने किया।

गंगा महोत्सव 27 मई से, 10 दिन चलेगा कार्यक्रम

प्रयागराज। प्रयागराज में हरिहर गंगा आरती समिति 27 मई से 6 जून तक 25वां गंगा महोत्सव का आयोजन करेगी। समिति के महासचिव अवधेश चंद्र गुप्ता ने बताया कि यह रजत जयंती समारोह है। महोत्सव का मुख्य उद्देश्य गंगा नदी की स्वच्छता और निर्मलता के लिए जनजागरूकता फैलाना है। यह जानकारी हरिहर गंगा आरती समिति के संस्थापक अध्यक्ष सुरेश चंद्रा ने प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि महोत्सव में रोज शाम 6 बजे गंगा आरती होगी। इसमें समिति के पदाधिकारी और शहरवासी शामिल होंगे। हर दिन पांच विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा। ये सम्मान महाकुंभ, सामाजिक सेवा और पर्यावरण संरक्षण में योगदान के लिए दिया जाएगा। कार्यक्रम में कई सांस्कृतिक आयोजन होंगे। 1 जून को भजन गायक मनोज गुप्ता प्रस्तुति देंगे। 2 जून को लाल मणि चंचल और रोशनी अनजान जवाबी कीर्तन करेंगे। 3 जून को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन होगा। इसका संचालन गीतकार शैलेंद्र मधुर करेंगे। 4 जून को लाल जी यादव और मिठाई लाल अंजू के संयोजन में गंगा जागरण होगा। 5 जून को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। 6 जून को मूर्ति विसर्जन के साथ महोत्सव का समापन होगा।

प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों को पर्यटन से जोड़ रही है योगी सरकार

- आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं ग्रामीण समुदाय
- प्रयागराज मंडल में प्रथम चरण में 465 ग्रामीण महिलाओं को दी जा रही है हस्तशिल्प की ट्रेनिंग
- पर्यटन गतिविधियों के माध्यम से स्थानीय युवाओं को गाइड, हस्तशिल्प विक्रेता, और अन्य सेवाओं में रोजगार के अवसर प्रदान कर रही है ग्रामीण पर्यटन परियोजना

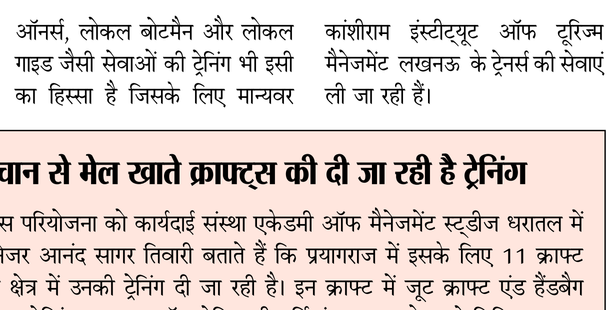

अवधनामा संवाददता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में ग्रामीण पर्यटन का विस्तार योगी सरकार की प्राथमिकता है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा ग्रामीण पर्यटन परियोजना के पर्यटन स्थल के निकट के गांवों को ग्रामीण पर्यटन गांव के रूप में विकसित किया जा रहा है।

इस परियोजना के तहत, स्थानीय हितधारकों को विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जा रहा है। ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय महिलाओं और युवाओं को पर्यटन से जुड़ी विभिन्न उत्पाद के निर्माण एवं सेवाओं की ट्रेनिंग दी जा रही है ताकि उन्हें आत्म निर्भर बनाया जा सके। प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटक अधिकारी अपराजिता सिंह का कहना है इसके लिए ओडीओपी और लोकल क्राफ्ट्स को चुना गया है। प्रयागराज मंडल में 465 और प्रयागराज जिले में 185 महिलाओं को इसके लिए चयनित किया गया है । प्रयागराज के गाढ़ा कटरा, घूरपुर और श्रृंगवेरपुर उपरहार गांवों में इसकी ट्रेनिंग महिलाओं को दी जा रही है । होम स्टे ऑनर्स, लोकल बोटमैन और लोकल गाइड जैसी सेवाओं की ट्रेनिंग भी इसी का हिस्सा है जिसके लिए मान्यवर कांशीराम इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म मैनेजमेंट लखनऊ के ट्रेनर्स की सेवाएं ली जा रही हैं।

पर्यटन स्थल की पहचान से मेल खाते क्राफ्ट्स की दी जा रही है ट्रेनिंग

प्रयागराज। पर्यटन विभाग की इस परियोजना को कार्यदाई संस्था एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट स्ट्डीज धरातल में उतार रही है। संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर आनंद सागर तिवारी बताते हैं कि प्रयागराज में इसके लिए 11 क्राफ्ट और सेवाओं का चयन कर ग्रामीण क्षेत्र में उनकी ट्रेनिंग दी जा रही है। इन क्राफ्ट में जूट क्राफ्ट एंड हैंडबैग मेकिंग, मूंज क्राफ्ट एंड मोती की माला मेकिंग, प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियां बनाना, गोबर से विभिन्न उत्पाद बनाना, आंवला उत्पाद और एंब्रायडरी शामिल है। क्राफ्ट्स की कुशल ट्रेनर्स को इसके लिए गांव गांव ट्रेनिंग के लिए भेजा गया है । ट्रेनर्स कॉर्डिनेटर वंदना राठौर बताती हैं कि महिलाओं को ट्रेनिंग देने के लिए उन्हीं क्राफ्ट को चुना गया है जिनके रा मटेरियल स्थानीय स्तर पर सहजता में उपलब्ध हो। गाय का गोबर, मंदिरों में पूजा के लिए इस्तेमाल हो चुके फूल , मूंज और जूट को इसके लिए प्राथमिकता दी गई है । धार्मिक पर्यटन से जुड़े क्षेत्रों में गाय के गोबर से बने स्वास्तिक जैसे धार्मिक प्रतीक, दरवाजे में लगाए जाने वाले वंदनवार और हैंगिंग इसी के अंतर्गत आते हैं। ट्रेनिंग में उत्पाद का चयन करते समय इस बात का भी ख्याल रखा गया है कि स्थानीय महिलाओं से ऐसे उत्पाद बनवाए जाएं जिसका नजदीकी पर्यटन स्थल से किसी न किसी रूप में सरोकार हो तभी यहां आने वाले टूरिस्ट उनके उत्पाद खरीदेंगे जिनसे स्थानीय लोगों को आय होगी।

व्यापार मंडल के महामंत्री के भतीजे समेत तीन पर हमला

प्रयागराज। लोकनाथ चौराहे के पास रविवार देर रात प्रयागराज व्यापार मंडल के महामंत्री प्रशांत पांडेय के भतीजे जय पांडेय पर हमला किया गया। लाठी-डंडे से लैस हमलावरों को देखकर दो व्यापारी जय को बचाने दौड़े तो उन्हें भी पीटा गया। आसपास रहने वाले लोग घटनास्थल की तरफ दौड़े तो हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले। खबर मिलते ही बड़ी संख्या में व्यापारी नेता कोतवाली थाने पहुंचे और तहरीर देकर हमलावरों की गिरफ्तारी की मांग की। चौक क्षेत्र में रहने वाले जय पांडेय रविवार देर रात कोई सामान खरीदने लोकनाथ चौराहे के पास गए थे। वहीं पर भारती भवन मुहल्ले का रहने वाला एक युवक अपने कई साथियों के साथ मौजूद था। वह और उसके साथी लाठी डंडा लेकर जय पर टूट पड़े। यह देखकर कल्लू और विनोद नामक व्यापारी जय को बचाने की कोशिश करने लगे, जिस पर हमलावरों ने उनकी भी पिटाई की। घटना की जानकारी पाकर प्रयागराज व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुशांत केसरवानी, महामंत्री प्रशांत पांडेय, अमित गुप्ता समेत बड़ी संख्या में व्यापारी मौके पर पहुंचे। घायल जय को कोतवाली थाने ले जाया गया।

कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी, खेसरहा, सिद्धार्थनगर

पत्रांकः 1480/2025-26 दिनांक : 23 मई 2025

प्रेस विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सिद्धार्थनगर के पत्रांक-एस0एस0ए0/निर्माण/1975-78/2024-25 दिनांक 19 फरवरी 2025 के द्वारा विकास खण्ड खेसरहा के निम्नलिखित विद्यालयों की नीलामी की जानी है-

क्र. सं.	विद्यालय का नाम	भवन का प्रकार	नीलामी हेतु न्यूनतम धनराशि (रू. में)	नीलामी हेतु न्यूनतम धनराशि का 25 प्रतिशत (रू. में)
1	2	3	4	5
1	कम्पो0 वि0 रिठिया बाजार	1 मूल भवन	63000.00	15750.00
2	प्रा0वि0 पिपरा फरदंग	1 मूल भवन	75000.00	18750.00
3	प्रा0वि0 सुहई नगवा 2	1 गूल भवन 1 किचन	71000.00	17750.00
4	प्रा0वि0 केसवार	1 अत्तिरिक्त कक्ष	19000.00	4750.00
5	प्रा0वि0 केरावार	1 रसोई घर	9000.00	2250.00
6	प्रा0वि0 टिकुईया	1 अतिरिक्त कक्ष	28000.00	7000.00
7	प्रा0वि0 कलनाखोर	1 मूल भवन	36000.00	9000.00
8	प्रा0वि0 चिउटहा	1 मूल भवन	59000.00	14750.00
9	कम्पो0वि0 लगूईताल	1 मूल भवन	79000.00	19750.00
10	प्रा0वि0 ढोलगाढा	1 रसोई घर	10000.00	2500.00
11	कम्पो0वि0 विशुनपुरवा मुस्तहकम	1 मूल भवन	80000.00	20000.00
12	कम्पो0वि0 नासिरंगज	1 अत्तिरिक्त कक्ष	23000.00	5750.00
13	प्रा0वि0 पेडारी बुजुर्ग	1 मूल भवन	16000.00	4000.00
14	प्रा0वि0 पर्रोई	1 मूल भवन	76000.00	19000.00
15	प्रा0वि0 डोडवार भट्ट	1 मूल भवन	65000.00	16250.00
16	प्रा0वि0 कपियवा	1 मूल भवन	16000.00	4000.00
17	पू0मा0वि0 बनकेगांव	1 मूल भवन	132000.00	33000.00
18	प्रा0वि0 टीकुर	1 मूल भवन	69000.00	17250.00
19	प्रा0वि0 सवाडांड	1 मूल भवन	67000.00	16750.00
20	प्रा0वि0 सिरसिया चौबे	1 मूल भवन	12000.00	3000.00
21	प्रा0वि0 बेलबनवा	1 मूल भवन 1 अतिरिक्त कक्षा	90000.00	22500.00
22	कम्पो0वि0 देवगह	1 मूल भवन 1 अतिरिक्त कक्षा	70000.00	17500.00

उक्त नीलामी (यह तीसरी निलामी है) दिनांक 27.05.2025 को दिन में 01 बजे ब्लाक संसाधन केन्द्र खेसरहा पर होगी, नीलामी प्रक्रिया में बोली लगाने के इच्छुक व्यक्ति/संस्था निर्धारित मूल्य का 25 प्रतिशत नगद जमा करने के उपरान्त ही नीलागी प्रक्रिया में प्रतिभाग करेंगे। अधिकतम बोली लगाने वाले व्यक्ति/संस्था के पक्ष में नीलामी की जायेगी। जिसे 03 दिनों के अन्दर अवशेष धनराशि जमा करने के उपरान्त 07 दिनों में मलवा हटाना अनिवार्य होगा। विस्तृत जानकारी बी0आर0सी0 खेसरहा पर चस्पा है।

(नीरज कुमार सिंह)
खण्ड शिक्षा अधिकारी खेसरहा, सिद्धार्थनगर।

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार; सेंसेक्स 455 अंक चढ़ने में सफल, निफ्टी 25000 के पार

नई दिल्ली। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन बीएसई सेंसेक्स में 455 अंक की बढ़त दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 455.37 अंक या 0.56 प्रतिशत उछलकर 82,176.45 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 148 अंक या 0.60 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,001.15 पर आ गया।

घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सोमवार को हरे निशान पर बंद हुए। भारतीय के दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की खबर के बाद भारतीय शेयर में तेजी देखी गई। साथ ही, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से यूरोपीय संघ पर लगे 50 प्रतिशत टैरिफ को 9 जुलाई तक टालने जैसे सकारात्मक रुख ने भी बाजार पर असर डाला। इसके बाद ऑटो और आईटी के शेयरों में उछाल आया।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 455.37 अंक या 0.56 प्रतिशत उछलकर 82,176.45 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह

सूचकांक

घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सोमवार को हरे निशान पर बंद हुए।

771.16 अंक या 0.94 प्रतिशत उछलकर 82,492.24 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 148 अंक या 0.60 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,001.15 पर आ गया। यह 16 मई के बाद से अब तक का सबसे उच्चतम स्तर है।

सेंसेक्स कंपनियों का कैसा रहा हाल?

सेंसेक्स के शेयरों में प्रमुख ट्रैक्टर और ऑटो निर्माता महिंद्रा एंड महिंद्रा में सबसे ज्यादा 2.17 फीसदी की तेजी आई। एचसीएल टेक, टाटा मोटर्स, नेस्ले, आईटीसी, हिंदुस्तान

यूनिलीवर, लार्सन एंड टूब्रो और टेक महिंद्रा सबसे ज्यादा लाभ में रहे। वहीं इटरनल, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावर ग्रिड, टाटा स्टील और कोटक महिंद्रा बैंक पिछड़ गए। इटरनल में सबसे ज्यादा 4.51 फीसदी की गिरावट आई। भारतीय बाजारों में यह उछाल कई कारणों की वजह से देखा गया। चौथी अर्थव्यवस्था बनने के अलावा भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2025 के लिए सरकार को रिकॉर्ड 2.69 लाख करोड़ रुपये का लाभांश देने की घोषणा की। यह 2023-24 की तुलना में 27त्न अधिक है। इससे भारत को अमेरिकी टैरिफ से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने और पाकिस्तान के साथ संघर्ष के कारण रक्षा पर खर्च बढ़ाने में मदद मिलेगी।

अमेरिका के यूरोपीय संघ के साथ अस्थायी टैरिफ समझौते के साथ-साथ डॉलर सूचकांक में गिरावट ने घरेलू बाजारों को लाभ दिया। इनसे पता चलता है कि व्यापार वार्ता रचनात्मक रूप से आगे बढ़ रही है, जिससे बाजार में अस्थिरता को कम करने में मदद मिल सकती है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून का भी भारतीय बाजारों पर पड़ा असर

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध विश्लेषक विनोद नायर ने कहा, इन सबके अतिरिक्त दक्षिण-पश्चिम मानसून के समय से पहले आने और घरेलू बॉन्ड में गिरावट का असर पड़ा है। इसने निवेशकों को जोखिमपूर्ण परिसंपत्तियों पर अपना ध्यान केंद्रित रखने के लिए प्रोत्साहित किया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून ने शनिवार को केरल में दस्तक दे दी है। 2009 के बाद से भारतीय मुख्य भूमि पर इसका सबसे जल्दी आगमन है। 2009 में 23 मई को मानसून दक्षिणी राज्य में पहुंचा था।

वोल्वो कार्स लागत घटाने के लिए 3000 नौकरियों में करेगी कटौती, सीईओ बोले- फैसला कठिन, पर महत्वपूर्ण

नई दिल्ली। वोल्वो कार्स ने सोमवार को बताया कि लगभग 1,200 नौकरियों में कटौती स्वीडन के कर्मचारियों की होगी। वहीं, वर्तमान में परामर्शदाताओं की ओर से भरे गए 1,000 अन्य पदों को भी समाप्त किया जाएगा। इनमें से अधिकतर छंटनी स्वीडन में होगी।

स्वीडन स्थित वोल्वो कार्स लागत में कटौती कार्यक्रम के तहत 3,000 पदों को समाप्त करने का फैसला किया है। कंपनी ने मोटर वाहन उद्योग में व्यापारिक तनाव और इसके परिणामस्वरूप पैदा हुई आर्थिक अनिश्चितता से चुनौतियों को देखते हुए यह फैसला किया है।

कंपनी ने सोमवार को कहा कि लगभग 1,200 नौकरियों में कटौती स्वीडन के कर्मचारियों की होगी। वहीं, वर्तमान में परामर्शदाताओं की आरे से भरे गए 1,000 अन्य पदों को भी समाप्त किया जाएगा। इनमें से अधिकतर छंटनी स्वीडन में होगी।

बाकी नौकरियां अन्य वैश्विक बाजारों में खत्म होंगी। जिन नौकरियों में कटौती की जा रही है, उनमें से अधिकांश दफ्तरों वाले पद हैं। वोल्वो कार्स के अध्यक्ष और सीईओ हाकन

सैमुएलसन ने कहा, आज घोषित किए गए निर्णय कठिन हैं, लेकिन वे महत्वपूर्ण कदम हैं क्योंकि हम एक मजबूत और अधिक लचीली वोल्वो कार्स का निर्माण कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, ऑटोमोटिव उद्योग एक चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है। इससे निपटने के लिए, हमें अपने नकदी प्रवाह को बेहतर बनाना होगा और संरचनात्मक रूप से अपनी लागत कम करनी होगी।÷ चीन के फर्म गीली के स्वामित्व वाली इस कंपनी में 42,600 पूर्णकालिक कर्मचारी हैं।

हाल के वर्षों में दुनियाभर के कार निर्माता कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इसके प्रमुख कारणों में कच्चे माल की बढ़ती लागत, यूरोपीय कार बाजार में गिरावट और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से आयातित कारों और स्टील पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाना शामिल है। वोल्वो कार्स का मुख्यालय और उत्पाद विकास कार्यालय गोथेनबर्ग, स्वीडन में है, और यह बेल्जियम, दक्षिण कैरोलिना और चीन में कारें और एसयूवी बनाती है।

टोयोटा फॉर्च्यूनर और लीजेंडर ने भारत में तीन लाख गाड़ियों की बिक्री का ऐतिहासिक निशान छुआ

बरेली। भारत के प्रीमियम एसयूवी बाजार में अपनी प्रमुख उपस्थिति को मजबूत करते हुए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि की घोषणा की। यह है फॉर्च्यूनर और लीजेंडर की कुल तीन लाख इकाइयों की बिक्री। यह उपलब्धि न केवल इन प्रीमियम एसयूवी की बेजोड़ लोकप्रियता को रेखांकित करती है, बल्कि टोयोटा की विश्वसनीयता और उच्च प्रदर्शन की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। यह शक्ति और बारीकी का बेहतरीन मिश्रण है।इस उपलब्धि के बारे में बताते हुए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के सेल्स-सर्विस-यूज्ड कार बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट, श्री वरिंदर वाधवा ने कहा, ÷हम भारत में फॉर्च्यूनर और लीजेंडर के उत्साही प्रशंसकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने हमारे ब्रांड पर अटूट भरोसा जताया है, क्योंकि हम अपनी सबसे प्रशंसित एसयूवी की तीन लाख से अधिक यूनिट की बिक्री का जश्न मना रहे

हैं। फॉर्च्यूनर और लीजेंडर एसयूवी के शौकीनों के बीच एक शीर्ष विकल्प बने हुए हैं, जो लग्जरी, प्रदर्शन और विश्वसनीयता का एक बेहतरीन मिश्रण चाहते हैं। चाहे शहर की सड़कों पर चलना हो या चुनौतीपूर्ण इलाकों से निपटना हो, यह मजबूत ताकत के साथ प्रीमियम अनुभव प्रदान करता है। टोयोटा के प्रसिद्ध क्यूडीआर (गुणवत्ता, स्थायित्व और विश्वसनीयता) दर्शन की ठोस नींव पर निर्मित - फॉर्च्यूनर और लीजेंडर हमारे इंजीनियरिंग और विनिर्माण उत्कृष्टता को परिभाषित करने वाले मूल मूल्य को दर्शाता है। ये सिद्धांत टोयोटा की वैश्विक प्रतिष्ठा के लिए केंद्रीय हैं, जो ऐसे वाहन प्रदान करते हैं जो न केवल लंबे समय तक चलते हैं बल्कि लगातार प्रदर्शन करते हैं और समय के साथ अपना मूल्य बनाए रखते हैं, इस प्रकार सभी को सामूहिक खुशी प्रदान करते हैं÷ इस उपलब्धि को टीकेएम के ग्राहक-केंद्रित सेवा पारिस्थितिकी तंत्र-टी केयर- से और बल मिला है, जो टोयोटा के वाहन स्वामित्व जीवनचक्र में एक सहज अनुभव प्रदान करता है। प्री-सेल्स से लेकर आफ्टर-सेल्स और यहां तक कि पुनर्खरीद तक, टी केयर टी डिलीवर, टी ग्लॉस, टी असिस्ट, टी साथ, टी सिक्योर, टी चॉइस, टी इंस्पेक्ट और टी स्माइल जैसी पेशकशों को एक साथ लाता है, जिससे हर ग्राहक के लिए स्थायी संतुष्टि और मूल्य सुनिश्चित होता है।इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ, टोयोटा फॉर्च्यूनर और लीजेंडर प्रीमियम एसयूवी स्पेस में अग्रणी के रूप में अपनी स्थिति की पुष्टि करते हैं - ऐसे वाहन जो न केवल इलाकों को जीतते हैं बल्कि हर सड़क पर प्रशंसा भी अर्जित करते हैं। टोयोटा की गुणवत्ता की विरासत द्वारा समर्थित और ग्राहक की आवाज़ से प्रेरित, ये एसयूवी उद्देश्य, उपस्थिति और गर्व के साथ ड्राइव करने का अर्थ फिर से परिभाषित करना जारी रखते हैं।

आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल निफ्टी200 क्वालिटी 30 इंडेक्स फंड

मुंबई। आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल म्यूचुअल फंड ने आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल निफ्टी200 क्वालिटी 30 इंडेक्स फंड की शुरुआत की है, जो एक ओपन-एंडेड इंडेक्स स्कीम है और निफ्टी200 क्वालिटी 30 इंडेक्स फंड को दोहराती है। यह रणनीति 'क्वालिटी' फैक्टर पर आधारित है फैक्टर इन्वेस्टिंग का एक महत्वपूर्ण स्तंभ, जो मजबूत बुनियाद और वित्तीय अनुशासन वाली कंपनियों में निवेश को प्राथमिकता देता है।

फैक्टर इन्वेस्टिंग उन कारकों को केंद्र में रखती है जो प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं जैसे गुणवत्ता, गति, कम अस्थिरता, मूल्य और आकार - ताकि जोखिम के साथ बेहतर रिटर्न मिल सके। यह नई स्कीम निफ्टी 200 यूनिवर्स से चुनी गई 30 कंपनियों के पोर्टफोलियो तक निवेशकों की पहुंच सुनिश्चित करती है, जो ROE, कम डेट-टू-इक्विटी और स्थिर आय जैसे मानकों पर उच्च स्कोर करती हैं। एनएफओ की अवधि 21 मई, 2025 से 4 जून 2025 तक है।

आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल एएमसी के चीफ मार्केटिंग और डिजिटल बिजनेस ऑफिसर, अभिजीत शाह ने कहा की

इस स्कीम के ज़रिए हमारा उद्देश्य निवेशकों को ऐसा उत्पाद देना है जो गुणवत्ता निवेश के मूल सिद्धांतों मजबूती, कुशलता और स्थिरता को एक साथ लाए। यह स्कीम खासकर उन निवेशकों के लिए उपयुक्त है जो पारदर्शी, नियम आधारित और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से संपत्ति निर्माण करना चाहते हैं।

निफ्टी200 क्वालिटी 30 इंडेक्स फंड ने अस्थिर समय में भी बेहतर प्रदर्शन किया है चाहे वह ग्लोबल सेल-ऑफ (2015-16), कोविड-19 महामारी (2020), या यूक्रेन संकट (2021-22) रहा हो - और यह इसकी रक्षात्मक प्रकृति को दर्शाता है। इंडेक्स निफ्टी 200 यूनिवर्स से टॉप 30 स्टॉक्स को एक संयुक्त गुणवत्ता स्कोर के आधार पर चुनता है। गैर-वित्तीय स्टॉक्स के लिए यह स्कोर ROE, डेट-टू-इक्विटी का उल्टा अनुपात, और आय की स्थिरता को समान वज़न देता है। वित्तीय कंपनियों के लिए ROE और आय की स्थिरता देखी जाती है।

30 अप्रैल 2025 तक, इंडेक्स का पोर्टफोलियो FMCG, IT, वित्तीय सेवाएं और इंडस्ट्रियल्स जैसे क्षेत्रों में फैला हुआ है।

यह योजना निफ्टी200 क्वालिटी 30 इंडेक्स फंड को ट्रैक करती है, जो उन कंपनियों में निवेश करने का प्रयास करता है जिनका रिटर्न ऑन इक्विटी अच्छा है, फाइनेंशियल लीवरेज संतुलित है और कमाई स्थिर रहती है - ये सभी किसी मजबूत और गुणवत्तापूर्ण बिज़नेस के संकेत माने जाते हैं।

व्यापार समझौते पर बातचीत के लिए अमेरिकी अधिकारियों का दल आ सकता है भारत

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते पर अगले दौर की चर्चा के लिए अमेरिकी अधिकारियों का एक दल आने वाले हफ्तों में भारत का दौरा कर सकता है। एक सूत्र के हवाले से यह जानकारी सामने आई है। अमेरिकी अधिकारियों की यह यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत और अमेरिका 9 जुलाई से पहले एक अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमति बना सकते हैं। इस बातचीत में नई दिल्ली घरेलू वस्तुओं पर 26 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ से पूर्ण छूट की मांग कर रहा है।

एक सूत्र ने बताया, ÷व्यापार वार्ता के लिए अमेरिकी टीम के भारत आने की उम्मीद है। वार्ता तेज गति से आगे बढ़ रही है। भारत के मुख्य वार्ताकार, वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल ने पिछले सप्ताह अपनी चार दिवसीय वाशिंगटन यात्रा पूरी की।

राकेश गंगवाल और उनका परिवार इंडिगो में 3.4% हिस्सेदारी बेच सकते हैं

नई दिल्ली। इंटरग्लोब एविएशन के संस्थापकों में एक राकेश गंगवाल और उनका पारिवारिक ट्रस्ट मंगलवार को एयरलाइन में कम से कम 6,831 करोड़ रुपये मूल्य की 3.4 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच सकते हैं। सूत्रों के हवाले से यह जानकारी सामने आई है। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

इंटरग्लोब एविएशन के संस्थापकों में एक राकेश गंगवाल और उनका पारिवारिक ट्रस्ट मंगलवार को एयरलाइन में कम से कम 6,831 करोड़ रुपये मूल्य की 3.4 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच सकते हैं। इंडिगो के सह-संस्थापक गंगवाल, सह-संस्थापक राहुल भाटिया के साथ तीखे मतभेद के बाद चरणबद्ध तरीके से अपनी हिस्सेदारी बेच रहे हैं।

सूत्रों ने बताया कि गंगवाल के अलावा, चिन्करपू फैमिली ट्रस्ट, जिसके ट्रस्टी शोभा गंगवाल और डेलावेयर की जेपी मॉर्गन ट्रस्ट कंपनी हैं, देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में 3.4 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी। उन्होंने बताया कि निवेश बैंकिंग फर्म गोल्डमैन सैक्स (इंडिया) सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, मॉर्गन स्टेनली इंडिया कंपनी और जेपी मॉर्गन इंडिया हिस्सेदारी बिक्री के लिए प्लेसमेंट एजेंट हैं।

वर्तमान में गंगवाल और पारिवारिक ट्रस्ट की इंडिगो में संयुक्त रूप से लगभग 13.5 प्रतिशत हिस्सेदारी है। पीटीआई को मिले टर्म शीट के अनुसार, प्रस्तावित लेनदेन के तहत, जो 27 मई को निष्पादित किया जाएगा, 1.32 करोड़ इक्विटी शेयर 5,175 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर बेचे जाएंगे। सोमवार कंपनी के शेयर 5,420 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुए। बिक्री भाव फ्लोर प्राइस की तुलना में 4.5 प्रतिशत कम है। सूत्रों ने बताया कि 1.32 करोड़ शेयरों के बदले कंपनी में करीब 3.4 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी और न्यूनतम मूल्य के आधार पर पेशकश का आकार करीब 80.3 करोड़ डॉलर या 6,831 करोड़ रुपये होगा।

आईकू लेकर आ रहा लेटेस्ट स्नैपड्रैगन 8एस जेन 4 प्रोसेसर से लैस भारत का पहला स्मार्टफोन आईकू नियो 10

नई दिल्ली। हाई-परफॉर्मेंस स्मार्टफोन ब्रांड आईकू ने आज अपना नया पावरहाउस - आईकू नियो 10 लॉन्च करने की घोषणा की। युवा पीढ़ी - जैसे कि यंग प्रोफेशनल्स और हाई-परफॉर्मेंस यूज़र्स - को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया यह स्मार्टफोन अपने सेगमेंट में नई मिसाल कायम करता है। इसकी अत्याधुनिक डुअल-चिप आर्किटेक्चर, उन्नत कूलिंग सिस्टम और कई इंडस्ट्री-फर्स्ट इनोवेशन्स इसे बेहद खास बनाते हैं। यह स्मार्टफोन दो रंगों में उपलब्ध होगा - इंफर्नो रेड और टाइटेनियम क्रोम।इसके अलावा, आईकू नियो 10 की प्री-बुकिंग आज से शुरू हो चुकी है और यह 3 जून दोपहर 12 बजे से आईकू ई-स्टोर और ऐमेज़ॉन.इन पर बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। प्री-बुकिंग करने वाले ग्राहकों को आईकू टीडब्ल्यूएस 1ई मुफ्त में उपहार स्वरूप दिया जाएगा। नियो सीरीज़ में नए स्मार्टफोन आईकू नियो 10 के लॉन्च पर, आईकू के सीईओ, निपुण मार्या ने कहा,

आईकू में नवाचार का आधार उद्देश्य और यूज़र-सेंट्रिक अप्रोच है। आईकू नियो 10 की पावरफुल डुअल-चिप आर्किटेक्चर बेहतरीन परफॉर्मेंस, रिस्पॉन्सिवनेस और एफिशिएंसी प्रदान करती है जिससे आज के युवाओं को बिना किसी रुकावट के मल्टीटास्किंग का अनुभव मिलता है। परफॉर्मेंस-फोकस्ड यूज़र्स के अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए हमने 16जीबी + 512जीबी का नया वेरिएंट भी लॉन्च किया है जिसे भविष्य की ज़रूरतों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है।तनमय शाह, कैटेगरी लीडर स्मार्टफोन्स और एक्सेसरीज़, ऐमेज़ॉन इंडिया ने कहा पिछले कुछ वर्षों में, आईकू नियो सीरीज़ ने ऐमेज़ॉन.इन पर एक मजबूत ग्राहक आधार बनाया है, और इसके पिछले सभी लॉन्च को लगातार पॉज़िटिव रिव्यूज़ और रेटिंग्स मिली हैं। आज हम बेहद उत्साहित हैं कि आईकू नियो 10 को ऐमेज़ॉन.इन पर प्री-बुकिंग के लिए पेश किया जा रहा है, जो इस विरासत को आगे बढ़ाता है और उन ग्राहकों के लिए एक और दमदार विकल्प लेकर आता है जो परफॉर्मेंस और इनोवेशन की तलाश में हैं। प्री-बुकिंग बेनेफिट्स और लॉन्च ऑफ़र्स के साथ, हम इस पावरफुल स्मार्टफोन को देशभर के लाखों ग्राहकों तक पहुंचाने को लेकर आशान्वित हैं।

आईकू नियो 10 भारत का पहला स्मार्टफोन है जो स्नैपड्रैगन0 8एस जेन 4 चिपसेट से लैस है, और इसमें 7000एमएएच की दमदार बैटरी को बेहद पतले डिज़ाइन में खूबसूरती से शामिल किया गया है।

आईकू नियो 10 की कीमतें इस प्रकार हैं

8+128 जीबी वेरिएंट की कीमत आईएनआर 31,999(नेट इफेक्टिव प्राइस- आईएनआर 29,999),

8+256 जीबी वेरिएंट की कीमत आईएनआर 33,999 (नेट इफेक्टिव प्राइस- आईएनआर 31,999),

12+256 जीबी वेरिएंट की कीमत आईएनआर 35,999 (नेट इफेक्टिव प्राइस- आईएनआर 33,999),

और 16+512 जीबी वेरिएंट की कीमत आईएनआर 40,999 (नेट इफेक्टिव प्राइस- आईएनआर 38,999) रखी गई है।

ग्राहक आईकू नियो 10 की खरीद पर निम्नलिखित ऑफ़र्स का लाभ उठा सकते हैं-

चुनिंदा बैंक कार्ड्स पर ?2000 का इंस्टेंट डिस्काउंट

योग्य डिवाइसेज़ पर 4000 तक का एक्सचेंज बोनस

6 महीनों तक की नो-कॉस्ट ईएमआई विकल्प उपलब्ध

सोना 550 रुपये बढ़कर 99300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर, चांदी 1170 रुपये चढ़कर एक लाख के पार

नई दिल्ली। स्थानीय बाजार में मजबूती के कारण सोमवार को राजधानी दिल्ली में सोना 550 रुपये की तेजी के साथ 99,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया। वहीं चांदी 1,170 रुपये की बढ़त के साथ एक लाख के आंकड़े को पार कर गई। आइए जानते हैं सर्राफा बाजार का विस्तृत हाल।

घरेलू बाजार में मजबूत मांग के बीच सोमवार को राजधानी दिल्ली में सोना 550 रुपये की तेजी के साथ 99,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने इसकी पुष्टि की है। शुक्रवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली पीली धातु 98,750 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। पिछले सप्ताह बुधवार से सोने की कीमतों में 2,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी हुई है।

सोमवार को 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 500 रुपए बढ़कर 98,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गया। वहीं चांदी 1,170 रुपये की उछाल के साथ 1,00,370 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गई। शुक्रवार को चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली थी, यह पिछले कारोबारी सत्र में 99,200 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

वैश्विक बाजारों में दिखी गिरावट

इस बीच, विदेशी बाजारों में हाजिर सोना 24.83 डॉलर प्रति औंस या 0.74 प्रतिशत गिरकर 3,332.59 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। मेहता इक्विटीज लिमिटेड में कमोडिटीज के उपाध्यक्ष राहुल कलंत्री ने कह कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से यूरोपीय संघ पर लगे 50 प्रतिशत टैरिफ को 9 जुलाई तक टालने के बाद मांग कमजोर पड़ गई। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने की कीमतों में गिरावट देखी गई।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटीज के विश्लेषक सौमिल गांधी के अनुसार, निवेशक यूएस फेडरल रिजर्व की एफोएमसी (फेडरल ओपन मार्केट कमेटी) की बैठक के मिनटों का इंतजार कर रहें हैं।

शेमारू उमंग का शो 'बड़ी हवेली की छोटी ठकुराईन' अब 100 एपिसोड्स क्लब मे शामिल

शेमारू उमंग का लोकप्रिय शो बड़ी हवेली की छोटी ठकुराईन ने हाल ही में अपने 100 एपिसोड पूरे कर लिए हैं और सेट पर इस मौके को बड़े ही जोश और उत्साह के साथ मनाया गया। एक अनोखी और दिलचस्प कहानी के साथ शुरू हुआ यह शो दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बना चुका है। इस खास मौके पर पूरी कास्ट और क्रू ने मिलकर इस उपलब्धि का जश्न मनाया। यह शो पारंपरिक सास-बहू ड्रामों से हटकर दो मजबूत महिला किरदारों की कहानी बयां करता है। एक ओर चालाक और महत्वाकांक्षी जेठानी चमकीली, एक नौकरानी से जेठानी चुकी है, लेकिन उसका सपना हवेली की मालकिन बनने का है वहीं सीधी-सादी और समझदार देवरानी चैना, छोटी ठकुराईन बनकर हवेली को बचाने और परिवार को जोड़कर रखने की कोशिश में जुटी रहती हैं। चैना का किरदार निभा रही लीड एक्ट्रेस दीक्षा धामी ने कहा, बड़ी हवेली की छोटी ठकुराइन' में मेरा सफर बेहद खास रहा है। शो की शुरुआत में चैना को जयवीर से नफरत थी, लेकिन धीरे-धीरे यह नफरत प्यार में बदल गई। फिर चैना से रसीली बनने तक की यह पूरी यात्रा बहुत ही खूबसूरत और यादगार रही है। मैं दिल से आभारी हूं कि दर्शकों ने चैना के जुगाड़ू स्वभाव को इतना पसंद किया। हमारे लिए 100 एपिसोड पूरे करना बहुत गर्व और खुशी का पल है। यह एक्टर्स, डायरेक्टर्स, स्पॉट बॉयज़, मेकअप आर्टिस्ट्स और पूरी टीम की मेहनत का नतीजा है। मैं दर्शकों का शुक्रिया अदा करना चाहूंगी, जिन्होंने हमें इतना प्यार दिया, आप सभी के बिना ये मुमकिन नहीं था। आगे भी हम ऐसे ही और यादगार एपिसोड्स लाते रहेंगे! जयवीर की भूमिका निभाने वाले अभिनेता शील वर्मा ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, पांच महीने पहले जो लोग अजनबी थे, आज एक परिवार बन चुके हैं। सेट पर हमारा इतना समय साथ में बीतता है कि अब ये घर जैसा लगता है। 100 एपिसोड पूरे करना बहुत बड़ी उपलब्धि है। इस शो ने मुझे जयवीर जैसे शानदार किरदार के साथ-साथ कई खूबसूरत यादें दी हैं खासकर मैं अपना 'पुष्पा' मेकओवर कभी नहीं भूलूंगा! साथ ही, रघुवीर सर और दिलीप सर जैसे मेंटर्स मिले, जिनसे बहुत कुछ सीखने को मिला।

लीगेसी ब्रांड बिस्सेल ने बॉलीवुड आइकन करीना कपूर खान को भारत में अपना ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया

लखनऊ। दुनियाभर में होमकेयर उपकरणों की अग्रणी और वेट क्लीनिंग सॉल्यूशन्स में सबसे भरोसेमंद ब्रांड बिस्सेल ने आज करीना कपूर खान को भारत में अपना ब्रांड एंबेसडर नियुक्त करने की घोषणा की। करीना, बिस्सेल के उस वादे का प्रतीक हैं जो एक स्वच्छ, सहज और स्मार्ट जीवनशैली को दर्शाता है। इस साझेदारी के जरिए, ब्रांड का उद्देश्य भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति और गहराई से स्थापित करना है, जहां वह आधुनिक भारतीय घरों के लिए अत्याधुनिक क्लीनिंग समाधान पेश कर सके। बिस्सेल होमकेयर इंक के प्रेसिडेंट, ग्लोबल मार्केट्स, मैक्स बिस्सेल ने कहा, करीना आज के भारतीय उपभोक्ता का प्रतिनिधित्व करती हैं जो समझदार है, आगे की सोच रखती है और अपने घर को स्वस्थ और सजीव बनाने के लिए समर्पित है। उनकी क्वालिटी के प्रति निष्ठा और सहज आकर्षण बिस्सेल के दृष्टिकोण से पूरी तरह मेल खाता है। हम उन्हें बिस्सेल परिवार में शामिल कर बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं। उनके साथ हम भारत के और अधिक घरों को स्मार्ट, स्टाइलिश और असरदार सफाई समाधान अपनाने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं।÷कैविटक मार्केटिंग के निदेशक, सागर मेहता ने कहा, ÷यह साझेदारी बिस्सेल के लिए भारत में एक नए युग की शुरुआत है। अब होमकेयर को सिर्फ एक ज़िम्मेदारी नहीं, बल्कि एक जीवनशैली के रूप में देखा जाएगा। अब बिस्सेल के उत्पाद अमेजन इंडिया पर उपलब्ध हैं।

मिलेनियम स्कूल की डॉ. मंजुला गोस्वामी को लीडरशिप अवॉर्ड

लखनऊ। इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईएसीसी), नॉर्थ इंडिया काउंसिल ने डॉ. मंजुला गोस्वामी को प्राइमरी और सेकेंडरी एजुकेशन लीडरशिप अवॉर्ड से सम्मानित किया। वे द मिलेनियम स्कूल की हेड हैं। यह सम्मान उन्हें भारत में स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में उनके बेहतरीन योगदान के लिए दिया गया है।

यह पुरस्कार अपराइजिंग यू.पी. सफल शासन के 8 साल विषय पर आयोजित सम्मेलन के दौरान लखनऊ के होटल क्लार्क्स अवध में प्रदान किया गया। इस खास कार्यक्रम में कई प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति रही, जिनमें श्री जितिन प्रसाद (केंद्र सरकार में वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री), ब्रजेश पाठक (उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री) और श्री दिनेश प्रताप सिंह (उत्तर प्रदेश सरकार में उद्यान एवं कृषि विपणन राज्य मंत्री, स्वतंत्र प्रभार) शामिल थे।

यह सम्मान डॉ. गोस्वामी के अच्छे नेतृत्व, पढ़ाई में बेहतर काम करने की कोशिश और बच्चों के सम्पूर्ण विकास के नए तरीके अपनाने के लिए दिया गया है। उनके नेतृत्व में द मिलेनियम स्कूल एक अच्छी और आधुनिक शिक्षा देने वाला स्कूल बन गया है, जहाँ बच्चों को अच्छे संस्कार और नई तकनीक दोनों सिखाए जाते हैं।

इंडो- अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स, जिसकी स्थापना 1968 में हुई थी, लंबे समय से भारत और अमेरिका के बीच व्यापार और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस पुरस्कार के माध्यम से, आईएसीसी विभिन्न क्षेत्रों में बदलाव लाने वाले नेतृत्व को पहचानने और प्रोत्साहित करने के अपने संकल्प को दोबारा स्थापित करता है।

अवधनामा

लखनऊ, मंगलवार, 27 मई 2025

सीएम योगी ने वीसी के जरिए बेसिक शिक्षा विभाग के कामों का किया उद्घाटन

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को वीडियो कांफ्रेंस के जरिए मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने जनपद में बेसिक शिक्षा विभाग के द्वारा कराए गए कार्यों का उद्घाटन किया। इस दौरान राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह मौजूद रहे। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिले के कई शिक्षक, मेधावी छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और टेबलेट देकर सम्मानित किया।

संजीव प्रसारण देखने के उपरांत मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों के द्वारा राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले परिषदीय विद्यालयों के खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया एवं उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा में जनपद स्तर पर सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले बच्चों को टैबलेट प्रदान किया गया। साथ ही ब्लॉक स्तर पर निपुण भारत मिशन के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खंड शिक्षा अधिकारीगण को सम्मानित एवं जनपद स्तर पर बेहतर नवाचार व टीएलएम निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने वाले शिक्षकों को पुरस्कृत किया गया। वहीं, परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों को टैबलेट का वितरण भी किया गया। इस प्रकार निपुण भारत मिशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वोले 5 खण्ड शिक्षा अधिकारियों का तथा नारी सशक्तिकरण अभियान तथा बेहतर नवाचार निभाने वाले शिक्षा दक्षता आधारित बेहतर प्रदर्शन करने वाले 5 शिक्षिकाओं को प्रशस्ति पत्र वितरण किया गया। हाई स्कूलों में 92.16 प्रतिशत लाने वाले प्रियांशु शर्मा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मोतीलाल को, इण्टर में लगभग 82 प्रतिशत लाने वाले अभिषेक यादव दीन दयाल उपाध्याय राजकीय इण्टर कॉलेज मठिया को एवं 5 विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में सफलता प्राप्त करने वाले उत्कृष्ट खिलाड़ियों में प्रशस्ति पत्र वितरण किया।

इस अवसर प्रभारी मंत्री ने कहा कि भावी उप्र के नवनिर्माण के लिए यशस्वी मुख्यमंत्री ने ढेरों काम किया है। भावी पीढ़ियों के शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु आज का यह लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

2017 के बाद पटरी पर लौटी है प्राथमिक शिक्षा

2017 में संविलियन विद्यालय रामकोला में केवल 67 बच्चे थे लेकिन आज 2025 में 536 बच्चे है। इसी प्रकार 2017 में संविलियन विद्यालय रूदवलिया में 63 बच्चे थे लेकिन आज 2025 में 443 है। बेहतर शिक्षा दीक्षा उन्हे प्रदान की जा रही है। अच्छी भोजन सुविधाए भी दिए जा रहे है। 2017 से पूर्व विद्यालयों में बेहतर सुविधाओं का अभाव था लेकिन आज आपरेशन कायाकल्प के माध्यम से विद्यालयों की पुनरुद्धार और सैदंयीकरण हो रहा है। विद्यालयों को सुविधाओ से लैश किया जा रहा है। विद्यालयों में 19 पैरा मीटर्स के आधार पर सुविधाकृत कर बेंच, शौचालयों का निर्माण, टायलीकरण, स्वच्छ पेयजल व्यवस्था, विद्युतीकरण आदि व्यवस्थित सुनिश्चित कर संरचनात्मक रूप से विकास किया रहा है। विशुनपुरा ब्लॉक में लगभग 25 करोड़ के नवनिर्मित विद्यालय की तर्ज पर जनपद में भविष्य में और भी विद्यालय बनाए जाएंगे। अन्त में उन्होने सभी छात्र छात्राओं के सुखद भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ये बच्चे भविष्य में नई बुलंदियों को छूए, आगे बढ़े नए-नए फील्ड में अपना कैरियर बनाए।

शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र तथा मेधावी छात्रों को टेबलेट देकर सम्मानित किया गया

अतरेहटा गांव में बीती रात पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्ष में जमकर चले लाठी डंडे

महराजगंज, रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के गढ़ी मजरे अतरेहटा गांव में बीती रात पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़े जमकर चले लाठी डंडे। जिसमें दोनों पक्षों से लगभग एक दर्जन लोगों को नामजद किया गया है। वही घटना की सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने चोटहिलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाकर प्राथमिक उपचार करा कर दोनों पक्षों की तहरीर पर अभियोग पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली पुलिस को दी गई तहरीर में हेमराज पुत्र शंकरपाल ने कहा है कि गांव के ही कुलदीप पुत्र अयोध्या प्रसाद, शुभम पुत्र अज्ञात निवासी सेमरौता जनपद अमेठी, जयदीप पुत्र अयोध्या प्रसाद निवासी गढ़ी, शिवा पुत्र माता प्रसाद निवासी गढ़ी, अनुज पुत्र जग प्रसाद निवासी बारी गोहन्ना एक राय होकर आए और पुरानी रंजिश को लेकर चार माह पूर्व विवाद हुआ था।

उसी के चलते गाली गलौज करने लगे मना करने पर जमकर मारा पीटा तो वहीं दूसरे पक्ष कुलदीप कुमार पुत्र अयोध्या प्रसाद निवासी गढ़ी द्वारा दी गई तहरीर में कहा गया है कि गांव के ही दबंग प्रतिपक्षीगढ़ हेमराज पुत्र अज्ञात, राजेश पुत्र हेमराज, अमन पुत्र हेमराज निवासी गढ़ी व सुनील पुत्र रामखेलावन तथा दो और अज्ञात सहित लोग आए और गाली गलौज करने लगे मना करने पर लाठी डंडों से जमकर मारा पीटा गाली गलौज की व जान से मारने की धमकी दी सभी दबंग प्रतिपक्षीगण अपराधी किस्म के व्यक्ति हैं।

अलग-अलग मार्ग दुर्घटनाओं में महिला समेत दो की मौत, एक गंभीर

मृतक रामवती देवी

मृतक राशिद खान

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। जिले में सोमवार को अलग अलग मार्ग दुर्घटनाओं में एक महिला समेत दो की मौत हो गई जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई में जुट गई। जानकारी के अनुसार नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के खैरटिया पुल के पास, नौरंगिया कप्तानगंज मार्ग पर तेज रफ्तार ट्रक ने एक बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में रसीद खान पुत्र इमरान खान उम्र 25 वर्ष निवासी रामकोला नगर के वार्ड संख्या 5 (धुंआटीकर) की मौके पर ही मौत हो गई जबकि साथ में एक युवक घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में कोटवा सीएचसी पहुंचाया, जहां से डॉक्टरों ने उसकी नाजुक हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। रसीद की मौत सुनते ही घर में कोहराम मच गया। परिजन बेसुध हैं, आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे। उनकी बूढ़ी मां को संभालना मुश्किल हो गया है, और परिवार के अन्य सदस्य स्तब्ध हैं कि कैसे अचानक एक हादसा उनकी दुनिया उजाड़ गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। ट्रक चालक मौका देख फरार हो गया पुलिस ट्रक चालक की तलाश कर रही है। दूसरी घटना कसया थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 20 शहीद भगत सिंह नगर (अनिरुद्धवा) निवासिनी रामावती देवी पत्नी हीरालाल कुशवाहा उम्र 65 बुद्धा मार्ग पर कुछ महिलाओं के साथ टहल रही थी। कुछ समय टहले के बाद वह थाई मंदिर के सामने बनी पुलिया के पास आराम करने लगी। इसी दौरान रामा भार स्तूप के तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार मैजिक वाहन ने ठोकर मार दिया जिससे वह घायल हो गई और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची चौकी पुलिस ने शव का पंचनामा बनवाकर पोस्ट मार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। इस संबंध में कुशीनगर चौकी प्रभारी गौरव शुक्ला ने बताया कि मामला संज्ञान में है, वाहन कब्जे में लिया गया है। मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कारवाई किया जा रहा है।

नेबुआ नौरंगिया क्षेत्र में बाइक सवारों को ट्रक ने रौंदा जबकि कसया क्षेत्र में टहल रही महिला को मैजिक ने

रानी अहिल्या बाई होल्कर के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन

अवधनामा संवाददाता

देवरिया। भारतीय इतिहास में न्याय, समर्पण और महिला सशक्तिकरण की प्रतीक पुण्य श्लोक अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी औरा चौरी स्थित भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित की गई जिसका उद्घाटन सदर विधायक डा शलभ मणि त्रिपाठी और भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने किया।

इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर ने अपने जीवन में न्यायप्रिय शासन, धार्मिक सहिष्णुता, और समाज कल्याण के कार्यों से इतिहास में एक अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने बताया कि उनकी जयंती के अवसर पर जनपद के विद्यालयों, पंचायतों और ब्लॉक स्तर पर विभिन्न संगोष्ठियों, सामाजिक कार्यक्रमों और प्रदर्शनी आयोजनों के माध्यम से उनके विचारों को जनमानस तक पहुंचाया जा रहा है। सदर विधायक डा शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि रानी अहिल्याबाई का त्याग, प्रशासनिक दक्षता और जनसेवा आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ऐसे महान राष्ट्र निर्माताओं के विचारों को घर-घर पहुंचाने के लिए संकल्पित है। उन्होंने रानी अहिल्याबाई को तप, त्याग और न्याय की प्रतीक बताते हुए कहा कि नई पीढ़ी को उनके योगदान की जानकारी देना अति आवश्यक है। इस मौके पर महामंत्री प्रमोद शाही, अर्चना पांडे, निर्मला गौतम, अभियान की सह संयोजक आराधना पांडे, मारकंडे गिरी, काशीपति शुक्ला, ब्लाक प्रमुख छट्ठू यादव, प्रवीण प्रताप मल्ल, जितेंद्र सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जांच के संबंध में साक्ष्य/बयान 13 जून तक दें

रायबरेली। जिला मजिस्ट्रेट हर्षिता माथुर के आदेशानुसार नगर मजिस्ट्रेट राम अवतार द्वारा 30 जनवरी 2025 को समय 13:30 बजे दुर्घटनाकारी निगम बस, लखनऊ क्षेत्र चारबाग डिपो की बस संख्या- यूपी 78 जेएन 7551 से मोटर साइकिल वाहन संख्या- यूपी 33 सीबी 5903 पर सवार अंशुमान सिंह पुत्र श्यामलाल निवासी हरचन्दपुर रायबरेली की तीव्र गति से आकर निगम बस के पिछले बाये हिस्से से टकरा जाने से मृत्यु हो गयी। घटना की जांच नगर मजिस्ट्रेट द्वारा की जा रही है।

पडरौना में चलती सिनेमा के बीच बिजली गुल, दर्शकों ने किया हंगामा

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। पड़रौना के पी.डी. मॉल के क्वालिटी स्टार वर्ल्ड सिनेमा हाल में दर्शकों ने बीती रात जमकर हंगामा किया। उनका आरोप था कि मूवी चलने के बीच में ही अचानक लाइट चली गई। इसके बाद भी वैकल्पिक तरीके से लाइट नहीं जलाई गई। इससे मूवी आधे पर ही रुक गई। दर्शकों ने उग्र होकर सिनेमा हॉल के टिकट काउंटर का घेराव किया। सभी दर्शकों का रुपए वापास करवाने के बाद मामला शांत हो सका। इस दौरान सिनेमा हाल प्रबंधन की तरफ से डायल 112 पर भी फोन कर संपर्क किया गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और समझदारी से स्थिति को संभाला। हंगामे को शांत कराने के लिए पुलिस ने सख्ती के बजाय संवाद का रास्ता अपनाया, जिसके बाद दर्शकों को शांत कर टिकट के पैसे वापस करवा दिए गए। इसके बाद सभी को घर भेजा गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पी.डी. मॉल का सिनेमा हॉल लंबे समय से खराब व्यवस्थाओं और तकनीकी समस्याओं से जूझ रहा है। बार-बार शो रुकने और बिजली कटने की घटनाएं आम हो गई हैं, जिससे दर्शकों में भारी रोष है। वहीं, जिम्मेदार अधिकारी और मॉल प्रबंधन इन शिकायतों की अनदेखी करते आ रहे हैं। न तो साउंड सिस्टम दुरुस्त किया गया है और न ही बिजली बैकअप की समुचित व्यवस्था है। लोगों ने जिला प्रशासन से इस मामले में संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों।

सिनेमा हाल के बाहर हंगामा करते दर्शक

बेसिक शिक्षा विभाग के महत्वपूर्ण योजनाओं, कार्यक्रमों का किया शुभारंभ

रायबरेली। बेसिक शिक्षा विभाग के महत्वपूर्ण योजनाओं, कार्यक्रमों का लोकार्पण/शिलान्यास /शुभारम्मभ मुख्यमंत्री उप्र योगी आदित्यनाथ द्वारा लोक भवन लखनऊ से किया गया। उक्त कार्यक्रम के क्रम में जनपद के गोपाल सरस्वती विद्या मंदिर के सभागार, रतापुर में जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रभारी मंत्री/राकेश सचान द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में विधायक सदर अदिति सिंह, विधायक ऊँचाहार डॉ मनोज कुमार पांडेय, जिलाधिकारी हर्षिता माथुर, पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवेन्द्र प्रताप सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष बुद्धि लाल पासी उपस्थित रहें।

ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि को वट सावित्री व्रत पर विवाहित महिलाएं पति की लंबी उम्र के लिए रखती है व्रत

बछरावा, रायबरेली। हिंदू पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि को वट सावित्री व्रत करने की परंपरा होती है। इस दिन विवाहित महिलाएं पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं।इस दिन विवाहित महिलाएं 16 श्रृंगार करके वट वृक्ष की पूजा करती हैं. इस दिन व्रती स्त्रियां बांस की टोकरी में गुड, भीगे हुए चने, मीठे गुलगुले, कुमकुम, रोली, अक्षत, मौली, फल, पान, सुपारी, धूप बाती और हाथ में जल का लोटा लेकर वट वृक्ष के पास जाती हैं। साथ ही महिलाएं कलावा बरगद के पेड़ में बांधकर परिक्रमा करती हैं और पति की लंबी आयु के लिए कामना करती हैं।साथ ही पूजा समाप्त होने के बाद व्रती महिलाएं पति को बांस के पंखे से हवा करती हैं, जिसका इस व्रत में खास महत्व है। महिलाएं इस दिन देवी गौरी की पूजा करती हैं और देवी का दिव्य आशीर्वाद पाने के लिए व्रत रखती हैं। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, वट सावित्री व्रत सावित्री और सत्यवान की कहानी से जुड़ा है। सावित्री राजा की बेटी थी और उसका विवाह सत्यवान से हुआ था, जिसे विवाह के एक वर्ष बाद मरने का श्राप मिला था। सावित्री अपने पति की जान बचाने के लिए कृतसंकल्प थी, लेकिन श्राप के कारण जब वह बरगद के पेड़ के नीचे लकड़ी काट रहा था तो उसकी मृत्यु हो गई। लेकिन सावित्री ने उनकी मृत्यु को स्वीकार नहीं किया और भगवान यमराज से विद्रोह करके अपने पति के जीवन को बचाने के लिए बरगद के पेड़ के नीचे कठोर तपस्या की। भगवान यम उसके दृढ़ संकल्प से प्रभावित हुए और उसे उसके पति का जीवनदान दे दिया। विवाहित महिलाएं अपने पतियों की लंबी उम्र के लिए पूजा करती हैं।

सैनिकों के सम्मान में निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

रायबरेली। भारतीय सैनिकों के सम्मान में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री प्रतिभा शुक्ला और सदर विधायक अदिति सिंह के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में सैकड़ों लोगों ने लिया हिस्सा लिया। वंदे मातरम के नारे से पूरा शहर गूंज उठा। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ जीआईसी के मैदान से हुआ, जो नगर के प्रमुख मार्गो–सुपर मार्केट, अंबेडकर चौराहा होते हुवे डिग्री कॉलेज चौराहे तक पहुंची। इस आयोजन में सैकड़ों लोगों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा के दौरान हाथों में तिरंगा थामे लोगों ने 'भारत माता की जय', 'जय हिंद', और 'वंदे मातरम' जैसे नारों से माहौल को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। परिवहन मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि देश का सम्मान सैनिकों के सम्मान के बराबर होता है। यदि हम अपने सैनिकों को सम्मान देते हैं, तो यह देश के सम्मान के समान होता है। उन्होंने आगे बताया कि भारत सरकार द्वारा पाकिस्तान पर की गई कार्रवाई में ऑपरेशन सिंदूर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

लोकोत्सव में लोककलाकारों ने लोकसंगीत की छटा बिखेरी

अवधनामा संवाददाता

देवरिया। ललितांजलि सांस्कृतिक संस्था गोरखपुर द्वारा श्री राम जानकी धर्मार्थ न्यास, के सहयोग से, प्राचीन ठाकुर द्वारा मन्दिर हरैया कन्हौली में, पारम्परिक लोकोत्सव व विशिष्ट जन सम्मान कार्यक्रम में, लोककलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से उपस्थित दर्शकों को झूमने पर विवश कर दिया।

कार्यक्रम में सबसे पहले महाराजगंज से आये युवा गायक पवन राज ने सीता राम चरित अति पावन व बाजे रे मुरलिया बाजे,सुनाकर तालियां बटोरी। इसके बाद चर्चित युवा गायक मनोज मधुर ने,परदेशिया बलम के बिना,रहलो न जाता और मत भुल इह परदेशी आपन गांव रे सहित कई भजन व गीत सुनाकर वाहवाही लूटी। इसी कड़ी में इसी माटी के कलाकार,युवा गायक स्वतंत्र सिंह श्याम ने, सरयू लहर में खेलें दशरथ ललनवां, नैना देखि जुड़इल गाकर जबरदस्त प्रशंसा पाई। इन गायकों के साथ आर्गन पर दिवाकर,पैड पर विजय व ढोलक पर धनंजय ने मधुर संगीत दिया। अगली प्रस्तुति के रूप में, छेदीलाल यादव के दल ने पारम्परिक लोकनृत्य फरुआही की प्रस्तुति करके दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस प्रस्तुति में लुप्तप्राय लोकवाद्यों सिंहां, नगाड़ा की आवाज से वातावरण एकदम संगीतमय हो गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बेचन राम पूर्व विधायक व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री, अनुसूचित जाति जनजाति आयोग उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश सरकार ओलम्पियन /तीरंदाज संजीव कुमार सिंह व भाजपा नेता विजय कुमार के साथ संयोजक हरि प्रसाद सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम में अतिथियों का माल्यार्पण और पटका पहनाकर स्वागत ईश प्रसाद सिंह व देव प्रसाद सिंह ने किया। कार्यक्रम में, कन्हौली गांव में अन्तर्राष्ट्रीय तीरंदाजी अकादमी व श्रीनेत ग्लोबल स्कूल की स्थापना के लिए ओलम्पियन, द्रोणाचार्य व अर्जुन अवार्डी संजीव कुमार सिंह को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बेचन राम ने, अपने उद्बोधन में, इस प्राचीन ठाकुर द्वारा मन्दिर और क्षेत्र की महत्ता पर प्रकाश डाला तथा इस प्रकार का आयोजन करके अपने पूर्वजों की भूमि का गौरव बढ़ाने के सतत् प्रयास के लिए हरी प्रसाद सिंह जी को धन्यवाद दिया तथा तीरंदाजी अकादमी की सफलता हेतु श्री संजीव सिंह को हार्दिक शुभकामनाएं दिया।

टेकुआटार एसबीआई एटीएम में लगी आग, मची अफरा-तफरी

आग के दौरान एसबीआई का दृश्य

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। जिले के टेकुआटार बाजार स्थित भारतीय स्टेट बैंक एसबीआई के एटीएम में सोमवार दोपहर अचानक आग लग गई। इस आग लगी में कोई हताहत तो नहीं हुई, लेकिन कुछ समय के लिए अफरा तफरी मच गई थी।

बताया जा रहा है कि एटीएम में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी, जिससे एटीएम केबिन में धुआं भर गया। धुआं उठता देख स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया और उन्होंने शोर मचाकर बैंक कर्मियों को सूचित किया। आग लगने की सूचना मिलते ही बैंक में अफरातफरी मच गई और सभी कर्मचारी तत्काल बाहर आ गए। बैंक कर्मचारियों ने तुरंत एटीएम की बिजली आपूर्ति बंद कर दी और स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच-पड़ताल शुरू की। इस दौरान दमकल विभाग को भी फोन किया गया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। ब्रांच मैनेजर विवेक कुमार वर्मा ने बताया कि आग लगने की वजह सीपीयू में फॉल्ट थी। हालांकि राहत की बात रही कि एटीएम में रखे लगभग 15 लाख रुपए पूरी तरह सुरक्षित हैं। समय रहते आग बुझा ली गई, जिससे कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ।

सरकारी योजनाओं का लालच देकर ठगी करने वाले गैंग का भंडाफोड़, सरगना समेत चार गिरफ्तार

16 सरकारी मुहरें, 35 मोहरयुक्त सरकारी पत्र के साथ नगदी बरामद

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। गांवों में सरकारी योजनाओं का लालच देने के नाम पर बड़े पैमाने पर ठगी करने वाले गैंग का नेबुआ नौरंगिया पुलिस ने साइबर सेल व स्वाट टीम के मदद से गैंग का भंडाफोड़ करते हुए पांच अंतर्राज्यीय ठगो को दबोचने में सफलता हासिल की है।

ठगों के पास से पुलिस ने 16 सरकारी मुहरे व 35 स्वहस्ताक्षरित मूल मोहरयुक्त सरकारी पत्र एवं नगदी रुपए बरामद किया है। सोमवार को नेबुआ नौरंगिया क्षेत्र के ग्रामीणों से प्राप्त सूचना के आधार पर, कुछ व्यक्तियों द्वारा अवैध रुप से गांवों में घूम-घूमकर मकान नंबर की प्लेट लगाने के नाम पर भोले-भाले ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं और टेंडरों का लालच देकर ठगी करने की जानकारी प्राप्त हुई थी। इस सूचना का त्वरित संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक कुशीनगर संतोष कुमार मिश्रा द्वारा थाना नेबुआ नौरंगिया को गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर दिया। साइबर सेल तथा स्वाट की संयुक्त टीम द्वारा जनपद कुशीनगर में सक्रिय एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो कूट रचित सरकारी दस्तावेजों और मुहरों का उपयोग कर भोले-भाले ग्रामीणों के साथ धोखाधड़ी और जालसाजी कर रहे थे। यह गिरोह जनपद कुशीनगर के विभिन्न ब्लॉकों, गावों व टोलों में जाकर लोगों को ठगने का काम कर रहे थे। अभियुक्तगणों के पास से अवैध कूट रचित सरकारी दस्तावेज, मुहरें, फर्जी कूट रचित प्रिन्टेड उत्तर प्रदेश पंचायती राज के मकान नंबर टीन की प्लेट और अवैध वसूली से प्राप्त नकदी बरामद की गई है। गिरोह का मुख्य सरगना जितेन्द्र कुमार मौर्या पुत्र लालबुना सिंह ग्राम कुकूडाढ़ थाना सोनहन जिला कैमूर (भभूआ) बिहार सहित, रामभूषण सिंह उर्फ भण्डारी पुत्र रामेश्वर सिंह ग्राम अजगरा थाना कुदरा जिला कैमूर (भभुआ) बिहार, मदन पाल पुत्र नरेश पाल ग्राम महदेवा थाना दरिगांव जिला रोहतास बिहार, रम्भू सिंह पुत्र मधुसूदन सिंह ग्राम गम्हरिया थाना काराकाट (गोड़ारी) जिला रोहतास बिहार को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में अभियुक्तों ने अपराध स्वीकार करते हुए फर्जी पंचायती राज मकान नंबर प्लेट चस्पा कर, प्रति मकान 50 रुपए की अवैध वसूली कर लाखों रुपए का अवैध धन अर्जित करते है। यह एक ट्रिप में लगभग 1000 मकानों को निशाना बनाते है और फिर स्थान बदलकर फरार हो जाते है। यह गिरोह जनपद महाराजगंज, गोरखपुर और अन्य जनपदों में भी सक्रिय है।

मुख्यमंत्री द्वारा किया गया बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यक्रमों का लोकार्पण व शिलान्यास

देवरिया अवधनामा संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लोकभवन, लखनऊ में बेसिक शिक्षा विभाग के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का लोकार्पण और शिलान्यास भव्य समारोह में किया। इस अवसर का सजीव प्रसारण जनपद देवरिया के विकास भवन स्थित गांधी सभागार में किया गया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग निरंतर प्रगति की राह पर है। उन्होंने शिक्षकों से अभिभावकों के साथ गहरा संबंध बनाकर बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करने का आह्वान किया।कार्यक्रम में आईसीटी लैब के सफल संचालन के लिए प्रदेश के पांच शिक्षकों को सम्मानित किया गया, जिसमें देवरिया के राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त शिक्षक खुर्शीद आलम भी शामिल थे। जनपद स्तर पर आयोजित प्रसारण में जिला पंचायत अध्यक्ष पं0 गिरीश चंद्र तिवारी, विधायक बरहज दीपक मिश्र (शाका), विधायक रामपुर कारखाना सुरेंद्र चौरसिया, सलेमपुर सांसद प्रतिनिधि राम प्रकाश यादव, जिलाधिकारी दिव्या मित्तल, मुख्य विकास अधिकारी प्रत्यूष पांडेय और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शालिनी श्रीवास्तव उपस्थित रहे। विकास भवन, गांधी सभागार में उपस्थित शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी महोदया ने कहा कि शिक्षक को ईश्वर से बड़ा दर्जा दिया गया हैं। शिक्षक अपने इस महत्वपूर्ण दर्जे को बनाये रखने के लिए अपने कर्तव्य के साथ साथ बच्चों के साथ मानवीय व्यवहार करते हुए उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रयास करें।

बीआरसी केन्द्रों पर बच्चों, शिक्षक-शिक्षिकाओं और अभिभावकों को दिखाया गया सीएम का सजीव प्रसारण

अमेठी अवधनामा संवाददाता। लोक भवन, लखनऊ में आयोजित एक वृहद समारोह में सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यक्रमों का लोकार्पण/शुभारंभ और शिलान्यास किया। जिले के सभी ब्लाक संसाधन केन्द्रों पर मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण बच्चो, शिक्षक , शिक्षिकाओं और अभिभावकों को दिखाया गया। ब्लॉक संसाधन केंद्र भादर में खंड शिक्षा अधिकारी शिव कुमार यादव की उपस्थिति में सजीव प्रसारण देखा गया। कार्यक्रम में कम्पोजिट विद्यालय भादर प्रथम के बच्चों के साथ विकास खंड के विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक,शिक्षिकाएं मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में 66 मुख्यमंत्री अभ्युदय विद्यालयों का शिलान्यास किया है। 51667 शिक्षकों को टैबलेट वितरण किया। 1293 उच्चीकृत कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों का लोकार्पण किया है। राज्य शैक्षिक तकनीकी संस्थान लखनऊ में स्टूडियो का भी लोकार्पण किया है। सजीव प्रसारण के समय कम्पोजिट विद्यालय भादर प्रथम के इं प्र अ संजीव कुमार,प्रा वि मांदापुर के प्र अ प्रहलाद गौतम, सूर्य भान गौतम, लहना, ज्ञान चंद पांडेय उ प्रा वि भादर , गंगोत्री यादव, उमाकांत द्विवेदी, क्वालिटी कोआर्डिनेटर दिनेश कुमार, अनिल यादव एम आई एस इंचार्ज, शिक्षा मित्र लालती देवी, निशा मिश्र अनुदेशक, कौशलेंद्र सिंह अनुदेशक, शिवकरन गुप्ता, सुनील कुमार, भूपेंद्र शुक्ल, सुभाष चन्द्र सरोज, अनुराग तिवारी,दीपेश उपाध्याय, घनश्याम,रिपु मौर्य आदि मौजूद रहे।

प्राइवेट हॉस्पिटल मतलब स्वास्थ्य की दुकान

डॉ0 अवधेश शुक्ला

■ यहाँ मरीजो व तीमार्दारो से होती है जमकर वसूली

सुल्तानपुर। जिले के प्राइवेट हॉस्पिटल मरीजों से ही बिल्डिंग बनाने का खर्चा, बिजली का बिल, स्टाफ की सैलरी और अपनी बिलासिता वाली जिंदगी का खर्चा निकालते हैं।मरीजों की जान जोखिम में लेकर आप्रशिक्षित लोग इलाज शामिल में होते हैं।

इलाज के नाम यहां पर बेचे जा रहे हैं। जांच के नाम पर ये तीमारदारो का खून चूस लेते हैं। भारी भरकम कमीशन वाली दवाइयां से इलाज का दावा किया जाता है। यहां अवैध पैथोलॉजी, अवैध मेडिकल,स्टोर अवैध क्लिनिक की भरमार है। यदि आप सुल्तानपुर के निवासी हैं और गलती से आप बीमार पड़ जाते हैं, आपके परिजन शुभचिंतक आपका इलाज कराने किसी प्राइवेट नर्सिंग होम या निजी संस्थान पहुंच जाते हैं और वहां आप सप्ताह भर रहकर अपना इलाज करवाते हैं। तो ऊपर लिखी सभी बातें आपके सामने आ जायेगी । आपका अनुभव इतना कड़वा होगा जिसकी कोई व्याख्या नहीं है। आपके परिजन जैसे ही आपको किसी निजी अस्पताल में ले जाएंगे तुरंत रजिस्ट्रेशन के नाम पर आपसे हजारों रुपए वसूल कर दिए जाएंगे फिर शुरू होगा आपके इलाज के नाम पर फर्जी जांच का सिलसिला। आवश्यक जांचों के अतिरिक्त ढेर सारी जांच के नाम पर आपसे हजारों रुपए वसूले जाएंगे। बेड चार्ज डॉक्टर की फीस अलग होगी नर्सिंग चार्ज भी अलग से लिया जाएगा इतने सबसे ही नर्सिंग होम का पेट नहीं भरने वाला वह आपको भारी मूल्य की एमआरपी की दवाई अपने अस्पताल के अंदर खुले मेडिकल स्टोर से खरीदने के लिए दबाव डालेगा जो दवा मार्केट में ?100 की है वह दवा उस नर्सिंग होम से आपको ?500 के करीब खरीदना ही होगा। मन मसूस कर आप इलाज के नाम पर वह भी करेंगे फिर शुरू होगा मरीज को दवा देकर लिटाए रखने का सिलसिला। कभी आपसे खून की कमी बता कर खून मांगा जाएगा कभी आपसे तरह-तरह के इलाज के नाम पर धन वसूलने की व्यवस्था की जायेगी। जरा भी दिक्कत हुई तो चिकित्सक तुरंत आप पर ऑपरेशन का दबाव बनाएंगे और जैसे ही ऑपरेशन की फीस तय होगी और आपने जमा किया आपकी मरिज की जिंदगी को सूली पर चढ़वाते हुए ऑपरेशन थिएटर ले जाएंगे। डॉक्टर द्वारा बताया गया 10 हजार का खर्चा 50 से 60000 पहुंच जाएगा और आप कर्ज ले लेकर अपने मरीज की जान बचाने के लिए डॉक्टर और उनके स्टाफ का पेट भरने की कीमत अदा करते रहेंगे। कहीं आपके परिवार में किसी बच्चे की डिलीवरी है और आप प्राइवेट गए तो यकीन मानिए वह नॉर्मल डिलीवरी करने के बजाय हमेशा क्रिटिकल कंडीशन बता कर मरीज का ऑपरेशन करने का दबाव बनाएंगे क्योंकि नॉर्मल डिलीवरी पर वह ज्यादा आपसे वसूली नहीं कर सकेंगे पर ऑपरेशन के नाम पर आपसे 50 से ?60000 जरूर वसूल लेंगे। मजे की बात यह है कि इन संस्थानों पर स्वास्थ्य महकमे की और से ना तो निगाह रखी जाती है ना ही कभी जांच की जाती है। मरीज के स्वास्थ्य को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा लिया गया फीडबैक भी यहां नदारत दिखाई देता है। किसी प्रकार का कोई शिकायती रजिस्टर उपलब्ध नही होता जहां मरीज व उनके तीमार्दारो द्वारा निजी चिकित्सालय की अव्यवस्था व मनमानी वसूली के खिलाफ शिकायत कर सके। यहाँ के डॉक्टर खतरनाक है ताकतवर भी उसके आगे सामान्य आदमी की कोई हैसियत नहीं है। दो चार नर्सिंग होम को छोड़ दीजिए पूरे जिले में इस तरीके से निजी अस्पतालों के चिकित्सको उनके प्रबंधन का आतंक छाया हुआ है। मरीज को लापरवाही से मौत देने वाले ऐसे संस्थानों के खिलाफ कोई कार्यवाही भी नहीं हो रही चाहे पोस्टमार्टम रिपोर्ट खिलाफ हो चाहे डॉक्टर की लापरवाही सामने आए पर किसी प्रकार की कार्यवाही करने से पहले मैनेजमेंट का खेल सारे मामले को बदल देने को तत्पर दिखाई देता है। नदी पार का हत्यारा अस्पताल कहा जाने वाला एक संस्थान भी ऐसे मामले में मशहूर है। शहर के अधिकतर लोग जानते हैं कि अगर आपका मरीज गंभीर है और आप इस अस्पताल में भर्ती कराया तो उसे देवलोक जाने से कोई रोक नहीं सकता। यही नहीं इस अस्पताल में आपके साथ कोई घटना दुर्घटना हो जाए तो आप किसी का कुछ बिगाड़ भी नहीं सकते क्योंकि एक बड़ी ताकत बहुत मजबूती से इन्हें जनता व मरीजों तीमारदारो से वसूली का लाइसेंस देकर रखती है। खबर की सच्चाई के लिए आपको इन चिकित्सालयों में दी जाने वाली व्यवस्थाओं को गौर करना पड़ेगा जब आप इसकी निगरानी करेंगे तो आपको इस खबर की बाते और सच्चाई दोनों सामने दिखाई देगी। नर्सिंग होम की बिल्डिंग व उनके दावों पर न जाए।

अपनी अकल लगाए, जिला मेडिकल कॉलेज जाए, सस्ता व सही इलाज पाये

सुल्तानपुर स्वशाषी मेडिकल कॉलेज अपने स्वरूप बदल रहा है। यह दर्जनों योग्य व प्रशिक्षित डॉक्टर प्रतिदिन हजारों मरीजों का इलाज करते हैं। यहां की जांच गुणवत्तापूर्ण रहे इसके लिए आपको सरकार से मांग करनी होगी। यहां पैथोलॉजी और अल्ट्रासाउंड की बेहतर व्यवस्था हो इसके लिए आपको समय निकालना होगा सरकार को पत्र लिखना पड़ेगा। यकीन मानिए आपके नागरिक दायित्व से इस जिले की 26 लाख आबादी को फायदा होगा। जिला चिकित्सालय मेडिकल कॉलेज और तहसीलों पर मौजूद चिकित्सालय आपको व्यवस्था दें इसके लिए आपको खड़ा होना पड़ेगा। निजी नर्सिंग होम के खिलाफ आपको आवाज बुलंद करनी पड़ेगी यदि आप ऐसा करते हैं तो आप जिले के नागरिक माने जाएंगे कोशिश करिए आप अपने परिजनों को जिला चिकित्सालय में इलाज के लिए आए मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर के अनुभव का लाभ ले एक मुहिम चलाएं जिससे हमारी आपकी जिंदगी से खेलने वाले ऐसे नर्सिंग होम धीरे-धीरे बंद हो सके यह इन्हें भी अपने अंदर सुधार लाने की जरूरत महसूस हो। आखिर चिकित्सालय हमारी सेवाओं के लिए बना हुआ है।

भू माफियाओं व लेखपाल से प्रॉपर्टी डीलर बने लेखपालों पर कब पड़ेगी जिम्मेदारों की नजर

अवधनामा संवाददाता

सुल्तानपुर। जिस संपत्ति को पाने के लिए किसान जिले की आदलतो से लेकर माननीय उच्च न्यायालय तक का सफर न्याय पाने के लिए करता है,वही न्यायालयो में विचाराधीन भूखंड हो इसका असर भूमिया ओं व लेखपाल से प्रॉपर्टी डीलर बने लेखपालों पर कोई असर नहीं दिखता है। हां यह जरूर है कि जिस खतौनी पर अतिक्रमण हटवाने के लिए तहसील दिवस, समाधान दिवस, जिला अधिकारी, एसडीएम से किसान फरियाद लगाकर थक हार जाता है,उस संपत्ति को भू माफियाओं द्वारा चुटकी में लेखपाल को हमराह कर औने पौने दामो मे किसानों से खरीद कर पटापेक्ष कर दिया जाता है।शहरी क्षेत्रों मे तैनात लेखपाल व भू माफिया का काकस इतना मजबूत है कि समस्याओं के निराकरण के लिए जिले के किसी भी अधिकारी से चाहे जितनी न्याय की गुहार लगाई जाए परंतु भू माफियाओं व लेखपालों के काकस के आगे शिकायतें सिर्फ कागज का घोड़ा साबित होती है। इसकी बानगी शहर के हर चौराहा व ग्रामीण क्षेत्रों में छुट भैया ईटा गारा कर दिहाडी मजदूरी करने वाले भी लेखपालों के संरक्षण में बनकर बैठे हैं प्रॉपर्टी डीलर जिस प्रकार बरसात में मेंढकों की आमद होती है, उसी प्रकार जिले में भू माफियाओ का गोरख धंधा फल फूल रहा है।सूत्र यहां तक की बताते हैं कि शहरी क्षेत्र में तैनात लेखपालों द्वारा अपने परिवारी जनों के नाम कई भूखंडों का बैनामा भी करवा लिया गया है।

लाभार्थी कृषक 7 दिवस के अन्दर पंजीकरण अवष्य कराएं

फिरोजाबाद, अवधनामा संवाददाता। डा0 संजीव कुमार वर्मा जिला उद्यान अधिकारी फिरोजाबाद की सूचनानुसार जनपद फिरोजाबाद में अनुसूचित जाति/जनजाति हेतु औद्यानिक विकास योजना (राज्य सेक्टर) वर्ष 2025-26 के कार्यक्रम कुकरविट्स (खरीफ) 03 है0, कुकरविट्स (जायद) 05 है0, टमाटर (खरीफ) 03 है, टमाटर (रबी) 03 है0, शिमला मिर्च (रबी) 01 है0, मसाला मिर्च (खरीफ) 04 है0, मसाला मिर्च (रबी) 04 है0, प्याज (खरीफ) 02 है0, गुलाब देशी (रबी) 1 है0, गेंदा (रबी) 01 है0, आई0पी0एम0 (रबी) 05 है0, व मौनवंश 25 बॉक्स के लक्ष्य प्राप्त हुये हैं, इच्छुक कृषक लाभ प्राप्त करने हेतु उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के पारदर्शी किसान सेवा योजना पोर्टल कइज.नचीवतजपबनसजनतम.पद पर योजनाओं के लिए ऑन लाइन पंजीकरण जनसेवा केन्द्र, लोकवाणी केन्द्र या जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में पंजीकरण कराकर अपने सभी दस्तावेज कार्यालय में 7 दिवस के अन्दर जमा करना अनिवार्य है। अधिक जानकारी हेतु किसी भी कार्य दिवस में जिला उद्यान अधिकारी कक्ष सं0 218, 221 द्वितीय तल, विकास भवन, दबरई, फिरोजाबाद में सम्पर्क कर सकते हैं। दूरभाष संख्या- 05612-285092, 7453841198, 8439898689 हैं।

बेसिक शिक्षा विभाग के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का हुआ शुभारम्भ एवं लोकार्पण

फिरोजाबाद, अवधनामा संवाददाता। मुख्यमंत्री के कर कमलों से बेसिक शिक्षा विभाग के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का शुभारंभ एवं लोकार्पण लोक भवन लखनऊ में आयोजित किया गया, इस दौरान विगत 8 वर्षों में उत्तर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था की उपलब्धियों के संबंध में लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया, यहां आयोजित कार्यक्रमों का लाइव प्रसारण प्रदेश के समस्त जनपदों में भी देखा गया, इस क्रम में जनपद फिरोजाबाद में भी जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में किया गया, जनप्रतिनिधियों के अलावा इस कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष पांडे एवं समस्त विद्यालयों से आए शिक्षकों ने भी प्रतिभाग किया, इस कार्यक्रम में रविकांत, खालिद हुसैन, नीरज सिंह, रीमा यादव, ज्योति राठौर, रागनी राठौर, सोमेश यादव, राजीव कुमार, कल्पना यादव, सोनाली यादव, पूनम राजपूत, विनीता राही इत्यादि शिक्षकों को प्रमाण पत्र और टैबलेट देकर सम्मानित किया।इस अवसर पर बोलते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने कहा कि शिक्षा की बेहतरी के लिए हम क्या कर सकते हैं, इसका सदैव प्रयास करना चाहिए, शिक्षा ही वह माध्यम है, जिसके द्वारा हम विश्व में अपने देश को और आगे, शीर्ष पर ले जा सकते हैं, इसलिए जरूरी है कि सभी शिक्षक अपने कर्तव्यों का निष्ठा पूर्वक निर्वहन करें, ताकि आने वाले समय में हम अपने देश को अग्रणी देशों की श्रेणी में ले जा सकें, इस अवसर पर बोलते हुए मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य ने कहा कि हमारे जनपद के शिक्षक कई क्षेत्रों में आगे हैं और बच्चों को भी आगे ले जाने के लिए सतत प्रयत्नशील है, इस समय समर कैंप जगह-जगह विद्यालय में चलाए जा रहे हैं, जिसमें बच्चों की रचनात्मक क्षमता को निकालने का प्रयास किया जा रहा है, इसका उद्देश्य है कि बच्चों की प्रतिभा शिक्षा के अलावा अन्य क्षेत्रों में भी निखर कर सामने आए। शिक्षकों के हाथों में भविष्य की पीढ़ीयां का भविष्य निहित है, इसलिए हमारी उम्मीद है कि सभी शिक्षक निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे और जनपद की शिक्षा के स्तर को नई ऊंचाइयां प्रदान करेंगे, जिससे यहां के बच्चे आगे निकलकर विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए, देश की प्रगति में अपना योगदान दे सकें।

वट सावित्री व्रत पर महिलाओं ने पूजा अर्चना कर मांगी मनौती

अवधनामा संवाददाता

टूंडला। वट सावित्री व्रत के अवसर पर महिलाओं ने बरगद के पेड़ की पूजा-अर्चना की। यह व्रत पति की दीर्घायु के लिए किया जाता है। कई स्थानों पर महिलाओं ने सामूहिक रूप से पूजा में भाग लिया। हिंदू धर्म में बरगद का वृक्ष पूजनीय माना जाता है। इस दौरान महिलाओ ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार इस वृक्ष में सभी देवी-देवताओं का वास होता है। इस वृक्ष की पूजा से अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। वृक्ष के तने के चारों ओर कच्चा धागा लपेटा तथा पूजन सामग्री में सावित्री-सत्यवान की मूर्तियां, धूप, दीप और घी शामिल थे। साथ ही बांस का पंखा, लाल कलावा और सुहाग का सामान भी रखा गया। कच्चा सूत, भिगोया हुआ चना, बरगद का फल और जल से भरा कलश भी पूजा में उपयोग किए गए। व्रती महिलाओं ने सावित्री और सत्यवान की पूजा की। बरगद की जड़ में जल अर्पित किया। वृक्ष के तने के चारों ओर कच्चा धागा लपेटा। तीन बार परिक्रमा की। बड़ के पत्तों के गहने पहनकर वट सावित्री की कथा सुनी। भीगे हुए चनों का बायना निकाला। नगद रुपए रखकर सास के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रही।

बाँदा मे सरकार की छवि को बिगाड़ रहा है परिवहन विभाग

अवधनामा संवाददाता

बाँदा। परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली पर इन दिनों सवाल उठने लगे हैं। एक ओर विभाग ई-रिक्शा चालकों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए उनके वाहन सीज कर रहा है, वहीं दूसरी ओर बिना परमिट एक राज्य से दूसरे राज्य में संचालित हो रही बड़ी प्राइवेट बस कंपनियों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। राजकल्पना और साई आनंद जैसी प्राइवेट बस ऑपरेटर कंपनियां बिना वैध परमिट के प्रदेशों की सीमाएं पार कर रही हैं, लेकिन परिवहन विभाग की ओर से इन पर कोई सख्त कदम नहीं उठाया गया है। माना जा रहा है कि विभाग और इन बस ऑपरेटरों के बीच गहरे संबंध हैं, जिसके चलते कार्रवाई की हिम्मत नहीं की जा रही।

इसके उलट, छोटे गरीब ई-रिक्शा चालकों पर विभाग का डंडा लगातार चल रहा है। रिक्शा सीज होने से उनके सामने रोज़ी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। पीड़ित चालक सरकार से नाराज़ हैं और उनका कहना है कि प्रशासन केवल गरीबों पर कार्रवाई कर रहा है, जबकि बड़े रसूखदारों को छूट दी जा रही है। रिक्शा चालकों का यह भी कहना है कि सरकार की यह नीति गरीब विरोधी है और इससे आम जनता में शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास कमजोर हो रहा है। लोगों का विश्वास है कि कानून सबके लिए समान होना चाहिए, लेकिन वर्तमान हालात कुछ और ही कहानी बयां कर रहे हैं।

अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस असंतुलन को कैसे दूर करता है और क्या प्राइवेट बस ऑपरेटरों पर भी वही सख्ती दिखाई जाएगी जो ई-रिक्शा चालकों पर बरती जा रही है। मीडिया मे समाचार चलने पर गुजरात जाने और आने वाली बसो पर कार्यवाही कर ये संदेश देने की कोशिश की गयी कि हमने प्राइवेट बस संचालको पर शिकंजा कसा है परंतु राजकल्पना और साई आनंद जैसी बस आपरेटरो पर कार्यवाही क्यो नही कर रहे है जबकि दोनो की बसो पर बिना परमिट सहित कई धाराओ मे दर्जनो चालान पेंडिग पडे है फिर भी इन पर मेहेरबानी क्यो है ये तो आने वाले समय मे पता चल जायेगा।

■ आम जनमानस मे छाया रोष

■ प्राइवेट बस ऑपरेटरों पर मेहरबानी, ई-रिक्शा चालकों पर सख्ती: परिवहन विभाग की दोहरी नीति पर उठ रहे है सवाल

अनिल अध्यक्ष और ब्रजेश महासचिव नियुक्त

शिकोहाबाद। वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति की एक बैठक यंग स्कालर्स एकेडमी में आयोजित की गई। जिसमें समिति की नवीन कार्यकारिणी का चुनाव कराया गया। चुनाव अधिकारी श्रीनारायण दीक्षित, रत्नेश कुमार कुलश्रेष्ठ एवं अरविंद तिवारी के नर्देशन में चुनाव संपन्न हुआ। जिसमें सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चुनाव किया गया। समिति के सदस्यों ने सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के लिए अनिल कुमार शर्मा, महासचिव पद के लिए ब्रजेश कुमार उपाध्याय, उपाध्यक्ष श्याम मोहन गर्ग और कोषाध्यक्ष के पद पर हरिओम दुबे को निर्वाचित घोषित किया गया। इस प्रक्रिया में समिति के 145 सदस्यों में से 77 सदस्यों ने भाग लिया। वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति शिकोहाबाद के अध्यक्ष ने अपनी पुरानी कार्यकारिणी का चुनाव के उपरांत त्याग पत्र दे दिया। इस अवसर पर मौजूद सदस्यों एवं चुनाव अधिकारियों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष, महासचिव, उपाध्यक्ष और कोषाध्यक्ष का पुष्प माला पहना कर स्वागत किया।

बेसिक शिक्षा की विभिन्न योजनाओं का मुख्यमंत्री ने किया वर्चुअल लोकर्पण एवं शिलान्यास

सम्मानित किये गये शिक्षक, शिक्षामित्र व अनुदेशक

■ विकास भवन सभागार में कार्यक्रम का हुआ सजीव प्रसारण

अवधनामा संवाददाता

बहराइच। लोक भवन, लखनऊ में आयोजित वृहद समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा वर्चुअल माध्यम से बेसिक शिक्षा विभाग अन्तर्गत महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का लोकार्पण/शिलान्यास/ शुभारम्भ किया गया तथा शिक्षा विभाग से सम्बन्धित महत्वपूर्ण कार्यक्रमों जैसे निपुण घोषित हो चुके विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों/शिक्षकों को प्रमाण पत्र वितरण, टैबलेट वितरण एवं विद्यालयों में स्मार्ट क्लास का सफलतापूर्वक संचालन करने वाले प्रधानाध्यापकों/शिक्षकों को प्रमाण पत्र एवं वर्तमान शैक्षिक सत्र में नवाचार के रूप प्रारम्भ किये गये समर कैप में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षक/शिक्षामित्र/अनुदेशकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विकास भवन में आयोजित समारोह में मा. मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया तथा कार्यक्रम में समर कैंप, पीएम श्री विद्यालय, निपुण विद्यालय के अंतर्गत ब्लॉक वार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 42 शिक्षकों को भाजपा जिला अध्यक्ष बृजेश पांडे, एमएलसी प्रज्ञा त्रिपाठी, सदर विधायक श्रीमती अनुपमा जायसवाल के प्रतिनिधि शिवम जायसवाल, जिलाधिकारी मोनिका रानी व मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चंद्र द्वारा अंगवस्त्र व प्रशस्ति पत्र तथा जूनियर हाईस्कूल के 05 शिक्षकों को टैबलेट देकर सम्मानित किया गया। जबकि विकास खण्ड तेजवापुर के उच्च प्राथमिक विद्यालय कमोलिया खास की आँचल श्रीवास्तव को मा. मुख्यमंत्री जी द्वारा लोकभवन में आयोजित समारोह में सम्मानित किया गया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह ने बताया कि वर्चुअल कार्यक्रम के दौरान डीबीटी के अंतर्गत अभिभावकों के खातों में धनराशि का अंतरण, उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों के लिए 853 टेबलेट का वितरण, मुख्यमंत्री अभ्युदय कंपोजिट विद्यालय के अंतर्गत पयागपुर में विद्यालय का शिलान्यास और मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय के अंतर्गत ब्लाक तेजवापुर में प्री प्राइमरी से लेकर कक्षा 12 तक का अत्याधुनिक विद्यालय की स्थापना की जाएगी। उन्होंने बताया कि जनपद हेतु जूनियर हाईस्कूल में 853 शिक्षकों के लिए टैबलेट प्राप्त हो गये हैं। उन्होंने बताया कि टैबलेट वितरण के माध्यम से जहां सभी विद्यालयों को डिजिटल इंडिया से जोड़ा जा रहा है वहीं पर विद्यालयों के समस्त गतिविधियों को ऑनलाइन संचालित किए जाने में मदद मिलेगी। बीएसए ने बताया कि कस्तूरबा गांधी विद्यालयों को उच्चीकृत करने पर बल दिया गया। जिसके अंतर्गत ब्लाक तेजवापुर में व चितौरा में दो विद्यालयों को उच्चीकृत किया गया है तथा मिहींपुरवा और शिवपुर में अतिरिक्त डॉरमेट्री की व्यवस्था की गई है। जिससे वहां के बच्चियों को सुरक्षित और बेहतरीन सुविधा के साथ आवासीय व्यवस्था प्रदान की जा सके। इस अवसर पर वित्त एवं लेखाधिकारी वीरेश वर्मा सभी ब्लॉकों के खंड शिक्षा अधिकारी तथा विद्यालयों के शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारी सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

मुख्य कारखाना प्रबंधक, सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ निम्न कार्य के लिए ई–निविदा आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नाम	इंटीरियर एन्ड एक्सटीरियर पेंटिंग वर्क ऑफ एन.एम.जी.एच.एस./एन.एम.जी. एच.एस.आर. कोचेस।		
कार्यस्थल	सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ	अनुमानित लागत	₹ 4,33,10,961.00
निविदा प्रपत्र का मूल्य	शून्य।	बिड सिक्युरिटी	₹ 3,66,600/- मात्र
कार्य पूर्ण करने की अवधि	02 वर्ष	निविदा जमा करने की तिथि एवं समय	दिनांक 03.06.2025 से 17.06.2025 समय 15:00 बजे
प्रमाण पत्र	फर्म के सभी Members द्वारा ANNEXURE-A, (यदि Company/ Proprietorship फर्म है) के साथ Annexure A(a) (यदि Proprietorship/ HUF/JV/ LLP फर्म है) के अनुरूप प्रमाणपत्र अवश्य अपलोड किया जाना चाहिए।		
खुलने का समय	निविदा फार्म जमा होने के पश्चात् निविदा को किसी भी समय खोला जायेगा। निविदाकर्ताओं को निविदा खुलने के दौरान उपस्थित रहने की आवश्यकता नहीं है।		
कार्यालय जहाँ से निविदा प्रपत्र क्रय किया जा सकता है।		निविदा सूचना एवं प्रपत्र का पूर्ण विवरण नियम व शर्तों सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।	
वेबसाइट विवरण जहाँ निविदा का पूरा विवरण आदि देखा जा सकता है			

निविदा सूचना सं.: 2025-ए.एम.वी.-सी एंड डब्ल्यू-ईनिविदा-35 दिनांक: 24.05.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1537/2025

मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय सभागार में कन्या भ्रूण हत्या जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

■ लिंग परीक्षण वाले सेंटर का नाम बताने वाले को तीन लाख प्रोत्साहन राशि

अवधनामा संवाददाता

शाहजहांपुर। सरकार कन्या भ्रूण हत्या को लेकर प्रचार प्रसार और प्रोत्साहन राज के रूप में एक बड़ा बजट खर्च कर रही है स्वास्थ्य विभाग इसको लेकर जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित कर रहा है इसी इसी क्रम में सोमवार को जनपद न्यायाधीश /अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शाहजहांपुर विष्णु कुमार शर्मा के निर्देशानुसार कन्या भ्रूण हत्या के विषय पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन ''सभागार मुख्य चिकित्सा अधिकारी , शाहजहांपुर कार्यालय सभागार में आयोजित किया गया। शिविर की अध्यक्षता अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी पी.पी. श्रीवास्तव ने की श्रीवास्तव द्वारा कन्या भ्रूण हत्या पर चर्चा करते हुए बताया गया कि गर्भ में पल रहे बच्चे का लिंग परीक्षण करवाना कानूनन अपराध है की विस्तृत जानकारी दी एवं कन्या भ्रूण को रोकने की सहभागिता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कोई भी यदि जहा भी कन्या भ्रूण की जांच से सम्बंधित अल्ट्रासाउंड होते है उस सेंटर की जानकारी देगा उसकी पहचान गुप्त रखी जाएगी और विभाग द्वारा तीन लाख की प्रोत्साहन राशि भी दी जाएगी। डिप्टी सी0एम0ओ0 करन सिंह द्वारा कन्या भ्रूण हत्या पर विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इसके कारण लिंग अनुपात में अंतर आ रहा है जिसके लिए महिलाओं को जागरूक होने की आवश्यकता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से पैरा विधिक स्वयं सेवक अनिल कुमार वर्मा द्वारा ने कहा कन्या भ्रूण हत्या के मामलों में पाये जाने वाले दोषी को आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है तथा इस प्रकार के अपराध में जमानत भी आसानी से नहीं होती है।

दुकानों में चल रहे अवैध प्रसव केंद्रों को स्वास्थ्य विभाग दे रहा बढ़ावा

एक तरफ स्वास्थ्य विभाग कन्या भ्रूण हत्या को लेकर लोगों को जागरुक कर रहा है वहीं दूसरी तरफ गांव-गांव दुकानों में चल रहे प्रसव केंद्रों को क्षेत्रीय स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी संरक्षण और बढ़ावा दे रहे हैं इसी का फायदा उठाकर चोरी चुपके अल्ट्रासाउंड सेंटर पर लिंग परीक्षण करा कर लोग इन्हीं अवैध प्रसव केंद्रों पर गर्भपात करा देते हैं जिसकी स्वास्थ्य विभाग को भनक भी नहीं लगती भावल खेड़ा ब्लॉक क्षेत्र के बरतारा में दुकान के अंदर अवैध रूप से चल रहे लाइफ केयर प्रसव केंद्र पर 17 मई को गर्भपात के दौरान महिला की मौत हो गई स्वास्थ्य विभाग में झोलाछाप नोडल अधिकारी राजीव कुमार भारती ने जांच पड़ताल की और सांठ-गांठ के चलते नोटिस में प्रसव केंद्र का जिक्र तक नहीं किया आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई और यह अवैध प्रसव केंद्र फिर धड़ल्ले से चलने लगा है आखिर भ्रूण हत्या पर कैसे रोक लगेगी।

2 वांछित गैंगस्टर पुलिस गिरफ्त में

फिरोजाबाद, अवधनामा संवाददाता। थाना मक्खनपुर पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 120/2025 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट में वांछित 02 अभियुक्तगणों को गिरफ्तार किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद द्वारा अपराध व अपराधियों पर अंकुश लगाये जाने हेतु जनपद

में चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निकट पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी शिकोहाबाद के कुशल नेतृत्व में थाना मक्खनपुर पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 120/2025 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट में वांछित 02 अभियुक्तगण 20 वर्षीय निखिल पाराशर पुत्र भूरेलाल पाराशर निवासी ग्राम मीतपुरा थाना फरिहा जनपद फिरोजाबाद, 23 वर्षीय अनूप कुमार शर्मा उर्फरूद्रा पण्डित पुत्र सुनील शर्मा निवासी ग्राम श्रीराम गढी थाना नारखी जनपद फिरोजाबाद को कोटला पुल के नीचे थाना रामगढ़ से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तगण की गिरफ्तारी के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्र0नि0 अनिल कुमार सिंह, उ0नि0 यशपाल सिंह, उ0नि0 अरविन्द कुमार, का0 32 दीपक कुमार, का0 1362 भूपेन्द्र सिंह थाना मक्खनपुर जनपद फिरोजाबाद सम्मिलित रहे।

कार्यालयः अधिशासी अभियन्ता जोन-6 बालागंज, जलकल विभाग, नगर निगम, लखनऊ

अल्प कालीन निविदा–सूचना

जलकल विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु अल्पकालिक निविदाये आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में दिनाँक 02/06/2025 को अपरान्ह 3.00 बजे तक अधिशासी अभियन्ता, जोन-6 कार्यालय के कैश काउन्टर से प्राप्त किये जा सकते है। सील्ड निविदायें दिनाँक 02/06/2025 को अधिशासी अभियन्ता, जोन-6 के कार्यालय में अपरान्ह 3:30 बजे तक सील्ड टेण्डर बाक्स से प्राप्त की जायेगीं। प्राप्त सभी निविदायें दिनाँक 02/06/2025 को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष 4:00 बजे अधिशासी अभियन्ता, जोन-6 के कार्यालय में खोली जायेंगी। एक या समस्त निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार बिना कारण बताये महाप्रबन्धक, जलकल विभाग में निहित होगा। पूर्ण विवरण कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में देखा जा सकता है। कार्यालय में अवकाश होने की दशा में निविदायें उसी क्रम में समययानुसार अगले कार्य दिवस में खोली जायेंगी।

क्र. सं.	कार्य का नाम	धरोहर राशि	निविदा मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Reboring of 1.50 HP Submersible Pump 01 Nos near H.No 448/713 Professor Colony, Daulatganj, LKo	3300.00	Rs.200	07 दिवस
2	Reparing of 1.50 HP Submersible Pump 12 Nos at different places of Balaganj, Kanhiya Madhopur Ist Ward, Shadatganj Ward and Lalji Tandon Ward, Lko.	5100.00	Rs.300	07 दिवस

पत्रॉक : 10/ई0ई0-6/एल0जे0एस0
दिनॉक - 26/05/2025

अधिशासी अभियन्ता, जोन–6
जलकल विभाग, नगर निगम, लखनऊ

इनाम पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। डाक्टर मुहम्मद ऐनुम नईम ऐजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी व दरगाह चिश्तिया नईम मियां, मस्जिद डाक्टर बन्ने मियां के ज़ेरे अहतमाम सात दिन तक चलने वाले इस्लामिक समर कैम्प के फाईनल विंग जुनियर के विजेता बने अंजुमन हिदायतुल इस्लाम हाई स्कूल के मुहम्मद अयाज़ पुत्र रियाजुद्दीन फर्स्ट पोजीशन के विजेता जिन्होंने कंप्यूटर पाकर नाम रौशन किया। दुसरे पोजीशन के विजेता डाक्टर ज़ाकिर हुसैन स्कूल के मुहम्मद सऊद अंसारी पुत्र मुहम्मद आशिक जिन्होंने साईकल हासिल की वही तीसरे छात्र इटावा पब्लिक स्कूल के सक्लैन पुत्र शफीकुद्दीन जिन्होंने स्टडी टेबल हासिल की। वही विंग प्राईमरी से इस्लामिया प्राईमरी स्कूल के उज़ैर हुसैन पुत्र अल्ताफ हुसैन ने फर्स्ट पोजीशन पर साईकिल दुसरे स्थान पर सेंट मैरी इंटर कॉलेज के मुहम्मद आसिम पुत्र मुहम्मद शरीफ ने स्टडी टेबल व तीसरे स्थान पर इस्लामिया प्राईमरी स्कूल अबु बक़र पुत्र माजिद ने स्कूल बेग हासिल किया। विंग जुनियर के टॉप सात को मिला स्कूल बेग विंग प्राईमरी के टॉप 3 छात्रों को भी मिला स्कूल बेग। समर कैम्प में शामिल होने वाले सभी बच्चों को स्कूल बॉक्स देकर हौशला अफजाई कि बच्चों के साथ आए उनके पैरेंट्स और शहर की आवाम भी इस फाईनल में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता मौलाना सय्यद मुहम्मद अख़्तर मियां चिश्ती आस्ताना चिश्तिया समदिया फफूंद शरीफ ने की जिसमें शहर के मौलाना वाज़िद अशरफी, रौनक अशरफी इटावी, हाफिज़ अरशद, हाफिज कैफ रज़ा, हाफिज मुहम्मद अहमद अकबरी, हाफिज़ रहमानी, मौलाना नाज़िम रज़ा व अन्य लोग शामिल हुए। खास बात इस कैम्प के ट्रेनर रहे मस्जिद डाक्टर बन्ने मियां के पेश इमाम मौलाना हाफिज़ व क़ारी फुरकान रज़ा ने अपनी मुहब्बतों से पुरे सात रोज़ बेहतरीन तरीके से प्रैक्टिकल तौर पर बच्चों को इल्म सिखाया साथ रहे मस्जिद डाक्टर बन्ने मियां के नायब इमाम आसिफ चिश्ती ने अपना किमती वक्त देकर बच्चों की दीनी खिदमात को अंजाम दिया। वही डाक्टर मुहम्मद ऐनुम नईम ऐजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी ने आए हूए सभी बच्चों व अहवाब का शुक्रिया अदा किया।

जिला वृक्षारोपण समिति, पर्यावरण समिति एवं गंगा समिति की बैठक सम्पन्न

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह की अध्यक्षता में आज विकास भवन सभागार में जिला वृक्षारोपण समिति, पर्यावरण समिति एवं गंगा समिति की बैठक की गयी, बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वृक्षारोपण हेतु जिन विभागों को जो भी लक्ष्य दिये गये हैं, वह उसके अनुरूप गढ्ढा खुदाई का कार्य ससमय कर लें, हरीतिमा ऐप पर लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत जीओ टैगिंग कराना सुनिश्चित करें, समस्त राजकीय, निजी स्वास्थ्य केन्द्रों, अस्पतालों तथा पशु चिकित्सालयों में उत्पन्न होने वाले जैव चिकित्सा अपशिष्ट मानक के अनुसार निस्तारित किया जाये, उद्योगों द्वारा खतरनाक अपशिष्ट को नदियों व तालाबों में जाने से रोकने हेतु प्रभावी कार्यवाही की जाये, खनिज परिवहन से उत्पन्न होने वाले फ्लाईऐस के नियंत्रण हेतु प्रभावी कार्यवाही की जाये, नदियों को स्वच्छ निर्मल व अविरल रखने हेतु जागरूकता अभियान चलाया जाये, कृषि विभाग द्वारा सोन नदी के किनारे बसे गांवो में किसानो को आरगैनिंक प्राकृतिक खेती हेतु जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाये।

डॉ. सैयद फैज़ान ने किया जनपद इटावा का नाम रोशन

- सुपर स्पेशिलिटी यूरो सर्जन में हुआ चयन

वहाज अली निहाल

इटावा। डाक्टर सैयद फ़ैज़ान अहमद एमबीबीएस, एमएस (जर्नल सर्जन) केजीएमयू लखनऊ का चयन ऑल इंडिया नीट से वरिष्ठता क्रम में सुपर स्पेशिलिटी यूरो सर्जन पर हुआ। इस उपलब्धि पर उनके ग्रह जनपद इटावा में हर्ष की लहर दौड़ गई हजारों लोगों ने उन्हें बधाई दी। जनपद इटावा के होनहार डाक्टर सैयद फ़ैज़ान अहमद को इटावा से पहला यूरोलॉजी एण्ड किडनी ट्रांसप्लांट सर्जन होने का सौभाग्य प्राप्त होगा जो जनपद के लिए बड़ी उपलब्धि है। डाक्टर सैयद फ़ैज़ान अहमद पूर्व प्रशासनिक अधिकारी स्वास्थ्य विभाग एवं कार्यवाहक जिलाध्यक्ष राज्य कर्मचारी सयुंक्त परिषद रिज़वान अहमद के पुत्र तथा प्रधानाचार्य इस्लामियां इंटर कालेज गुफ़रान अहमद के भतीजे हैं। इस मौक़े पर गणमान्य नागरिकों ने अपने आशीर्वाद दुआओ और बधाई से उन्हें नवाज़ा। बधाई देने वालों में पूर्व मंत्री एवं पूर्व सांसद सुखदा मिश्रा, डा.सूर्यकांत एचओडी केजीएमयू लखनऊ, डा.आदेश कुमार पीजीआई सैफई, पूर्व सीएमओ भगवान दास, पूर्व सीएमओ शकील हैदर जायसी, डा.कुलदीप आदिम, आईएमए अध्यक्ष डा.डीके दुबे, डा.के एस भदौरिया, डा.बीके मिश्रा, डा. अबूबक्र अंसारी, डा. रवि शर्मा, डा. अभिनव दुबे, डा.प्रशांत मिश्रा, डा. कुश महरोत्रा, डा.आनन्द कुशवाहा, डा.पीयूष तिवारी, डा.कुश चतुर्वेदी, अवध किशोर बाजपेयी, जिला अध्यक्ष राज्य कर्मचारी सयुंक्त परिषद राजेश मिश्रा, अध्यक्ष शिक्षक संघ विनोद यादव, प्रदीप सक्सेना, रामतेज यादव, रौनक इटावी, प्रधानाचार्य संजय शर्मा प्रधानाचार्य उमेश यादव, प्राचार्य डा.शैलेन्द्र शर्मा, राहत अक़ील, शावेज़ नक़वी, इबाद रिज़वी, फ़ीरोज़ अंसारी, प्रेम किशन पाल एड., गुरु प्रसाद द्विवेदी एड., आशुतोष दीक्षित एड., राज कुमार वर्मा, मनीषा सिंह, पल्लवी दुबे, शालिनी गुप्ता, विनीता गुप्ता, अंजना सक्सेना, मनोज जैन आदि प्रमुख हैं।

संक्षिप्त समाचार

इस्लामिक समर कैंपः मोहम्मद अयाज़ आये अव्वल

इटावा,अवधनामा ब्यूरो। डॉ.मोहम्मद ऐनुन्नईम एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी की ओर से 18 से 25 मई तक सात दिवसीय इस्लामिक समर कैंप का आयोजन किया गया जिसमें शहर की प्राचीनतम शिक्षण संस्था अंजुमन हिदायतुल इस्लाम हाई स्कूल के होनहार छात्र मोहम्मद अयाज़ कक्षा 9 के ने सभी प्रतियोगी छात्रों को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान प्राप्त किया। उक्त जानकारी प्रधानाचार्य शाहनवाज अतहर ने दी। उन्होंने बताया कि छात्र मोहम्मद अयाज को साहिबे सज्जादा हजरत अल्लामा सैयद मोहम्मद अख्तर मियां साहब क़िबला आस्ताना आलिया समदिया दारुल खैर फफूंद शरीफ के हाथों से पहले पुरस्कार के रूप में कंप्यूटर प्रदान किया गया। प्रधानाचार्य शाहनवाज अतहर और समस्त स्टाफ की ओर से छात्र को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। प्रधानाचार्य ने बताया गया कि इस संस्था के छात्र न केवल शिक्षा, चिकित्सा, न्यायपालिका, इंजीनियरिंग बल्कि दीन की खिदमत में भी अपने हुनर दिखा कर विद्यालय का नाम रौशन कर रहे है। शहर के मदरसा वारसिया तालीमुल कुरान कटरा साहब खान के प्रबंधक मौलाना मुहम्मद जाहिद रजा व शहर के उलमाए इकराम आदि ने अयाज़ को बधाई दी।

चंडौत में बेतवा पुल की बदहाल स्थिति, सरिया दिखने से हादसे का खतरा

सरीला, अवधनामा संवाददाता। राठ-कालपी मार्ग पर चंडौत गांव के पास बेतवा नदी पर बना पुल जर्जर हालत में पहुंच गया है। पुल के स्लैब की ऊपरी परत उखड़ने से सरिया दिखाई देने लगा है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। मौरंग लदे ओवरलोड ट्रकों के कारण न केवल सड़कें, बल्कि नदियों पर बने पुल भी क्षतिग्रस्त हो रहे हैं।लगभग 20 वर्ष पहले सेतु निगम द्वारा निर्मित इस पुल में जगह-जगह बड़े गड्ढे हो गए हैं। वाहन चालकों को दुर्घटना के डर के बीच वाहन चलाना पड़ रहा है। यह पुल कानपुर, कालपी, उरई, झांसी, दिल्ली और इटावा जैसे स्थानों के लिए प्रतिदिन सैकड़ों लोगों के आवागमन का प्रमुख मार्ग है।पीडब्ल्यूडी विभाग की अनदेखी के चलते पुल की मरम्मत पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से शीघ्र मरम्मत की मांग की है ताकि किसी बड़े हादसे को रोका जा सके।

खेत में खून से लथपथ महिला का शव मिलने से सनसनी

हमीरपुर, अवधनामा संवाददाता। मेरापुर ग्राम में नहर किनारे खेतों में एक महिला का खून से लथपथ शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। अज्ञात हमलावरों ने पत्थर से वार कर महिला की हत्या की। सूचना मिलते ही सदर कोतवाली पुलिस, पुलिस अधीक्षक डॉ. दीक्षा शर्मा, डॉग स्क्वायड और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और साक्ष्य संकलन शुरू किया। मृतका की पहचान सरिता निषाद (30 वर्ष), पत्नी स्वर्गीय रामसहारे निषाद, निवासिनी गौरा देवी, सदर कोतवाली, हमीरपुर के रूप में हुई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि परिजनों से तहरीर प्राप्त कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। जांच जारी है।

पायलट दिवस पर एंबुलेंस पायलट्स का सम्मान

हमीरपुर, अवधनामा संवाददाता।जनपद में सोमवार को 108 और 102 एंबुलेंस सेवाओं के कर्मचारियों ने पायलट दिवस धूमधाम से मनाया। पायलट्स ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। इस अवसर पर बेहतर कार्य करने वाले पायलट्स को सम्मानित किया गया।108 और 102 एंबुलेंस सेवा के जिला प्रभारी कपिल वार्ष्णेय और भूपेंद्र ने बताया कि ईएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विसेज की ओर से हर साल 26 मई को पायलट दिवस मनाया जाता है। यह आयोजन उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में किया जाता है। उन्होंने कहा कि पायलट्स एंबुलेंस सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाकर उनकी जान बचाते हैं। आपदा और आपात स्थितियों में भी उनकी सेवाएं अमूल्य हैं।ईएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विसेज के प्रेसीडेंट टीवीएसके रेड्डी ने पायलट्स को शुभकामनाएं देते हुए कहा, ÷एंबुलेंस पायलट इमरजेंसी सेवाओं की रीढ़ हैं। मेडिकल इमरजेंसी में हर पल कीमती होता है। ट्रैफिक, समय के दबाव और मरीज की नाजुक स्थिति के बीच पायलट जिस धैर्य और सूझबूझ से वाहन चलाते हैं, वह सराहनीय है। उनका योगदान किसी हीरो से कम नहीं। कार्यक्रम में भागवत, फूल चंद्र, मिथलेश, राजा बाबू, दीपू, निर्मल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

परशुराम सेवा ने पशु पक्षियों के लिए नांद रखवाये

इटावा, इकदिल/ अवधनामा ब्यूरो। परशुराम सेवा समिति उ.प्र.ने भीषण गर्मी को देखते हुए बेसहारा जानवर पशु-पक्षियों के लिए कस्बा इकदिल एवं ग्रामीण क्षेत्र में जगह जगह जल पात्र(नांद)रखवाये। परशुराम सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष डॉ.सुशील सम्राट ने बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए समिति ने जगह जगह जल पात्र रखवाने का निर्णय किया है जिसके तहत कस्बा इकदिल में पांच जगह, स्टेशन रोड़ पर दो जगह, चांदनपुर में पांच जगह, प्रकाश कोल्ड स्टोर के पास, सराय जलाल में दो स्थानों पर एकता कालोनी में एक स्थान पर, बृहमनगर इटावा में 3 स्थानों पर जल पात्र रखवाये। इस मौके पर संरक्षक हरि प्रकाश चौधरी, प्रदेश महामन्त्री विनय कुमार द्विवेदी, प्रदेश कोषाध्यक्ष राजेंद्र देव दुबे, धर्मेंद्र दुबे, राहुल प्रकाश दीक्षित, प्रधान हरीकिशन दीक्षित, नवीन मिश्रा, शिवेंद्र मिश्र, विशाल तिवारी, विवेक मिश्रा, वेदप्रकाश द्विवेदी आदि उपस्थित रहे। जिले भर में जल पात्र रखने का सिलसिला लगातार जारी रहेगा।

झलकी कला, संवेदना और सामाजिक संदेश की त्रिवेणी

अवधनामा संवाददाता

सोनभद्र/विंध्यनगर। एनटीपीसी विंध्याचल विंध्य क्लब द्वारा भोपाल के सुप्रसिद्ध शैडो ग्रुप के सहयोग से 11 से 25 मई 2025 तक आयोजित 15 दिवसीय थिएटर वर्कशॉप का सफल समापन परियोजना के उमंग भवन सभागार मे हुआ। इस अनोखे आयोजन का मुख्य आकर्षण रहा नाट्य प्रस्तुति ÷रंगायन ड्ड द मेलोडी ऑफ आर्ट÷, जिसने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इस वर्कशॉप में विंध्याचल परियोजना के कर्मचारियों और उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने मंच के माध्यम से कई महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों को उजागर किया– जैसे बच्चों में मोबाइल के अत्यधिक उपयोग को नियंत्रित करना, पारंपरिक खेलों को पुनर्जीवित करना, और महिलाओं की भूमिका व उनके त्याग को पहचानना। यह कार्यशाला केवल अभिनय सीखने का माध्यम नहीं रही, बल्कि प्रतिभागियों के भीतर संवेदनशीलता, आत्मअनुशासन और सामाजिक चेतना को भी जागृत करने वाली साबित हुई। कार्यक्रम के समापन समारोह में ई. सत्य फणि कुमार, कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे, जिनमें डॉ. बी.सी. चतुर्वेदी (मुख्य महाप्रबंधक- चिकित्सा), संजीब कुमार साहा (महाप्रबंधक- प्रचालन एवं अनुरक्षण), ए.जे. राजकुमार (महाप्रबंधक- अनुरक्षण व एडीएम), राजशेखर पाला (महाप्रबंधक- प्रचालन), अतिन कुंडू (महाप्रबंधक- परियोजना) और राकेश अरोड़ा, मानव संसाधन प्रमुख (विंध्याचल) शामिल रहे। इसके अतिरिक्त सारिका चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष (सुहासिनी संघ) और शिल्पा कोहली, महासचिव (सुहासिनी संघ) की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया।

गणमान्य अतिथियों ने प्रतिभागियों की कड़ी मेहनत, समर्पण और सामाजिक जागरूकता की प्रशंसा करते हुए थिएटर को एक सशक्त संवाद माध्यम बताया, जो न केवल मनोरंजन करता है बल्कि समाज को दिशा भी देता है। यह कार्यक्रम विंध्य क्लब की रचनात्मक सोच और आयोजन क्षमता का प्रत्यक्ष प्रमाण बना, जो आगे भी ऐसे प्रयासों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरणा देता रहेगा।

मोरवा में लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

सोनभद्र/सिंगरौली। रविवार को एनसीएल के केंद्रीय अस्पताल सिंगरौली ने मोरवा में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। शिविर के दौरान केंद्रीय अस्पताल की टीम ने स्थानीय सब्जी विक्रेताओं को नौतपा के समय लू से बचाव हेतु जानकरी प्रदान की। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों को लू से बचने के उपायों, जैसे पर्याप्त पानी पीने, हल्के कपड़े पहनने के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही भीषण गर्मी में डिहाइड्रेशन की समस्या से बचाव हेतु सभी को ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन) घोल का भी निःशुल्क वितरण किया गया। स्वास्थ्य शिविर में सीएमएस, केंद्रीय चिकित्सालय, डॉ. मंजरी मेहता, डॉ. ओम एवं टीम उपस्थित रहे। गौरतलब है कि एनसीएल द्वारा समय समय पर स्थानीय क्षेत्र के हर वर्ग तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के उद्देश्य से ऐसे अनेक शिविरों का आयोजन किया जाता रहा है।

लबीना जैन, अंतराष्ट्रीय कथक कलाकार, लखनऊ द्वारा कथक की विभिन्न प्रकार की मुद्राएं सिखाई

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। यश इंटरनेशनल स्कूल और पं. बिरजू महाराज कथक संस्थान, लखनऊ (संस्कृति विभाग उ0प्र0) के संयुक्त तत्वाधान में सोमवार 26 मई से 1 जून 2025 तक कथक नृत्य कार्यशाला का निःशुल्क आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ प्रशिक्षिका लबीना जैन, अंतराष्ट्रीय कथक कलाकार, लखनऊ, प्रबंधन सदस्य प्रशांत भदौरिया, प्रधानाध्यापिका श्रद्धा दुबे आदि के द्वारा की गई। कार्यशाला में सुबह 7:30 बजे से 9:30 बजे तक प्रशिक्षिका लबीना जैन, अंतराष्ट्रीय कथक कलाकार, लखनऊ द्वारा कथक की विभिन्न प्रकार की मुद्राएं सिखाई गई। जिसमे जनपद एवं अन्य विद्यालय के बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों ने भी बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। सभी बच्चें इस नई कला को सीखने के लिए काफी उत्तेजित नज़र आए। प्रतिभागियों के लिए विद्यालय की ओर से ट्रांसपोर्ट सुविधा भी निःशुल्क प्रदान की गई। प्रधानाध्यापिका श्रद्धा दुबे ने बताया कि यह ग्रीष्मकालीन कथक नृत्य कार्यशाला का आयोजन पं0बिरजू महाराज कथक संस्थान, लखनऊ (संस्कृति विभाग) उत्तर प्रदेश के द्वारा प्रदेश के हर जनपद के एक स्कूल मे आयोजित की जा रही है। जिसमे इटावा जनपद मे यश इंटरनेशनल स्कूल का नाम शामिल है।

उन्होंने बताया कि इससे जनपद के समस्त प्रतिभागियों को कथक कार्यशाला का लाभ मिलेगा एवं उनमे एक नई प्रतिभा का निर्माण होगा।

- इटावा में आयोजित हुई बिरजू महाराज कथक संस्थान, लखनऊ (संस्कृति विभाग उ.प्र.) द्वारा निः शुल्क कथक नृत्य कार्यशाला

समर कैम्प का निरीक्षण, शिक्षकों को सम्मानित किया गया

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। राज्यमंत्री रामकेश निषाद ने टेढ़ा गांव में समर कैम्प का निरीक्षण किया और वहां चल रही गतिविधियों की सराहना की। 26 मई 2025 को लखनऊ के लोकभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेसिक शिक्षा विभाग के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का लोकार्पण, शिलान्यास और शुभारंभ किया। इस अवसर पर हमीरपुर में डा. एपीजे अब्दुल कलाम सभागार में लाइव टेलीकास्ट के माध्यम से भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ।कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री रामकेश निषाद, जिला पंचायत अध्यक्ष जयंती राजपूत, सदर विधायक मनोज प्रजापति, राठ विधायिका मनीषा अनुरागी, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, भाजपा जिलाध्यक्ष, नगर पालिका अध्यक्ष कुलदीप निषाद और सांसद प्रतिनिधि सुरेंद्र तिवारी उपस्थित रहे।

मंत्री ने अपने संबोधन में विद्यालयों को उच्चीकृत करने और नवाचार को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में तकनीकी शिक्षा और स्मार्ट क्लास के माध्यम से छात्राओं के सर्वांगीण विकास की बात कही। इस दौरान शिक्षकों को टैबलेट वितरित किए गए, जिनमें अखिलेश शुक्ला, अभिषेक त्रिपाठी, अरुण भदौरिया, रणविजय सिंह, इरम शहिद जैसे शिक्षक शामिल रहे।समर कैम्प को प्रभावी ढंग से संचालित करने वाले शिक्षकों को सम्मानित कर किट प्रदान की गई, जिनमें नीरज कुमार पाल, अंकिता पाल, जीतेंद्र कुमार, शिवराम, सुमेलानाज, विनय पालीवाल, विनोद कुमार आदि शामिल थे। निपुण विद्यालय बनाने वाले शिक्षकों जैसे श्रीमती सरोज, सचिन खरे, साजिया, रवि कुमार प्रजापति, मिथुन भारती को प्रशस्ति पत्र दिए गए।स्मार्ट क्लास के माध्यम से प्रभावी शिक्षण के लिए जुरेंद्र पाल, दिया सिंह, नरेंद्र चौरसिया, जयनारायण, नरेश सिंह जैसे शिक्षकों को सम्मानित किया गया। राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं में 200 मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल जीतने वाली छात्रा रिया और उनके मार्गदर्शक पवन कुमार पाल, लंबी कूद में सिल्वर मेडल विजेता ऋषिकांत और उनके मार्गदर्शक अवधेश साहू गढ़ा को भी सम्मानित किया गया। जिला व्यायाम शिक्षक रावेंद्र सिंह गौर को विशेष मार्गदर्शन के लिए सम्मान मिला। जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री की आकांक्षी योजनाओं और बेसिक शिक्षा विभाग की योजनाओं को लागू करने का आश्वासन दिया और जनपद के निपुण विद्यालयों में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर बधाई दी।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आलोक सिंह ने विभागीय योजनाओं के शत-प्रतिशत क्रियान्वयन का भरोसा दिलाया और सभी अतिथियों का आभार जताया।कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी, जिला समन्वयक, प्रशिक्षण समन्वयक, शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

हत्या में वांछित दो अभियुक्तों गिरफ्तार

फिरोजाबाद। थाना नगला सिंघी व एसओजी/सर्विलांस पुलिस टीम द्वारा हत्या के अभियोग में वांछित अभियुक्त को पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से 01 तमंचा 315 बोर, 01 खोखा कारतूस एवं 01 जिंदा कारतूस, 01 मोटरसाईकिल बरामद की गयी। वादी द्वारा थाना नगला सिंघी पर तहरीर दी गयी कि 25-05-2025 को समय करीब शाम 4.30 बजे वादी व वादी के पिताजी अरविन्द यादव तथा भाई नितिन यादव अपने खेत पर ट्रैक्टर से खेत जोतने गए थे। उसी समय वादी के गांव के ही हुब्बलाल ,देवेन्द्र, भोला, रवि, विपन, मनीष, सन्नी व अन्य परिवार के लोगो द्वारा मौके पर आकर धारदार हथियार फावडा, बल्लम, फरसा से वादी पक्ष पर हमला कर दिया। जिसमें वादी के पिता अरविन्द यादव व भाई नितिन यादव की मौके पर ही मृत्यु हो गयी। वादी की तहरीर के आधार पर थाना नगला सिंघी पर मु0अ0सं0 52/2025 धारा 103(1),191(2),191(3), 190 बीएनएस पंजीकृत किया गया था।

मुख्यमंत्री के कर-कमलों से बेसिक शिक्षा विभाग के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के शुभारंभ

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। मुख्यमंत्री के कर कमलों द्वारा बेसिक शिक्षा विभाग के महत्त्वपूर्ण कार्यक्रमों का लोकार्पण /शिलान्यास का सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया, कलेक्ट्रेट सभागार में कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी मंत्री रवीन्द्र जायसवाल, जिलाधिकारी बी.एन. सिंह, पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने दीप प्रज्जवलन व मॉ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किये, इस दौरान मुख्यमंत्री के सम्बोधन का कलेक्ट्रेट सभागार में सजीव प्रसारण किया गया, इस मौके पर अनुसूचित जाति, जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष जीत सिंह खरवार, भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल गुप्ता, ब्लाक प्रमुख सदर अजीत रावत, विधायक घोरावल के प्रतिनिधि सुरेन्द्र मौर्या, पुष्पा सिंह महिला मोर्चा अध्यक्ष, सदर विधायक प्रतिनिधि विकास मिश्रा, जिला प्रभारी भाजपा अनिल सिंह, रमेश मिश्रा, पूर्व सांसद नरेन्द्र कुशवाहा सहित सम्मानित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं छात्र-छात्राओं ने मुख्यमंत्री के सम्बोधन को सुना। इस दौरान शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले शिक्षक/शिक्षिकाओं को प्रभारी मंत्री ने टैबलेट व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान मंत्री ने 5 स्मार्ट क्लास स्थापना, 5 आई.सी.टी. लैब, 5 समर कैम्प, 5 निपुण सम्मान प्रमाण-पत्र का वितरण भी किये।

इस दौरान प्रभारी मंत्री ने उपस्थित जनमानस को सम्बोधित करते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के नेतृत्व में बेसिक शिक्षा विभाग में शिक्षा व्यवस्था बेहतर हो रही है, मुख्यमंत्री ने आज डी.वी.टी. के माध्यम से छात्र-छात्राओं को ड्रेस, जूता, मोजा, स्वेटर, स्टेशनरी एवं स्कूल बैग आदि के लिए 1200 रूपये प्रति छात्र के हिसाब से बटन दबाकर धनराशि स्थान्तरित किया गया, जिसमें जनपद सोनभद्र में 1 लाख 50 हजार 653 वेरीफाई छात्रों को बैग, जूता, मोजा आदि के लिए प्रति छात्र 1200 रूपये की धनराशि स्थानान्तरित की गयी, जनपद में 11 पी.एम. विद्यालय की स्थापना की गयी है, जनपद में कुल 4 हजार 12 टैबलेट शिक्षक/शिक्षिकाओं में वितरित किया जा रहा है, उन्होंने कहा कि लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश में 38 मुख्यमंत्री कम्पोजिट विद्यालय एवं 66 अभ्युवोदय कम्पोजिट विद्यालय का शिलान्यास किया गया, उन्होंने कहा कि बच्चों के शैक्षिक स्तर के साथ ही स्वास्थ्य और खेल-कूद क्रिया कलापों को प्रभावी ढंग से बनाने हेतु 21 मई से 14 जून, 2025 तक विद्यालयों में समर कैम्प का आयोजन किया जा रहा है, उन्होंने कहा कि जुलाई माह से स्कूल चलो अभियान प्रारंभ होगा, उसमें 5 से 14 वर्ष तक के बच्चों को विद्यालय में भेजने के लिए प्रेरित किया जायेगा, इस कार्य में विद्यालय के समिति का भी सहयोग लिया जाये, मंत्री ने कहा कि आपरेशन सिन्दूर का नेतृत्व करने वाली भारत के दो बेटियों ने पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी, आज भारत देश प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जापान को पीछे छोड़कर विश्व की चौथी अर्थ व्यवस्था बना है, जिसमें देश की शिक्षा व्यवस्था बेहतर होना एक प्रमुख कारण है, उन्होंने शिक्षक बन्धुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षक राष्ट्र के समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, वह बच्चो को इस तरह से शिक्षा दें कि शिक्षक की पहचान एक आई.डी.एल. टीचर के रूप में बनें।

इस दौरान जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा जनपद में किये जा रहे कार्यों के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया कि निपुण भारत अभियान के अन्तर्गत कुल 1134 प्राथमिक विद्यालयों के सापेक्ष 941 विद्यालयों को निपुण घोषित किया जा चुका हैं तथा वर्ष 2024-25 में निपुण आकलन परीक्षा में जनपद उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 6वें स्थान पर पहुँच चुका है। नीति आयोग द्वारा जनपद के कुल 70 विद्यालयों में पैल लैब संचालित किया जा रहा है। इस मौके पर जिलाधिकारी ने उपस्थित मंत्री व सम्मानित जनप्रतिनिधिगण, छात्र-छात्राओं को धन्यवाद ज्ञापित किये। इस मौके पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनन्द पाण्डेय, जिला विद्यालय निरीक्षक जय राम सिंह, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

- लोकार्पण कार्यक्रम का कलेक्ट्रेट सभागार में प्रसारण
- डी0वी0टी0 के माध्यम से छात्र-छात्राओं को ड्रेस, जूता, मोजा, स्वेटर, स्टेशनरी एवं स्कूल बैग आदि के लिए बटन दबाकर धनराशि की गयी स्थान्तरित
- प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा व्यवस्था को बेहतर करने हेतु छात्र-छात्राओं के खाते में डी0वी0टी0 के माध्यम से धनराशि की जा रही स्थानान्तरित, बेसिक शिक्षा के स्तर में हो रहा बेहतर सुधार, स्मार्ट क्लास के माध्यम से भी बच्चों को दी जा रही है शिक्षा

मुख्यमंत्री ने 1,515 करोड़ रु0 लागत की 528 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया

भारत अपनी विरासत और विकास की यात्रा को अनवरत आगे बढ़ा रहा

- नया उ0प्र0 अपने नागरिकों को सुरक्षा दे रहा और उनके लिए समृद्धि का द्वार भी खोल रहा
- मुख्यमंत्री ने बाबा तामेश्वरनाथ मन्दिर में दर्शन एवं पूजन किया

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारा देश बदल चुका है। हम एक नए भारत का दर्शन कर रहे हैं। यह भारत एक भी है और श्रेष्ठ भी है। भारत बिना रुके, बिना झुके और बिना डिगे अपनी विरासत और विकास की यात्रा को अनवरत आगे बढ़ा रहा है। भारत की इस अनवरत यात्रा को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 में भारत को दुनिया की सबसे बड़ी ताकत के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है। प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप भारत इस लक्ष्य को तभी प्राप्त कर पाएगा, जब 140 करोड़ भारतवासी अपने-अपने क्षेत्र में एक स्वर से विकास के लिए ईमानदारीपूर्वक प्रयास करेंगे।

मुख्यमंत्री आज बाबा तामेश्वरनाथ धाम, तहसील खलीलाबाद, जनपद संत कबीर नगर में 1,515 करोड़ रुपये लागत की 528 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के उपरान्त इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक, लैपटॉप व टैबलेट, ट्रैक्टर की चाभी, खेल किट तथा आवास की प्रतीकात्मक चाभी प्रदान की। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की वर्ष 2025 की हाईस्कूल परीक्षा में जनपद में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। उन्होंने बाबा

तामेश्वरनाथ मन्दिर में दर्शन एवं पूजन किया तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने बाबा तामेश्वर नाथ धाम की पावन धरा को नमन करते हुए संत कबीर नगरवासियों को परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि जब सामूहिकता से कार्य होते हैं, तभी परिणाम आते हैं। इस परिणाम को लाने के लिए ही हमारे जनप्रतिनिधि धरातल पर उतरकर कार्य कर रहे हैं। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था के अन्तर्गत ग्राम पंचायतें, क्षेत्र पंचायतें, जिला पंचायतें, नगर निकाय, विधायक एवं सांसद प्रशासन के साथ तालमेल मिलाकर विकास की योजनाओं को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 वर्ष पूर्व लोगों को यह विश्वास नहीं था कि भारत भी अपने गौरव को पुनर्स्थापित कर पाएगा। लोगों को यह विश्वास भी नहीं था कि हमारे पास विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर के रूप में हाईवे, एक्सप्रेस-वे, रेलवे, मेट्रो, वॉटर-वे या एयर-वे होंगे। पहले यह एक कल्पना थी। वर्तमान में इन सभी का साकार रूप हमें देखने को मिल रहा है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का लिंक एक्सप्रेस-वे अम्बेडकरनगर, संत कबीर नगर और गोरखपुर को जोड़ते हुए बेहतरीन कनेक्टिविटी दे रहा है। भारत के एक्सप्रेस-वे तथा रेलवे का सबसे बड़ा नेटवर्क उत्तर प्रदेश के पास है। उत्तर प्रदेश सर्वाधिक शहरों में मेट्रो संचालित करने वाला राज्य भी है। देश का पहला वॉटर-वे तथा पहली रैपिड रेल भी उत्तर प्रदेश में संचालित हो रही है। यह सभी कार्य प्रयास का परिणाम है। 10 वर्ष पूर्व कोई यह नहीं सोचता था कि अयोध्या में भगवान श्रीरामलला का भव्य मन्दिर बन पाएगा। पहले यह एक सपना था, जो आज साकार होकर डबल इंजन सरकार की ताकत का एहसास करा रहा है। काशी में काशी विश्वनाथ धाम भी भव्य रूप ले चुका है। पहले काशी विश्वनाथ धाम में 50 श्रद्धालु एक साथ नहीं जा सकते थे, आज वहां 50 हजार श्रद्धालु एक साथ जा सकते हैं। आज मां विंध्यवासिनी धाम भी भव्य रूप ले चुका है। पहले मां विंध्यवासिनी धाम में 10 श्रद्धालु एक साथ मन्दिर में नहीं जा सकते थे, आज वहां 10 हजार श्रद्धालु एक साथ माता के दर्शन करने के लिए जा सकते हैं।

गुमशुदगी की गुत्थी सुलझाने में जुटी पुलिस

- परिजन अनहोनी की आशंका से भयभीत

अवधनामा ब्यूरो

काकोरी लखनऊ। बीते शनिवार को काकोरी थाना क्षेत्र के ग्राम चकौली निवासी राहुल रावत (उम्र करीब 20 वर्ष) बीती शनिवार, 24 मई 2025 की रात से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए हैं, जिससे उनके परिजन अनहोनी की आशंका से बुरी तरह डरे हुए हैं। राहुल के गायब होने के बाद से उनकी माँ का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने बताया कि राहुल रात करीब 11 बजे लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे स्थित अपनी चाय की दुकान से घर वापस आ रहे थे। जब काफी देर रात तक वह घर नहीं पहुंचे और उनका फोन भी बंद आने लगा, तो परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की। काफी तलाश करने के बाद भी जब राहुल का कहीं कोई अता-पता नहीं चला,

तो पीड़ित परिवार ने पहले पारा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई, जहां गुमशुदगी दर्ज की गई है। इसके बाद काकोरी थाने में भी गुमशुदगी दर्ज कराई गई है।राहुल के परिजनों ने आशंका जताई है कि उनका अपहरण कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि राहुल के खाते से 5 लाख रुपये निकाले गए हैं और उनका फोन भी दो-तीन बार खुला है। परिजनों को डर है कि अपहरणकर्ता राहुल के फोन का इस्तेमाल पैसे ट्रांसफर करवाने के लिए कर रहे हैं।

मुफ्त चिकित्सा शिविर एवं सम्मान समारोह आयोजित

- मेधावी छात्रों को किया गया सम्मानित

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। द मदद सहयोग गाइडेंस की तरफ से उन प्रतिभाशाली और मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया जिन्होंने हाई स्कूल और सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शैक्षणिक रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और शानदार अंकों के साथ उत्तीर्ण हुए। इस कार्यक्रम में 20 बच्चों को सम्मानित किया गया। द मदद सहयोग गाइडेंस की तरफ से 25 मई को शाही खैरात खाना विक्टोरिया स्ट्रीट नियर सुन्नी इंटर कॉलेज पर मुफ्त चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस चिकित्सा शिविर में बतौर मुख्य अतिथि श्री अमन आलम एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट आफ इंडिया (फाउंडर विन एट लॉ) मौजूद रहे। बतौर अतिथि डॉक्टर सैयद फैजान अहमद (एमबीबीएस एमएस फसी चीफ रेजिडेंट केजीएमयू) मौजूद रहे। इस मेडिकल कैंप में लगभग 200 मरीजों

को डॉक्टर द्वारा देखा गया एवं उन्हें निशुल्क दवाएं दी गयी एवं जरूरी चेकअप किए गए। डॉ. मोहम्मद परवेज अख्तर (एमबीबीएस सीसीई बीडीएम), डॉक्टर मोहम्मद सालीम (रेजिडेंट डॉक्टर एमरजैंसी मेडिसिन केजीएमयू), डॉ. हिमांगी दुबे (बीडीएस एमडीएस फार्मर एस आर केजीएमयू फाउंडर) होप डेंटल हॉस्पिटल एंड वैलनेस सेंटर चीफ कंसल्टेंट अजंता हॉस्पिटल, डॉ. कहकशां (स्टेट टैक्स ऑफिसर लखनऊ), इरेना अकबर इंटरप्रेनर, राइटर, फॉर्मर जर्नलिस्ट, डॉ. सना सिद्दीकी फाउंडर नूर स्टडी प्वाइंट मौजूद रहीं। द मदद सहयोग गाइडेंस की टीम में ज़हरा नक़वी (एडवोकेट) आसिफ सिद्दीकी, अभय वर्मा, अंदलीब फातिमा, अलीज़ा रिजवी, बतूल रिजवी, फातिमा नाज, रोजी जमील, जोया जमील, फाउंडेशन के अध्यक्ष मोहम्मद आलम रिज़वी एवं फाउंडेशन के संस्थापक मोहम्मद सादिक मौजूद रहे।

मुबारकपुर में पहली बार एक विशेष शैक्षिक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

लखनऊ। अंजुमन वज़ीफ़ा-ए-सादात व मोमिनीन के मंच से शहर मुबारकपुर में पहली बार एक विशेष शैक्षिक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य हमारे नौजवानों को शिक्षा, करियर और सामाजिक ज़िम्मेदारियों में बेहतर दिशा दिखाना है।

यह कार्यक्रम दिनांक 1 जून 2025, दिन रविवार, समय रात 8 बजे, स्थान मदरसा बाबुल इल्म, मुबारकपुर में आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम सिर्फ़ एक सभा नहीं है, बल्कि ऑल इंडिया स्तर पर शुरू की जाने वाली अंजुमन अवेयरनेस सीरीज़ (शैक्षिक जागरूकता) का पहला चरण है, जिसकी सम्मानजनक शुरुआत आज़मगढ़ ज़िले से हो रही है – वहीं से, जहाँ से 113 साल पहले अंजुमन के संस्थापक जनाब अल्हाज सैयद जलालुद्दीन हैदर साहब (स्वर्गीय) एम.ए. देवगाम, जिला आज़मगढ़ का पैतृक संबंध रहा है।

काकोरी में जेसीबी बकेट के नीचे मिला युवक का शव

- परिजनों ने जताई हत्या की आशंका
- जेसीबी बकेट के नीचे दफन हुई 20 साल के राज की जिंदगी
- पुलिस जुटी हत्यारों की तलाश में

अवधनामा ब्यूरो

काकोरी लखनऊ। राजधानी लखनऊ के काकोरी कोतवाली क्षेत्र के सकरा गांव में आज सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां घुरघुरी तालाब चौकी के सकरा कोथाहा इलाके में 20 वर्षीय राज कश्यप का शव संदिग्ध परिस्थितियों में जेसीबी के बकेट के नीचे दबा हुआ मिला। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है।

मृतक की पहचान राज कश्यप के रूप में हुई है, जो काकोरी कस्बे के शेखशादी मोहल्ले का

पुलिस जांच जारी

मौके पर पहुंची काकोरी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। काकोरी इंस्पेक्टर सतीश सिंह राठौड़ ने बताया कि हत्या का मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है और संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की छानबीन कर रही है, जिसमें हत्या का आरोप भी शामिल है। परिजनों के बयान और घटनास्थल से मिले सुरागों के आधार पर पुलिस हत्यारों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। इस घटना ने एक बार फिर स्थानीय स्तर पर कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

निवासी था। राज कश्यप, पुत्र ईश्वर दिन, अविवाहित था और उसके परिवार में अब उसका भाई सागर कश्यप और उसकी पत्नी मौजूद हैं। दुखद बात यह है कि राज के पिता की मृत्यु 15 वर्ष पहले हो चुकी थी। परिजनों के अनुसार, राज बचपन से ही जेसीबी पर काम करता था और लगभग 5 साल से जेसीबी ड्राइवर के रूप में कार्यरत था, जिससे उसे इस क्षेत्र में काफी अनुभव था। परिजनों ने बताया कि राज पिछले लगभग दो महीने से घर नहीं आया था और पिछले 20 दिनों से सकरा गांव के पास एक तालाब में मेड बांधने के काम में लगा हुआ था। राज कश्यप के भाई सागर कश्यप ने स्पष्ट रूप से बताया है कि उनके भाई की हत्या की गई है। उन्होंने जानकारी दी कि लगभग पांच दिन पहले भी राज का कुछ लोगों से झगड़ा हुआ था, जिसके बाद मौके पर चार-पांच सेक्टर (कुर्सियां) टूटी हुई मिली थीं, जो किसी विवाद का संकेत देती हैं। मृतक की चचेरी बहन ने भी अपनी बात दोहराते हुए कहा कि उनके भाई की हत्या की गई है।

एडवोकेट जरी जैदी इमामबाड़ा सिब्तैनाबाद के प्रशासक नियुक्त

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। एडवोकेट जरी जैदी को उत्तर प्रदेश वक्फ बोर्ड की ओर से हजरतगंज स्थित इमामबाड़ा सिब्तैनाबाद का प्रशासक नियुक्त किया गया है। सोमवार को एडवोकेट जरी जैदी ने अपना कार्यभार सम्भाल लिया। जरी जैदी पिछले कई सालों से समाजसेवा के कार्यों से जुड़े हुए हैं। वह पिछले काफी समय से वक्फ से जुड़ी सम्पत्तियों की देखरेख का कार्य भी करते रहे हैं। जरी वक्फ बचाव आंदोलन के दौरान मौलाना कल्बे जव्वाद के किये हुए संघर्षों में उनके साथ रहे हैं। वह हुसैनी टाइगर कमटी के लीगल सेल के प्रमुख हैं। सोमवार को जरी जैदी अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ हजरतगंज स्थित इमामबाड़ा सिब्तैनाबाद पहुंचे। जहां भारी संख्या में अधिवक्ताओं ने उनका स्वागत किया और फिर उन्होंने इमामबाड़े के प्रशासक का कार्यभार सम्भाला। जरी जैदी ने बताया कि वह अपनी ओर से इमामबाड़े के रखरखाव के लिए हर सम्भव कोशिश करेंगे। उन्होंने बताया कि एएसआई के साथ मिलकर इमामबाड़े में जो भी मरम्मत का कार्य होना है उसको भी करायेंगे। प्रशासक के कार्यभार सम्भालने के दौरान वक्फ बोर्ड में नियुक्त कई अन्य मुत्तवल्ली और बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

KMCLU की NCC एलुमनी रुचि को राष्ट्रीय स्तर पर मिला सम्मान

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ (KMCLU) की प्रथम हृष्ट बैच की पूर्व कैडेट रुचि ने राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। हाल ही में उन्हें राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) निदेशालय, लखनऊ में देश के दूसरे और उत्तर प्रदेश के सर्वोच्च सैन्य अधिकारी, अपर महानिदेशक मेजर जनरल विक्रम कुमार द्वारा NCC प्रशिक्षण, उत्कृष्ट लेखन और नेतृत्व कौशल के लिए विशेष मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान NCC में अनुकरणीय प्रदर्शन और व्यक्तित्व विकास में NCC की भूमिका को प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत करने के लिए प्रदान किया गया। साथ ही, 20 उत्तर प्रदेश बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल रत्नाकर त्रिवेदी द्वारा

भी उन्हें NCC और लेखन में उत्कृष्ट योगदान के लिए बटालियन स्तर पर सम्मानित किया गया। ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाली रुचि ने अपने शैक्षिक जीवन में आने वाली अनेक सामाजिक व आर्थिक बाधाओं को पार करते हुए सशक्त व्यक्तित्व और नेतृत्व क्षमता का विकास किया है। NCC प्रशिक्षण ने उनके आत्मविश्वास, अनुशासन और चुनौतियों से जूझने की क्षमता को नया आयाम दिया। इसी योगदान के लिए उन्हें 'दुर्गा फाउंडेशन, दिल्ली' द्वारा 'दुर्गा अवॉर्ड' तथा 'BTSS संस्था' द्वारा 'दृष्टि योद्धा अवॉर्ड' के लिए नामित किया गया है। हाल ही में आयोजित NCC Alumni Meet के अवसर पर रुचि ने विश्वविद्यालय में पुनः आगमन किया, जहाँ उनका सादर स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा से शिष्टाचार भेंट की और अपने अनुभव साझा किए। साथ ही उन्होंने अपने NCC सफर की प्रेरणास्त्रोत, विश्वविद्यालय की ANO लेफ्टिनेंट डॉ. बुशरा अलवेरा से भी भेंट की और उनके मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। KMCLU परिवार को गर्व है कि उसकी प्रथम NCC बैच की कैडेट आज राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयाँ प्रदान कर रही हैं। रुचि जैसे पूर्व कैडेट भावी पीढ़ी के छात्रों और कैडेट्स के लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं।

लखनऊ महानगर में बूथ स्तर पर सुना गया मन की बात कार्यक्रम

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता एवं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अति लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 122वें संस्करण के प्रसारण को आज लखनऊ महानगर में बूथ स्तर पर सुना गया। मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग ने बताया कि प्रदेश महामंत्री एमएलसी अनूप गुप्ता ने पूर्व विधानसभा की बूथ संख्या 230 पर, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने लखनऊ मध्य विधानसभा के अंतर्गत हलवासिया कोर्ट में बूथ संख्या 234 में पर, एमएलसी मुकेश शर्मा ने उत्तर विधानसभा के भारतेंदु हरिश्चंद्र वार्ड की बूथ संख्या 268 पर पार्षद मानसिंह के साथ, महापौर सुषमा खर्कवाल ने कैंप कार्यालय में पश्चिम विधानसभा में अंजनी श्रीवास्तव ने बूथ संख्या 339 पर कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम सुना। हलवासिया कोर्ट में रजनीश गुप्ता, सुधीर हलवासिया, विनोद कुमार, घनश्याम अग्रवाल, प्रवीन गर्ग, एसपी कंचन, विनायक पांडे, आनंद पांडे, अनुराग साहू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने किया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रेरणादायक कार्यक्रम सुना।

ऊर्जा मंत्री ने 33/11 विद्युत उपकेंद्र का किया निरीक्षण

लखनऊ। ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा सोमवार को देर रात वाराणसी पहुंचकर वहां पर उन्होंने मैदागिन स्थित 33/11 विद्युत उपकेंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लॉगबुक और लोड पैनल का निरीक्षण किया तथा विभिन्न फीडरों के माध्यम से की जा रही विद्युत आपूर्ति की जानकारी ली। उन्होंने सख्त निर्देश दिए की गर्मी में किसी भी प्रकार से उपभोक्ताओं को बिजली कटौती का सामना न करना पड़े। आपूर्ति में किसी भी प्रकार का व्यवधान न हो, जो भी अनुरक्षण कार्य कराए जाए, वहां एक ही समय में पूरे कर लिए जाए, एक ही दिन बार-बार शटडाउन लेकर के आपूर्ति बाधित न की जाए। उन्होंने निर्बाध विद्युत आपूर्ति के सख्त निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान विद्युत कर्मियों ने बताया कि विद्युत इंफ्रास्ट्रक्चर के सुदृढ़ होने से पिछले वर्षों की अपेक्षा अब विद्युत आपूर्ति बहुत बेहतर है। पिछले 11 दिनों में एक बार भी किसी भी फीडर पर शटडाउन लेने की परिस्थिति उत्पन्न नहीं हुई।

अंजुमन मोईनुल मजालिस (रजि.), सैय्यदवाड़ा, बाराबंकी के 59वें दौर का समापन

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ/जरगावां, सैय्यदवाड़ा, बाराबंकी। अंजुमन मोईनुल मजालिस (रजि.) सैय्यदवाड़ा, बाराबंकी के ज़ेरे एहतिमाम होने वाली सालाना मजालिस ÷तशनगाने फ़ुरात का मातम÷ के 59वें दौर का आगाज़ 23 मई। से शुरू हुआ जो तीन रोज़ा होने वाले इस प्रोग्राम में 24 मई को पहली मजलिस मौलाना अली रिज़वान जैदपुर ने ख़िताब किया। मौलाना ने ख़िताब करते हुए कहा कि इमाम हुसैन का पैग़ाम इंसानियत को बढ़ावा देना और ज़ुल्म के ख़िलाफ़ आवाज़ उठाने वाला इसी सिलसिले से दूसरी मजलिस मौलाना वसी हसन खां तीसरी मजलिस मौलाना नाजिम अली, चौथी मजलिस मौलाना क़म्बर अली और पांचवीं मजलिस मौलाना रईस अहमद जर्चवी ने ख़िताब किया। अंजुमन की जानिब से होने वाले इस तीन रोज़ा प्रोग्राम में 25 मई को भी मजालिस का सिलसिला जारी रहा जिसमें मौलाना हैदर अब्बास,

मौलाना मुशीर अब्बास, मौलाना ग़ुलाम हुसैन नूरी (कश्मीर), मौलाना सज्जाद हुसैन, मौलाना जाफर रिजवी और अलविदाई मजलिस मौलाना नज़र ज़ैनबी ने ख़िताब किया उसके बाद अंजुमन ने आलम बरामद किया। अंजुमन मोईनुल मजालिस (रजि.) के मुन्तजिमे आला सैय्यद शुजा अब्बास ज़ैदी ने बताया कि इंशा अल्लाह 24 मई को शब में 8 बजे से के 10 बजे तक एक अज़ीमुश्शान सेमिनार अज़ादारी और हमारी जिम्मेदारी के

उन्वान से सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसकी निज़ामत ज़ीशान आज़मी साहब ने की,जिसमें हिन्दुस्तान के मशहूर उलेमा जिसमें मौलाना इश्तियाक हुसैन, मौलाना हसनैन बाकरी, मौलाना हैदर अब्बास, मौलाना इब्ने अब्बास, सोज़खान जनाब अबूतुराब, अंजुमन ग़ुंचाए मजलूमिया फ़ैजाबाद,अलावा स्वामी सारंग जी महाराज ने भी इमाम हुसैन के किरदार पर रौशनी डाली सेमिनार में मेहमाने ख़ुसूसी इंस्पेक्टर मोहम्मद अब्बास व फदक हॉस्पिटल की जानिब से डा दायम रज़ा ने फ्री मेडिकल कैम्प का भी आयोजन किया। सालाना मजलिसों में शिरकत करने वाले सभी मोमनीन व मोमिनात का मुन्तज़िमे आला सैय्यद शुजा अब्बास ज़ैदी ने तहे दिल से शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि इसका अज्र आप सभी को शहजादी ए कौनैन ज़रूर देंगी। मुन्तज़िमे आला सैय्यद शुजा अब्बास ज़ैदी ने इन मजलिसों में ख़िदमत करने वाले सभी बुजुर्गों व नवजवानों का भी शुक्रिया अदा किया।

रवि सेवा केंद्र एवं यूफोरियल यूथ सोसाइटी ने की बच्चे की मदद

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। 5 साल के अभिमन्यु को ब्लड कैंसर है। केजीएमयू के पीडियाट्रिक्स विभाग में बच्चे का इलाज चल रहा है. 5 साल के बच्चे के पिता ने श्रीमती रवि कैंसर सेवा केंद्र से संपर्क कर बच्चे को तुरंत ब्लड चढ़ाने के लिए व्यवस्था करने की गुजारिश की। रवि सेवा केंद्र ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए तुरंत ही यूफोरियल युथ सोसाइटी की मदद से रक्त की व्यवस्था कराई. बच्चे को सफलतापूर्वक रक्त चढ़ गया है। केजीएमयू के पेडियाट्रिक विभाग में ऐसे कई बच्चे भी भर्ती हैं जो शरीर के किसी अंग के कैंसर से पीड़ित है और उनका यहां इलाज चल रहा है। प्रदेश भर से लोग अपने कैंसर पीड़ित बच्चों के इलाज की आस में केजीएमयू आते हैं और बच्चे का इलाज करवाते हैं। श्रीमती रवि कैंसर सेवा केंद्र ने पिछले हफ्ते ही यूफोरियल युथ सोसाइटी के सहयोग से शाहजहांपुर से आए 3 वर्षीय दिलशाद के लिए ब्लड यूनिट की व्यवस्था कराई थी। आज फिर एक 5 साल के बच्चे अभिमन्यु के पिता

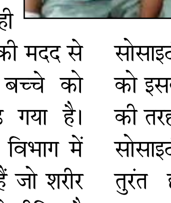

सूरज सिंह ने केंद्र में कॉल करके अपने पांच साल के बच्चे के लिए रक्त चढ़ाने के लिए मदद की मांग की।

रवि कैंसर सेवा केंद्र संयोजक अमित कुमार ने तत्काल ही यूफोरियल युथ सोसाइटी की प्रमुख संयोजक मिनाज को इसकी जानकारी दी। पिछली बार की तरह इस बार भी यूफोरियल यूथ सोसाइटी ने इस नेक काम के लिए तुरंत ही एक यूनिट ब्लड की व्यवस्था के लिए अपनी टीम को सूचित किया। टीम के सदस्यों साहिल, मोहम्मद नसीम ने दाता भेज कर केजीएमयू ब्लड बैंक से एक यूनिट ब्लड कैंसर पीड़ित बच्चे के पिता को उपलब्ध कराया।